हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 मार्च, 2003

खण्ड–1. अक–7

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 12 मार्च, 2003

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(7)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए ताराकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(7)16
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(7)22
समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(7)23
वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)23
वैयक्तिक स्पष्टीकरण–	(7)24
श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एम०एल०ए० द्वारा	(7)24
वाक आउट	(7)26
वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)26
बैठक का समय बढ़ाना	(7)70

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)70
बैठक का समय बढ़ाना –	(7) 8
वर्ष 2003 – 2004 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7) 78
बैठक का समय बढ़ाना	(7)83
वर्ष 2003–2004, के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)84
बैठक का समय बढाना	(7)91
वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्म)	(7)91
वाक–आउट	(7) 104
वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)104
बैठक का समय बढ़ाना	(7)106
वर्ष 2003 – 2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7) 105

बैठक का समय बढाना	(7)109
वर्ष 2003 – 2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)109
बैठक का समय बढाना	(7) 112
वर्ष 2003 – 2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7) 112
बैठक का समय बढ़ाना	(7) 115
वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7) 115
बैठक का समय बढ़ाना	(7) 118
वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर समान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(7)119
बैठक का समय बढाना,	(2) 122
वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 122
कार्य सलाहकार समिति की दूसरी रिपोर्ट	(7)125

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 12 मार्च, 2003

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ़ में 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब सवाल होगे।

Construction of a Bridge

***1253. Shri Lila Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge on the drain/distributory between the village Diwal and Bhamniwala in district Kaithal ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा):

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) प्रशन ही नहीं उठता।

श्री लीला राम: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने लिखित जवाब में कहा है 'नहीं जी'। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हरियाणा सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि आज हरियाणा प्रदेश के अन्दर हर क्षेत्र में विकास की आन्धी आई हुई है इसलिए मैं कहूंगा कि कैथल हल्के के गाद दिवाल से बामनीवाला का जो कच्चा रास्ता है वह एक छोर पर पड़ता है और पूरे गांव के खेत दूसरी साईड में पड़ते हें। कैथल ड्रेन बहुत बड़ी ड्रेन है, जब बारिश हो जाती है तो ड्रेन की वजह से पूरे गांव का रास्ता बन्द हो जाता है। इसी को मद्देनजर रखते हुए मैं कहना चाहूंगा कि इस ड्रेन पर पुल बनाने की बहुत सख्त जरूरत है इसलिए यह पुल जल्द से जल्द वहां पर बनाया जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हरियाणा सरकार का इसलिए धन्यवाद करना चाहूंगा कि कई छोटे–छोटे काम 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत कैथल हल्के में हुए हैं, कई पुल औरा 8 के करीब सड्कों की जो मंजूरी हुई थी आज वे सब बनकर तैयार हो गई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से पुनः प्रार्थना करना चाहूंगा कि दिवाल से बामनीवाला के रास्ते पर सडक और पुल का निर्माण जल्द किया जाये क्योंकि वहां का रास्ता भी कच्चा है।

श्री राम पाल माजरा: स्पीकर सर, यह ठीक हे कि गांव दिवाल से बामनीवाला का रास्ता कच्चा है। मेरे माननीय साथी ने कैथल की ड्रेन आर०डी० नं० 84980 पर पुल बनाने की मांग की

है। जैसा कि वहा पर ''सरकार आपके द्वार' कार्यक्रमो के समय सभी गांवों की पंचायतें माननीय

मुख्यमत्री जी से मिली थीं और उन सभी पंचायतों ने अपनी मांगें रखी थीं लेकिन यह मांग उस समय किसी ने नहीं रखी थी। फिर भी यह मामला नार्म में आता है। इन्होंने जो पुल बनाने की मांग रखी है उस पर लगभग 15 लाख रुपये का खर्च आएगा। लेकिन माननीय सदस्य जिस प्रकार कह रहे थे कि हरियाणा प्रदेश में विकास की आधी आ रही है तो मैं कहूंगा कि अब तो विकास की गगा बह रही है। ऐसे मौके पर कैथल हलके के 2, 3, 4 या 5 गांवो के लिए एक छोटा सा पुल न बनाया जाये ऐसी बात नहीं होगी। इसलिए मैं माननीय साथी को यह आश्वासन देता हूं कि चाहे लो–लैवल का रास्ता बनाकर जिस पर 5–7लाख रुपये खर्च आये, सरकार उस रास्ते पर पुल बनाकर देगी। का तरह का रास्ता ही पुल का काम करेगा। इसलिए सरकार यह पुल बनाने का काम करेगी।

तारांकित प्रश्न संख्या 1358

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे)

33 KV Sub-Station, Sadhanwas

***1295. Shri Jarnail Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state the time by which the construction work of 33 KV Sub-Station, Sadhanwas in district Fatehabad is likely

to be completed ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): मई, 2003 तक, श्रीमान।

श्री जरनैल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी०पाइ०एस० महोदय से प्रार्थना करना चाहूंगा कि इसका नींव पत्थर माननीय मुख्यमंत्री ने पिछले साल रखा था और इस पर कार्य धीमी गति से चल रहा है। इस पावर स्टेशन से जिन गांवों को बिजली मिलनी है वे सारे पैडी की बैल्ट हैं, इसलिए पैडी के सीजन से पहले–पहले इसे चालू करवाने की कृपा करें।

श्री रामपाल माजरा: 33 के०वी०ए० सब–स्टेशन, साधनवास का नींव पत्थर 10– 10–2001 को रखा गया और इस पर एक करोड़ रुपये का खर्च आएगा, यह ठीक है कि वह पैडी का इलाका है, इस बात को मद्देनजर रखते हुए कि बिजली पूरी वोल्टेज के साथ मिल सके, पूरी फ्रीक्वैंसी के साथ मिल सके, मोटरें ठीक ठाक चल सकें इसलिए 33 के०वी०ए० सब–स्टेशन को मंजूरी दी गई है जिससे साधनवास, मुढालिया, चांदपुरा, सिघानी, मियोम, तलावडी गांवों को फायदा होगा और किसानों को बिजली मिलेगी। फिर भी मेरे माननीय साथी ने इसकी स्पीड तेज करने के बारे में कहा है तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि यह सब–स्टेशन मई, 2003 में हम शुक करने जा रहे हैं। इनकी इस स्पीड को बढाने वाली बात को रिव्यू कर लिया जाएगा, स्पीड ज्यादा करने के प्रयास करेंगे। फतेहाबाद जिले के किसानों को पूरी बिजली

फ्रीक्वैंसी के साथ मिलेगी, ठीक तरीके से मोटरें चलेंगी। दो नये सब–स्टेशन 220 के०वी०ए० का फतेहाबाद और 33 के०वी०ए० का अजीत नगर गांडल में बनाए गए हैं। सात सब–स्टेशनज की आगुमैंटेशन की गई है जो इस प्रकार है 132 के०वी०ए० रतिया, 132 के०वी०ए० दूसरा रतिया, 132 के०वी०ए० तीसरा रतिया, 132 के०वी०ए० फतेहाबाद, 132 के०वी०ए० टोहाना, 132 के०वी०ए० भट्टू, 33 के०वी०ए० तलावडा। यानि किसानों और कंज्यूमर्स को ठीक बिजली मिल सके इसलिए ये सब–स्टेशन लगाए गए है।

बिजली आई, बिजली चली गई, मोटर फूंक कर चली गई तो इस बात से बचने के लिए, किसान को फायदा देने के लिए इतने सब–स्टेशन बनाए गए हैं। यह भी विकास की श्रृंखला मे नए आयाम हैं, ये मई, 2003 तक चालू हो जायेंगे।

श्री नफे सिंह जुण्डलाः अध्यक्ष महोदय, करनाल जिला पैडी का क्षेत्र हे। मैं जुण्डला विधान सभा क्षेत्र से विधायक हूं। 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के प्रथम चरण मे मंजूरा में 33 के०वी०ए० सब–स्टेशन लगाने के बारे में अनाऊस हुआ था, जिस पर अब काम चल रहा है। मैं सी०पी०एस० महोदय से यह जानना चाहूंगा कि पैडी क्षेत्र को मद्देनजर रखते हुए मंजूरा में 33 के०वी०ए० के सब–स्टेशन का काम कब तक कम्पलीट हो जायेगा और इस पर कितना खर्च आएगा?

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, वैसे तो यह जरनैल सिंह का एक सब–स्टेशन के मामले मे स्पैसीफिक प्रश्न था फिर भी मेरे माननीय साथी नफे सिंह जो करनाल जिले से, जुण्डला क्षेत्र को रिप्रैजेंट करते हैं, उन्हें करनाल की चिंता होना स्वाभाविक ही है। उन्हें किसानों की दिक्कत का ध्यान है। मैं उनको बताना चाहूंगा कि जुलाई, 1999 से लेकर फरवरी, 2000 तक चालू किए गए नए उप केन्द्र इस प्रकार हैं जिला करनाल में जो नए उपकेन्द्र बने वे इस प्रकार हैं– 132 के०वी०ए० उप केन्द्र जरमाना में, 132 के०वी०ए० उप केन्द्र नेवल में, 132 के०वी०ए० उप केन्द्र वियाना में। इसी प्रकार जिन सब–स्टेशन की क्षमता बढ़ाई गई है और क्षमता जोडी गई है वे इस प्रकार है 132 के०वी०ए० उपकेन्द्र निसिंग, 132 के०वी०ए० उप केन्द्र सगा, 33 के०वी०ए० उप केन्द्र इन्द्री, 132 के०वी०ए० उपकेन्द्र मधुबन, 132 के०वी०ए० उपकेन्द्र इन्द्री, 132 के०वी०ए० उप केन्द्र जुण्डला, 33 के०वी०ए० उप केन्द्र मेरठ रोड करनाल, 33 के०वी०ए० उप केन्द्र तरावड़ी, 33 के०वी०ए० उप केन्द्र झाडा, 33 के०वी०ए० उप केन्द्र उकलाना। इसी प्रकार से अभी जिन पर काम चालू है। वे हैं– 132 के०वी०का बसीणे का, 33 के०वी० का मके का, 33 के०वी० का पाडा का और 33 के०वी० का निगदू का। इनकी क्षमता बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 132 के०वी० का असंध, 132 के०वी० का इन्द्री का, 33 के०वी० का बला का, 33 के०वी० का काछुवे का, 33 के०वी० का डाच्चर का और 33 के०वी० का

झीड का, इनमे बिजली के नये उपकरण लगाने का काम करनाल जिले मे हुआ है।

श्री नफे सिह जुण्डलाः स्पीकर सर, मैंने यह पूछा था कि मेंका में सब–स्टेशन का काम कब तक कम्पलीट हो जायेगा?

श्री पूर्ण सिंह डाबडाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री मदोहय से जानना चाहूंगा कि सरसोद बीचपडी के सब–स्टेशन के लिए मुख्यमंत्री जी ने जो आधारशिला रखी थी उसके ऊपर कब तक काम चालू हो जायेगा ? इसके अतिरिक्त सिसाय और मंगाली के सब–स्टेशन पर जो काम चल रहा है, वे कब तक पूरे होंगे ?

श्री जसबीर मलौरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय का धन्यवाद करूंगा कि मेरे हल्के के टेपला गांव मे 220 के०वी० के सब–स्टेशन का पिछले दिनो मुख्यमंत्री जी ने शिलान्यास किया और दुखेडी में भी 66 के०वी० के सब–स्टेशन बनाने का काम बड़ी तेजी से चल रहा है। मेरे हल्के के चौड मस्तर गांव मे 66 के०वी० का सब–स्टेशन है क्या उसकी क्षमता में वृद्धि करने बारे प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है? इस बारे में पिछले सैशन मे भी काफी चर्चा हुई थी और उसका नाम भी आया था लेकिन काम नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त सीडा मे 60 के०वी० का सब–स्टेशन मंजूर हो चुका है, क्या ये उसको भी जल्दी से जल्दी बनाने का आश्वासन देगे।

श्री कृष्ण लालः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से पूछना चाहूंगा कि इन्होंने पाडा का जिक्र किया है कि वहां पर 33 के०वी० का सब–स्टेशन लगाने का काम किया जा रहा है। स्पीकर सर, पाडा में सब–स्टेशन के लिए पायलिग का काम पूरा हो चुका है और बिल्डिंग भी बन चुकी है लेकिन अचानक उसका काम बंद हो गया। क्या सी०पी०एस० महोदय वहां पर दोबारा काम चालू करवाकर इसको जल्दी से जल्दी बनवायेंगे ? इसके अलावा बला में 4.5 एम०वी०ए० के ट्रांस्फार्मर्ज की इश्रवमैन्ट करके 6 एम०वी०ए० के ट्रांस्फार्मर लगने हैं जिनके बारे में मुख्यमत्री महोदय ने घोषणा भी कर रखी है, क्या उनको जल्दी से जल्दी स्थापित किया जायेगा?

चौ० भजन लालः स्पीकर सर, ऐसा नहीं होता कि दो–तीन सदस्य सप्लीमैंटरी पूछे और उनका मंत्री जी एक साथ जवाब दें। एक सदस्य के सप्लीमैंटरी पूछने के साथ–साथ जवाब देना चाहिए।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, प्लीज आप बैठें। मंत्री जी एक साथ जवाब दे देंगे।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, आदरणीय साथी श्री जरनैल सिंह जी ने एक स्पेसीफिक प्रश्न पूछा था जोकि एक सब–स्टेशन के बारे में था। लेकिन फिर भी मैं मेरे सभी माननीय साथियों के प्रश्नो का जवाब दे देता हूं। यदि मैं पूरी लिस्ट

जिलावार पढ़कर जवाब दूंगा तो सभी की तसल्ली हो जायेगी लेकिन विपक्ष के साथी कहेगे कि मैंने इतना लम्बा चौड़ा जवाब दे दिया। (शोर एवं व्यवधान) मैं माननीय साथी पूर्ण सिंह जी को बताना चाहूंगा कि सरसौद के सब–स्टेशन का टैंडर हो चुका है और मार्च, 2004 तक काम पूरा हो जायेगा, 33 के०वी० के मंगाली का सब–स्टेशन जुलाई, 2003 तक पूरा हो जायेगा और इस पर एक करोड़ रुपये का खर्चा आयेगा। सिसाय के 33 के०वी० के सब–स्टेशन पर सवा करोड़ रुपये का खर्चा आयेगा और यह दिसम्बर, 2003 तक पूरा हो जायेगा। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी सुनते तो हैं नहीं कि हमने क्या जवाब दिया है। यदि ये सुनते हैं तो बता दें कि मैंने मंगाली के बारे में क्या जवाब दिया है। मंगाली इनके हल्के में पड़ता है। इनको जनता से कुछ लेना देना नहीं है। स्पीकर साहब, करनाल में जो नए सब–स्टेशन बनाये जा रहे हैं वे हैं 132 के०वी० उप केन्द्र जलमाने, 132 के०वी० नेवल और 33 के०वी० बियाना। ये सभी पूरे हो चुके हैं। इसी प्रकार से करनाल जिले के जिन उप केन्द्रों की क्षमता वृद्धि की जा रही है वे हैं 220 के०वी० उप केन्द्र निसिंग, 132 के०वी० उप केन्द्र सगा, 132 के०वी० उप केन्द्र इन्द्री, 132 के०वी० उप केन्द्र मधुबन इन सभी पर वृद्धि करने का काम चल रहा है।

श्री जसबीर मलौर: स्पीकर सर, मैंने भी अपने जिले के बारे में पूछा था कि क्या एक 66 के०वी० उपकेन्द्र की क्षमता

बढ़ाने बारे विचार है? दूसरा सोण्ड गांव मे 66 के०वी० का जो नया उप केन्द्र बनाया जाना था जो मंजूर हो चुका है उस पर जल्दी से जल्दी काम शुरु करवाने का इनका कब तक का विचार है?

श्री रामपाल माजराः जो नये उप केन्द्र बने हैं और जिन पर काम अम्बाला में चल रहा है वे हैं 200० के०वी० उप केन्द्र पेपला, 66 के०वी० उप केन्द्र मुलाना और 66 के०वी० दुखेड़ी। इसी प्रकार से जिन की क्षमता बढ़ाई जा रही है वे हैं 66 के०वी० उपकेन्द्र चीड़ मस्तपुर और 66 के०वी० उप केन्द्र बरनाला।

श्री उदय मानः स्पीकर सर, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हसनपुर का जो 33 के०वी० उप केन्द्र है उसको 66 के०वी० उप केन्द्र मे अपग्रेड कब तक कर दिया जायेगा

श्री भगवान सहाय रावतः स्पीकर साहब, मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि सी०पी०एस० साहब फरीदाबाद जिले के बारे में बता दें।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहब, भगवान सहाय रावत ने पूरे फरीदाबाद जिले की सूचना मांगी है। मैं इनके जिले की स्थिति स्पष्ट करता हूँ। फरीदाबाद जिले में जो नए उप केन्द्र बने हैं वे हैं 220 के०वी० उप केन्द्र पाला, 66 के०वी० उपकेन्द्र सैक्टर यह फरीदाबाद, 66 के०वी० उप केन्द्र एन०एस०टी० फरीदाबाद, 66 के०वी० उप केन्द्र छैसा, 66 के०वी० उप केन्द्र, सैक्टर 31,

फरीदाबाद। इसके अलावा फरीदाबाद में जिन उपकेन्द्रों की क्षमता बढ़ायी जा रही हैं वे हैं 220 के०वी० उप केन्द्र पाला, 66 के०वी० उप केन्द्र ए–फरीदाबाद, 66 के०वी० उप केन्द्र ए–4 फरीदाबाद, 66 के०वी० उप केन्द्र फोर्ड फरीदाबाद, 66 के०वी० उप केन्द्र पलवल, 66 के०वी० उप केन्द्र झाड़सेतली, 66 के०वी० उप केन्द्र पाला, 66 के०वी० उप केन्द्र प्रताप स्टील, 66 के०वी० उप केन्द्र ए–4, 66 के०वी० उप केन्द्र यू०एस०ए० फरीदाबाद और 33 के०वी० उप केन्द्र एस्कोर्ट फरीदाबाद। अध्यक्ष महोदय, नये काम जो जारी हैं वे हैं फरीदाबाद में 220 के०वी० का बालू में, 66 के०वी० हसनपुर में, 66 के०वी० अलावलपुर मे, 66 के०वी० प्रिथला में, 66 के०वी० पुन्हाना में। जिन पर आगुमैंटेशन का काम जारी है वे हैं 220 के०वी० पलवल, 66 के०वी० ए–5, फरीदाबाद, 66 के०वी० एस्कोर्ट, 66 के०वी० दोझ, 66 के०वी० पहले औरंगाबाद बनेगा फिर हसनपुर का टेकअप किया जाएगा।

चौधरी नफे सिंह राठीः स्पीकर सर, पिछले साल सरकार ने बहादुरगढ़ में 220 के०वी० और 400 के०वी० के दो नये पावर हाउस मन्जूर किए थे। मैं माननीय सी०पी०एस० महोदय से जानना चाहूंगा कि इन पावर हाउसिज में काम कब से शुरू होगा?

श्री रामपाल माजरा अध्यक्ष महोदय, जिन पावर स्टेशनो की क्षमता में वृद्धि की गई है वह हैं 132 के०वी० उप केन्द्र, बहादुरगढ, 33 के०वी० उप केन्द्र बादली, 33 के०वी० उप केन्द्र एम०ई०आई० बहादुरगढ़, 33 के०वी० उप केन्द्र सूर्य रोशनी,

झज्जर, 33 के०वी० उप केन्द्र बुपनिया। जहां के पावर स्टेशनों की क्षमता में वृद्धि की जा रही है वे हैं 33 के०वी० उप केन्द्र, मछरौली, 33 के०वी० उप केन्द्र, झज्जर। बहादुरगढ़ पावर ग्रिड के साथ ही इनको बनाया जाएगा। जो मेरे माननीय साथी ने दो उप केन्द्रो के बारे में पूछा है तो मैं उनको बताना चाहूंगा कि ये उपकेन्द्र वर्ष 2006–2007 मे बनेगे।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, सरकार ने सही मायनों में 132 के०वी०, 66 के०वी०, 33 के०वी० तथा 220 के०वी० के सब–स्टेशनों की झड़ी लगा रखी है इसमें कोई दो राय नहीं हें इसीलिए सरकार इसके लिए बधाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, 220 के०बी० या उससे बड़े जो सब–स्टेशन बन रहे हैं उनके पोल जिन खेतों मे से गुजरते हैं वे बहुत ज्यादा जगह घेरते हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सी०पी०एस० महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जिन किसानों की जमीनों में ये पोल लगाए जाते हैं क्या उनको या छोटे किसानों को कोई मुआवजा सरकार की तरफ से या बिजली बोर्ड की तरफ से दिया जाता है या यह जगह लीज पर ली जाती है ? अगर किसानो को कोई मुआवजा नहीं देते तो क्या सरकार ऐसा कोई प्रावधान करेगी कि उनको कुछ मुआवजा दिया जाए

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, भागी राम जी ने बिलकुल सही कहा और उन्होने सरकार के कार्यो की सराहना भी

की है। जो 33 के०वी० 66 के०वी० या 220 के०वी० के उप केन्द्र बनाए जा रहे हैं वे बहुत ही बढिया तरीके से बन रहे हैं फिर भी मैं इनके ध्यान मे यह बात लाना चाहता हूं कि जो उपकेन्द्र सरकार ने बनाए हैं उनमें 132 के०वी० इनके जिला में, कड़ीवाला मे, 33 के०वी० उप केन्द्र, आई०ए० सिरसा में, 33 के०वी० उप केन्द्र, कहरवाला में। इसी प्रकार से जो ऑगमैंट किए गए हैं वे हैं 220 के०वी० उप केन्द्र, सिरसा, 132 के०वी० उप केन्द्र जीवन नगर, 33 के०वी०, उप केन्द्र, गंगा, 33 के०वी० उप केन्द्र पंजावाना, 33 के०वी० उप केन्द्र बहुदीन, 33 के०वी० उप केन्द्र पंजवाना, 33 के०वी० उप केन्द्र, आसाखेड़ा, 33 के०वी० उप केन्द्र ढीघ, 33 के०वी० उप केन्द्र राम नगरिया और 33 के०वी० उप केन्द्र, देबू है। इसी प्रकार से जिन सब– स्टेशन का काम जारी है वे हैं 220 के०वी० रानिया, 132 के०वी० माधो सिंघाना ऐलनाबाद, 132 के०वी० आशा खेडा, 132 के०वी० ओढा, 132के०वी० सिकन्दरपुर, 33 के०वी० खारियां, 33 के०वी० मेडागाव, 33 के०वी० रसुलपुर, 33 के०वी० शहरावाली और 33 के०वी० बडागुड़ा के हैं। इसके साथ ही जिन सब–स्टेशन की क्षमता बढ़ाई जा रही है वे हैं 132 के०वी० कडीवाला, 132 के०वी० जीवन नगर और 33 के०वी० धरवी।

इसी प्रकार से जो इन्होने कहा है कि पोल खेतों में गड़े हुए हैं और वे ज्यादा जगह घेरते हैं। इसके लिए नार्मज बने हुए है और जो नार्मज में आते हैं उनको कम्पनसेशन दिया जाता

है। वे पोल बड़ी लाईनो के लिए खड़े किए जाते हैं। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि जिस प्रकार से जिलावार भी पूछने का प्रयास किया है अगर मैं उसकी लिस्ट सदन में पढने लगें तो काफी समय लग जाएगा। इस बारे में मैंने पिछले सत्र मे भी कागजात सदन की पटल पर रखे थे। स्पीकर सर, अगर ये कहेंगे तो अब कीं बार भी रख दिए जाएंगे। स्पीकर सर, ये जो आत्माएं परली तरफ बैठी हैं ये खुद ही यह कहेंगी और इनकी आत्मा से एक आवाज निकलेगी कि वास्तव में इस शासन काल में बिजली का काम अत्याधिक हुआ है, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के शासन काल में हुआ है और इनके राज में ही नए सब–स्टेशनंज बनाए गए हैं, काफी ज्यादा जनरेशन की गई है और वितरण प्रणाली में सुधार हुआ है।

Number of Dairy Units in the State

***1261. Ch. Ramphal Kundu :** Will the Minister of State for Animal Husbandry he pleased to state—

(a) the district-wise number of Dairy Units in the State at present ; and

(b) the district-wise number of sick Dairy Units, if any, in the State ?

पशुपालन राज्य मन्त्री (चौ० मोहम्मद इलियास): हां श्रीमान् जी। वांछित सूचना का विवरण सदन के समक्ष अनुलग्नक पर रखा गया है।

अनुलग्नक

वर्ष 1997–98 से दिसम्बर, 2002 तक स्थापित करवाई गई तथा सिक डेरी इकाईयों की सूचना निम्न प्रकार से है –

राज्य में डेयरी इकाईयों की संख्या

क्र० सं०	जिले का नाम	वर्तमान में डेयरी इकाईयो की संख्या	वर्तमान में सिक डेयरी इकाईयों की संख्या
1	अम्बाला	517	98
2.	भिवानी	855	51
3.	फरीदाबाद	411	9
4.	फतेहाबाद	874	44
5.	गुड़गांव	741	185
6.	हिसार	1325	186
7.	जीन्द	669	110
8.	झज्जर	291	34
9.	करनाल	1186	264

10.	कुरुक्षेत्र	1136	100
11	कैथल	1406	155
12.	महेन्द्रगढ़	722	94
13.	पंचकूला	279	43
14.	पानीपत	709	115
15.	रोहतक	679	83
16.	रिवाड़ी	570	102
17.	सोनीपत	1003	15
18.	सिरसा	1229	99
19.	यमुनानगर	836	85
	कुल योग	15438	1872

चौ० राम फल कुण्डु: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो अपने जवाब में 1872 सिक यूनिट्स दिखाई हैं, क्या उनको दोबारा से चालू करने के लिए इनके विभाग की तरफ और इस सरकार की तरफ से कार्यवाही की जाएगी?

चौ० मोहम्मद इलियासः अध्यक्ष महादय, मैं आपके द्वारा माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि हमारे यहां महकमे में

जिला लेवल पर डेयरी विकास अधिकारी बैठते हैं। अगर किसी ने कोई डेयरी स्थापित करनी है तो उसके लिए बाकायदा एप्लीकेशन देनी पड़ती है। हम उसकी एप्लीकेशन की छंटनी करने के बाद उस पर कार्यवाही करके स्वीकृति देते हैं और उसके बाद उसको महकमे में भेज देते हैं। जहां तक इन्होंने इन 1872 सिक इकाईयो के बारे मे जानना चाहा है तो अगर इन इकाईयो मे से कोई जरूरत समझता है कि वह दोबारा से उस यूनिट को चलाना चाहता है तो वह भी अपनी एप्लीकेशन दे दे। हम उसकी उस एप्लीकेशन पर विचार करेगे। अगर वह डिफाल्टर नहीं है, उसमे कोई कमी नहीं है और उसकी एप्लीकेशन को सही पाया जाता है तो दोबारा से उस यूनिट को शुरु किया जा सकता है।

Popularisation of Homoeopathic and Ayurveda System

***1268. Shri Anil Vij :** Will the Minister of State for Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to promote Homoeopathic and Ayurvedic System of Medicines in the State ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to open Ayurvedic and Homoeopathic dispensaries/ Colleges in the State in near future ; if so, the details thereof ?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डॉ० एम०एल० रंगा):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) हां, आयुर्वेदिक औषधालय, श्रीमान् जी। वर्ष 2002–2003 तथा 2003–2004 में हर वर्ष 10 नए आयुर्वेदिक औषधालय खोलने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार द्वारा नए आयुर्वेदिक होम्योपैथिक कालेज खोलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। परन्तु आयुर्वेद विभाग, हरियाणा की कुछ निजी क्षेत्र से राज्य मे होम्योपैथिक कालेज खोलने हेतु अनाप्ति प्रमाण–पत्र देने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जो सरकार के विचाराधीन हैं। अध्यक्ष महोदय, सम्मानित साथी ने दो बातें पूछी हें। पहली बात में पूछा है कि होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए सरकार के पास क्या कोई प्रस्ताव है। इस विषय में मैं सम्मानित साथी को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक को बढावा दे भी रही है और आगे भी बढ़ावा देने का प्रस्ताव है। दूसरा सम्मानित सदस्य ने प्रश्न पूछा है कि क्या कोई होम्योपैथिक या आयुर्वेदिक औषधालय खोला गया है या महाविद्यालय खोलने का विचार है? इस सम्बन्ध मे मैं सम्मानित साथी को बताना चाहूंगा कि वर्तमान सरकार ने 10 आयुर्वेदिक औषधालय इस बार खोले हैं और आगे भी हर वर्ष खोलने का प्रावधान हमने किया हुआ है। इसके अलावा जहां तक महाविद्यालय खोलने का प्रस्ताव है तो इनको मैं यह बताना चाहूंगा कि सरकारी महाविद्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव नहीं हे लेकिन निजी क्षेत्र से हमारे पास प्रस्ताव आए हुए हैं जिनको हम एग्जामिन कर रहे हैं।

10.00 बजे

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, होम्योपैथिक और आयुवेदिक अल्टरनेटिव मोडैशन सिस्टम का वर्ल्ड वाइड एकसैप्टिड सिस्टम है। अध्यक्ष महोदय, आयुर्वेदिक प्रणाली का तो हिन्दुस्तान जन्मदाता माना जाता है और आज सारे विश्व में इस ओर आकर्षण बढ़ रहा है। इसका एक्सपोर्ट भी सभी नेशन्ज मैं बढ़ता जा रहा है लेकिन हमारा जो देश है, इसके बारे में इसकी यहां पर जितनी चिंता की जानी चाहिए उतनी नहीं की जा रही है। आज स्थान–स्थान पर एलोपैथिक होस्पीटल्ज एवं डिसपैंसरीज तो खोले जा रहे हैं ओर उनकी मांग भी है लेकिन उतनी बड़ी संख्या में आलटरनेटिव सिस्टम और मेडीसंज जैसे आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक डिसपैंसरीज हैं वह नहीं खोली जा रही हें। मुझे संतोष है कि मंत्री जी ने इस प्रश्न का अफरमेटिव में उत्तर दिया है कि सरकार इस बारे में चिन्ता कर रही है इसलिए सरकार हरबल्ज पार्क भी बना रही है और दस–दस डिसपैंसरीज भी खोली हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि होम्योपैथिक की डिसपैंसरीज के बारे में जहां तक मेरी जानकारी है, वह सारे हरियाणा मे दस की दस एक ही जिले में खोली हुई हैं क्या बाकी जिलों में भी या बाकी स्थानों पर भी जहां–जहां हम सिविल अस्पताल बनवाते हैं, वहां पर भी हर स्थान पर कम से कम एक होम्योपैथिक या आयुर्वेदिक डिसपैसरीज खोलने का प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है ताकि सारे प्रदेश में लोग इन

पद्धतियों का फायदा उठा सकें ? आप एलोपैथिक की तरफ ही न भागें। इसके अलावा क्या मंत्री जी यह भी बताएंगे कि क्या होम्योपैथिक का कालेज खोलने के लिए और होम्योपैथिक डॉक्टर तैयार करने के लिए डी०एच०एम०एस० की डिग्री देने का भी कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है? डॉ० एम०एल० रंगा अध्यक्ष महोदय, सम्मानित साथी ने आयुर्वेद के विषय में, होम्योपैथिक के विषय में चिंता जाहिर की है। यह सत्य है कि आज के समय में जोकि भौतिक युग का समय है, इसमें सभी एलोपैथिक पद्धति की तरफ ज्यादा ध्यान दे रहे हैं लेकिन उसके बावजूद भी वर्तमान सरकार ने आयुर्वेद और होम्योपैथिक पद्धतियों को बढावा दिया है जिसके तहत यटईइ०इं आयुर्वेदिक डिसपैंसरीज, 19 यूनानी डिसपैंसरीज, 20 होम्योपैथिक डिसपैंसरीज, 6 आयुर्वेदिक पी०एच०सीज० और आयुर्वेद के अस्पताल हरियाणा में कार्य कर रहे हैं। जहां तक इन्होंने चिन्ता जाहिर करते हुए यह कहा कि आने वाले समय में हर डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर पर भी इस तरह का प्रावधान किया जाए तो मैं उस विषय में कहना चाहूंगा कि जो आयुर्वेद कौंसिल ऑफ इंडिया है उसके कुछ नोर्म्स हैं हम जो भी औषधालय खोलते हैं वह नोर्म्स के हिसाब से ही खोलते हें। जहां पर नोर्म्स कवर होते हैं वहीं पर औषधालय खोले है। अध्यक्ष महोदय, प्राईवेट सैक्टर से भी कई जगहों पर इस तरह के हमारे पास प्रस्ताव आए हुए हैं कि उनकी कुछ जगहों पर इस तरह की डिसपैंसरीज हैं इनको वे सरकार को देना चाहते हैं। हम उनके यह प्रस्ताव ऐग्जामिन कर रहे हें अगर वे नोर्म्ज में कवर होंगे तो

उन पर विचार किया जाएगा। चार प्राइवेट संस्थाओ से हमारे पास प्रस्ताव आये हुए हैं। जगाधरी, झज्जर, अस्थलबोहर, करनाल और कुरुक्षेत्र की संस्थाओं से हमारे पास होम्योपैथिक कालेज खोलने और होम्योपैथिक पद्धति को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव आए हें और सरकार का सकारात्मक रवैया इनके प्रति है सरकार इनको ऐग्जामिन कर रही है। अगर ये नोर्म्ज कवर करते होंगे तो उस हिसाब से चाहे औषधालय हों या महाविद्यालय हों उनको हम जरूर बनाएंगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः स्पीकर सर, हमारे सम्मानित साथी भाई अनिल विज जी ने बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न सदन मे रखा है। हमारे आदरणीय और योग्य स्वास्थ्य मंत्री ने भरसक प्रयास किया है कि सदन को संतुष्ट किया जाए लेकिन मैं समझता हूं कि जो प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति है वह आयुर्वेद ही है। आप जानते हैं कि दुनिया की कई वैज्ञानिक पद्धतियां हैं जो आज विज्ञान की कसौटी पर खरी उतरी हैं। जो हमारी वैदिक पद्धति है वह निश्चित रूप से अच्छी है। वेदों के अंदर जो मानव जाति के कल्याण के लिए अमर संदेश है उसको झुठलाया नहीं जा सकता। भाई अनिल विज जी ने ठीक ही सदन का ध्यान आकर्षित किया है लेकिन स्वास्थ्य मंत्री के उत्तर से सदन पूर्णतः संतुष्ट नहीं है। अध्यक्ष महोदय, होम्योपैथिक या एलोपैथिक बाहर की पद्धतियां हैं यह माना गया है कि जो भी एलोपैथिक या दूसरी चिकित्सा की पद्धति हैं अगर उनका बिगडा हुआ कोई केस है तो वह आखिर में

हमारी जो आयुर्वेद की पद्धति हैं और उसके जो योग्य चिकित्सक हैं उनके द्वारा ठीक होता है। इसका कोई साईड इफैक्ट नहीं होता है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि जैसे इन्होंने कहा कि जिस प्रकार से रोहतक का मेडीकल कालेज है तो हमें बजट में प्रावधान करना चाहिए और बल्लभगढ़ में भी आयुर्वेद कालेज खोलना चाहिए। इसके साथ मैं यह भी निवेदन करूंगा क्योकि आयुर्वेद की प्रणाली में जडी बूटियां होती हैं जो हमारे खेत हैं जलवायु के अनुसार हमारी जमीन है और जो जडी बूटियां उस जमीन पर पैदा होती हैं वह मेडीसिन बनाने में काम आती हैं। डब्लू०टी०ओ० के अनुसार आज जो नीम और हल्दी का पेटेन्ट हो रहा है क्या उसके बारे में मंत्री जी सदन को आश्वासन देंगे कि वे इस बारे में आवाज उठायेगे 7 जैसा इन्होंने आयुर्वेद की डिस्पैसरीज खोलने के बारे में कहा है। क्या मेरे जिले में बल्लभगढ़ विधान सभा क्षेत्र में भी ज्यादा से ज्यादा आयुर्वेद की यूनिट खोलेंगे, क्या आप इन्हे खोलने पर पुनर्विचार करेंगे? मेरा अनुरोध है कि वहां रोहतक मेडीकल कालेज जैसा आयुर्वेद मेडीकल कालेज भी खोलना चाहिए।

डॉ० एम०एल० रंगाः अध्यक्ष महोदय, आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए निसंदेह सरकार ने आवश्यक कदम उठाए हैं और जिस प्रकार के मेडिसिन प्लांट्स की माननीय सदस्य बात कर रहे थे पंचकुला में 6.5 एकड़ भूमि में मेडीसिन हरबल गार्डन लगाया है और 5 एकड़ भूमि पर कुरुक्षेत्र मे लगाया हुआ है। हिन्दुस्तान मे

सबसे बड़ा हर्बल गार्डन 184 एकड़ का चुहडुपूर, जगाधरी में चौधरी देवी लाल जी के नाम से लगाया गया है और वहां पर हमारे फौरैस्ट डिपार्टमैंट की सहायता से जहां जहां मेडीसिन प्लांट उपलब्ध थे वे सभी वहां वहां लगाए हैं। हम मेडीसिन प्लांट लगाकर आयुर्वेद को बढ़ावा देना चाहते हैं। आयुर्वेद का अर्थ है कि आयु की वृद्धि करना। दसवीं पंचवर्षीय योजना में भी हमने इसका प्रावधान किया है कि हरियाणा में आयुर्वेद की लैब स्थापित की जाएं, आयुर्वेद के शोध केन्द्र स्थापित किए जाएं और आयुर्वेद से संबंधित जितनी भी योजनाएं हैं उनको कार्यान्वित किया जाए। जो आयुर्वेद कालेज खुल रहे हैं उनमे पी०जी० क्लासिज लगाने का प्रस्ताव भी भारत सरकार को हमने भेजा हुआ है। जो सबसे ज्यादा बढावे की बात आती है उसमें मैं इंडियन नैशनल लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष को बधाई देना चाहता हूं कि पहली बार विधान सभा मे आयुर्वेद के तीन डाक्टर सत्तापक्ष के विधायक चुनकर आए हैं। जब हमारे आयुर्वेद के डॉक्टर यहां बैठे हैं तो निसंदेह आयुर्वेद को बढ़ावा मिल रहा है।

वैद्य कपूर चन्दः अध्यक्ष महोदय, आयुर्वेद सब पद्धतियों की जननी है प्राचीन सभ्यता के अनुसार जो चिकित्सा आयुर्वेद में है वह ऐलोपैथी में नहीं है आयुर्वेदिक औषधियां एक रोग को शांत करती हैं और दूसरे रोगों को पैदा नहीं करती हैं और विपरीत असर नहीं डालती हैं। जबकि ऐलोपैथी की दवाइयां एक रोग को ठीक करती हैं तो दूसरे रोग को पैदा करती हैं क्योकि ये

दवाइयां गर्मी कर जाती हैं उसके बाद लिवर पर असर पड़ता है, मैदे पर असर पड़ता हे फिर डॉक्टर कहते हैं कि दूध पीओ, जूस पीओ। (शोर एवं व्यवधान) मंत्री जी ने कहा है कि आज के युग में ऐलोपैथी की ज्यादा मांग है लेकिन जो निराश रोगी हैं वह आयुर्वेद से ही ठीक होते हैं असाध्य रोग आयुर्वेद से ठीक होते हैं। मुझे पिछले दिनों मुख्यमंत्री जी के साथ विदेश जाने का अवसर मिला। शिकागो मे हमारा डॉक्टर बिसला के यहां स्वागत सम्मान हुआ। जब वहां पर सभी विधायकों का परिचय कराया गया तो मेरे परिचय में जब मेरा नाम वैद्य कपूर चन्द बताया गया तो डाक्टर ने कहा कि ये वैद्य जाति से हैं या प्रैक्टिस करते हैं। तो उनको बताया कि नहीं ये प्रैक्टिस करते हैं, तो डाक्टर ने कहा कि ये तो हमारे गुरू हैं। कस गुरू हैं तो वे कहने लगे कि आयुर्वेदिक औषधि की मार्किट में बहुत माग है, बहुत कद्र है। आज विदेश जिस तरह आयुर्वेद की तरफ जा रहे हैं और हम हमारी प्राचीन संस्कृति की बातें छोड़ते जा रहे हैं ओर अपने गुरुओ को छोड़ते जा रहे हैं इसके लिए मेरा एक सुझाव है कि क्षेत्र में आयुर्वेद के अधिक से अधिक औषधालय खोले जाये। मेरे जिले कुरुक्षेत्र में सबसे कम आयुर्वेदिक औषधालय है। मेरी सरकार से मांग है कि कुरुक्षेत्र मे ज्यादा से ज्यादा आयुर्वेदिक औषधालय खोले जायें।

श्री अध्यक्षः वैद्य साहब, ये आयुर्वेद तो इंग्लिश का शब्द है। इसका हिन्दी का अर्थ क्या है ?

वैद्य कपूर चन्दः अध्यक्ष महोदय, आयुर्वेद हिन्दी का ही शब्द है इंग्लिश में इसके आगे 'ए' और लग जाता हे। (विघन)

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार को बधाई देता हूं कि हमारी सबसे प्राचीन चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश में पहले कुछ आयुर्वेदिक औषधालय थे वे बीच में बन्द किये गये थे, वे बीच मे बन्द क्यो किये गये थे उनके क्या कारण थे और क्या जो बन्द किये गये थे उन आयुर्वेदिक औषधालयों को फिर से खोला जायेगा ? हमारे क्षेत्र मे बहिन का आयुर्वेदिक औषधालय बन्द कर दिया गया था क्या उसको फिर से खोला जायेगा?

डॉ० एम०एल० रंगाः अध्यक्ष महोदय, आयुर्वेदिक पद्धति प्राचीन संस्कृति को समाये हुये हैं। जहां तक पेटैंट की बात है यह हमारा दुर्भाग्य हे कि नीम जो हिन्दुस्तान की देन है, तुलसी जो हिन्दुस्तान की देन है बासमति जो हिन्दुस्तान की देन है विदेशी लोग उनको पेटैंट क्यों कर रहे हैं, यह इसलिए क्योकि हम अपनी प्राचीन पद्धतियों को छोड़ते जा रहे है। आयुर्वेद सबसे प्राचीन पद्धति है और इससे पक्का इलाज होता है। अगर मरीज का इलाज पक्का करना हे तो हमे आयुर्वेद को अपनाना पड़ेगा। जो दूसरा प्रश्न सम्मानित साथी रावत साहब ने आयुर्वेदिक औषधालय खोलने के बारे में किया। उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि जो आयुर्वेदिक औषधालय बन्द किये गये थे उनके बंद करने के

कारण हमारे सामने ये आये हैं कि बड़े गांवों में हमने पहले आयुर्वेदिक औषधालय खोले थे जहां पर बाद में पी०एच०सी० खोलने के कारण इन आयुर्वेदिक औषधालयों में मरीज आने बन्द हो गये इसलिए हमने उन आयुर्वेदिक औषधालयो को दूसरे बड़े गावों में खोल दिया। दूसरा जैसा कि सम्मानित साथी ने बहिन आयुर्वेदिक औषधालय के बन्द होने के बारे में कहा है उसके बारे में हम पता करवा लेंगे। अगर नार्म्स मे होगा तो उसको जरूर खोला जायेगा। वैसे हमने पिछले महीने दस नये आयुर्वेदिक औषधालय खोले हैं और अगली पंचवर्षीय योजना में 11 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। जिनसे आयुर्वेदिक भवन और आयुर्वेदिक छात्रावास बनाये जायेंगे और दस नये आयुवेदिक औषधालय खोले जायेगे।

श्री रमेश कुमार खटकः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जहां पर आयुर्वेदिक की नकली दवाईयां बाजार में काफी बिक रही हैं क्या इसके बारे मे कोई टैस्ट चौक मंत्री महोदय करवाने की व्यवस्था करेंगे? दूसरा मेरा प्रश्न यह है कि क्या हरियाणा में नये आयुर्वेदिक औषधालय खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है, अगर हैं तो कहां? तीसरा कुरुक्षेत्र के आयुर्वेदिक कालेज में लड़कियों का छात्रावास नहीं है क्या कुरुक्षेत्र के आयुर्वेदिक कालेज में लडकियों के लिए होस्टल बनाया जायेगा?

डॉ० एम०एल० रंगा: अध्यक्ष महोदय, इससे पूर्व प्रश्न के उत्तर में मैं पहले ही कह चुका हूं कि 10 वीं पंचवर्षीय योजना में 11 करोड़ रुपये की हमने व्यवस्था की हुई है और उस व्यवस्था में राजकीय श्री कृष्णा आयुर्वेदिक कालेज, कुरुक्षेत्र में लड़कियों के लिए होस्टल के लिए हमने प्रावधान किया है। निश्चित रूप से वहां लड़कियों का छात्रावास बनेगा, मैंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय मे कुलपति रहते हुए यह कमी महसूस की और उस कमी को दूर करने के लिए मैंने यह प्रावधान भी किया क्योंकि लड़कियां बाहर रहती थीं, उनको दिक्कत होती थी, आने वाले समय में छात्रावास बनाया जाएगा, जगह हमारे पास उपलब्ध है। जहां तक मेरे माननीय साथी ने आयुर्वेद की नकली दवाईयों के बेचे जाने के बारे में जानकारी चाही है, तो मैं इस विषय में सम्मानित सदस्य को बताना चाहूंगा कि आयुर्वेद मे कम ही नकली दवाईयों के केस हमारे सामने आए हैं। ज्वायंट पंजाब के समय से हमारी केवल चण्डीगढ़ मे ही लैब है, जहां से हम दवाईयो की टैस्टिंग करवाते रहे हैं। हमने भारत सरकार से प्रार्थना की है कि आप हमारे लिए हरियाणा मे ड्रग्स आयुर्वेदिक टैस्टिंग लैब के लिए पैसा दें। पिछली बार केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ मीटिंग हुई थी उसमें लैब की बात आई थी। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने एलान किया था कि जो एग्जिस्टिंग लैब हैं उनको अपग्रेड करने के लिए हम हरेक प्रदेश को एक करोड़ रुपये देंगे। वहां मैंने प्रश्न किया था कि जिस प्रान्त में एक कमरे की नामचारे की लैब चल रही है उसको भी अपग्रेड करने के लिए आप एक करोड़ दे रहे हैं और

जहां एक कमरा भी नहीं है और वे लेब चलाना चाहते हैं वहा आप क्या प्रावधान करेंगे। उन्होने उत्तर में कहा, प्रोसीडिंग में भी आया है कि जो नई लैब खोलना भी चाहेगे उनको एक करोड़ रुपये नई लैब स्थापित करने के लिए देंगे। आने वाली पंचवर्षीय योजना मे हम भारत सरकार से इसके लिए प्रार्थना करेंगे और यदि भारत सरकार पैसे नहीं देती है तो हम इस योजना में कुरुक्षेत्र के आयुर्वैदिक कालेज में टैस्टिंग लैब की स्थापना करेंगे। जहां पर दवाईयों को टैस्ट किया जा सकेगा। श्री कृष्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री से पूछना चाहूंगा कि मेरी कास्टीच्यूसी के ढ़ांगड़ गांव में मुख्यमंत्री ने आयुर्वेदिक औषधालय की घोषणा की थी, वह कंडीशंज फुलफिल करता है, उसकी बिल्डिंग बन चुकी है,फाईनैंस डिपार्टमैंट में वह केस गया है, इस वर्ष जो 10 नए आयुवैदिक औषधालय खोले जायेंगे क्या मंत्री जी उसमें इसको कवर करेंगे?

डॉ० एम०एल० रंगाः अध्यक्ष महोदय, सम्मानित सदस्य को आदरणीय वित्तमंत्री जी का और मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहिए कि उनकी ये अनाउंसमेंट पूरी हो चुकी है। सूची जारी हो चुकी है। उस लिस्ट मे धर्मगढ का नाम है। वहां आयुर्वैदिक औषधालय स्थापित करने का प्रस्ताव फाईनैस डिपार्टमैंट से भी और मुख्य मंत्री से भी स्वीकृत हो गया है और हम लैटर जारी कर चुके हैं।

डॉ० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मे आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि उन्होने अपने जवाब में कहा कि जहां पर नई पी०एच०सी० खोली गई हैं वहां से आयुर्वंदिक औषधालय शिफ्ट कर दिए गए हैं या बन्द कर दिए गए तो इस प्रकार से वे किस तरह से आयुर्वैदिक पद्धति का प्रचार करेगे 7 इस तरह से तो आयुर्वेदिक औषधालय धीरे–धीरे बन्द हो जायेंगे। मंत्री महोदय इस बारे में स्पष्टीकरण दें। दूसरा मेरा सुझाव सरकार से है कि हर सी०एच०सी० और पी०एच०सी० लैवल पर भी एक आयुवैंदिक डाक्टर की नियुक्ति की जाए ताकि जो लोग एलोपैथिक ट्रीटमैंट लेते हैं वे उसके साथ–साथ आयुर्वैदिक ट्रीटमेंट भी ले सके, मंत्री महोदय क्या इस बारे में विचार करेंगे?

डा० एम०एल० रंगाः अध्यक्ष महोदय, मैं सम्मानित सदस्य का आभारी हूं क्योंकि उनकी धर्मपत्नी भी आयुर्वेदिक विभाग मे चिकित्सा अधिकारी हैं और ये खुद भी डाक्टर हैं, इन्होंने शंका जाहिर की है कि जहां पी०एच०सी० खुल गई हैं वहां आयुवैंदिक औषधालय शिफ्ट कर रहे हैं तो इस प्रकार से इनका प्रचार कम होगा। मेरी मान्यता यह है कि जहा पी०एच०सी० के साथ हमारा औषधालय चल रहा है वहां मरीज सीधे पी०एच०सी० में जाते हैं। यह रिकार्ड की बात है कि मरीज आयुर्वैदिक औषधालय में नहीं आते। मरीजों के उसमें न आने से उन डाक्टर्ज का हम सदुपयोग नहीं कर सकते। उन डाक्टर्ज का सदुपयोग करने के लिए किसी दूसरे गांव में अच्छी सेवाएं देने के लिए और आयुर्वेद का प्रचार

करने के लिए हमने उन आयुर्वेदिक औषधालयो को वहां पर शिफ्ट किया। शिफ्ट करने मे हमे कामयाबी मिली है और मरीजो की संख्या भी बड़ी है, इससे लोगों में यह प्रचार हुआ है कि हमारी चिकित्सा सुविधाएं बेहतर हैं और लोग आयुवैंदिक की दवाईयां ले रहे हैं। इससे आयुर्वेद के प्रचार और प्रसार को बढ़ावा मिला है।

श्री शशि परमारः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिस तरह से एलोपैथिक के जगह–जगह कैम्प लगाए जा रहे हैं क्या इसी तरह से हरियाणा में आयुर्वेद के स्वास्थ्य शिविर लगाए जाते हैं, यदि हां तो अब तक कितने शिविर लगाए गए हैं और इससे कितना फायदा हुआ है ?

डा० एम०एल० रंगाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी की नीति देहात विकास की रही है और 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम की तर्ज पर जो देहात का विकास हुआ है उसी की तर्ज पर ''स्वास्थ्य आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत हमारी सरकार ने एलोपैथिक डाक्टर्ज के कैम्प लगाये उसी तरह से ''वृद्ध उपचार आपके द्वार' के तहत आयुर्वेदिक डाक्टर्ज के भी कैम्प गांव–गांव में लगाये गए। पिछले चार साल में 205 कैम्प आयुर्वेदिक डाक्टर्ज के लगाये जा चुके हैं। इस साल 6 आयुर्वेदिक डाक्टर्ज के कैम्प लगाये हैं। स्पीकर सर, एक कैम्प में एक हजार से ऊपर मरीजो की जांच की जाती है और उन्हें दवाईयां दी जाती हैं। इसमे हमने एक विशेष तरह की प्रथा यह डाली हे कि हम 200 तरह के मेडिसिन प्लांट्स गमलो मे ले जाकर वहां लगाते हैं और उनकी

पूरी जानकारी देते हैं कि कौन सा प्लांट किस बीमारी मे दवाई के रूप में काम आता है। हमारे कैम्प के दौरान स्कूलो के बच्चो को हमने कापियों मे नोट करते हुए भी देखा है कि कौन सा प्लांट क्या है और वह प्लांट किस बीमारी की दवाई में काम आता है। इससे देहात में बड़ा प्रचार हुआ है और नई पीढ़ी को भी जानकारी मिलेगी। इस तरह के कैम्प लगाने से देहात के लोगों को, बुजर्गों को प्रोत्साहन मिला है और उनको ज्ञान भी हुआ है कि प्राचीन समय में हल्दी का, वनस्पति जड़ी–बूटियों का दवाई के रूप में कैसे प्रयोग किया जाता था। स्पीकर सर, इस तरह के कैम्प हम लगातार लगाते रहे हैं और पिछले चार साल मे 205 कैम्प लगाये हैं।

डा० मलिक चन्द गम्भीरः स्पीकर सर, बहुत ही अच्छे प्रश्न किए जा रहे हैं और उनका मंत्री जी बडी अच्छी तरह जवाब भी दे रहे हैं। इसके साथ–साथ में भी आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री जी से एक प्रश्न पूछना चाहूंगा कि आजकल जहां एलोपैथिक की और आयुर्वेदिक की दवाईयो में जो आपस में टकराव आता है और जितने भी डी०एच०एम०एस० और बी०ए०एम०एस० कालेज हैं उनके अंदर बच्चों को कम्पेरेटिव स्टडी करवाई जाती है। मुझे इस बात का बड़ा अफसोस है कि जब पांच–पांच साल तक बच्चे कम्पेरेटिव स्टैडी करके तैयारी करते हैं और उससे यह सीखते हैं कि मरीज को आयुर्वेदिक दवाई दी जाये या एलोपैथिक दवाई दी जाये, उसके बाद भी उनको एलोपैथिक दवाईयां देने में कुछ

पाबंदियां हैं। वे एलोपैथिक दवाई भी पूरी तरह दे सके क्या इस बारे मे मंत्री जी कुछ कर रहे हें?

डा० एम०एल० रंगा: अध्यक्ष महोदय, डी०एच०एम०एस० और जी०ए०एम०एस० इनके बारे में भारतवर्ष में एक आयुर्वेदिक काउंसिल ऑफ इण्डिया बनी हुई है। जिसने पूरे हिन्दुस्तान का स्लेबस निर्धारित किया हुआ है। उस स्लेबस में आयुर्वैदिक संबंधित और एलोपैथिक से संबंधित चौप्टर भी रखे हुए हैं। उसी स्लेबस के हिसाब से हमने अपने यहां भी चौप्टर लगा रखे हैं। उस स्लेबस से हम बाहर नहीं जा सकते और अपने यहां अलग से चौप्टर नहीं लगा सकते। स्पीकर सर, जो हमारे कालेज पहले से चले आ रहे हैं और जो नये कालेज हैं उनमें वही स्लेबसं लागू है, उसी को बरकरार रखते हैं। अब दो नये आयुर्वेद कालेज जगाधरी और चरखीदादरी में खोले गये हैं और चार कालेज पहले से चल रहे हें तथा चार आयुर्वेद के नये कालेज खोलने का प्रस्ताव हमारे पास है। हमारे इन कालेजों से जो विद्यार्थी बी०ए०एम०एस० आयुर्वैदिक की डिग्री लेकर जाते हें उनको हम अपनी तरफ से सिविल अस्पतालों में इंटर्नशिप जरूर करवाते हैं। उस इंटर्नशिप में 6 महीने या एक साल का समय लगता है उस दौरान आयुर्वेदिक की डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों को भी एलोपैथिक के बारे में काफी ज्ञान हो जाता है और वे सीखते हैं कि किस मरीज को कौन सी एलोपोथिक की दवाई देनी है। लेकिन उनको एलोपैथिक की दवाईयां देने के लिए कुछ पाबंदियां इसलिए लगाई हुई हैं,

यदि उनको एलोपैथिक की दवाईयां देने के लिए मंजूरी दे दी जायेगी तो वे आयुर्वेद को छोड़कर एलोपैथिक की दवाईयां ज्यादा देने लग जायेगे इसलिए आयुर्वेद को बढावा देने के लिए, हिन्दुस्तान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उनको आयुर्वेद की दवाईयों तक ही सीमित रखा गया है।

डा० बिशन लाल सैनी: स्पीकर साहब, सम्मानित सदस्यों के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री जी ने बहुत बढ़िया जवाब दिये। मैं आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे एलोपैथिक डाक्टर्ज के मुकाबले में आयुर्वेदिक डाक्टर्ज के वेतनमान में काफी अन्तर है। मैं स्वास्थ्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या कोई ऐसा प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है जिससे उनके वेतनमान बराबर किए जा सके ताकि आयुर्वेदिक पद्धति को बढ़ावा मिल सके?

श्री अनिल विज: स्पीकर साहब, स्वास्थ्यमंत्री जी ने मेरे प्रश्न के जो उत्तर दिए है उससे यह भावना जगी है कि यह सरकार आयुवैंदिक और होम्योपैथिक पद्धति को बढ़ावा दे रही है यानि यह सरकार बहुत ज्यादा चिंतित इस बारे मे है। मुख्यमंत्री जी ने बड़े काबिल व्यक्ति को यह जिम्मेवारी सौंपी है। जिस प्रकार से इन्होंने उत्तर दिए हैं उनमें से एक उत्तर से मैं सहमत नहीं हूं कि जो स्वास्थ्यमंत्री ने यह कहा है कि जहां पर एलोपैथिक डिस्पेसरीज हैं वहां पर आयुर्वेदिक डिस्पेंसरीज खोलने पर कोई

पेशेंट आयुवैंदिक डिस्पेंसरीज में नहीं जाता। अगर हम प्राइवेट सैक्टर मे देखे तो जो एलोपैथिक डाक्टर्ज और होम्योपैथिक डाक्टर्ज की दुकानें हैं वे साथ–साथ हैं और दोनो के पास मरीजों का पूरा रस रहता हे। जो मरीज होम्योपैथिक दवाई लेना चाहता है वह होम्योपैथिक डाक्टर के पास जाता है और जो एलोपैथिक दवाई लेना चाहता है वह एलोपैथिक डाक्टर के पास जाता है और मैं समझता हूं कि बढ़ावा भी इसी तरह से मिलता है। इस संबंध में मैं पुनः अपने पहले प्रश्न को जो मेरा मूल प्रश्न है, दोहराना चाहता हूं कि क्या सरकार सिविल अस्पताल में जहां पर एलोपैथिक अस्पताल खुले हुए हैं उनके साथ–साथ आयुर्वेदिक या होम्योपैथिक डिस्पेन्सरीज खोलने पर विचार करेगी? ताकि हम इन पद्धतियों को बढ़ावा दे सकें। इसके अलावा मैं यह जानना चाहता हूं कि आयुवैंदिक और होम्योपैथिक डाक्टर्ज की कितनी पोस्टें वेकैट हैं? एक सवाल मैं यह करना चाहता हूं कि प्रायः यह देखने में आया है कि आयुवैंदिक डिग्री लेने के बाद कुछ डाक्टर्ज ऐलोपैथिक मेडिशिन यूज करते हैं। इट इज ए अब्यूज आफ दी पैथी, उसको रोकने के लिए सरकार कोई कदम उठायेगी चाहे वह डाक्टर सरकारी हैं या प्राईवेट सैक्टर में डाक्टर काम कर रहा है? मेरा कहना है कि जो डाक्टर आयुवैंदिक की डिग्री ले करके आता है वह आयुवैंदिक की दवा दे तो ही हम उसको बढ़ावा दे सकते हैं यदि हम ऐसा कर दे तो ही हम लोगों को इस ओर आकर्षित कर सकते हैं। मेरा यह भी सुझाव है कि सरकार द्वारा हर क्षेत्र में

एक–एक आयुवैंदिक होम्योपैथिक डिस्पेंसरीज खोली जानी चाहिएं ताकि लोगों का रुझान इस ओर हो सके।

डा० एम०एल० रंगा: अध्यक्ष महोदय, सैनी साहब ने कुछ वेतनमान के विषय में जिक्र किया है। इस विषय में पहली बार आयुवैंदिक डाक्टर्ज की एसोसिएशन आदरणीय मुख्यमंत्री जी से मिली थी और उस समय उन्होने यह मांग की थी। उनकी मांग पर उसी वक्त विचार किया गया और उनके केस को एफ०डी० को भेजा गया। उसके लिए एक समिति मेरी अध्यक्षता में बनी हुई है और इस समिति की एक बैठक आने वाली 17 तारीख को रखी गई है जिसमें उनकी इस मांग पर सहानुभूति पूर्वक विचार करके उसको एग्जामिन किया जायेगा क्योंकि सरकार भी आयुर्वेद को बढ़ावा देने के पक्ष में है। दूसरी बात विज साहब ने पूछी है कि जिला हैड क्वार्टर पर सामान्य अस्पताल के साथ–साथ वहां पर आयुवैंदिक डिस्पेंसरीज होनी चाहिए। इस बारे मे मेरा कहना है कि इस तरह का कोई प्रस्ताव अभी नहीं दै। यदि किसी जिला हैड क्वार्टर पर इस नीति को अपनाने वालों की यानि आयुवैंदिक डिस्पेसरीज खोलने के लिए लोगो की मांग आती है तो उस पर वास्तव में गंभीरता से विचार किया जायेगा और उनकी मांग जायज बनती है तो हमें खोलने में कोई एतराज नहीं है। इसको हम एग्जामिन करवा लेंगे। दूसरे, इसी प्रकार से यह कहा गया है जो आयुर्वेदिक डॉक्टर प्रैक्टिस करते हैं उनके लिए हमने अपने डी०आईज० को निर्देश दिए हुए हैं। जो आयुवैंदिक डॉक्टर्ज

प्रैक्टिस करते हैं उनके यहां से अगर ऐलोपैथी की कोई दवाई मिलेगी तो उसका होस्पीटल सील किया जाएगा तथा उसका चालान भी किया जाएगा और ड्रग ऐक्ट के तहत उसके खिलाफ कार्यवाही भी की जाएगी।

श्री अध्यक्षः सदस्यगण, अब क्वैश्चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Repair of Roads in Sonepat

***1413. Shri Dev Raj Dewan :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the roads in the Sonepat Constituency are in a damaged condition ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be repaired/ constructed ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):

(क) हां, श्रीमान् जी। केवल कुछ लड़के क्षतिग्रस्त अवस्था मे हैं।

(ख) सभी सड़कें जिन पर मरम्मत की आवश्यकता है, की मरम्मत सितम्बर, 2004 तक किये जाने की संभावना है।

Changing of Crop Pattern

***1277. Shri Karan Singh Dalal, Prof. Ram Bhagat : ** Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to change the crop pattern in the State ; if so, the details thereof ?

कृषि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू): जी हो। फसल पद्धति में विविधिकरण जाने का एक प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

राज्य मे 2003 से 2005 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए वर्तमान फसल चक्र में विविधिकरण करने हेतु एक योजना बनाई गई है। धान के अधीन क्षेत्र में 3.00 लाख हैक्टेयर व गेहूं के अधानिक्षेत्र में 8.00 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की कमी लाने के प्रयास किए जाएंगे। इस क्षेत्र को अन्य फसलों के अधीन परिवर्तित किया जायेगा, जिसका विवरण निम्न प्रकार से हैं–

खरीफ

(क्षेत्र लाख है० में)

क्रमांक	फसल	2003	2004	2005
1.	खरीफ	0.50	1.00	1.50

	दलहन			
2.	मक्का	0.20	0.40	0.60
3.	कपास	0.10	0.23	0.38
4.	खरीफ तिलहन	0.10	0.20	0.30
5.	गन्ना	0.05	0.10	0.15
6.	फल एवं सब्जियां	0.05	0.07	0.07
	योग	1.00	2.00	3.00

रबी

(क्षेत्र लाख है० में)

क्रमांक	फसल	2003-04	2004-05	2005-06
1.	रबी दलहन	2.00	3.00	4.00
2.	रबी तिलहन	1.25	1.85	2.50
3.	मक्का	0.25	0.40	0.50
4.	जौ	0.30	0.45	0.60

5.	गन्ना	0.10	0.15	0.20
6.	फल एवं सब्जियां	0.10	0.15	0.20
	योग	4.00	6.00	8.00

2 वैकल्पिक फसलों के उगाने से किसानों की आय में आने वाली कमी की भरपाई करने व इन फसलों के विपणन को सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार से धन राशि उपलब्ध करवाने के लिए अनुरोध किया गया है। भारत सरकार से कुल 1,920 करोड़ रुपये की मांग की गई है, जिसमे 480 करोड़ रुपये खरीफ फसलों के लिए तथा 1440 करोड़ रुपये रबी फसलों के लिए होंगे।

Kendriya Vidyalya, Dabwali

***1304. Shri Sita Rani :** Will the Minister of State for Education be pleased to state whether it is a fact that the foundation stone of Kendriya Vidyalya was laid down by the Human Resources Minister, Shri Murli Manohar Joshi and Chief Minister of Haryana in Dabwali, if so, the progress made so far in this regard ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह): हां, श्रीमान् जी। जवाहर नवोदय विद्यालय (न कि केन्द्रीय विद्यालय) की आधार शिला गांव शेरगढ़, तहसील डबवाली, जिला सिरसा में दिनांक 21–7–2001 को डा० मुरली मनोहर जोशी, माननीय मानव

संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार द्वारा रखी गई थी। जहां तक प्रगति का सम्बन्ध है इस सम्बन्ध में यह कहा जाता है कि पहले से उपलब्ध 12 एकड़ 5 कनाल भूमि के अतिरिक्त 20 एकड़ भूमि अधिग्रहण करने के लिये अधिसूचना जारी कर दी गई है। निर्माण कार्य आगामी वित्त वर्ष 2003–2004 से आरम्भ होना है।

Completion of Power Sub-Stations, Tosham and Patoudi

***1420. Shri Dharambir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state the time by which setting up of 132 KV Sub-Station at Tosham and 33 KV Sub-Station at Patoudi (Tosham) are likely to be completed ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): एक 132 के०वी० उपकेन्द्र तोशाम में 548 लाख रुपये की लागत से पहले ही निर्माणाधीन है। यह काम सितम्बर, 2003 तक चालू होना प्रस्तावित है।

इसके अतिरिक्त पटौदी मे 125 लाख रुपये की अनुमानित लागत से एक नया 33 के०वी० उपकेन्द्र का करना नियोजित है। इस कार्य के सितम्बर, 2004 तक पूर्ण होने की आशा की जाती है।

Lift of Civil Hospital, Bhiwani

***1428. Shri Ram Kishan Fauji :** Will the Minister of State for Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the lift of Civil Hospital, Bhiwani is out of order ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid lift is to be got repaired ?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डा० एम०एल० रंगा):

(क) श्रीमान जी, सात लिफ्टो में से केवल एक खराब है और 6 लिफ्टे ठीक प्रकार से कार्य कर रही हैं।

(ख) लिफ्टें पुरानी होने के कारण उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदला जा रहा है।

Setting-up of Power Sub-Stations in village Selang in District Mahendergarh

***1423. Rao Dan Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Sub-Station at village Selang in district Mahendergarh, if so the time by which it is likely to be set up ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) नहीं श्रीमान्।

Taming of Ghaggar

***1355. Shri Bhag Singh Chhattar :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to tame Ghaggar River for the purpose of flood moderation ; if so, the details thereof

?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): हां श्रीमान् जी।

Flood Moderation in State

***1373. Shri Shashi Parmar :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to utilize Rangoi Nallah water for Kharif crops ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government for flood moderation in the State ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):

(क) हां श्रीमान् जी।

(ख) हां, श्रीमान जी।

Yamuna Action Plan Phase-II

***1383. Shri Balwant Singh Sadhaura :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of Government for taking up works under Yamuna Action Plan Project Phase-II ; if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): जी हां, श्रीमान्। यमुना कार्य परियोजना चरण–।। के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा 62.50 करोड रुपये तक की राशि स्वीकृत किये जाने की आशा है। इसके अन्तर्गत यमुनानगर–जगाधरी, करनाल, पानीपत, सोनीपत, गुड़गांव ओर फरीदाबाद शहरों में अतिरिक्त अवरोधन एवं दिशा परिवर्तन सीवर, जनसहभागिता एवं जन जागरण तथा जन स्वास्थ्य एवं नगरपालिका के कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने के कार्य शामिल होगे।

Criteria for the Revival of Municipal Committees

***1249. Shri Sher Singh :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state—

(a) whether any Municipal Committee has been abolished in the State during the year 2000 ;

(b) whether any Municipal Committee out of those referred to in part 'a' above has been revived, if so, the criteria adopted for the revival ; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to revive the Municipal Committee of Julana ?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल):

(क) हां, श्रीमान् जी। राज्य सरकार ने अपनी अधिसूचना क्रमांक 15/21/97–2क – 1 दिनांक 2 मार्च 2000 द्वारा निम्न 29 नगरपालिकाओं को समाप्त किया था– कलायत, पुण्डरी, इन्द्री,

नीलोखेड़ी, खरखोदा, कलानौर, बेरी, हेलीमण्डी, पटौदी, तावडू, बवानीखेड़ा, सिवानी, उचाना, नारनौंद, सढौरा, बुडिया, रादौर, छछरौली। फरूखनगर, पुन्हाना, हथीन, हसनपुर, अटेली मण्डी, कनीना, तोशाम, लोहारू, जाखल, जुलाना तथा उकलाना मण्डी।

(ख) हां, श्रीमान् जी, सरकार ने अधिसूचना क्रमांक 15/21/97–2क– 1 दिनांक 18 अक्तूबर 2001 द्वारा 14 नगरपालिकाओं नामतः कलायत, पुण्डरी, इन्द्री, नीलोखेडी, खरखौदा, कलानौर, बेरी, हेलीमण्डी। पटौदी, तावडू, बवानीखेड़ा, सिवानी, उचाना, नारनौंद का पुनर्गठन किया गया। पुनर्गठन का मापदंड यह रखा गया कि जिन नगरो की आबादी 2001 की जनगणना के अंतरिम आकड़ों अनुसार 15000 या इससे अधिक होगी, वहां नगरपालिकाये होंगी।

(ग) नहीं श्रीमान् जी।

Construction of Roads of Rohtak City

***1396. Shri Shadi Lal Batra :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following main roads of Rohtak city namely :-

1. Kath Mandi Road ;
2. Labour Chowk to Jagdish Colony Arya Nagar ;
3. Circular Road ;

4. Old Bus Stand to Gurudawara Banglow Sahab ; and

5. Hissar Road to Indira Colony Road ; and

(b) if so, the time by which the construction work of the said roads are likely to be started/completed ?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल):

(क) हां, श्रीमान् जी।

क्रमांक 1,2,3 व 5 वाली सड्कों को बनाने का प्रस्ताव है। क्रमांक मै वाली सड़क पुराने बस अड्डे से गुरूद्वारा बंगला साहब तक की हालत वाहन चलने लायक है। अतः इसके निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) काठमण्डी रोड का कार्य चालू है और 30 अप्रैल, 2003 तक पूरा होने की सम्भावना है। शेष ऊपर (क) में वर्णित सड़कों का काम धान मिलने पर यथाशीघ्र आरम्भ किया जायेगा।

Incident of Rape/Murder Occured in the State

***1288. Shri Pawan Kumar Dewan :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of incidents of murder, rape, kidnapping, injury riot, dacoity, looting, burglary and theft occurred in the State during the year 2001 and from 1st October, 2002 to till date ; and

(b) the percentage of cases solved out of the cases

referred to in part 'a' above ?

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): (क) व (ख) सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(क) हत्या, बलात्कार, अपहरण, दंगे, डकैती, लूट, गृह भेदन तथा चोरी की घटनाओं की संख्या

अपराध का शीर्ष	दर्ज मुकदमों की संख्या	
	2001	1–10–2002 से 31 –1 –2003 तक
1	2	3
हत्या	785	215
बलात्कार	399	102
अपहरण	423	112
दंगे	702	205
डकैती	81	19
लूट	381	96

गृह भेदन	3030	1053
चोरी	6070	1947

(ख) उपरोक्त भाग (क) में से सफल हुए मुकदमों का प्रतिशत।

अपराध का शीर्ष	दर्ज मुकदमों की संख्या	
	2001	1–10–2002 से 31 –1 –2003 तक
1	2	3
हत्या	81.51	51.16
बलात्कार	98.24	74.50
अपहरण	89.59	45.53
दंगे	98.29	63.41
डकैती	80.24	36.84
लूट	72.17	34.37
गृह भेदन	45.18	28.86

चोरी	49.12	28.92

Regularisation of Unauthorised Colonies

***1246. Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state whether any resolution/proposal has been received from various Municipal Committees by the Government for the regularisation of unauthorised colonies in the State. If so, the details thereof together with the number of colonies alongwith the names of cities regularised during the year 2001-2002, 2002-2003 till to-date ?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल): हां श्रीमान् जी, राज्य में अनाधिकृत कालोनियों को नियमित करने बारे 57 नगरपरिषद/पालिकाओ से 60 प्रस्ताव प्राप्त हुये थे। उपरोक्त प्रस्तावों के आधार पर 1130 कालोनियां नियमित करनी प्रस्तावित थीं, जिनकी अनुमोदित नियमितीकरण योजना के अंतर्गत जांच करने पर 1057 कालोनियां नियमित किये जाने हेतु सही पाई गई 1 जिनमे से 45 शहरो नामतः यमुनानगर, सिरसा, सफीदो, चरखी दादरी, पिंजौर, असन्ध, घरोडा, फतेहाबाद 1 पिहोवा, रतिया, कालका, चीका, बरवाला, अम्बाला सदर, अम्बाला शहर, इन्द्री, लाडवा, हांसी, समालखा, शाहबाद, गुडगावा, होडल, जगाधरी, थानेसर। हिसार, तरावड़ी, नीलोखेड़ी, सिवानी, कलायत, रोहतक, टोहाना, गन्नौर, बवानीखेड़ा, जींद 1 गोहाना, भिवानी, सोहना, नूह, फिरोजपुर झिरका, कैथल, रानिया, कलानौर, खरखौदा.

सोनीपत, तावडू की केवल 756 कालोनियों को नियमित करने के आदेश वर्ष 2002 – 2003 मे जारी किये गये हैं।

पुनर्विचार करके नगरपरिषदों/नगरपालिकाओं से समुचित सर्व के आधार पर इन कालोनियों में विकास कार्यों का आकलन करने व उनमें अनुकुल तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने हेतु–संसाधन जुटाने के लिये विस्तृत सूचना मांगते हुये नियमितीकरण के आदेश दिनांक 15 – 1 – 2003 को वापिस ले लिये' गये।

Construction of S.D.M. Complex in Ellenabad

***1397. Shri Bhagi Ram :** Will the Minister for Revenue be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct S.D.M. Complex in Ellenabad district Sirsa ; if so, the time by which it is likely to be constructed ?

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): जी, हां। इसके 31 – 12–2004 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon' ble Members, now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under rule 30.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, 13th March, 2003.

Mr. Speaker : Motion moved—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, 13th March, 2003.

Mr. Speaker : Question is—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, 13th March, 2003.

The motion was carried.

समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, Shri Nafe Singh Rathi, Chairperson, Committee on Public Accounts will present the Fifty Third Report of the Committee on Public Accounts for the year 2002-2003 on the Appropriation Accounts/Finance Accounts of the Haryana Government for the years 1999-2000 and 2000-2001.

Shri Nafe Singh Rathi (Chairperson, Public Accounts Committee) : Sir I beg to present the Fifty Third Report of the Committee on Public Accounts for the year 2002-2003 on the Appropriation Accounts/Finance Accounts of the

Haryana Government for the years 1999-2000 and 2000-2001.

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा
(पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Now, discussion on the Budget Estimates for the year 2003-2004 will resume.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: स्पीकर सर, बजट अनुमानों पर चर्चा शुरू होने से पहले मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष: हुड्डा साहब, बैठिए, कादियान साहब, बैठिए, दान सिंह जी बैठिए। जीरो आवर के बारे में रूल में नहीं है, न तो पार्लियामैंट में है और न ही किसी विधान सभा में है। कहीं पर भी जीरो आवर रूल में नहीं है। (विघ्न) जहां तक कन्वैंशन की बात है तो आपने आज कुछ लिखकर दिया ही नहीं है। (विघन) कैप्टन साहब, सुबह अखबार में पद कर आ जाते हैं और यहां पर आकर बोलने लग जाते हैं। कैप्टन अजय सिंह ने कुछ लिख कर नहीं दिया हुआ है। (विघ्न) आप सभी अपनी सीटों पर बैठ जाए। (विघन)

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी खड़े हैं और वे जीरो आवर पर कुछ कहना चाहते हैं आप मेहरबानी करके उनकी बात सुनिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: चौधरी भजन लाल जी, आप किस लिए खड़े हैं ? आप बैठिए। (विघन एवं शोर) आपको बोलने की मैंने

इजाजत नहीं दी है इसलिए आप बैठे। (विघ्न एवं शोर) कैप्टन साहब, आप भी बैठें। (विघ्न एवं शोर) दलाल साहब, आप भी अपनी सीट पर बैठें। (विघन एवं शोर)

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, यह जीरो आवर है और इसमें मैम्बर किसी भी बात को उठा सकते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, आपको कोई इजाजत नहीं है इसलिए आप बैठे। (विघन आपकी जानकारी के लिए मैं आपको बताना चाहूंगा कि रूल में जीरो आवर नहीं हैं। (विघ्न एव शोर) जब कोई बिजनैस नहीं है तो कोई जरूरी नहीं है जीरो आवर हो।

वित्त मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह): स्पीकर सर, कोई मैटर पैंडिंग नहीं है और इन्होंने कुछ भी लिख कर नहीं दिया हुआ है। (विघ्न एवं शोर) रूल्ज में जीरो आवर का कोई प्रोविजन भी नहीं है। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष: आप सभी लोग अपनी–अपनी सीटों पर बैठें। (विघन एवं शोर) भजन लाल जी, आप बैठें। जीरो आवर का रूल्स मे कोई प्रोविजन नहीं है। अगर कोई जरूरत हो तो आप बोल सकते हैं पहले आप रूल पढ़ लें उसके बाद मेरे चौम्बर में आ जाना। (विघन एवं शोर) आप बैठें। अदर इम्पोटैंस का कोई मैटर आज था नहीं इसलिए आज जीरो आवर की कोई आवश्यकता

नहीं थी और दूसरा बिजनैस ट्रांजैक्ट किया गया है। (विघ्न एवं शोर)

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में बोलने के लिए आपकी परमिशन चाहता हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठें। मैं आपको वार्न करता हूं। (विघ्न) आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। कादियान साहब, आप बैठ जाएं। बिना इजाजत के बोलने की आपने एक रिवायत बना रखी है। आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (विघान)

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपकी परमिशन से मैं यहां पर यह कहना चाहता हूं कि आपने इनको अन्डर रूल पूरी बात एक्सप्लेन कर दी है। जहां तक ये कन्वैंशन की बात कर रहे हैं, जब भी इनकी तरफ से कुछ लिखकर आया है चाहे इनकी तरफ से कोई काल अटैंशन मोशन आई है या कुछ और तो आपने उसको एडमिट किया है और उस पर इनको पूरा बोलने का मौका दिया है। गवर्नर एड्रैस में सरकार का सारा लेखा जोखा होता है और उस पर भी आपने सभी मैम्बर्ज को खुले तौर पर उनके विचार देने का, उस पर बोलने का समय दिया था। अब बजट पर डिस्कशन हो रही है और इस पर भी सभी को बोलने का मोका दिया जा रहा है। अब इनकी तरफ से कुछ लिखकर आया ही नहीं, कोई मैटर इनकी तरफ से है ही नहीं, तो ये किस पर बोलना

चाहते हैं? ये यूं ही शोर मचाने के लिए खडे हो जाते हैं। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इनका क्या हाल है, अगर लीडर आफ दि अपोजीशन बोलने के लिए खड़ा होता है तो उसके साथ ही ०इ और बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं। अगर इनकी पार्टी का अध्यक्ष बोलने के लिए खड़ा होता है तो ओं ओर बोलने के लिए साथ में खड़े हो जाते हैं। स्पीकर सर, मेरा आपसे निवेदन है कि आप सदन मे डैकोरम बनाएं ताकि सभी मैम्बर्ज बजट में हो रही डिस्कशन पर कंट्रीव्यूट कर सकें, इनकी तरफ से अच्छे सुझाव आएं। (विध्न) ये इस तरह से शोर शराबा न करे। जो मेम्बर्ज बोलना चाहते हैं उनको अपने विचार देने दें।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मुझे अफसोस इस बात का है कि विपक्ष के लोगों को बोलने का पूरा समय आप दे रहे हैं। कल आपने स्वयं सभी को बोलने का समय दिया। लीडर आफ दि अपोजिशन को बोलने का समय प्रदान किया लेकिन इन्होंने सदन के 40 मिनट खराब करे। (विघन) क्या ये सदन में कुछ बोल पाए थे? (विघन)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, एम०एल०एल० द्वारा

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने मेरा नाम लिया है इसलिए मैं पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। सी०एम० साहब कह रहे हैं कि विपक्ष के नेता ने सदन के 40

मिनट खराब कर दिए। अध्यक्ष महोदय, मुझे यहां पर बोलने का अधिकार लोगों ने दे रखा है।

श्री अध्यक्षः हुड्डा जी आप अपनी सीट पर बैठे। (विघन)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): मुझे तो हैरानी होती है कि आपको लोगों ने अपनी बाते कहने का अधिकार दे रखा है। (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, ...।

श्री अध्यक्षः हुड्डा साहब, आप बैठिए। ये जो भी बोल रहे हें वह कुछ मी रिकार्ड नहीं किया जाए। (विघ्न) आप सब अपनी सीटों पर हेठ जाएं। कादियान साहब, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (विघन) कादियान जी, I warn you. (विघन) कादियान जी, मैं आपको चेतावनी देता हूं आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (विघन) हुड्डा जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि विपक्ष को सदन की गरिमा की परिभाषा समझनी चाहिए। (विघ्न) यह सिखाना तो पार्टी के नेता का काम होता है। अब उसको ये नेता मानते ही नहीं हैं। (विघन) इनको चालीस मिन्टस का बोलने का समय दिया गया था ये बताएं क्या उन्होंने उन चालीस मिन्टस में कोई भी एक बात सही बजट पर बोली है ? चालीस मिनट में एक भी बात नहीं बोली हैँ और अब फिर ये सदन का समय खराब कर रहे हैं (विघन) अध्यक्ष

महोदय, यह जग्गी भी सदन मे बैठा है लेकिन यह सदन में तो बोल नहीं सकता और बाहर काला कोट पहनकर बैठ जाता है। इसी तरह से विपक्ष के नेता फोटो खिचवाने में लगे रहते हैं। इससे तो काम नहीं चलेगा। सदन में इनको बोलने का आपने अवसर दिया है। हर चीज की कोई सीमा होती है। अध्यक्ष महोदय, हमारा काम यह होना चाहिए था कि आज सदन में आते ही हम सब मिलकर केन्द्रीय बजट में जो खाद के दाम घटाए गए हैं उसके लिए केन्द्रीय वित्त मंत्री के लिए ध्न्यवाद प्रस्ताव पास करते। (विघ्न) ये कोई अच्छी बात सुनने के लिए तेयार नहीं है, अच्छी बात कहने के लिए तेयार नहीं है, अच्छी बात समझने के लिए तैयार नहीं हें। आखिर सदन का एक समय है। इनको तो अध्यक्ष की भी सराहना करनी चाहिए कि उन्होंने इनको हर मुद्दे पर बोलने का अवसर प्रदान किया। (विघन) धर्मबीर भी 23 मिनट बोला है। यहां पर टाईम लिखा हुआ है कि कौन कितना बोला है। अध्यक्ष महोदय, यह तो इनकी समय खराब करने वाली बात हे। आपने इनको इतना समय दिया, फिर भी इनकी तसल्ली नहीं है। यह जो इस तरह से फिजूल की बातें होती हैं इससे भी सदन का समय खराब ही होता हे। इनको चाहिए कि ये अच्छी बात कहें, खुलकर बोलें। आपने इनको काफी समय दिया है। (विघ्न) बेचारा कप्तान यहां बैठा है पहले इसे और मुझे तो कोई बोलने ही नहीं देता था। (विघ्न) बेचारा वह होता है जिसको बोलने का अवसर ही न मिले। उस समय इसको भी और मुझे भी बोलने का समय ही नहीं मिलता था यहां तक कि विपक्ष के नेता को भी सदन से बाहर

निकाल दिया जाता था। लेकिन अब विपक्ष के नेता को जब बोलने के लिए कहा जाता है तो वह बाहर जाते हुए हाथ हिलाकर चले जाते हैं। (विघन)

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप बैठ जाएं।

डा० रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, मैं आपसे फिर कह रहा हूं आप बेठ जाएं। I warn you. अब धर्मपाल जी बोलेंगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः नहीं नहीं। आप बैठें।

वाक आउट

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः नहीं नहीं, आपका कोई प्वायंट ऑफ आर्डर मंजूर नहीं किया जाता है इसलिए आप बैठ जाए। (विघन)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मैं कोई गलत बात तो नहीं कह रहा हूं आप मेरी बात सुन तो लें।

श्री अध्यक्षः आप सारी बात ठीक ही करते हैं। आप बैठ जाएं। I warn you. (विध्न) दलाल साहब, आप बैठ जाएं। मैंने आपको बोलने की कोई परमिशन नहीं दी है। अब राव धर्मपाल जी बोलेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कंक्लुड तो करने दें।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, मैंने आपको दो बार बोलने का समय दिया है जबकि आप अपनी पार्टी के अकेले ही विधायक हैं। मेरे पास ऐसे–ऐसे भी विधायकों के नाम आये हुए हैं जो न तो गवर्नर ऐड्रस पर बोले हैं और न ही अभी तक बजट पर बोले हैं। मैं आज उनको समय दूंगा। क्या आप ही बोलते रहेंगे? सभी पार्टियों को मैंने बोलने का मौका देना है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, अगर आप मेरी बात नहीं सुन रहे हैं तो मैं इसके विरोध में सदन से वाक आउट करता हूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है आप चले जाएं, कोई बात नहीं। (विघन)

(इस समय रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के श्री कर्ण सिंह दलाल सदन से वाक आउट कर गए।) विघ्न)

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा
(पुनरारम्भ)

राव धर्मपाल (सोहना): अध्यक्ष महोदय, जो माननीय वित्त मंत्री जी ने वर्ष 2003–2004 का बजट पेश किया है मैं उस पर चर्चा के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, प्रो० सम्पत सिंह जी ने लगातार चौथा बजट पेश किया है लेकिन चारों बजट मे हर बार जो प्लान आईटम्स हैं उनकी परसैटेज हर बार कम होती जा रही है। पहले 20 परसैंट, फिर 22 परसैंट, फिर 20 परसैंट और अब शायद 18 और 20 परसैंट के बीच में है। इसी के साथ साथ 'बजट एट ए ग्लांस' मे सबसे थोड़ी राशि अगर किसी मद मे दी गयी है तो वह ऐग्रीकल्चर और रूरल डिवैल्पमैंट हैं। मुख्यमंत्री महोदय ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के जवाब में कहा था कि मौजूदा सरकार ने 33 हजार काम कर दिए हैं और तकरीबन नौ हजार काम का आगे भी इन्होने वायदा किया हुआ है। अध्यक्ष

महोदय, इन आकड़ों के हिसाब से पैसा तो कम दिखाई दे रहा है और काम ज्यादा है। किस तरह से सरकार इसे पूरा कर पाएगी? यह मेरी समझ में नहीं आता। यह तो सरकार की योग्यता पर आधारित है। (विघन)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): थोडे पैसे में ज्यादा काम हो इससे ज्यादा योग्यता की बात और क्या हो सकती है। (विघ्न)

राव धर्मपालः अध्यक्ष महोदय, 2221 करोड़ रुपये की सिर्फ ब्याज पर सरकार की देनदारियां हैं और सबसे ज्यादा हाई परसैटेज लोन वापस करने की है। मैं समझता हूं कि यह बहुत मुश्किल काम है। आधारभूत संरचना विकास के अन्तर्गत पहली प्राथमिकता सड़क और परिवहन को दी गई है। मैं पहले भी राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कह चुका हूं कि हरियाणा प्रदेश मे स्टेट हाइवेज को छोड़कर ऐप्रोच रोड्ज की हालत अच्छी नहीं है, मैंने नाम भी बताए थे। खास तौर पर जो म्यूनिसिपल कमेटीज के अंदर रोड्ज हैं चाहे वह गुड़गांव में हैं, चाहे वह सोहना में हैं, वह बहुत अच्छी नहीं हैं बिलकुल टूटी–फूटी पड़ी हैं। सरकार ने बी०ओ०टी० के माध्यम से भी सड़को का, पुलों का निर्माण का काम किया है बहुत अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, में इस मामले मे एक सुझाव भी देना चाहूंगा। जो भी सडक है चाहे वह गांव में हैं चाहे वह शहर में हैं उसके जो बर्म्स हैं जो कच्ची पटड़ी है वह सड़क से ऊंची नहीं होनी चाहिए, पटडी सड़क से ऊंची होने के कारण सड़क पर पानी आता है और उससे सड़कें टूट जाती हैं, क्योंकि बिटुमन और पानी का कोई मेल नहीं है। अफसोस की बात यह है कि उस महकमे के अधिकारी और कर्मचारी भी उस रोड से निकलते हैं और देखते हैं और देखने के बावजूद इस मामले में कोई ऐक्शन नहीं लेते हें इससे सरकार का भी नुकासन होता है और लोगों को भी असुविधा होती है इसलिए इस पर सरकार विचार करे। मैं समझता हूं कि इससे सरकार का नुक्सान भी कम होगा और लोगो को सुविधा भी मिलेगी। जहां

तक परिवहन की बात है अध्यक्ष महोदय, 3500 बसें हरियाणा रोडवेज मे दिखाई गई है, बहुत अच्छी बात है, बसें सड़को पर चलती दिखाई देती हैं, दौड़ती भी खूब हैं, परिवहन मंत्री जी हेते हैं मैं कहना चाहूंगा कि जो नयी बसें आ रही हैं मैंने कई बार नोट किया है क्योंकि मुझे भी थोड़ी बहुत टैक्नीकल सूझबूझ है वह बसें आवाज बहुत ज्यादा करती हैं। अध्यक्ष महोदय, पौल्यूशन तीन तरह से होता है, हवा, आवाज और पानी। यह बसें किस पद्धति से बनाई गई हैं यह पता नहीं है वह इतनी जबरदस्त ऐग्जॉस्ट करती हैं जब पूरी रेस दें तो ऐसा महसूस होता है कि न जाने क्या जलजला आ गया है। मैं परिवहन मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि इसको आप ऐग्जामिन कराएं। हो सकता है कि उन बसो का साइलैंसर बड़ा होने की वजह से वह ऐग्जॉस्ट करती हैं। इन बसों की आवाज की तरफ ध्यान दिया जाए। जो बसें गांव में जाती हैं उनकी सेवायें संतोषजनक नहीं हैं। गांवों में खासतौर से लड़कियां दूर–दूर से आती हैं क्योंकि हमारे यहां 10– 10 और 1 5– 15 किलोमीटर तक कोई दस जमा दो का स्कूल नहीं है, यह अपनी कंस्टीच्यूसी की बात मैं कर रहा हूं। इसलिए बच्चों को दूर–दूर के लिए जाना पडता है। खासतौर से सड्कों की हालत खराब होने के कारण खासकर बादशाहपुर से शकरपुर वाया पलड़ा की सड़क की हालत बहुत खराब है। जिसके कारण वहां बसें नहीं जाती और बच्चों को बड़ी परेशानी होती है। जिनके अपने व्हीकल्ज हैं वे तो चले जाते हैं, नहीं तो औरों को बसों में बदल–बदल कर जाना पड़ता है। इसके अलावा बिजली को भी

बड़ी प्राथमिकता दी गई हे इसके लिए 290 करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, बजट में दिखाया गया है कि 20 अगस्त, 2002 को ग्रामीण क्षेत्रो को 184 लाख से 272 लाख यूनिट बिजली दी गई और 698 लाख यूनिट रिकार्ड तोड़ उत्पादन बिजली का हुआ है। अध्यक्ष महोदय, जिस हिसाब से बताया गया है कि इतने लाख यूनिट बिजली गांवों में रोज 8–8 और 10 – 10 घण्टे रात दिन मे दी गई है। इसको एग्जामिन कराया जाये ओर एग्जामिन भी हमारे भाई ही कर सकते हैं जिन–जिन के हल्कों में जेसी–जैसी बिजली दी जाती है सबको पता है, कुछ बोलने में यहां पर संकोच कर जाते हैं। आज गांवों की हालत यह हे कि किसानों को रात को उठकर खेत में जाकर पानी बलाना पड़ता है। हालत बिजली की इतनी अच्छी नहीं है। यह आख मिचोनी का खेल खेला जा रहा है। अगर ये आकड़े सही हैं तो फिर बिजली के वितरण को, प्रसारण को आप चौक करायें क्योकिं डिस्ट्रीब्यूशन में अगर गड़बड़ होगी तो जनरेशन का इतना फायदा नहीं हो पायेगा। डिस्ट्रीब्यूशन सही होना चाहिये। तीसरी बात, जो बिजली के नये कनैक्शन खासतौर से किसानों की बात मैं कर रहा हूं क्योंकि इण्डस्ट्रीज वालों को और डौमस्टिक वालों को तो कनैक्शन मिल ही जाते हैं लेकिन किसानो को टयूबवैल का कनैक्शन मिलने के लिए बहुत लम्बी लाईन में खडा होना पड़ता है और आदमी भागा–भाग। फिरता है। जब किसान दफ्तर में जाता है तो उसको यह जवाब मिलता है कि ट्रांसफार्मर ओवर लोड है जब नया ट्रांसफार्मर आयेगा तभी कनैक्शन मिलेगा। वे ऐसा

कहकर कुछ न कुछ बहाना लगा देते हैं। आज जो तत्कालीन योजना चलाई गई हैं तो तत्कालीन का मतलब तो तत्काल ही कनैक्शन मिलना चाहिये। जहां तक सिंचाई की बात है, मेरा अपना तो इससे कोई संबंध नहीं है क्योंकि हमने तो तीन–चार पीढ़ियों से गुड़गांव में कोई नहर नहीं देखी। सरकार ने मेवात एरिया में कोई नई नहर देनी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, यह बडी चिन्ता का विषय है कि एक भाई तो पराठे खाये और दूसरे को सूखी रोटियाँ। हिसार, सिरसा, जीन्द जिलों में तो नहरें इतनी हैं कि वहां पर जमीन में सेम की वजह से फसलों में ओगल आ रहा है, जमीन खराब होती जा रही है जबकि दक्षिणी हरियाणा मे खासतौर से गुडगांव, फरीदाबाद, महेन्द्रगढ और रेवाड़ी में लोग एक–एक पानी की बूंद के लिए तरसते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस बारे में पानी की समानता की जानी चाहिए। आपको पता है कि कुरुक्षेत्र में महाभारत का युद्ध इसी बात को लेकर हुआ था। कहीं ऐसा न हो कि भूखे मरते लोग विरोध पर न उतर आयें। चाहे तो इनको पानी का हक आप एस०वाई०एल० से दें लेकिन इनको पानी जरूर दिया जाना चाहिए। जो फिलहाल पानी का हिस्सा बनता है वह आप उनको दे दो, मेरा ऐसा सरकार से अनुरोध है। अध्यक्ष महोदय, मैं स्कूलो के बारे में, शिक्षा के बारे में जिक्र करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः राव साहब, आप एक मिनट में वाइंड अप करें क्योंकि और बहुत से मैम्बर्ज ने भी बोलना है।

राव धर्म पालः मेरे हल्के मे कल परसो मुख्यमंत्री महोदय ने 4–5 स्कूली की घोषणा की, इसके अलावा भी मेरे हल्के मे 128 गांव हैं उनमे खइ स्कूल 10+2 के हैं। मैं चाहता हूं कि सोहना हल्के के 5–6 गांवों के बीच एक 10+2 का स्कूल होना चाहिए। हरचंदपुर गांव जो पलवल रोड पर है उसकी बहुत बड़ी आबादी है, उसके साथ टूटपरी, चालनी, मानूवास कई गांव लगते हैं वहां भी 10+2 का स्कूल होना चाहिए। उन्होंने इसके लिए कमरे की औपचारिकता भी पूरी कर दी है। बादशाहपुर में बॉयज के दूसरे स्कूल को खोलने की भी मुख्यमंत्री जी घोषणा कर आए हैं। नखरौला गांव आदि जो सभी नाम मैं बता रहा हूं वहां मैट्रिक तक स्कूल है उनको 10+2 तक किया जाए। शिकोपुर बहुत बड़ा गांव है। वहां भी 10+2 का स्कूल होना चाहिए। भांगरौला, काकरौला, गढ़ी वजीदपुर ये बड़े–बडे गांव हैं जिनके चारों और 6–7 गांव लगते हैं। इनमे भी 10+2 के स्कूलो को खोलने की आवश्यकता है और ये सरकार को करने भी चाहिएं ताकि विशेष तौर पर लड़कियां शिक्षित हो सके और उनको आगे बढ़ने का मौका मिले। जहां तक उद्योगों की बात है, यहां पर बताया गया कि 140 छोटे बड़े उद्योग लगे हैं और 1,64,000 आदमियों को नौकरियां मिली हैं। जहां उद्योग लगते हैं वहां एक उम्मीद भी साथ खड़ी होती है। एक तरफ जहां किसान की जमीन जाती है और वह एक चीज से वंचित हो जाता है तो दूसरी ओर यह आशा कर वह अपने दिल को रोक लेता है और सोच लेता है कि जमीन चली गई तो कोई रोजगार मिलेगा लेकिन ऐसा हो नहीं रहा।

श्री अध्यक्षः राव साहब आप बैठिए। आप 15 मिनट बोल चुके हैं।

राव धर्मपालः अध्यक्ष महोदय, रोजगार न मिलने के कारण 17 से 27 साल की उम्र के बीच का नौजवान जिसको अपने विकास का, कैरियर का रास्ता देखना था, वह शराब बेचने पर उतारू हो गया। शराब बेचकर युवा पीढ़ी इतनी खराब हो गई कि आज उसे न रोजगार मिला है न नौकरी मिली है। शराबबन्दी खुलने से उनके द्वारा बेची जाने वाली शराब बिकनी बन्द हो गई। इसलिए मेरा इस मौजूदा सरकार से अनुरोध है कि इस भटकी हुई युवा पीढ़ी को सम्भाला जाए वरना इसका भयंकर परिणाम हो जाएगा।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः राव साहब, क्या आपके हिसाब से रोजगार का साधन शराबबन्दी थी ? (विघ्न) ये कह रहे हैं कि शराबबन्दी की वजह से काम चल रहा था अब खुलने से बंद हो गया। (विघ्न)

राव धर्मपालः मैंने कहा कि शराबबन्दी के समय 17 से 27 साल की उस तक की युवा पीढ़ी शराब बेचने का काम करने के कारण रास्ता भटक गई थी।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः शराब बेच रहे थे न। (विघान) लेकिन चौ० बंसी लाल जी तो कह रहे थे कि शराब नहीं बेच रहे थे। (शोर एवं व्यवधान)

राव धर्म पालः तो फिर 81 हजार मुकद्दमें कैसे दर्ज हुए ? उन भटके हुए नौजवानों को जो कल बिगड़ गये थे क्योकि नौकरी की उनकी उस निकल चुकी है, अगर यह मौजूदा सरकार उन नौजवानों को नौकरी देकर उनका भविष्य सुधारने का काम करेगी तो बहुत अच्छा होगा।

श्री अध्यक्षः राव साहब, आप बैठें। दूसरे एम०एल०एज० ने भी बोलना है। आप दूसरी बार बोल रहे हैं। किसी किसी मैम्बर को एक बार भी बोलने का मौका नहीं मिला इसलिए आप बैठें। आप 15 मिनट बोल चुके हैं।

11.00 बजे

चौ० बंसी लाल (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, यह जो वित्त मंत्री जी ने बजट पेश किया है इसमें जो इनके वर्ष 2001 – 2002 के एक्चुल्स थे वह 7000 करोड थे। 2002–03 में बजट एस्टीमेट्स थे 8925 करोड़ रुपये और रिवाईज्ड एस्टीमेट्स हो गए 8781 करोड़ रुपये तो 143 करोड़ रुपये का घाटा रह गया और आगे ये बजट एस्टीमेट कह रहे है 9810 करोड़ रुपये के तो मुझे यह लगता नहीं कि इनकी पार पड़ेगी। प्लान एक्सपैंडीचर जो है 2001–02 में 2264 करोड़ रुपये एक्चुअल था, 2002–03 मे 2562 करोड़ रुपये बजट एस्टीमेट्स थे, रिवाईज्ड एस्टीमेट्स हुआ 2201 करोड़ रुपये का। ये जो 2003–04 के लिए प्रोजैक्ट कर रहे हैं 2615 करोड़ रुपये तो मुझे नहीं लगता कि ये वहां तक पहुंचेगे।

आगे ये फिर रिवाईज्ड फिगर्ज लेकर आयेंगे और नॉन प्लान एक्सपैंडीचर जो हैं वो हर साल बढ़ता जा रहा है। 2001 –02 मे यह 6160 करोड़ रुपये था और 2002–03 में 8881 करोड़ रुपये था तथा अब सरकार बजट एस्टीमेट्स कह रही है 9441 करोड़ रुपये यानि 560 करोड़ रुपये के बजट एस्टीमेट्स में नॉन प्लान एक्सपैडीचर ज्यादा हैं। पीछे मुख्यमंत्री जी ने ऐलान किया है कि 20 हजार कर्मचारी और भर्ती करेंगे तो नॉन प्लान एक्सपैडीचर और बढ़ेगा तो फिर यह प्लान कैसे पूरा होगा ? रैवेन्यू डैफीशिट भी घटता जा रहा है ये जो चीजे हैं इनसे मुझे नहीं लगता कि इनका ये जो बजट हे यह सही आकड़े दे रहा है। जो पैसा पब्लिक डैट में आ रहा है वह 38 प्रतिशत आ रहा है जबकि ये इंट्रस्ट पेमैंट मै प्रतिशत और लोन रि–पेमैंट 26 प्रतिशत यानि 40 प्रतिशत दे रहे हैं यानि जो ले रहे हैं उसमें भी 2 पैसे और मिलाकर दे रहे हैं। इस पर भी सरकार को कंट्रोल करना चाहिए वरना ये कामयाब नहीं होंगे। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहूंगा कि हरियाणा गवर्नमैंट की लोन्ज की देनदारियां क्या हैं? केन्द्रीय सरकार के लोन कितने हैं, स्माल सेविंग्ज के कितने हैं, मार्केट बोरोईग के कितने लोन हैं और जनरल प्रोविडैंट फंड में से कितना पैसा इस्तेमाल किया हुआ है, सरकार की लायबिल्टी कितनी है, इन्स्पीव्यूशनल लोन्ज फ्रोम नाबार्ड, एल०आई०सी० वगैरा कितने हैं? इसके अतिरिक्त आज जो सरकार ने लोन रेज किए हैं रोड इश्ववमैंट प्रोग्राम के बारे में हुडको से, वह कितना है। जो लायबिल्टीज बिजली बोर्ड की कम्पनियो के

माध्यम से ली गई हैं जो बोड इशू किये गये हैं वे कितने रुपये के हैं और किस इन्ट्रस्ट पर हैं? इसके अतिरिक्त दूसरे जो पब्लिक सैक्टर अंडरटेकिंग्ज के लोन्ज यानि पब्लिक इन्ट्रप्राईजिज के भी बताये जायें कि किस– किस के कितने–कितने लोन हैं ? अभी भारत सरकार के वित्तमंत्री श्री जसवन्त सिंह ने जो बजट पेश किया है उसमे उन्होंने कहा है कि जो हाई रेट ऑफ इन्ट्रस्ट पर राज्य सरकारो ने पैसा लिया हुआ है वे उसका प्रबन्ध कर रहे हैं। हमारा बजट पहले आया है वित्तमंत्री जी ने यह बजट पेश करते हुए उसका ध्यान नहीं रखा। ड्राट रीलिफ भी न के बराबर है। महेन्द्रगढ़ जिले मे चारा 5 रुपये किलो मिलता है और ये कहते हैं कि ये राजस्थान में चारा के ट्रक भेज रहे हैं। मैं राजस्थान में चारा भेजने के हक मे हूं लेकिन पहले हमारे मवेशियो को चारा मुहैया करवायें उसके बाद ही राजस्थान में भेजें या कहीं और भेजें। यह लोगो के साथ एक मजाक बन गया है। 5 रुपये किलो आता हे तो जो रोहतक का, सोनीपत का गन्ना है, गन्ना खरपतवार के समेत भिवानी जिले मे जा–जा करके तट रुपये क्विंटल लोग बेचते हैं। एक जो महेन्द्र चौधरी की बात आई मुख्यमंत्री जी ने जवाब दिया कि मैं उस कमेटी से बात करूंगा, कमेटी से क्या बता करेंगे ? कमेटी से तो कोई बात करने की है नहीं। कमेटी तो आपकी है। फिर आप कहते हैं कि प्रधानमंत्री आपके कहने से देर नहीं लगायेंगे। महेन्द्र चौधरी जरूरतमंद हैं।

श्री अध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी, आप बजट पर बोलें। (विघ्न)

चौ० बंसी लालः यह मैं बजट पर ही बोल रहा हूं। महेन्द्र चौधरी को जरूरत है, वह लड़ाई लड़ रहे हैं हिन्दुस्तानियों की। (विध्न)

श्री अध्यक्षः क्या यह बजट का पार्ट है?

चौ० बंसी लालः हां, यह बजट का पार्ट है, बिलकुल है। (विघान)

श्री अध्यक्षः नहीं, नहीं।

चौ० बंसी लालः और वो लड़ाई लड़ रहे हैं तो रुपया उनको भेजना चाहिए। एक तरफ मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि कमेटी से बात करूंगा और दूसरी तरफ कहते हैं कि प्रधानमंत्री से कहेंगे तो एक मिनट नहीं लगेगा। उनको जरूरत हे। वो अदालत में मुकद्दमे लड़ रहा है, पब्लिक मे मुकद्दमा लड़ रहा है, उनकी सहायता करनी चाहिए। (विघान)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, उस महेन्द्र चौधरी को डोनेशन देने के लिए आपका भी कोई योगदान है ?

चो० बंसी लालः मैंने नहीं पता, मेरा है या नहीं लेकिन सरकार ने कई करोड़ रुपये इकट्ठे किए हैं, यह मुझे पता है। (विघान)

श्री अध्यक्षः जिसको कोई पता ही नहीं तो उसका जिक्र ही क्यों करो।

चौ० बंसी लालः बी०डी०ओज० के पंचायत सैक्रेटरी के द्वारा किए गए उस हिस्से में मेरे गांव का हिस्सा भी गया। प्रो वाईस चांसलर को हटाने की बात चल रही है प्रो–वाईस चांसलर को इसलिए हटाया जा रहा हे कि खर्चा घटाना है ज्यादा हो रहा है तो क्या एक नई यूनिवर्सिटी जो बनाने जा रहे हो उसमें खर्च नहीं होगा? सही बात नहीं बतायी जा रही। जो असली बात है वो बात बता दो। उन आदमियो का नाम पसंद नहीं है, शक्ल पसंद नहीं है, क्या बात है, क्या कारण है, हाउस मे साफ करके आना चाहिए ? एक प्रदेश में जितनी क्यूरिज हैं उन सब में साढे तीन रुपया फुट जब पहाड़ से पत्थर निकलता है क्रैशर पर जाता है और वह तैयार हो जाता है तो तैयार होकर जो बजरी बाहर जाती है उसके लिए चारों तरफ जो 2 नम्बर का टैक्स है उसके लिए पक्के मकान बना रखे हैं वो वसूल किया जाता है वह कहां जाता है, यह मुझे नहीं पता। (विधन) अगर ये कहते हैं कि एक नम्बर का है तो बता दें। (विध्न)

श्री अध्यक्षः बिसला जी, आप बैठे–बैठे न बोलें।

चौ० बंसी लालः सड़क जो है, मुख्यमंत्री जी पिछले सदन में भी कह रहे थे कि फलां तारीख तक सब हरियाणा की सड़कें फर्स्ट क्लास हो जाएगी। मैंने जो देखा है एक जिले से

दूसरे जिले की भी सड़क ठीक नहीं है। जो आप सड़क की मरम्मत करते हैं रैशनल ढंग से करें, रैश्नौलाईज करें। एक जिले को दूसरे जिले से मिलाने वाली सड़क को ठीक करें। एक सब डिवीजन को दूसरे सब डिवीजन से मिलाने वाली सड़क को ठीक करे। सड़कें तो टूटी पडी हैं, जो 3 महीने, 4 महीने पहले बनी थीं वह फिर टूट गई। सोनीपत से गोहाना की सड़क है 2–3 फुट गहरे गढ्ढे 2–2, 3–3 स्क्वेयर मीटर में बिखरे हुए हैं। ठीक भी कर रहे हैं फिर अगले दिन टूट जाते हैं, इसका भी कुछ करना चाहिए। (विघन) जाके देखना कितनी बढ़िया है। एक मुख्यमंत्री जी कह रहे थे, लोग हरियाणा में इंडस्ट्रीज लगाने के लिए बड़े जोर से आते हैं. हरियाणा के नाम से सिर ऊंचा हो जाता है। हम चाहते हैं कि हरियाणा के नाम से सिर ऊंचा हो, होना चाहिए लेकिन कौन–कौन सी इण्डस्ट्रीज छोड़ कर चली गई वह भी बता दो। मैं एक अखबार की खबर के बारे में बताना चाहता हूं। मुख्यमंत्री जी 13 जनवरी के अखबार मे यह एक खबर छपी है। यहां है भ्रष्टाचार और लूट का बोलबाला, भारतीय विदेश छोड कर भारत मत आना। आगे हरियाणा की औद्योगिक नगरी धारुहेड़ा में ....(विध्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, हुड्डा साहब की ओर आपकी इकट्ठी खबर है।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि यह खबर की

कटिंग विपक्ष के नेता ने भी पढ़ी थी। मुझे यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि जिस व्यक्ति ने यह इण्डस्ट्री लगायी थी वह इण्डस्ट्री चली। उस इण्डस्ट्री के जिम्मे सेल्ज टैक्स का पैसा बकाया था और उसने वह पैसा दिया नहीं। फिर उसके ऊपर छापा भी मारा, पैनल्टी भी लगायी। उसने तो यह भी कहा कि मेरी इण्डस्ट्री चली ही नहीं। आप कम से कम अखबार की खबर से नहीं बल्कि पहले तथ्यों के आधार पर ज्ञान हासिल करे। (विघन) यह तो मैं मान सकता हूं कि यह नया आया है, मोटी बुद्धि का आदमी है। (विघन)

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप अपनी सीट पर बैठें (विघन) चौधरी बंसी लाल जी, आप बोलें। (विघन)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडडाः अध्यक्ष महोदय, (विघ्न एवं शोर) ....

श्री अध्यक्षः हुड्डा साहब, आप बैठे। (दिक्त) हुड्डा साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी वैसे ही तलखी मे आते हैं मोटी बुद्धि बडे आदमी से सम्बन्धि मामला है। हमारे यहां पर तो कहावत है मोटा सिर सरदार का। हुड्डा साहब, आपकी तो उपमा बढ़ाई गई है। (विघन) आपको इज्जत दी गई है (हंसी)। अखबार की खबर को हम लोगों को आधार नहीं मानना चाहिए। अखबार में एक समाचार छपा था। फरीदाबाद मे तोड़फोड़ की कार्यवाही के प्रति हाईकोर्ट ने स्टे दे

दी, तारीख भी लगा दी। यह बात इलैक्ट्रोनिक मीडिया ने भी कही थी और वे सारे के सारे लोग कोर्ट ने कन्टैम्प्ट में भी बुला लिये थे। एक अखबार ने कन्टैम्प्ट में बुलाने के बावजूद भी फिर लिख दिया। अध्यक्ष महोदय, इस लिए इस सदन के सम्मानित सदस्यो को पूरी जानकारी हासिल करके फिर कोई बात कहनी चाहिए। जिस व्यक्ति का जिक्र किया गया है उसके बारे में भी मैं सदन मे थोड़ा बता देता हूं। इस बारे मे ऐसी कोई चर्चा न की जाए इसलिए मैं इस बात को क्लीयर कर देना चाहता हूं। इस सम्बन्ध में पड़ताल करने पर शात हुआ है कि श्री मदन लाल अरोड़ा ने कस्बा धारुहेड़ा में महल फूड्ज लिमिटिड के नाम से एक प्लांट अप्रैल, 2000 मे लगाया था। फर्म द्वारा सेल्ज टेक्स विभाग, रिवाड़ी में त्रिमासिक रिटर्न भरी जानी थी। फर्म ने 30 अप्रैल, 2000 की रिटर्न में 21 लाख 20 हजार रुपये की बिक्री दिखाई थी। जो व्यक्ति कहता है कि मेरी फैक्टरी चली नहीं उसने यह बात अपने कागजों में लिखी है। गुप्ता जी, आप व्यापारी हो, आपको तो कम से कम इन बातो का ज्ञान है, जब जून, सितम्बर तथा दिसम्बर, 2000 की कोई रिटर्न इस फर्म द्वारा नहीं भरी गई तो सेल्ज टैक्स विभाग के तत्कालीन अधिकारी श्री आजाद सिंह ने इस फर्म का निरीक्षण किया तथा दो रजिस्टर आउट वार्ड तथा इनवार्ड अपने कब्जे में ले कर अपने विभाग के कार्यालय में जमा करवा दिए। इन रजिस्टरो का निरीक्षण करने पर रजिस्टरों में दर्ज आकडों के अनुसार फर्म द्वारा 2 करोड़ 50 लाख रुपये की बिक्री की गई। जो व्यक्ति इतनी गलत व्यानी कर सकता है उसको कोट करके हम

यहां पर हीरो बनाने जा रहे हैं। जो व्यक्ति आपकी स्टेट के सेल्ज टैक्स का पैसा खा रहा हो उसे आप हीरो न बनाएं। अध्यक्ष महोदय, सहगल पेपर मिल के बारे में ये लोग कुछ नहीं कहते। यह फर्म कितने लम्बे समय से वहां लगी हुई है लेकिन इन्होंने ऐसी कोई बात नहीं कही। जो लोग इस प्रकार से स्टेट के टैक्स का पैसा खाते हैं ये लोग उनका पक्ष लेते हैं। ये लोग खुद तो स्टेट के हित का ध्यान नहीं रखते। चौधरी साहब, आप बीमार होते हो और इलाज कराते हो मेडिकल इंस्टीच्यूट दिल्ली मे, आप डिफैंस मिनिस्टर रहे थे, रेलवे मिनिस्टर रहे थे इसलिए आप यह पेमैंट वहां रो ले सकते थे लेकिन इलाज की पेमेंट लेले हो हरियाणा से, कुछ तो स्टेट के लिए सोचो, यह हालत तो आपकी है। कुछ तरस खाओ और इस प्रदेश पर कुछ रहम करो। आपने पहले ही इसे उजाड़ दिया, बर्बाद कर दिया था। अब ठीक सुधार हो रहा है तो फिर आप उसके बर्बाद करने पर तुले हुए हो। (विघ्न)

चौ० बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी, आप केवल बजट पर बोलें। (विघ्न) जो इन्होंने कहा है वह रिकार्ड न किया जाए। (विघन) चौधरी साहब, आप बजट पर बोलें। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः किसने मांग की किसने दिया? (विघन) आप जिम्मेदार आदमी हें। बदकिस्मती से इस सदन में

मुख्य मंत्री के तौर पर बैठते रहे हो। (विघन) मैं खुशकिस्मती से मुख्य मन्त्री के पद पर बैठा हुआ हूं और हाउस ने तथा जनता ने मुझे यहां पर बिठाया है। (विघन) आपको जनता ने नहीं बिठाया था (विघन) आप तो ऐसे भागे थे जैसे गधे के सिर से सींग गायब होते हैं। (विघ्न) क्या दिखाई नहीं दे रहा है मैं तो यहां पर डटा बैठा हूं और जब तक जीऊंगा डटा रहूंगा। (विघ्न) अब भी ख्वाब लेते हैं फार्म भरवाते हैं कि मुख्य मंत्री बनूंगा लेकिन 'न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी' और परसो कह रहे थे कि राधा नाचेगी, राधा नाचेगी, जरूर नाचेगी लेकिन गोलागढ़ के कब्रिस्तान में। अब यहां पर राधा नहीं नाचेगी। (विघन)

चौ० बंसी लालः मन के लड्डू फिके क्यों। शायद अगले जन्म में भी ये 5–6 साल मुख्यमंत्री रहेंगे। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः लेकिन राधा यहां पर क्यों नाचेगी? राधा नाचेगी गोलागढ़ के कब्रिस्तान में। (विघन) वहीं पर नाचेगी। (विघन)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठिए। (विघ्न) फौजी साहब, आप बैठें। आपके नेता खड़े हैं। (विघन) **चौ० बंसी लालः** अध्यक्ष महोदय, बात यह है कि यह बात पक्की है कि में तो मरूंगा, यह भाई अमर होकर आया हो तो मुझे मालूम नहीं। मैं तो अमर नहीं हूं। मैं तो मरूंगा। (विघन) अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी, जितना सरलीकरण इसका कर रहे हैं उतनी सरल .बात नहीं है। अध्यक्ष

महोदय, मुख्यमंत्री जी कई दफा फरीदाबाद गए हैं और अभी एक दफा और गए थे। इन्होंने 3 कारखानेदारों का नाम लिया। (विघन)

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, आप बजट पर बोलें। कुछ सुजैस्टिव बोलो, क्रिटिसाईज करना है तो वह करो, जो बोलना है वह बोलो। आप बजट पर बोलो लेकिन राजनैतिक स्पीच मत दो। (विघन)

चौ० बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, ये तीन रत्नों की बात कर रहे थे। उन तीन रत्नों में से एक भागने वाला है। उस बारे मे यह कहा जाता है कि सरकार ने इतने पैसे मांग लिए जो वह दे नहीं सकता है। वह इन्कास्ट्रक्चर कहीं और बना लेगा, वह यहां पर नहीं रहेगा, छोड्कर नोएडा चला जाएगा। इससे पहले भी आयशर वाला यहां से आधी फैक्टरी उठाकर ले गया है। एस्कॉर्ट वाला भी कई हिस्से उठाकर ले गया है। अध्यक्ष महोदय, कौन सी फैक्टरी ऐसी है जो परेशान न हो। कोई हरियाणा की फैक्टरी ऐसी बता दो जो हरियाणा सरकार से परेशान न हो। ये बहुत डींगे हांकते हैं। पिछले दिनों तक मुख्यमंत्री जी कहते थे कि एक ऑफिसर ने बहुत अच्छा काम किया है।

श्री अध्यक्ष: आप वाइंड–अप कीजिए। चौधरी साहब, आपने बहुत कुछ बोल लिया है, आप 15 मिनट बोल लिए हैं, आप अब वाइंड–अप कीजिए।

चौ० बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं बजट की बात कर रहा हूं। उस ऑफिसर के बारे में कहते थे कि बढ़िया काम किया, बहुत अच्छा काम किया। अब उसको निकाल दिया क्यों निकाल दिया इसलिए निकाल दिया कि इस फर्म की पैमेन्ट कर दो, इसकी मत करो। (विध्न)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः चौधरी साहब, आप जिम्मेवार आदमी हो, जिम्मेवारी से खड़े होकर सदन मे बात करो। यह बजट के आकड़े प्रस्तुत कर रहे हो आप ? (विघ्न) आपको बजट पर बोलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय ने आपको बोलने की छूट दे दी तो इसका मतलब यह नहीं कि आप इसका मिसयूज करो। यह कोई बात हुई। इस तरह से सदन में कहेंगे आप ? (विघन) यह बातें मैं दोहराऊं कि आपने ऑफिस में बैठकर कितने लोगों का करैक्टर खराब किया है कितनों की ए०सी०आरज० खराब की हैं ? यह कोई भाषा है ? प्रशासन आपने चलाया है, प्रशासन भजन लाल ने चलाया है और प्रशासन हम चला रहे हैं। हम प्रजातांत्रिक दृष्टि से जो ठीक समझते हैं वह करते हैं। हमारी जिम्मेवारी है। यह भी कोई बात हुई कि आप इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। यह हमारी जिम्मेवारी है यह आपकी जिम्मेवारी नहीं है। आपको यह जिम्मेवारी लोगो ने नहीं दी हे। आप बजट के ऊपर बात करो। (विघन) आप अपनी हैसियत के हिसाब से बोलें। (विध्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी, आप अपनी बात एक मिनट में वाइंड–अप करें।

चौ० बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह हैसियत का मामला आ गया है अब मैं क्या कहूं। अध्यक्ष महोदय, धक्काशाही कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, कोई भी मुख्यमंत्री प्रदेश में परचेज कमेटी का चेयरमैन नहीं बना है लेकिन आज के मुख्यमंत्री परचेज कमेटी के चेयरमैन हैं क्यों हैं सोच लें? कोई मुख्यमंत्री आज तक नहीं बना है। किसी प्रदेश में नहीं बना है यह तो नई बात हे। किस लिए बने हैं ये? अध्यक्ष महोदय, आज ली एंड आर्डर की हालत क्या है? आज दिन दिहाड़े गोली मारकर गाड़ी छीन ली, यह कुछ अर्से पहले की बात दै। मेहम और रोहतक के बीच में नैशनल हाई–वे के ऊपर खरकडा गांव में 3 गुण्डों ने आकर के ड्राईवर को गोली मार दी, नौकर को गोली मार दी। उसको पकड़ कर ले गए, लाश फैंक दी और गाड़ी छोड़ दी आगे जाकर। अध्यक्ष महोदय, आप पानीपत से रोहतक ओर सोनीपत शाम के चार बजे के बाद नही जा सकते है, महफुज नहीं हैं। दादरी में अभी पिछले दिनों एक व्यापारी ने एक बीमा कम्पनी के एजैंट से 7 लाख रुपये का बीमा करवाना था। (विघन)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप जितना बोल सकते थे बोल लिए। अब आप बैठिए। आपका समय समाप्त हो गया है।

चौ० बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, वह बीमा एजैंट ओं लाख रुपये लेकर बैंक गया और उसको वहीं पर गोली मार करके ओं लाख रुपये छीन लिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, अब आप बैठिए। आपका समय समाप्त हो गया है। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी बहुत सीनियर मैम्बर हैं इसलिए आप इनकी बात तो पूरी होने दे।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आपकी सिफारिश की जरूरत नहीं है इसलिए आप बैठें। **चौ० भजन लालः** आपको इनकी पूरी बात तो सुननी चाहिए। ये 12 साल तक हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हें। आप इनकी पूरी बात तो सुनें।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप ज्यादा हमदर्दी न दिखाएं। आप बैठे। (शोर एवं व्यवधान) अब तो वे चले भी गए हैं इसलिए आप बेठिए। अब चन्द्र भाटिया जी बोलेंगे।

श्री चन्द्र भाटिया (फरीदाबाद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का जो समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। (विघन) भजन लाल जी, आपने भी उनको एक बार समर्थन देकर देखा था लेकिन फिर वह आपने वापस ले लिया था।

चौ० भजन लालः वह समर्थन हमने सामने वालों को बनाने के लिए वापस लिया था। हमसे एक बार गलती हो गयी थी।

श्री चन्द्र भाटियाः अध्यक्ष महोदय, प्रो० सम्पत सिंह जी ने जो यह बजट पेश किया है वह बहुत ही सराहनीय है। इस बजट में हर वर्ग के हित की बात की गई है जैसे बिजली की, पानी की एवं सड़कों की। पूरे प्रदेश के हित की बात इस बजट के अंदर की गयी है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।) उपाध्यक्ष महोदय, जैसे बसिज की बात आती है। तीन वर्षों के अंदर 1600 बसिज एवं 503 और बसिज बदलने का प्रस्ताव इस बजट में रखा गया है। मैं समझता हूं कि यह बहुत ही अच्छी बात है। इस सरकार ने जो अपने तीन सालो के समय मे काम करके दिखाए हैं वह हरियाणा की जनता से छुपे हुए नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदय, सही बात को हम बार–बार कहते रहे हैं। जो सही बात होगी उसको सही कहना चाहिए। बंसी लाल जी भी अभी कह रहे थे कि साफ बात करनी चाहिए लेकिन उन्होंने साफ बात यहां पर नहीं कही है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अंदर जब बिजली की बात आती है तो मैं बिजली के बारे में कहना चाहता हूं कि बिजली के अंदर जो पिछली सरकारें रही हैं, पिछले बजट रहे हैं उसमे उन्होंने बिजली के लिए कोई काम नहीं किए लेकिन इस सरकार ने बिजली के अंदर जो सुविधाएं अब लोगों को दी हैं उतनी सुविधाएं उससे पहले कभी भी नहीं दी गयी। बिजली के अंदर काफी काम किए गए हैं। 33 के०वी०, 66 के०वी० और 200 के०वी० के सब स्टेशन लगाए गए हैं, ट्रांसफार्मर बदले गए हैं। सरकार ने बिजली के मामले में बहुत ही अच्छा काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, ऐसा भी समय था जब लोग बिजली के लिए,

पानी के लिए, सड़को के लिए बार–बार सरकार से मांग करते थे। हम भी जब विधायक नहीं थे और जब हम विधायक बनकर आए तो उस समय चौधरी बंसी लाल जी की सरकार थी उस समय हम भी इन चीजो के लिए कहा करते थे लेकिन उस समय इस बारे में कोई काम नहीं हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, कांग्रेस की भी हुकुमत रही, भजन लाल जी मुख्यमंत्री रहे लेकिन इनके समय में भी कोई काम नहीं हुआ। मुझे सारे हरियाणा की जानकारी तो नहीं हे लेकिन मैं अपने विधान सभा क्षेत्र के बारे जानकारी रखता हूं इसलिए मैं अपने क्षेत्र के बारे मे कहना चाहता हूं कि हमने अपने यहां पर बिजली, पानी के मामले मे कोई काम नहीं देखा था। अभी हमारे बहुत से साथी बोलते हुए कह रहे थे कि चौधरी बंसी लाल जी के समय में सड़कों की हालत तो बहुत ज्यादा खराब हुई पड़ी थी। चौधरी बंसी लाल जी भी यह जानते हैं कि जब उनकी हुकुमत थी, कांग्रेस की हुकुमत थी तो उस समय सड्कों की क्या हालत थी? लेकिन आज हमारे कई विधायकों ने सड़कों के बारे में सराहना की है। भाई जय प्रकाश जी ने भी बोलते हुए कहा था कि सडके बहुत अच्छी बनी हैं लेकिन सड़कों को बनाने के लिए जो टैंडर इन्वाइट करके पास किए जाते हैं वह केवल किसी एक व्यक्ति को ही दिए जाते हैं। भाई धर्मबीर जी ने खेलो की बात कही। खेलों में सरकार प्रोत्साहन दे रही है और भी कई साथियों ने सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया लेकिन विपक्ष के होने के नाते उन बातों का विरोध करने की भी कोशिश की। कुल मिलाकर देखा जाये तो सभी साथियों ने अभिभाषण पर या बजट

पर बोला। उसमें सभी ने एक–एक बात की सराहना जरूर की लेकिन लास्ट में मजबूरन यह कह दिया कि मैं इस बजट का विरोध करता हूं। जो विकास के काम होते हैं या अच्छे काम होते हैं वे छुप नहीं सकते हैं। अब मैं अपने क्षेत्र फरीदाबाद के बारे में बात करना चाहूंगा। हमारे यहां जो फरीदाबाद नगर निगम हे एक समय ऐसा था जब फरीदाबाद क्षेत्र के अंदर विकास का नाम तक नहीं था। पिछली सरकारों के समय में हम कहते–कहते थक जाते थे लेकिन काम नहीं होते थे और आज फरीदाबाद के अंदर विकास के कामों की कमी नहीं है हर वार्ड में करोड़ों रुपये के विकास के काम हुए पड़े हैं। जहां पर सड़के नहीं थीं, सड़कें बनी हैं। हमारे यहां पीने के पानी की समस्या बहुत ज्यादा चल रही थी इस सरकार ने रैनीवैल नामक योजना शुरु करके पानी की समस्या का समाधान किया है और उसके बाद आज वहां घर–घर में पानी पहुंचा है, यह सरकार की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। सरकार जो अच्छे काम करती है उनकी सराहना हमे करनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने अपने कार्यकाल में जब 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम शुरु किया उससे भी फरीदाबाद के अंदर बहुत सारे विकास के काम हुए हैं। जो भी आदमी मुख्यमंत्री जी के समक्ष अपनी समस्या रखता है उसका समाधान किया जाता है। कोई गांव ऐसा नहीं है जहां विकास के काम न हुए हों। मेरे से पूर्व बोलने वाले वक्ताओं में से लगभग सभी ने यह कहा कि हमारे यहां स्कूल अपग्रेड किए गए, हमारी सड़कें बन गई, हमारी पानी की समस्या का समाधान किया गया। कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसने यह कहा हो कि

हमारे यहां काम नहीं हुए। जो हकीकत होती हे वह किसी से छुपी हुई नहीं होती है। पिछले दिनों हमारे यहां फरीदीबाद के अंदर चौधरी बंसी लाल जी आए थे। पहले जब उनकी सरकार होती थी तो हमने उनसे कहा था कि झुग्गी–झोंपड़ियों पर बुल्डोजर न चलाए जाएं लेकिन उसके बावजूद झुग्गी–झोंपड़ियो पर बुलडोजर चला दिया गया था। उस समय जब हम अपनी बात कहते थे तो हमारी बात को घुमा दिया जाता था और कह दिया जाता था कि इन सबको हटाया जाएगा। जब तोड़फोड़ की बात आई तो हमने विरोध करना शुरु किया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बात इसलिए कहना चाहता हूं कि हमे यहां अपनी बात कहने का हक है। हम जिस जगह पर खड़े हैं वहां हमें सही बात कहनी चाहिए, सही जानकारी देनी चाहिए। कई साथी इस बात को कहने के बावजूद भी झूठ बोलने में कोई कोताही नहीं करते हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी तब भी मेरे क्षेत्र मे बुलडोजर चलाए गए लेकिन आज कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए ऐसे काम करते हैं जैसे अभी चौधरी बंसी लाल जी फरीदाबाद में उन झुग्गियो में गए और कहा कि हमारी सरकार आएगी तो हम डबल स्टोरी बनाकर देगे तो उस समय वहां के लोगो ने कहा कि हमारे यहां के विकास के काम आपने ही बंद कराए थे, आपने ही राशन कार्ड बन्द कराये थे तब इन्होंने कहा अच्छा मुझे तो इस बात की जानकारी नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, दोबारा सत्ता मे आने की खातिर ये यहां तक कह सकते हैं कि हम वोट दे हम आपके इस काम को कर देगे। लेकिन जब सत्ता में थे उस समय न तो सड़क,

न पानी, न सीवर लाईन बिछाने की जो बात होती थी उस तरफ किसी प्रकार का कोई ध्यान नहीं होता था। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि फरीदाबाद के लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारे कुछ साथियों ने असत्य बात कह कर हमारी प्रैस के साथियों को गुमराह करने का काम किया है। हमारे कांग्रेस के कुछ साथियो ने असत्य बात कह कर और कुछ और साथियो ने असत्य बात कह कर, स्टे की बात कह कर हमारे प्रैस के कुछ साथियों को कोर्ट में फंसाया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि झूठी राजनीति करने से कोई फायदा नहीं है। हमारे यहां पर जो इस बजट में कई चीजें देखी गई हें उनको देखकर हम कह सकते हैं कि हरियाणा की सरकार ने बजट में कोई कर नहीं लगाया है। हमारे कुछ साथी कहने लगे कि दोबारा इस बजट में कोई कर लगने की बात नहीं है। ईमानदारी के साथ जब सरकार काम करने लग रही है तो उसकी सराहना करना हमारा फर्ज बनता है क्योंकि हमे बाहर जाकर, लोगों के बीच जाकर जवाब देना है। हमे जब अपनी बात रखने का मौका मिले तो हमें अपनी बात को मजबूती से और बड़े साफ तरीके से रखना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, ये अपने कार्यकाल को, अपने समय को देखें। आज 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम की जो बात आई है मैंने पहले भी कहा था कि यह बहुत बढ़िया काम सरकार ने किया है। माननीय मुख्यमंत्री जी हर द्वार पर गये, हर गांव के अन्दर गये, हर क्षेत्र के अन्दर जाकर यहां तक कि जो हमारे विपक्ष के साथी हैं, जो कांग्रेस के लोग हैं या चाहे ये दूसरी किसी पार्टी के हैं, हर

विधान सभा क्षेत्र में जाकर जिस व्यक्ति ने जो बात रखी उस बात को पूरा किया। अभी जो हमारे कुछ साथी कह रहे हैं कि बजट के अन्दर जो बात कही गई है कि आज सरकार यह काम करेगी हमे उम्मीद नहीं है। हम धन्यवाद भी करते हैं और साथ मे हमे उम्मीद भी नहीं कि पता नहीं यह काम कब होगा? लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि इस सरकार के अन्दर उपाध्यक्ष महोदय, जो बात कही गयी है उस काम को पूरा करके दिखाया है। पहले सभी साथी समझते थे कि आज मुख्यमंत्री सिर्फ घोषणा करते हैं घोषणा करने वाले मुख्यमंत्री हैं लेकिन आज जिस तरीके से काम हो रहे हैं उसके लिए साथी कहेंगे कि पैसा कहां से आ रहा है? उपाध्यक्ष महोदय, आज इनके पास कहने को कोई बात नहीं है। अभी चौधरी बंसी लाल जी कोई बात कहना चाह रहे थे। लेकिन बजट के ऊपर कोई बात उन्होंने कहीं नहीं। (विघ्न) मैं असलियत बता रहा हूं कि आज की सरकार और पिछली सरकारों ने क्या काम किये हैं ? (विघन) पिछली सरकार के समय जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री थे उस समय आदरणीय अटल बिहारी जी प्रधानमंत्री थे। उस समय सैंटर की सरकार से पैसा आता था लेकिन न जाने कहां लगता था? लेकिन आज ईमानदारी से जब पैसा आता है तो माननीय मुख्यमंत्री जी उस पैसे को बड़े अच्छे तरीके से लोगों के बीच में लगा रहे हैं। यह बहुत बढ़िया काम हे। उस समय जब कभी काम की बात होती थी तो उस समय कोई काम नहीं होते थे। आज जब काम हो रहे हैं तो ये कहे जा रहे हैं कि पैसा कहां से आ रहा है? उपाध्यक्ष महोदय, यह दोहरी बाते इनकी नहीं

चलती। कांग्रेस के हमारे साथी यहां बैठे हैं, चौधरी भजन लाल जी भी बेठे हैं। उस समय हमारे कांग्रेस के साथी चौधरी बंसी लाल जी को खूब गालियां देते थे। उस समय कांग्रेस के लोग बंसी लाल के लिए रोज धरने, प्रदर्शन और रैलियां आदि किया करते थे और कहा करते थे कि ऐसी निकम्मी सरकार हमने पहले कभी नहीं देखी। कहां भारतीय जनता पार्टी वाले इनको जाकर चिपके हुए हैं। जब बी०जे०पी० से कहा गया कि बंसी लाल जी की सरकार से समर्थन वापिस लो और जब भारतीय जनता पार्टी ने समर्थन वापिस ले लिया तो तुरन्त कांग्रेस के साथियों ने अपना समर्थन उनको दे दिया। (विध्न) उस समय समर्थन नहीं दिया हो तो बतायें। उपाध्यक्ष महोदय, समर्थन कांग्रेस ने दिया बंसी लाल जी को और आज सत्ता में आने की खातिर ये लोग फिर दोबारा असत्य बोलने लगे हैं। मैं अपने क्षेत्र की बात करता हूं। (विक)

श्री उपाध्यक्षः भाटिया जी, आप वाईड अप करें।

श्री चन्द्र भाटियाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरे अपने विधान सभा क्षेत्र के लोगों के ऊपर मुकदमें बने थे। (विघन) उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर कांग्रेस के समय में काफी लोगों को उजाड़ा गया था और उसके बाद बंसी लाल की हुकुमत में भी लोगो को उजाड़ा गया। में यह नहीं कहना चाहता। लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि उस समय जब ये सत्ता में बैठे थे तो उस समय फरीदाबाद के लोगों को उजाडा जा रहा था। आज मैंने बंसी लाल जी की स्टेटमैंट पढ़ी है उसमे इन्होंने यह

कहा था कि जब मैं आऊंगा तो इनको डबल स्टोरी मकान बनाकर दूंगा। मैं यह कहना चाहता हूं कि उस समय हमें गाडियों में बैठने से मना किया जाता था 1 हम तो क्या उस समय आम आदमी की भी इनके नजदीक आने की हिम्मत नहीं थी।

श्री राम किशन फौजीः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्यायंट आफ आर्डर है। (शोर)

श्री उपाध्यक्षः फौजी, आप बैठ जाएं। (शोर)

श्री चन्द्र भाटियाः फौजी आप तो पिछली विधान सभा में मैम्बर नहीं थे। उपाध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के बारे में भी मैं बताना चाहता हूं कि हर आदमी को हमारे मौजूदा मुख्यमंत्री के बारे मे कोई भी बात कहने का फर्ज बनता है। मुख्यमंत्री महोदय के बारे मे इस समय मैं कहना चाहूंगा कि हरियाणा में विकास के बहुत काम हुए हैं। कोई कुछ कहता रहे लेकिन कहने से बात नहीं बनती जहां तक प्रैक्टिकली प्रदेश में विकास के कामो की बात है मैं उसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी की सराहना करता हूं। आप मेरे पड़ोसी साथी की बात कह रहे हैं। मैं अपने पड़ोसी कृष्ण पाल जी से कहना चाहता हूं कि सदन में बोलते हुए ये गलती से चौटाला साहब के बारे मे कह गए। इन्होंने गलती से चौटाला साहब का नाम थे लिया, इनको बंसी लाल जी के बारे में कहना चाहिए था कि बंसी लाल जी की हुकुमत के समय में क्या हुआ था ? कृष्ण पाल जी मेरे साथी हैं, मेरे साथ रहे हैं, हम

इनको विधायक दल का अपना नेता मानते हैं, उस समय ये ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर थे। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: भजन लाल जी, आप नहीं मानते हैं, यह कह रहे हैं हम तो मानते हैं नेता। आप नहीं मानते हैं। भजन लाल जी आप मानते हो ना। पहले भजन लाल से कहलवाओ। (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव: ये हमारी पार्टी के नेता हैं। (शोर एव व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रौ० सम्पत सिंह): आप के अध्यक्ष बैठे हैं। अपोजिशन के लीडर भी बैठे हैं इन दोनो से एक दूसरे से कहलवा दो कि कौन नेता है?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सपलेनेशन है क्योकि मेरा नाम लिया गया है। यह सवाल बार–बार उठता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: भजन लाल जी, आप कह दो। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल: पहले भी हमारे डिप्टी लीडर ने कहा कि सी०एल०पी० के लीडर, एम०एल०एज० के लीडर भूपेन्द्र सिंह हुड्डा हैं और पार्टी का नेता भजन लाल है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष: एम०एल०एज० मेंआप भी शामिल हें।

श्री ओम प्रकाश चोटाला: यह सी०एल०पी० के नेता हैं। भजन लाल के नेता हैं क्या 7 आप यह बताएं। (शोर)

चौ० भजन लाल: इस बात से आपको क्या लेना है?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: यह सवाल बार–बार उठता है इसलिए मैं इसका तोड़ कर रहा हूं जेसे ट्रेन में थी टायर मे तीन पैसैंजर्स सफर कर रहे थे। एक ऊपर था एक नीचे था नीचे वाले ने ऊपर वाले से पूछा आप कहां से आए उसने कहा मैं दिल्ली से आया फिर उसने पूछा कौन सी जगह से दूसरे ने जवाब दिया क्वार्टर नं० 5, राजेन्द्र नगर से आया हूं फिर नीचे वाले से पूछा आप कहां से आए उसने भी वही बता दिया, कहां जा रहे हो उसने कह दिया अमृतसर जा रहा हूं पापड़ वाली गली मे जा रहा हूं। फलाने आदमी के पास जा रहे हैं, गोपी चंद जी के यहां जा रहा हूं फिर उसने उससे पूछा कि आप कहां जा रहे हैं। वह भी बोला कि मैं गोपी चन्द जी के यहां जा रहा हूं। दोनों एक ही जगह से चले और एक जगह जा रहे थे, इतने में बीच वाला बोला कि आप दोनों एक ही जगह से चले हैं और आपको एक ही जगह पहुंचना है फिर आप एक दूसरे से क्यों पूछ रहे हो तो उन्होंने जवाब दिया कि असी तां प्यो–पुत्र हां टाईम कट रहे हां। हमारा सफर छोटा सा है तुम्हें क्या। (हंसी)

प्रो० सम्पत सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, ये यह तो बतायें कि प्यो कौन है और पुत्र कोन हे? (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः उपाध्यक्ष महोदय, असीं तो कांग्रेसी भाई हैं। (शोर एवं व्यवधान) श्री ओम प्रकाश चौटाला. उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने कल भी एक बात को क्लीयर किया था और मुझे उम्मीद है आज भी क्लीयर करेंगे कि इनमें से प्यो कौन है और पुत्र कौन है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः उपाध्यक्ष महोदय, पार्टी के नेता भजन लाल जी हैं और विपक्ष का नेता मैं हूं। छोटा सा सफर है, जल्दी ही पहुंच जायेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, ये दोनों कैसे पहुंचेगे?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः उपाध्यक्ष महोदय, इस बारे में तो सोनिया जी फैसला करेगी। (शोर एवं व्यवधान) हमारी पार्टी इनकी पार्टी की तरह नहीं है। इनकी पार्टी में तो बाप मुख्यमंत्री और दोनो बेटे मंत्री तथा बाकी सब संतरी हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः हुडा साहब, प्लीज आप बैठिये। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, सत्ता पक्ष के नेता इस बात से परेशान हो रहे हैं कि कांग्रेस में आपस में फूट हे और ये दोबारा सत्ता में आ जायेंगे। मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारे अंदर फुट नहीं है और जब चुनाव होंगे तब इनको नानी याद करवा देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: उपाध्यक्ष महोदय, ये चुनाव तक क्यों जाते हैं। इसका फैसला तो ये अभी कर लें। ये दोनों ही सीनियर हें और इनमें से कोई भी एक इस्तीफा देकर अभी तजुर्बा कर ले। (शोर एवं व्यवधान) हम तो राज में है, हम क्यों इस्तीफा दें, हम राज नहीं छोड़ेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी को भी पता है कि राज और विपक्ष में क्या अंतर है, इन्होने भी राज करके देखा हे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनको कहना चाहूंगा कि इन दोनों में से कोई एक अभी इस्तीफा दे दे और तजूर्बा करके देख ले। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा की दो सीटो के उप चुनाव हुए थे, रोड़ी और यमुनानागर। दोनों जगहों पर इनेलो के सदस्य भारी बहुमत से जीते। यमुनानगर तो पहले कांग्रेस की सीट थी वह सीट भी हमने भारी बहुमत से जीती है और ये चुनाव की बात कर रहे हें। इसके अतिरिक्त अभी 13 म्युनिसिपल कमेटियों के चुनाव हुए हैं, 13 की 13 जगहों पर हमारी पार्टी के चेयरमैन बनेगे। उपाध्यक्ष महोदय, पंचकूला चौधरी भजन लाल जी का अपना हल्का है और वहां से इनके बेटे विधायक हैं यहां भी हमारा चेयरमैन बनेगा। इस बात की मैं इनको चुनौती दे रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल: उपाध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री जी ने जिक्र किया कि इन्होंने दोनों उप चुनावों मे जीत दर्ज की है। इनको इन दो सीटों का बड़ा घमण्ड है। हमारे पास एस०वाई०एल० का मुद्दा है। ये अभी इस्तीफा दे दें ओर हम भी दे

देंगे फिर इनको पता लग जायेगा। (शोर एवं व्यवधान) **श्री उपाध्यक्ष:** चौधरी भजन लाल जी, आप कितनी बार बोलेंगे, प्लीज आप बैठिये। एक तो अब आप यह बात अपने दिमाग से निकाल दो कि अब आप लीडर आफ दि अपोजीशन हैं। अब आप लीडर आफ दि अपोजीशन नहीं हैं। अब भूपेन्द्र सिंह जी को प्रोयोरिटी मिलेगी आपको नहीं। सदन में सीनियरिटी काउंट नहीं होती है, प्लीज अब आप बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल: उपाध्यक्ष महोदय, आपको मेरी बात सुननी पड़ेगी। मैं नहीं बैठता, चाहे आप मुझे निकाल दें। (शोर एव व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला:चौधरी भजन लाल जी, आप चेयर का सम्मान करें।

श्री चन्द्र भाटिया: उपाध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी इस्तीफा देने की बात बार–बार कहते हैं। पहले भी चुनाव की बात आई तो इनको चुनाव में हमेशा मात खानी पड़ी। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष: प्लीज, आप दो मिनट में वाईड अप करें। (विघन)

चौ० भजन लाल: मैं जिन्दगी मे कभी नहीं हारा एक बार के सिवाय। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप बैठिये। मेरे को फिर कल वाली बात कहनी पड़ेगी, आप बिना पूछे नहीं बोलेंगे। (विध्न)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः आप कह रहे हैं कि आप कभी हारे नहीं। आप लोकसभा के चुनाव मे करनाल से हारे हो। (विध्न)

चौ० भजन लालः डिप्टी स्पीकर साहब, आप मुझे अपनी बात तो कहने दें। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः आप बैठिये। आप मेरे से बात करें। मैं आपको टाईम दूंगा। आप बीच में खड़े न हों। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अभी आप ताजा–ताजा करनाल के लोकसभा की सीट से हारे हो। (विध्न)

चो० भजन लालः हां, मैं कहता हूं कि मैं कभी नहीं हारा। (विघ्न) एक बार के सिवाय। 1972 में मैंने आपके पिता चौ० देवी लाल जी को भी हराया था।

श्री ओम प्रकाश चोटालाः आप लोकसभा का चुनाव करनाल से हारे हो। हार जीत तो गहने हैं इससे कोई फर्क नहीं पडता लेकिन आप हाउस मे गलत व्यानी क्यों कर रहे हैं।

श्री उपाध्यक्षः चन्द्र भाटिया जी, आप 2 मिनट में अपनी बात खत्म करें। (विघ्न) चौधरी भजन लाल जी बार–बार उठ रहे हैं, मैं इनको बुलवाऊंगा। आप जल्दी खत्म करें। (विध्न)

श्री चन्द्र भाटियाः मुझे यह बात इसलिए कहनी पड़ती है कि जब कोई सदस्य बार–बार गलत बात करता है तो मुझे यह बात कहनी पड़ती है। हमें उसकी बात को बताना चाहिए। अभी तो एस०वाई०एल० के मुद्दे की जो बात आई है उस पर मैं दो बात कहना चाहूंगा। बार–बार ये यह कह रहे हैं कि कांग्रेस ने केन्द्र सरकार के सामने धरना प्रदर्शन किया था और यह कहने लग गए कि केन्द्र सरकार यहां पर पानी नहीं दे रही। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि हरियाणा गवर्नमैंट, माननीय मुख्यमंत्री महोदय, बार–बार पानी लेने का प्रयास कर रहे हैं और इस पानी को लेने के लिए केन्द्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार से मिलकर कोशिश कर रहे हैं। पानी वह देना भी चाहते हैं लेकिन पानी मे अड़चन कौन डाल रहा है। हमारे कांग्रेस के साथी बार–बार विरोध करके कह रहे हैं कि यहां पर गवर्नमैंट इस मामले में बिलकुल लापरवाही कर रही है और इन्हे इसकी परवाह नहीं है। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में, पूरे हरियाणा की जनता, देश भर की जनता जानती है कि कांग्रेस के लोगो ने धरना, प्रदर्शन रैलियां करनी थीं। अगर कोई बात करनी थी तो पंजाब के मुख्यमंत्री कांग्रेस के थे, उनसे करते। आज ये अगर यह कहते हैं कि अगर हरियाणा के हित की बात होगी तो हम कांग्रेस के पार्टी के लोगो का विरोध भी करेंगे लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि ये ईमानदारी से कोई बात कहना चाहते हैं तो कहें लेकिन घूमा–फिरा कर कोई बात न करें। एक तरफ तो ये कह रहे हैं कि हरियाणा को पानी मिला ओर दूसरी तरफ इन्हीं की पार्टी के जो

पंजाब के मुख्यमंत्री हैं वे पानी नहीं देना चाहते। मैं समझता हूं कि जब पंजाब के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल थे तो इन्होने कहा कि बादल साहब के साथ ओम प्रकाश चौटाला के सम्बन्ध थे, तो उस समय पानी क्यों नहीं लिया। मैं इनको कहना चाहता हूं कि तब तक कोई कोर्ट का आर्डर नहीं था। माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने उस समय काफी प्रयास किया था और हमेशा इनके प्रयास हैं कि पानी मिलना चाहिए। मैं यहां विपक्ष के साथियों से कहना चाहूंगा कि यह पंजाब के मुख्यमंत्री से, कांग्रेस की अध्यन सोनिया गांधी जी से मिलें और वहां पर धरना, प्रदर्शन दे और उनसे कहें कि वे पंजाब के मुख्यमंत्री को आदेश दे कि वो अड़चन नहीं डालें और हरियाणा की जनता को पानी दिलवाएं। (विघन)

श्री उपाध्यक्षः आप सभी बैठिये।

श्री चन्द्र भाटियाः उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे फरीदाबाद के अन्दर रैनी वेल योजना जो 42 करोड़ रुपये से चालू की है और फरीदाबाद के अन्दर पानी की सप्लाई दी है उसके तहत घर–घर के अन्दर उसमें कुछ कनैक्शन पानी के जोड़ने है, तो में चाहता हूं कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी आदेश दें ताकि पानी के कनैक्शन वहां पर दिए जा सकें। इन्हीं बातों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए और बजट का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं। (विघन)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, अब आप बोले।

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं अभी नहीं बोलूंगा क्योकि अभी हमारे कुछ साथी बोलने वाले हैं। वे अभी पहले भी नहीं बोले है और न ही बजट पर बोले हैं। हम हर बात पर ही बोलते रहेंगे तो हमारे साथी क्या महसूस करेंगे कि सीनियर लोग ही बोलते रहेगे। मैं अभी नहीं बोलूंगा। आप पहले हमारे दूसरे साथियों को बुला लें उसके बाद में बोल लूंगा। आप राव दान सिंह जी को बुलवा लें।

श्री उपाध्यक्षः आप नहीं बोलना चाहते तो राव दान सिंह जी, अब आप बोलें। (विघ्न) हम तो चाहते थे कि ये बजट पर बोलें।

चौ० भजन लालः मैं बाद में बोलूंगा।

राव दान सिंह (महेन्द्रगढ़): उपाध्यक्ष महोदय, आपने बजट पर बोलने का जो अवसर प्रदान किया उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। माननीय वित्त मंत्री जी ने 10 तारीख को इस सदन के सामने 2003–04 को जो बजट प्रस्तुत किया, यह एक महत्त्वपूर्ण विषय हे जिसमें वर्ष के पूर्व अनुमान के साथ बीते वर्ष के आकडों को जोड़कर वर्तमान को चलाने का प्रयास किया जाता

श्री उपाध्यक्षः राव साहब, आप समय सीमा का ध्यान रखे।

राव दान सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं समय सीमा की परिधि में ही बोलूंगा। आकड़ों में कहीं कोई गड़बड़ हो तो पूरी

अर्थ व्यवस्था ही चरमरा जाती है। इस वर्ष जो आकडे पेश किए गए, उस बारे में कहना चाहूंगा। वैसे मैं कोई अर्थ–शास्त्री तो नहीं हूं। उपाध्यक्ष महोदय, बजट में जो मुझे मोटा–मोटा नजर आया है वह मैं कहना चाहूंगा। 109.53 करोड़ रुपये का लाभ पिछले वर्ष के मुकाबले 780.3 करोड़ रुपये के घाटे से शुरू करके और 670.53 करोड रुपये पर खत्म करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसमें केवल व्यय 30883.74 रुपये और उसमें केवल प्राप्ति 309993. 31 रुपये है। यानि सारी प्राप्ति का और सारे व्यय का अगर हिसाब लगा कर देखते हैं तो 'बजट ऐट ए गलान्स' के हिसाब से हम 14 परसैंट ब्याज के रूप में भुगताते हैं, जो लोन की रीपेमेंट है वह 26 परसैंट है यानि टोटल बजट का 40 परसैंट हम कर्ज के भुगतान तथा लिए गए कर्ज पर ब्याज के भुगतान पर खर्च करते हैं। इससे अन्दाजा लगाया जा सकता हे कि बाकी 60 परसैंट बचे हुए पैसे से हम कितनी कल्याणकारी योजनाएं चालू कर सकते हैं। मुझे तो ऐसा प्रतीत होता है कि माननीय वित्त मन्त्री महोदय ने बजट की गाड़ी के पीछे घोड़ा लगा कर उसे झूठी गति देने का प्रयास किया है इस गाड़ी के पहिए कीचड़ में धंसे हुए हैं। आज हरियाणा प्रदेश की सरकार कहती है कि हरियाणा प्रदेश को हिन्दुस्तान का ही नहीं बल्कि दुनियां का नम्बर वन प्रदेश बनाएंगे लेकिन आज भी हमारा प्रदेश प्रति व्यक्ति इन्कम के हिसाब से चौथे स्थान पर खडा है तथा गोवा, महाराष्ट्र और पंजाब पर–कैपिटा इन्कम के हिसाब से हम से आगे हें। उपाध्यक्ष महोदय, इसी बात से हिसाब लगाया जा सकता है कि हमे जो तस्वीर दिखाई जा

रही है वह उतनी गुलाबी नही, हे बल्कि वह आकड़ो मे लिपटी हुई तस्वीर है जिसका आम हरियाणवी को पता है। आज अगर कोई बच्चा पैदा होगा तो हरियाणावी गौरव के साथ उसे कर्जा भी मिलेगा और जो बच्चा कर्जा ले कर पैदा होगा वह कितने दिन दीवाली मनाएगा ओर हम कब तक दिवाली मना पाएंगे, यह इस बजट के माध्यम से हमें देखने को मिल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आगे बताना चाहता हूं कि आर्थिक योजना में पिछले वर्ष के मुकाबले 300 करोड़ रुपये ज्यादा दिखाए गए हैं और इस 300 करोड़ रुपये के बाद टोटल 2100 करोड़ में से 911 करोड़ या 43.4 परसैंट इन्फ्रास्ट्रक्चर की डिवैल्पमैंट पर खर्च होगा जिसमें सिचाई, बिजली, सड़क और सड़क परिवहन पर खर्च होगा। बिना इन्फ्रास्ट्रक्चर के डिवेल्पमेंट के कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है। आज अमरीका और यूरोपीय देशों को हम विकसित देश मानते हैं तो वह केवल इकास्ट्रक्चर की वजह से ही मानते हैं। अगर सड़कें अच्छी हों तो वहां के लोगों का समय सफर मे कम लगेगा, फयूल कम जलेगा और नागरिकों को एक सुविधा रहेगी तो वियर एण्ड टियर का खर्च भी कम आएगा, इससे बचत की जा सकती है लेकिन यह सारे किताबी अनुमान हैं। आज रोड के ऊपर परिवहन की 3500 गाड़ियों का बेड़ा चलने के बावजूद भी हकीकत में कितनी गाड़ियां सही कण्डीशन्ज में चल रही हैं। आज आप देख सकते हैं कि कोई रोड ऐसा नहीं है जहां पर जीपों के ऊपर खुली सवारियां लदी हुई न हों और जब सामने से लालबत्ती वाली गाड़ियां आ जाती हैं जो बेतहाशा तरीके से सड्कों पर

चलती हैं जिनके कारण कई दुर्घटनाएं होती हैं और उन दुर्घटनाओं में कितने ही लोगो की मौत हर रोज होती है। यह इस बात का सबूत है कि अगर सरकार सही तरीके से व्यवस्था करके इस परिवहन को चलाए तो न केवल सरकार के घाटे की पूर्ति होगी बल्कि परिवहन को भी सुव्यवस्थित तरीके से चलाया जा सकता हे। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मेवात और शिवालिक के विकास के लिए 31 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। माननीय वित्तमन्त्री जी से मेरा निवेदन है कि दक्षिण हरियाणा का जो क्षेत्र है अहीरवाल का क्षेत्र भी जिसे कहते हैं जहां नांगल दरगू तथा नांगल चौधरी, भाखरी और बलावा के अन्दर एक हरा पत्ता देखने तक को नहीं मिलता, वहां के लिए भी ऐसा कोई विकास बोर्ड बना कर कुछ अतिरिक्त धनराशि वहां के लोगों को भी देकर प्रदेश की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जाए तो यह एक बहुत बडी उपलब्धि होगी। इससे प्रदेश की धारा के साथ हमें भी चलने का मौका मिलेगा। उपाध्यक्ष महोदय, तीसरी बात आपदा राहत के बारे में है। प्रकृति के स्वभाव को कोई नहीं जानता, कब किसके साथ क्या हो जाए, यह कोई भी सोच नहीं सकता। चन्द दिनो पीछे की बात है कि गुजरात के अन्दर लोग हसीन स्वप्न ले करके सोये थे और सुबह उठे तो हाहाकार, चीत्कार,खून से सनी लाशें और आसुओ के अन्दर डूबे उनके अरमान मिले। भगवान न करे ऐसी कोई आपदा हमारे इस प्रदेश की हवा को भी छुए। लेकिन एक बात तो सत्य हे कि अगर कोई ऐसी आपदा आ जाए तो क्या हम उससे निपटने के लिए तैयार हैं? इससे निपटने के

लिए क्या सरकार की तरफ से धन का कोई प्रावधान रखा है जिससे इम्मीजियेटली धन देकर लोगों को राहत पहुंचाई जा सके ? दुर्भाग्यवश इससे पिछले साल पूरा प्रदेश अकाल की चपेट के अन्दर रहा है। तब राज और राम दो ही चीजें ऐसी होती हैं जिससे प्रदेश की जनता राहत की बाट देखती है। राम ने अन्याय किया तो लोगों ने राज की तरफ नजर करी। लेकिन राज ने भी हाथ उपर उठाकर के कहा कि हम बेबस हैं। हम आपकी कोई मदद नहीं कर सकते हैं।

श्री उपाध्यक्षः दान सिंह जी, मेरा आपसे यह कहना है कि आप राम के साथ अन्याय शब्द न लगाएं। यही मेरा आपसे कहना है कि आप राम रूठा कर लें। (विघन)

राव दान सिंहः चलो मान लिया हमने। राम ने हमारे साथ न्याय नहीं किया। मेरे कहने का मतलब हे कि बारिश नहीं हुई। पानी नहीं बरसा। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने राहत राशि के नाम पर 2, 5, 9 और 10 रुपये दिए हैं। उसकी सफाई कल श्री धीर पाल सिंह जी और मुख्यमंत्री जी भी दे रहे थे। मैं समझता हूं कि बहुत एक्स्ट्रीम केसिज के अन्दर जो केसिज थे वे उठाकर इन्होंने पढ दिए हैं। क्या पूरी रिवाड़ी में राहत के नाम पर सिर्फ 27 हजार रुपये बंटते हें? लेकिन इन्होंने एक पैमाना रखा है कि यह मुआवजा उसको मिलेगा जिसके यहां खराबा हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, जब हमारे यहां पर एक बूंद भी बरसात की नहीं हुई है, जब मिट्टी गीली नहीं हुई है, तो बिजाई वहां पर कहां से होगी?

बिजाई नहीं हुई है तो उसकी बर्बादी कहां से होगी? बर्बादी नहीं तो आप कहते हैं कि मुआवजा कहां से मिलेगा? यह हमारे साथ अन्याय नहीं तो और क्यो हो रहा है? इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि आप उसको तरीके से देखकर के ठीक तरह से कोई राहत दे। वर्ना तो यही बात हुई कि

''न खुदा ही मिला न विसाले सनम,

न इधर के रहे न उधर के हम।''

उपाध्यक्ष महोदय, न हमारी राम ने सुनी और न ही राज ने सुनी। आज हम परेशान हैं। ये कहते हैं कि हमारे यहां का किसान दो किलो बाजरा डाल करके चार हजार रुपये की मांग करता है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह कहना है कि अगर ऐसी कोई आपदा हो तो उससे निपटने के लिए प्लान अवश्य सरकार के पास होना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः दान सिंह जी, आप वाइंड–अप करें।

राव दान सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० को जीवन रेखा तो कह दिया जाता है लेकिन हमारी जीवन रेखा तो बजट है। हमारा जीवन तो निकल जाएगा लेकिन रेखा रेखा ही रह जाएगी। मैं तो एक निवेदन आपके माध्यम से सरकार से करना चाहता हूं कि जब एस०वाई०एल० का पानी आएगा तो आ जाएगा, उस समय आप दे देना या न देना। यह तो बाद की बात है। लेकिन आज जो उपलव्य पानी है उसका ही आप न्यायोचित

बंटवारा कर दें। हम इसी मे समझ लेंगे कि आपने हमें बहुत कुछ दे दिया। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा और चिन्तनीय विषय जो है वह स्वास्थ्य है। भाई कर्ण सिंह दलाल जी ने एक समस्या के बारे में सदन में मामला उठाया था। अभी यहां पर स्वास्थ्य मंत्री जी बैठे हुए हैं। हमारे प्रदेश के अन्दर कैंसर और हार्ट की दिन प्रति दिन बढ़ती हुई बीमारी से बहुत ही चिन्तनीय स्यिति पैदा हो रही है। उसका कारण है कि हमारा जो खान–पान है और हमारी जो लिविंग कंडीशंज हैं उनके अन्दर पेस्टीसाईडज कैमीकल का, यूरिया का, एडलट्रेशन का जो प्रभाव है उसकी वजह से यह सब कुछ हो रहा है। हमारी सरकार इसके बारे में चिन्तित नहीं है। सरकार को चाहिए कि ऐसी लैब्ज जगह जगह पर खोलें जहां पर जाकर यहां के नागरिक समय–समय पर जांच करवा सकें। जहां तक हार्ट का सवाल है, उस बीमारी का शत प्रतिशत इलाज है बशर्ते कि समय पर पता चल जाए। जहां तक कैंसर का सवाल है, यह ठीक है कि यह ला–इलाज है लेकिन उसका भी समय पर पता लगने से वह व्यक्ति कुछ समय अपनी जिन्दगी को ओर निकाल सकता है। इस तरफ सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मेरी इस बात पर अवश्य गौर फर्माया जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक शिक्षा का सवाल है, यह भी एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। किसी प्रदेश के नागरिक अगर पढे लिखे हों तो वे अपना रास्ता स्वयं ढूंढ लेते हैं। लेकिन मुझे इस बात को कहते हुए अफसोस होता है कि हम शिक्षा के सागर में आज भी सूखे हैं। कनीना में एक भवन है जोकि वहां की जनता ने

अपनी गाढ़ी कमाई से महाविद्यालय बनाने के लिए, कालेज बनाने के लिए तैयार किया हुआ है वह भवन आज भी सरकार की एन०ओ०सी० के लिए मोहताज है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से, शिक्षा मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि उसका एन०ओ०सी० अवश्य दे। जहां तक सवाल है दक्षिणी हरियाणा का, उपाध्यक्ष महोदय, जिसका एक हिस्सा आप भी हैं वहां पर कोई विश्वविद्यालय नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदय, अगर आप दिल्ली से चण्डीगढ आएंगे तो रास्ते मे सर छोटू राम इंजीनियरिंग कालेज आएगा, स्पोर्टस अथौरिटी आफ इण्डिया ने मुरथल मे स्पोर्टस कालेज भी बनाया हुआ है।

श्री उपाध्यक्षः दान सिंह जी आपने मेरे से मुत्तलिक बात कही है इसलिए आप अब मेरी बात भी सुनें। 50 साल में गुड़गांव के अन्दर सिर्फ दो कालेज ही खुले थे और इस सरकार के आने के बाद इन 3 सालों में 2 कालेज और खुले हैं। जहां तक राव धर्मपाल जी ने कहा था तो मैं उस बारे मे दावे के साथ कह सकता हूं कि आज अगर गुड़गांव जिले मे सबसे ज्यादा स्कूल अपग्रेड हुए हैं तो वे सोहना कांस्टीचुएंसी के हुए हैं।

12.00 बजे

राव दान सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैंने आपकी बात मान ली है। उपध्यक्ष महोदय, सब जगहों पर विश्वविद्यालय बनते हैं और आप एक स्कूल अपग्रेड होने पर सन्तुष्ट हो जाते हैं।इससे

बात नहीं बनती है। मैडिकल कालेज, इंजीनियरिंग कालेज और डैंटल कालेज की बात आप क्यों है? एक ली कालेज की 50 सीट्स ओर एक महाविद्यालय खोलने से एवं पांच स्कूल अपग्रेड होने से ही अगर आप संतुष्ट हैं तो यह आपकी मर्जी।

श्री उपाध्यक्ष: दान सिंह जी, आपने अगर पचास सालो में खुलवाया हो तो आप बताएं? **मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा):** उपाध्यक्ष महोदय, ये तो जयपुर में रहे हैं इसलिए ये तो गुलाबी को ही जानते हैं इनको तो गुलाबी से बहुत प्यार हे। (विघन) ये तो बजट को भी गुलाबी ही कह रहे हैं।

श्री उपाध्यक्ष: दान सिंह जी, इंजीनियरिंग कालेज भी आ गए, डैंटल कालेज भी गए, अब तो हम मेडीकल कालेज मांगेगे।

राव दान सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, एक और चिन्तनीय बात है जिसे आप भी जानते हैं कि हरियाणा ही शहीदों का पूर्ण रूप से सम्मान करता हे। बहुत ज्यादा फौजियों की संख्या हमारे प्रदेश में है इन्होंने समय–समय पर अपने प्राणो की आहुति देश के लिए दी है। लेकिन सरकार ने इनको दी जाने वाली सहायता राशि को दस लाख रुपये से घटाकर ढाई लाख रुपये कर दिया है इसलिए मैं चाहता हूं कि सरकार को इस पर पुनः सोचना चाहिए।

श्री उपाध्यक्ष: राव साहब, अब आप वाईड अप करें।

राव दान सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से खेलों के लिए भी सरकार ने केवल 5.23 करोड़ रुपये का ही बजट रखा

है जोकि बहुत कम है। इस प्रदेश में खिलाड़ियो की कमी नहीं है उनमें टैलेंट की कमी नहीं है उनको एक बार मौका मिलना चाहिए इसलिए मैं चाहता हूं कि खेलों का बजट और बढ़ाया जाए।

श्री उपाध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप इनका लास्ट वाला सुझाव लिख ले यह सुझाव इनका अच्छा है।

राव दान सिंहः इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि इंफोर्मेशन टैक्नोलॉजी ने भी दुनिया को छोटा कर दिया है लेकिन इसका सूत्रपात स्वर्गीय राजीव गांधी ने किया था उन्होने ही बीसवीं सदी मे रहते हुए 21 वीं सदी का स्वप्न देखा था। उनके स्वप्न की वजह से ही आज कम्प्यूटर और कम्यूनिकेशन के अंदर क्रान्ति आ रही है। उपाध्यक्ष महोदय, अंत में मैं इस बजट का विरोध करता हूं। आपने मुझे समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्षः अब रावत साहब बोलेंगे।

श्री भगवान सहाय रावत (हथीन): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करना चाहूगा।

श्री उपाध्यक्षः रावत साहब, आप भी समय सीमा में बंधकर रहेंगे। आप भी समय का ध्यान रखना।

श्री भगवान सहाय रावतः उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मैंने शुरू भी नहीं किया है और आपकी तरफ से मुझे चेतावनी

मिल रही है इसलिए मैं घड़ी की तरफ देख रहा हूं। मैंने 12.00 बजे के बाद ही बोलना शुरू किया है। विपक्ष के साथी तो दो दो बार बोल चुके हैं। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं प्रो० सम्पत सिंह जी ने जो हरियाणा विधान सभा में बजट प्रस्तुत किया है, अपना बजट भाषण दिया है, उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। इससे पहले जब हमारी सरकार सत्ता मे आयी थी तो हमें पूर्ववर्ती सरकारों के द्वारा जो विरासत में बिगड़ी हुई अर्थव्यवस्था मिली थी, सारी बिगडी हुई कानून व्यवस्था मिली थी और जो अस्त व्यस्त ढाचा मिला था उसको लाईन पर लाने के लिए, उसके सुधार के लिए इस सरकार ने एक बहुत ही प्रशंसनीय और सराहनीय कार्य किया है सरकार में वित्त का एक अपना महत्वपूर्ण स्थान है। आदरणीय सम्पत सिंह जी योग्य वित्त मंत्रियों में से एक बहुत ही योग्य वित्त मंत्री हैं जिन्होंने हमारी हरियाणा विधान सभा का चौथा बजट प्रस्तुत किया है। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि पिछले चार बजटों में इन्होंने मात्र एक बजट में दो परसैंट का टैक्स लगाने के अतिरिक्त कोई कर नहीं लगाया और तीन बजट उन्होंने कर रहित इस विधान सभा में प्रस्तुत किए हैं। मैं समझता हूं कि हमारे साथी जो विपक्ष की बैचों पर आज बैठे हुए हैं 50 साल की आजादी के अंतराल मे अधिकांश ने (विघन)

श्री उपाध्यक्षः मांगे राम जी, मैं सबसे ज्यादा अगर कद्र करता हूं तो वह मैं मांगे राम जी आपकी करता हूं जबकि आप ही मुझे सबसे ज्यादा डिसओबे करते हो।

श्री भगवान सहाय रावतः उपाध्यक्ष महोदय, 50 वर्षो तक हमारे विपक्ष के साथी इस देश पर शासन करते रहे। आजादी के वक्त जो देश की आर्थिक स्थिति हमे मिली थी मैं समझता हूं कि वह आर्थिक स्थिति इनके शासनकाल से कहीं अधिक बेहतर थी। 50 सालों की बिगडी हुई अर्थ व्यवस्था को हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला के नेतृत्व मे जो सरकार आयी है उसने उसको बहुत अच्छी तरह से ठीक किया है। इससे पहले उनके पिता श्री स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी ने इस देश को एक नयी दिशा देने का काम किया था। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी के पद चिन्हों पर चलते हुए ही आज के कर्मठ और विश्व के सर्वश्रेष्ठ मुख्यमत्री के रूप में आज श्री ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में यह सरकार पूरी गति के साथ इस पूरे समाज का एक सर्वागीण विकास करने में अग्रसर हे। आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, इस सदन को यह जानकर खुशी होगी कि जहां पूरा विश्व साम्प्रदायिकता और दूसरी उलझनों से जूझ रहा है इवन अमेरिका जैसी विश्व ताकत भी आतंकवाद से जूझ रही हो वहां भारत वर्ष का यह प्रथम राज्य है जहां सांप्रदायिक सदभाव, कानून व्यवस्था और सभी बिरादरियों को साथ लेकर चलने की परम्परा की शुरूआत आज हरियाणा राज्य में की गई है और राष्ट्रस्तर के

जो मुद्दे हमारे लोगो के द्वारा सरकार की नीतियो मे, हमारी आर्थिक नीतियों में जिनको इस्फेसाइज किया गया है उन मुद्दों को टच किया गया है। पिछली सरकारों ने जिन मामलो में कभी साहसिक कदम नहीं दिखाया था ऐसे कई साहसिक कदम इस सरकार द्वारा कई मदों में उठाये गये हैं। पूरे सौ करोड़ की जनसंख्या वाले भारत वर्ष से औलम्पिक जैसे खेलों से हमारे युवा खाली वापस लौटते थे इस हरियाणा सरकार ने राष्ट्र के भटके हुए नौजवानों को सही रास्ते पर लाकर के खेल नीति को प्रारंभ किया है और आज हरियाणा ही नहीं पूरे विश्व स्तर पर भारत का नाम यहां के खिलाड़ी रौशन करते हैं। हमारी वर्तमान सरकार एक तरह से प्रोत्साहन स्वरूप उनको नकद राशि व दूसरे इनाम देती है तो हरियाणा का नाम अपने आप ऊपर आ जाता है। गवर्नर साहब के ऐड्रस पर और बजट स्पीच पर कल्पना चावला का नाम लिया गया है कल्पना चावला हरियाणा प्रदेश की बेटी थी उनका अंतरिक्ष यान मे दुर्घटनावश निधन हो गया था। उन्होंने पूरे विश्व का नाम रौशन किया। उनके निधन पर तुरंत हरियाणा सरकार ने कई ऐतिहासिक निर्णय लिए। मुझे यह बात कहते हुए गर्व हो रहा है कि यहां पर कल्पना चावला मैमोरियल गोल्ड मैडल शुरु किया गया है और दसवीं कक्षा में प्रथम आने वाली छात्रा को गोल्ड मेडल और 25 हजार रुपये नकद राशि प्रोत्साहन हेतु और इंजीनियरिंग कालेज की संयुक्त प्रवेश परीक्षा मे पहले पाच स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओ को दो हजार रुपये प्रतिमास के हिसाब से छात्रवृति दी जाएगी। करनाल में उनके नाम पर एक मेडिकल

कालेज और कुरुक्षेत्र में एक नक्षत्रशाला स्थापित करने का केन्द्र सरकार से अनुरोध किया है। हरियाणा सरकार ने कल्पना चावला की याद मे जो राजकीय बहुतकनीकी संस्थान अम्बाला का नाम कल्पना चावला के नाम पर रखने की सिफारिश की है मैं समझता हूँ कि अपने यहां पैदा होने वाली कल्पना चावला को सच्ची श्रद्धांजलि हरियाणा सरकार ने दी है। अब मैं वार्षिक योजना के बारे मे बात करना चाहूंगा। वार्षिक योजना 2002–03 में जो खत्म हुई थी उसके घाटे को दृष्टिगत रखकर नयी वार्षिक योजना 2003–04 यहां पर प्रस्तुत की है उसमें 2100 करोड़ रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया है जो 1800 करोड़ के संशोधित परिव्यय से 16 प्रतिशत अधिक है। यह इस बात को दर्शाता है कि हम आर्थिक नीति को लेकर प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं इसमें आधारभूत ढांचे को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। आधारभूत ढांचा जिस प्रदेश के पास नहीं होता है उसमें विकास की संभावना ढूंढना रेगिस्तान में पानी ढूंढने के समान है। बजट में सिंचाई, बिजली, सड़क, सड़क परिवहन के आधारभूत संरचना के विकास के लिए 911 करोड रुपये की व्यवस्था की गई है। कुल प्रस्तावित व्यय 43.04 प्रतिशत है इस सारी आधारभूत संरचना और विकास के लिए जो हमारी खेती है हरियाणा की अधिकांश 75 फीसदी आबादी कृषि पर आधारित है उसको बढ़ावा देने के लिए बिजली की व्यवस्था करना उसके लिए आधारभूत संरचना पैदा करना इस तरह के अनेक कदम हमारी सरकार ने उठाए हैं। हरियाणा का जो पिछड़ा क्षेत्र है वहां के लोग आर्थिक दृष्टि से पिछड़े रह गए थे।

पिछली सरकारों की असमानता के कारण मेवात और शिवालिक जैसे एरियाज में विकास के कार्य नहीं हो पाए। मेवात और शिवालिक डिवैल्पमैंट बोर्ड के माध्यम से अनेक विकास कार्य शुरू करने के लिए 31 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना के अन्तर्गत 18.34 करोड़ रुपये की राशि रखी गई है। आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, बिजली के बारे में हमारे आदरणीय चीफ पार्लियामैंट्री सैक्रेटरी महोदय ने बिजली की उपलब्धियों की चर्चा की, नये सब–स्टेशनों की चर्चा की। मैं समझता हूं कि एक दिन भी ऐसा नहीं गया होगा जिस दिन माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सुबह से लेकर शाम तक सारे दिन विकास कार्यों की आधारशिला न रखी हो। अगर मैं उन्हें गिनाने लगूंगा तो समय लगेगा। हरियाणा के विकास के जो साढे तीन साल हैं आदरणीय चौधरी देवी लाल जी की प्रेरणा से हमारे जिला फरीदाबाद का जो पंचायतों के द्वारा विकास कार्य है अगर मैं उनको गिनाने लग जाऊं तो ये सुन नहीं पायेंगे। बिजली के काफी सब– स्टेशन नये बनाये गये ओर उनकी क्षमता को भी बढ़ाया गया। इसी प्रकार हमारे यहां सार्वजनिक परिवहन पर हरियाणा परिवहन पर विशेष ध्यान दिया गया हे क्योंकि सड़क और बसिज हमारे जीवन्त होने का प्रमाण देती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इससे पूर्व जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी तो हमारी रोडवेज की बसिज में सवारी बैठती थी कितनी ही दूसरी रोड़वेज की बसें खड़ी हों लेकिन हरियाणा रोड़वेज मे सवारी बैठती थी लेकिन इन विपक्ष के महाशयों की सरकार में हरियाणा रोडवेज नाम की कोई

बस सड़क पर दिखाई नहीं देती थी। नई बसों का एक बेड़ा तैयार करके उसमें बहुत क्वालीटेटिव प्रकार की इस बजट में व्यवस्था की है। हरियाणा हाई-वे पैट्रोल जैसी योजना बना करके बडा अच्छा काम किया है। चौधरी साहब ने विदेशो मे कई चीजों को वहां पर देखने के बाद हमारे राज्य में उन चीजों को लाने का प्रयास किया है। आपको हाई-वे पर प्रत्येक क्षण ट्रेफिक पुलिस उपलब्ध रहने की व्यवस्था की गई है। जिसके कारण ट्रैफिक को अच्छी तरह से संचालित करने में महत्वपूर्ण सहयोग सिद्ध होता है। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कार्य जो हमारी सरकार ने किया है वह 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का है। (विघन) 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के बारे में मैं समझता हूं कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में प्रजा के लिए वह सबसे सर्वोपरि होता है। मैं समझता हूं कि अब्राहीम लिंकन की अगर परिभाषा बोली जाये `Government for the people, of the people, by the people' आज सही मायने में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के माध्यम से जो सरकार चल रही है यह परिभाषा उस पर लागू होती है। उपाध्यक्ष महोदय, 'सरकार आपके हार' कार्यक्रम की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी थोड़ी है। इससे पहले कभी राजे-महाराजे दरबार लगाया कुरते थे ओर उस दरबार में गरीब से गरीब आदमी उनके सम्मुख पेश होकर अपनी समस्याएं रखते थे। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे 26 जनवरी का दिन याद है उस दिन एक तरफ ध्वजारोहण करते हैं और दूसरी तरफ मुख्यमंत्री जी 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के द्वारा किसी विधान सभा क्षेत्र मे सरकारी योजना के अन्तर्गत वहां

के लोगो की समस्याएं सुनते हैं। मैं समझता हूं कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम जो बुनियादी जरूरत थी, 50 साल की आजादी के बीच भी हम लोग उनका समाधान नहीं कर पाये थे चाहे स्वास्थ्य सुविधाएं थीं, चाहे स्कूल के कमरों का निर्माण था, चाहे गलियो को पक्का करना था, चाहे सड़को को बनाना था, चाहे गांव की फिरनिया बनाने का काम था जो जन्मजात गांव की समस्याएं थीं 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी ने उनका समाधान करवाया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि इस कार्यक्रम के माध्यम से राज प्रशासन जनता के घर पर गया ओर सरकार द्वारा 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के प्रथम चरण में 15355 घोषणाएं की गई और उनमे से 12687 कार्यों पर 919.35 करोड रुपये खर्च किए गये, दूसरे चरण के अन्तर्गत 18010 घोषणाओं में से 9282 कार्यों पर 595.11 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आपको ज्ञात है कि इसका तीसरा चरण शुरू हो चुका है। खेलों के बारे में नई– नई दिशाये देने के बारे मे चर्चा हो चुकी है। अंत में जो इस बजट से संबंधित ही है उसका उल्लेख करूंगा 'बजट एट ए ग्लांस' पर नजर डालते हैं तो उपाध्यक्ष महोदय, पता चलता है कि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा निरन्तर घाटे के बजट प्रस्तुत किये जा रहे थे जिसके कारण प्रदेश की अर्थव्यवस्था चरमरा करके रह गई थी। आज सारी परिस्थितियों को दृष्टिगत रखकर पहली प्रांतीय सरकार है जिसने शिक्षा पर सबसे ज्यादा बजट का प्रावधान किया है। मैं समझता हूं कि प्रदेश में किस तरह का आर्थिक ढांचा हमारी

सरकार को विरासत में मिला था उसमें इससे ज्यादा बजट हो नहीं सकता था।

श्री उपाध्यक्षः रावत जी, आप वाईंड अप करें।

श्री भगवान सहाय रावतः उपाध्यक्ष महोदय, इसके बारे में मैं बताना चाहूंगा। 8 प्रतिशत पावर पर, 7 प्रतिशत ट्रांसपोर्ट और रोडज पर, 5 प्रतिशत इरिगेशन पर, 3 प्रतिशत एग्रीकल्वर, रूरल डिवलैप्मैट और वाटर सप्लाई पर 4 प्रतिशत और शिक्षा पर 12 प्रतिशत इस बात का सूचक है कि रोटी, कपड़ा और मकान ओर स्वास्थ्य, शिक्षा पर जो बुनियादी ढांचा था उस पर 55 साल मे इस कांग्रेस पार्टी ने कभी कोई ध्यान नहीं दिया। यह एक प्रोग्रैसिव स्टैप है। शिक्षा जो सर्वांगीण मनुष्य के विकास के लिए सामाजिक व्यवस्था की प्रथम धुरि है जब तक उसका विकास नहीं होगा तब तक समाज का विकास हजारों साल गुजरने के बाद भी नहीं हो सकता। आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने इसलिए नई शिक्षा नीति इस प्रदेश को दी है। मैं कहना चाहूंगा कि शिक्षा समवर्ती सूची में आती है। शिक्षा ऐसा विषय है जिसमे केन्द्र ओर राज्य दोनों अपनी नीतियां बना सकते हैं। उन्होंने कई ऐसे साहसिक कदम उठाए हैं जो और किसी सरकार मे उठाने की हिम्मत भी नहीं हे ओर आगे भी नहीं होगी। उपाध्यक्ष महोदय, बिजली चोरी रोकने का काम किसी और सरकार के साहस का काम नहीं था। दूसरी तरफ उन किसानो, उन कंज्यूमर्स जिनकी आर्थिक हालत बिजली के बिल ना देने कै कारण

काफी कमजोर हो गई थी, इन लोगों के बहकावे के कारण इन्होंने बिजली के बिल नहीं दिए। चार आने 25 प्रतिशत बिजली के बिल देने के बाद लगातार अवधि बदाने के बाद माननीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने उन कर्जों को, बिजली के बिलों को माफ करके नई दिशा देने का काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय अब स्वच्छता के बारे में मैं कहना चाहूंगा। अंग्रेजी में कहावत है `Cleanliness is next to the Godliness' माननीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी के माध्यम से हमें विदेश जाने का मौका मिला वहां पर स्वच्छता, सिस्टम और opportunityयह तीन मुख्य विकास के आधार हमने देखे। वे आर्थिक दृष्टि से हमसे जरूर मजबूत हैं लेकिन भारतीय सभ्यता और संस्कृति की दृष्टि से आज भी वे हमसे पीछे हैं। माननीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी की अच्छी बातो को ग्रहण करके ही वहां के पूंजीपतियों ने यहां पर पूंजी निवेश किया और मुख्यमंत्री जी ने वहां की अच्छी व्यवस्था को लाग करने का प्रयास किया। फरीदाबाद शहर जो कचरे का शहर जाना जाता है जहां रेलवे लाइन और रोड के बीच कई एकड़ भूमि पर से अनावश्यक नाजायज कब्जे हटाए गए। पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होने नाजायज कब्जों जैसी बुराई को सदैव रोकने के लिए साहसिक कदम उठाया। मुझे जगमोहन जी का व्यक्तित्व याद आ गया। नाजायज कब्जे, बिजली चोरी, पानी की चोरी और इस तरह के व्यवहार के कदम व्यक्तिगत और राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर ही कोई आदमी उठा सकता है अन्यथा लोकप्रिय होने के नाम पर हम इनको बर्दाश्त करते रहे हें। सदन भी सहमत है

कि सरकार जमीनों पर नाजायज कब्जे की वजह से वहां के लोग नारकीय जीवन व्यतीत करने के लिए विवश थे। हमे वहां पर पानी गंदा मिलता था, हमारी वर्तमान जो आबादी है उसकी व्यवस्था हम नहीं कर पा रहे थे और दूसरे प्रदेशों से आकर वहां लोग अनाधिकृत रूप से बस गए थे जिससे कि सारी व्यवस्था चरमरा गई थी। मैं समझता हूं कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने नाजायज कब्जे हटाकर बहुत बढ़िया काम किया है।

श्री उपाध्यक्षः रावत जी आप बैठिए।

श्री भगवान सहाय रावतः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके आदेशानुसार अपनी बात खत्म करूंगा। मुझे बोलते हुए अभी 15 मिनट हुए हैं। मैं गवर्नर एड्रैस पर भी नहीं बोला। जनसंख्या वृद्धि से ज्यादा विकट समस्या आज कोई नहीं है। हमारे पास सीमित साधन हैं, उन सीमित साधनों का हम ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकें इसलिए जनसंख्या को नियंत्रित करना परम आवश्यक है। आज किसी प्रदेश में भी हरियाणा प्रदेश से ज्यादा आकर्षक योजनाएं नहीं हैं जैसे लिंग अनुपात को संतुलित करने के लिए, भ्रूण हत्या जैसे जघन्य कार्यो को रोकने का काम आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार ने किया है जो कि एक प्रशंसनीय और सराहनीय कदम है। 5100 रुपये की राशि हरिजन कन्याओं के विवाह के लिए देने का काम और लड़की होने पर बीस वर्ष तक निरंतर पांच सौ रुपये देने का काम इस सरकार ने किया है। मैं समझता हूं कि इससे प्रोग्रैसिव स्टैप्स हमारी दूसरी वामपंथी

सरकारों ने भी शायद कभी भाषा जगत में नहीं उठाए होंगे। बेसिकली मैं अध्यापक रहा हूं और मैं आर्य समाज से सम्बन्धित हूं। एक विधायक बनने से पहले दो बातो को दृष्टिगत रखकर मैं सामाजिक व्यवस्था जो मुख्यमंत्री महोदय ने की है उसकी तरफ सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। इस समाज की प्रथम इकाई मनुष्य है। जैसा कि हमारे केन्द्र के वित्त मंत्री जी ने अपने बजट को चाहे औरत हो चाहे आदमी उसको केन्द्रित रखकर बजट प्रस्तुत किया है। आज यह वर्तमान बजट व्यक्ति को केन्द्र मानकर प्रस्तुत किया गया है। व्यक्ति को डिवेल्प करने के लिए चार स्तम्भ जरूरी होते हैं। प्रथम हमारे शास्त्रों में जो गुरू की संज्ञा दी गई है, जो हमारी जन्मदात्री शक्ति है उस स्त्री को सम्मान देने का काम और उसके साथ–साथ सामाजिक और अच्छी योजना लागू करने का काम इस सरकार ने किया है। था हत्या, महिला सशक्तिकरण, जन संख्या का संतुलन ऐसी कितनी ही चीजें है जिनको इस सरकार ने लाग किया है। हरिजन कन्यादान स्कीम के माध्यम से स्त्री को मजबूत किया गया है, मातृ शक्ति को मजबूत किया गया हे।

श्री उपाध्यक्षः रावत जी आप बैठिए।

श्री भगवान सहाय रावतः उपाध्यक्ष महोदय,मुझे बोलते हुए अभी 20 मिनट हुए हैं। जो युवा वर्ग शराब जैसे जघन्य कुकृत्यों के कारण दिशाविहीन हो गया उसको नई दिशा देकर खेल नीति के द्वारा समाज को नए उत्थान की दिशा दी गई है। जिसमें

हम लोग अपने उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर इस प्रदेश में देखते हैं। आज नकल जैसी कुरीति को रोकने के लिए मुख्यमंत्री जी ने प्रयास किए हैं। हरियाणा इस चीज मे बहुत ग्रस्त है। जैसा कि मैंने कहा कि मैं अध्यापक रहा हू, उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे एक साहसिक कदम उठाकर यह घोषणा करें कि पूरा साल अध्यापक पढ़ायेगे और अगले साल हरियाणा बगैर नकल का राज्य होगा जिससे नई पीढ़ी को पोयजन जो अब तक की सरकारे देती रही हें, उससे नई पीढ़ी को बचाया जाएगा।

श्री उपाध्यक्षः आप केवल बजट पर बोल कर अपनी बात समाप्त करे।

श्री भगवान सहाय रावतः उपाध्यक्ष महोदय, मैं तीन चार प्रोग्रैसिव स्टैप्स जिनका ताल्लुक मेरे जिले से है, उनके बारे में बताना चाहूगा।

श्री उपाध्यक्षः आप जबरदस्ती नहीं बोल सकते। आप दो मिनट में अपनी बात समाप्त करे। मैंने और मैम्बर्ज को भी दस मिनट का समय बोलने का दिया है जबकि आप बीस मिनट बोल चुके है।

श्री भगवान सहाय रावतः उपाध्यक्ष महोदय, मैं समाप्त करने जा रहा हूं। हमारा फरीदाबाद और मेवात इलाका जो सब दृ ष्टि से पीछे हे आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने वहां पर 300 करोड़

रुपये की एक प्रस्तावित योजना, रैनीवल योजना मेवात क्षेत्र को शीघ्र पानी देने के लिए विचार करने का आश्वासन दिया है। आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, 26 तारीख को मुख्यमंत्री जी विचार करते हें, 27 तारीख को सर्वे करवाते हैं और 28 तारीख को मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड की मीटिंग मे 28 लाख रुपये देते हैं इससे तेज और क्या कार्य होगा? हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी सभी कार्य इसी तरह तेजी से करते हैं जिससे हरियाणा प्रदेश का विकास हो रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करूंगा कि मुझे थोड़ा समय और दिया जाये क्योंकि मेरे पास प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, औरंगाबाद का एक चिट्ठा है जो पिछली सरकारों की कार्य प्रणालियों के बारे में बतायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, इस प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए 28 कनाल 12 मरला जमीन 1992 में निदेशक, पंचायत विभाग ने स्वास्थ्य विभाग को ट्रांसफर कर दी थी। आज 13 साल हो गये वह जमीन यूं की यू पड़ी रही। लेकिन हमारे आदरणीय मुख्यमत्री जी ने 52 लाख रुपये खर्च करके उस प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को बनाने की योजना बनाई है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, दूसरी सरकारों ने वहां 13 वर्ष तक एक ईट भी नहीं लगवाई लेकिन अब हमारे मुख्यमंत्री जी ने जनता की मांग पर उसे पुनः शुरू करवाने के लिए योजना बनाई है। जहां तक पोलिटैक्निक कालेज उटावडु की बात है, उपाध्यक्ष महोदय, हथीन शैक्षणिक दृष्टि से पीछे हो सकता है लेकिन जागरूकता की दृष्टि से आज भी वहां लोकदल का ध्वज आसीन है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने पोलिटैक्निक

कालेज मेवात क्षेत्र को दे करके बहुत सराहनीय कार्य किया है जहां 1992 में सारे कोर्सिज खत्म कर दिए गये थे। लेकिन अब मुख्यमंत्री जी ने मेवात क्षेत्र को 40 सीटें इस्फार्मेशन टैक्नालोजी की देकर, 40 सीटें कम्प्यूटर एजुकेशन की देकर और 15 सीटें फार्मेसी की देकर मेवात क्षेत्र की जनता को शैक्षणिक दृष्टि से मजबूत करने का काम किया है। इसके लिए मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इसी तरह से ओरंगाबाद में 66 के०वी० का सब– स्टेशन स्थापित करने के आदेश देकर मुख्यमंत्री जी ने वहां की जनता की बिजली की मांग को पूरा करने का काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, 1992 में चौधरी भजन लाल जी हथीन में एक बस अडे के निर्माण की घोषणा करके आये थे। उसके बाद उन्होंने जो पत्थर वहां बस अड्डे के निर्माण के लिए लगाया था वह ढूंढने पर भी नही मिला। लेकिन हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने उस बस अडे के लिए बजट मे पैसा रखा है और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण मे भी उसका जिक्र किया गया है अग्र जल्दी ही उसके निर्माण का काम शुरू होने वाला है। इसके लिए भी मैं मुख्यमत्री जी का धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह हमारी सरकार अपने वायदे पूरे कर रही है और पिछली सरकारो के गुमे हुए पत्थरो को ढूंढकर कार्य कर रही है। उपाध्यक्ष महोदय, अंत में मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने विशाल हृदय होकर मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया। मैं इस बजट का जो प्रोग्रेसिव है, कर रहित है, जिसमें समाज का सर्वांगीण विकास छिपा हुआ है, नई–नई

योजनाएं छिपी हुई हैं, स्वर्गीय चौधरी देवी लाल के खुशहाल सपने छिपे हुए हैं, आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी की कर्मठता छिपी हुई है, जिसमें जनता को सर्वोपरि माना गया है और कहा गया है कि 'लोक राज लोक लाज' से चलता है, इन मंत्रों को लेकर आगे बढ़ रहा है, इसका समर्थन करता हूं। आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री जितेन्द्र सिंह मलिक (कैलाना): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। उपाध्यक्ष महोदय, जो बजट वित्तमंत्री जी ने 2003–04 के लिए पेश किया इसमें कुछ भी नयापन नहीं है। इसमें सारी बातें पुरानी और धिसीपिटी हैं और वित्तीय प्रबन्धन के बारे मे भी इसमें कुछ नयापन नहीं है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि पूरे प्रदेश को कर्जों से दबाने की कोशिश की जा रही है। उपाध्यक्ष महोदय, 1997 के बजट में जो कार्य दर्शाया गया था उससे 300 प्रतिशत अधिक कर्जा इस वर्ष के बजट में दर्शाया गया है। बजट का 82 प्रतिशत नोन प्लान पर खर्चे में चला जायेगा केवल 18 प्रतिशत बचता है। यह तो वित्तमंत्री जी ही जानते हैं कि 16 प्रतिशत से वे किस तरह हरियाणा प्रदेश का विकास करेंगे? उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक सिंचाई की बात है, जो कि बहुत ही अहम मुद्दा है। लेकिन बीच में मैं एक और बात कहना चाहूंगा क्योकि इस सदन में चौधरी लहरी सिंह का नाम आया और आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने उनका नाम लिया था। जिस भाव से

उनका नाम लेने का मकसद था वह पानी के बंटवारे की बात को लेकर लिया गया था। उपाध्यक्ष महोदय, इस बात का इतिहास साक्षी है कि संयुक्त पंजाब मे आज भी चौधरी लहरी सिंह का नाम बड़ी इज्जत से लिया जाता हे, बड़े सम्मान से लिया जाता है क्योंकि उन्होंने त्याग किया था। यह रिकार्ड की बात है कि हरियाणा में उनके समय में 21 दिन नहर चला करती थी और आज जो क्राईम हो रहा है उस समय इससे ज्यादा क्राईम था लेकिन उस क्राईम पर कंट्रोल करने का काम हमारे दादा जी चौधरी लहरी सिंह जी ने किया। उस समय क्राईम को कंट्रोल करने में उनका बहुत बड़ा योगदान था। मैं एक चीज कहना चाहूंगा कि मेरी सबसे पहली मुलाकात चौधरी देवी लाल जी से सन् 1986 में संत हरद्वारी लाल जी के घर पर हुई थी। मैं अपने पिता जी के साथ गया था और उन्होंने मेरे पिता जी से पूछा कि क्या यह आपका लड़का है तो उन्होंने कहा कि हां जी। तो फिर देवी लाल जी कहने लगे कि तू जानता है अपने दादा जी के बारे में। मैंने कहा कि हां मैं जानता हूं कि संयुक्त पंजाब मे वे मंत्री थे। वे बोले नहीं, वे संयुक्त पंजाब मे मन्त्री तो थे लेकिन उनको जो याद किया जाता है वह उनके त्याग के लिए याद किया जाता है क्योकि उन्होने उस समय जो लोग क्राईम किया करते थे जिन्हें कत्ली लोग व फराहरी लोग कहा करते थे तो उनको खत्म करवाने और नहरो में उस समय ज्यादा दिन पानी चलवाने के लिए याद किया जाता है। आज मैं चौलेज करता हूं इस सदन मे चाहे वह कोई भी नेता हो, पक्ष का हो या विपक्ष का हो वही आदमी

क्राईम को खत्म कर सकता है जो अपने जीवन को ओर राजनीतिक भविष्य को दाव पर लगा सके। बेशक चाहे वह अपने भाषणों मे अपने आप को कितना ही बड़ा साबित करने की कोशिश करे लेकिन मुझे जवाब इसलिए देना पड़ा क्योंकि वे दोनों महान आत्माएं यानी चौधरी देवी लाल जी और चौधरी लहरी सिंह जी जवाब देने के लिए यहां पर नहीं आ सकतीं। मुझे यह बात इसलिए कहनी पड़ी कि मुख्यमंत्री जी ने इस बारे में कहा था। इनके कहने का भाव यह था कि उन्होंने पानी के बंटवारे को लेकर के कहा था (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः आप बजट पर बोलें। (विघन)

श्री जितेन्द्र सिंह मलिकः डिप्टी स्पीकर साहब, आप मुझे बोलने दें। (विघन)

श्री उपाध्यक्षः आप बैठिये, मुख्यमंत्री जी बोलेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, मैंने जिस मुद्दे को लेकर उल्लेख किया था उसमें मैंने यह बताया था कि मुश्तरका पंजाब से ले करके अब तक सारे के सारे सिंचाई मंत्री और मुख्यमंत्री जो बने थे वे दक्षिणी हरियाणा से संबंधित थे। जितेन्द्र जी को कुछ बता दिया होगा, उस वक्त ये थे नहीं जिस वक्त मैं सदन में यह बात कह रहा था।

श्री जितेन्द्र सिंह मलिकः मैं यहीं पर बैठा था।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इनको बताना चाहूंगा कि चौधरी लहरी सिंह जी को इनके दादा होने की वजह से नहीं बल्कि उनके कामों की वजह से लोग उनको ज्यादा सम्मान प्रदान करते हैं। वे एक सम्मानीय व्यक्तित्व के मालिक थे और उनकी सबसे बड़ी देन हरियाणा में भाखड़ा की रही है, यह उन्हीं की देन है, हम इस को मानते हैं क्योंकि वे भीमसेन सच्चर के वक्त में सिंचाई मंत्री थे। हमारे इलाके की तो जितनी नहरें हैं उनके उद्घाटन भी उन्हीं के द्वारा हुए थे। मेरी बताने की मन्शा यह थी कि ये लोग जो बार–बार दक्षिण हरियाणा के पानी के बंटवारे की मतभेद की बात करते हैं यह पानी का बंटवारा मैंने बताया था कि ये ये लोग मंत्री थे और ये–ये लोग मुख्यमंत्री थे। उनकी शान में गुस्ताखी इस सदन का नहीं इस प्रदेश का कोई व्यक्ति नहीं करेगा।

श्री उपाध्यक्षः जितेन्द्र जी, आप बजट से संबंधित ही बातें करें।

श्री जितेन्द्र सिंह मलिकः उपाध्यक्ष महोदय, जब एस०वाई०एल० कैनाल की बात चल रही थी तो यह कहा जा रहा था कि करोड़ों रुपयों का नुक्सान हो रहा है। मैं सरकार को सुझाव देना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी बजट सत्र खत्म होने पर 90 के 90 एम०एल०एज० के साथ प्रधानमंत्री जी से मिलें और उनसे कहे, आग्रह करें कि ओं या 6 दिन के अन्दर नहर का कार्य चालू करवाएं नहीं तो हरियाणा के आम लोग, 90 के 90 विधायक

दिल्ली का चारों तरफ से घेराव करेगे। इसके लिए विपक्ष और पक्ष दोनों कह रहे हैं, पता लग जायेगा और इससे सारी बातें साफ हो जायेंगी। उनसे मिलकर कहें कि हरियाणा के लोग, 36 बिरादरी के और विधायक दिल्ली में सब तरह की सप्लाई को बन्द कर देंगे चाहे वह खाद्य पदार्थ की सप्लाई हो या चाहे वह पानी की सप्लाई हो। आप एक बार यह चीज करके देखो प्रधान मंत्री तो इतने में ही ....

श्रीमती बीना छिब्बड: उपाध्यक्ष महोदय, इनकी यह बात रिकार्ड नहीं होनी चाहिए।

श्री उपाध्यक्ष: ठीक है, इनकी यह बात रिकार्ड न की जाये। (विघन) जितेन्द्र सिंह जी, आप उधर उनसे बात न करें। आप चेयर को मुखातिब हो कर बात करें। (विघन एवं शोर) वीना जी, आप अपनी सीट पर बैठें। जितेन्द्र सिंह जी, आप कॉन्टीन्यू करें।

श्री जितेन्द्र सिंह मलिक: उपाध्यक्ष महोदय, में सूखा राहत के बारे में कहना चाहूंगा। राज्य सरकार की ओर से 1000 करोड़ रुपये का मैमोरैंडम केन्द्र सरकार को भेजा गया था और इसमे से 241 करोड़ रुपया मिला है। सरकार कृपा करके यह बताए कि किस आधार पर 241 करोड़ रुपया जो प्राप्त हुआ था उसे बांटा दर्शाया गया था (विघ्न) यह राहत केवल चार जिलों मे ही

बांटी गई है जिसमें आपका हिसार जिला भी आ गया, भिवानी और फतेहाबाद भी आ गया। (विघन)

श्री उपाध्यक्षः क्या भिवानी जिले में राहत राशि नहीं दी जानी चाहिए थी (विघन) क्या भिवानी में सूखे का असर नहीं था?

श्री जितेन्द्र सिंह मलिकः डिप्टी स्पीकर सर, सूखे का असर तो दूसरे जिलो पर भी था। **श्री उपाध्यक्षः** मैं सारी सूची तो पूरी तरह से देख नहीं पाया लेकिन मेरे अपने हिसाब से भिवानी जिला सबसे ज्यादा और बुरी तरह से सूखे से इफैक्टिड था।

श्री जितेन्द्र सिंह मलिकः डिप्टी स्पीकर सर, मेरे कहने का मतलब यह है कि क्या सोनीपत और दूसरे जिले सूखे से प्रभावित नहीं थे और वहां पर क्या कोई मुआवजा नहीं दिया जाना चाहिए थाः जहां–जहां पर मुआवजा दिया भी गया है वह किसानों तक नहीं पहुंचा है।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 241, करोड़ रुपये का जो पैसा दिया गया है वह प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को दिया गया है। यह जिलों का बंटवारा नहीं था। जो पैसा सूखे से पीड़ित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए दिया गया है वे इसको भी बंटवारा मान कर चलते हैं, ये बजट पर तो कोई बात कह नहीं रहे हैं। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए),

श्री अध्यक्षः जितेन्द्र सिंह जी, अब आप कन्क्रलूड करे। (विघन)

श्री जितेन्द्र सिंह मलिकः स्पीकर सर, मैं तो बोलने के लिए अभी ही खड़ा हुआ हूं। (विघन) आप मुझे अभी से बैठने के लिए कह रहे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, सड़कों के बारे में कहा गया कि बहुत अच्छी सड़कें बनी हैं लेकिन सड़कों के हालात इतने बदत्तर हैं कि जिसका व्यान नहीं किया जा सकता। जैसे कि राव धर्मपाल जी ने भी कहा कि कुछ सड़कें बनी जरूर हैं मैं यह नहीं कहता कि हाईवे और सड़कें बिलकुल नहीं बनी हैं लेकिन उन सड़कों की हालत भी यह हुई है कि ये सड़कें 5–6 महीने के अन्दर–अन्दर टूट गई हैं जबकि सरकार बजट के अन्दर दावा कर रही है कि सारी सड़कें बना दी गई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि आप बेशक एक कमेटी बना कर देख लें हमारे इलाके के अन्दर एक भी सड़क नहीं बनी हुई है सिवाय एक खादर बैल्ट के 15–20 गांवों की एक सड़क। इसके अलावा और कहीं पर भी सड़क नाम की कोई चीज नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धान्यवाद करते हुए तथा इस बजट का विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री देव राज दीवान (सोनीपत)ः अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। हालांकि आज मैं बोलने के लिए तैयार नहीं था लेकिन फिर भी आपने टाईम दिया है इसलिए मैं बजट पर बोल रहा हूं। अध्यक्ष

महोदय, मैं वित्त मन्त्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि जितने ये खुद खूबसूरत हैं उतनी ही खूबसूरती से यह बजट पेश किया गया है। जितना दिल साफ होता है उतना ही काम अच्छा होता है। मैं इस बात को समझ नहीं पाया कि कुछ साथियों ने जो बजट में कुछ कमियां बताई हैं क्या वे कमियां हैं? आकड़े तो वित्त मंत्री जी ने दिए हैं और बताया है कि आमदनी कैसे और कितनी और कहां से होगी और उस पैसे को कहां पर खर्च किया जाएगा तथा कैसे और कहा–कहा कौन–कौन से विकास के कार्य किए जाएंगे। हम सभी लोग रोजाना देखते हें कि सरकार कितने विकास के कार्य कर रही है। माननीय मुख्य मन्त्री जी ने 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम शुरू किया और इस कार्यक्रम के तहत वे जहां भी गए वहां पर किसी भी सरपंच ने और किसी और मौजिज आदमी ने कोई मांग रखी उस मांग को तुरन्त पूरा किया गया। वे जो वायदे जहां पर कर आए हैं वे अगले साल वहां पर इनके जाने से पहले पूरे हो जाएंगे। कुछ लोग कहते थे कि वायदे तो घने कर गया मुख्यमंत्री, लेकिन पैसा कहां से आएगा। जैसा कि आज यहां पर भी कहा है कि पैसे की कमी है, काम कैसे होगा और पैसा उन कामों के लिए कहां से आएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं औरों की बात तो नहीं करता लेकिन सोनीपत में 50 सालों में जहां पर पिछली सरकारों के वक्त में एक रुपया भी नहीं लगाया गया था। मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला ने पिछले 3 सालों में सोनीपत में ऐसे काम किए हैं, वहां पर ऐसे आफिसर्ज लगाए हैं जो वहां पर ऐसे काम करते हैं जैसे कि वे अपने घर में काम कर रहे हों, जैसे वे अपनी

रोड ही बनवाते हों। मेरे साथी जितेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि वहां पर काम नहीं हुए हैं तो ये मेरे साथ चलें। मेरे हल्के में 25 गांव हैं। वहां पर बहुत काम हुए हैं। यह बात ठीक है कि जो अन्दर की सड़कें हैं वह रह गई हैं लेकिन वे भी जल्दी बनकर तैयार हों जाएंगी। जो वायदे किए हैं वे पूरे हो जाएंगे। इसके साथ ही सीवरेज का जो काम रह गया है वह भी पूरा हो जाएगा। वहां पर लोग इनके काम से इतने खुश हैं कि वे कहते हैं चौटाला साहब कहां से पैसा लेकर आए हैं, कैसे ये काम हो रहे हैं यह जो विकास हो रहा है यह कैसे हो रहा हे। इतना अच्छा दिमाग हमारे मुख्यमंत्री जी ने पाया है यह वहां के लोग मानते हैं। आप किसी भी सैक्टर की बात देखें, चाहे अर्थ व्यवस्था को देख लें, किसी और काम को देख लें। बिजली के बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि शहर और गांव का कोई वर्ग हो, उद्योगपति हो, हर कोई खुश है। आप पानी के सैक्टर को ले लें। पहले सोनीपत में पानी के लिए त्राहि–त्राहि मची रहती थी यह दूसरी बात है कि पानी की पूरी कमी तो दूर नहीं हुई है लेकिन पानी की जो किल्लत थी वह काफी हद तक दूर हो गई है। आप चाहे सड़कों को ले लें, ट्रांसपोर्ट विभाग को ले लें, आज जिस भी सड़क पर जाएंगे आपको वहां पर नई बसें मिलेंगी। कहीं पर कोई किराया इस सरकार के द्वारा नहीं बढ़ाया गया है। अध्यक्ष महोदय, आप चाहे शिक्षा के बारे में ले लें। इस सरकार ने शिक्षा की नीति ऐसी बढ़िया बनाई है कि आज उससे बच्चे भी खुश हैं और उनके परिवार वाले भी खुश हैं। आज कोई भी यह बता दे कि कौन सा

ऐसा सैक्टर है जहां पर तरक्की न हुई हो। यह जो वित्तमंत्री जी ने कमाल किया है इसके पीछे चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी का हाथ है। अध्यक्ष महोदय, यह बात सच है कि एस०वाई०एल० कैनाल हमारी जीवन रेखा है। अगर यह बन जाती है तो हरियाणा के लिए, आम आदमी के लिए और किसानों के लिए बहुत अच्छी बात होगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि हम कोशिश कर रहे हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी हमारे पक्ष में फेसला दिया हे। में सभी साथियों को यह बताना चाहूंगा कि अगर मुख्यमंत्री जी ने कह दिया कि यह होगा तो समझो कि वह काम होगा। ये वायदे के पक्के हैं। यहां पर मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि ये मेरे एक छोटे से काम को मूल गए हैं और उसके बारे में इन्होंने वायदा भी किया था और मुझे उम्मीद है कि ये उस कौम को भी पूरा करेंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यहां पर चर्चा के दौरान विदेशों के दौरे के बारे में बहुत बातें कहीं गई हैं। मैं सदन में यह बताना चाहूंगा कि मैं भी इनके साथ विदेश के दौरे पर 'गया था और मैं इनको बताना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी एक–एक दिन में चार–चार मीटिंग्ज रखते थे और शायद ही कोई दिन ऐसा होगा जिस दिन व्यापारियों के साथ चार–चार मीटिंग्ज न हुई हों। इन मीटिंग्ज में व्यापारी लोग आए भी। एक–एक को उन्होंने बात समझायी और इन्वाइट किया। वे लोग आ भी रहे हैं। एकदम तो कोई चल नहीं देता सोच समझकर ही वे आते हैं। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी की तमन्ना है कि हरियाणा में लोग आकर उद्योग लगाए। इनकी कोशिश में कमी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक

विदेशों के खर्च की बात है जो आदमी एक मिनट भी न गवाए जिनकी कोशिश यही रहे कि एक घंटा चलकर और चार आदमियों को समझाएं उनको दिखाए कि कितने विकास के काम हो रहे हैं तो अगर ऐसे आदमी के ऊपर भी ऊंगली उठे कि खर्चा ऐसे किया गया तो ठीक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर कैसीनों के बारे में भी बात की गयी। लेकिन किसी ने यह नहीं पूछा कि इसका फायदा क्या है इससे इन्कम क्या है इसका तो कोई हिसाब ही नहीं लगाता। कैसीनों एक बार हरियाणा में या कहीं और लगने तो दो फिर देखना कि इससे कितने फायदे होंगे कितनी इन्कम होगी कितनी जनता को राहत मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, हर एक आदमी तो वहां जाता नहीं है हर एक आदमी तो कैसीनों खेलता नहीं है। चाहे आप केस बना लें लेकिन जो जाना चाहेगा वह जाएगा ही। मैंने यहां पर बताया ही था।

प्रो० सम्पत सिंहः आप यह भी बता दें कि जब आप कैसीनों में जाते थे तो आपके साथ कौन–कौन जाते थे?

श्री देव राज दीवानः चौधरी भजन लाल जी भी जाते थे और मैं भी जाता था। (विघ्न)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं ऐसे आदमी के साथ जाऊंगा। मैं एक बार भी नहीं गया हूं।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिए। आप तो बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

चो० भजन लालः आदमी को अपनी हैसियत के हिसाब से बात कहनी चाहिए।

श्री देव राज दीवानः अध्यक्ष महोदय, हम इकट्ठे नहीं गए हैं। हम वहां पर मिले थे। **चौ० भजन लालः** ये मेरी बात क्या करेंगे? इनको तो मेरी बातों का अहसान मानना चाहिए।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिए। आप तो बड़े अच्छे खिलाड़ी हैं।

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं अच्छा खिलाड़ी इसलिए नहीं हूं क्योंकि मैं आपके साथ खेला नहीं हूं। मैंने कैसीनो कभी नहीं देखा इसलिए मैं इसका विरोध कर रहा हूं।

श्री अध्यक्षः अब आप बैठें। देवराज जी, आप कन्टीन्यू करें।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, इतना अच्छा बजट वित्त मंत्री जी ने पेश किया है इसलिए मैं सदन से आग्रह करूंगा कि इसको ध्वनि मत से पारित करे। (विघ्न) मैं अपनी बात यहां पर न कहकर जब मुख्यमंत्री महोदय को समय मिलेगा तो मैं अपने हल्के में .'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में उनको अपनी बात बता दूंगा। धन्यवाद।

चौ० नफे सिंह राठी (बहादुरगढ): अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बजट पर बोलने की इजाजत दी।

जो माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा सदन में बजट पेश किया गया है मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं इनकी प्रशंसा करता हूं कि इन्होंने बहुत ही शानदार बजट हरियाणा के नागरिकों के लिए पेश किया है इसमें उनके वैलफेयर के लिए काफी सुविधाएं दी गयी हैं। जब माननीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने हरियाणा की सत्ता संभाली थी उस समय हरियाणा की क्या हालत थी शायद यह मुझे बताने की आवश्यकता नहीं क्यों कि यह सभी जानते हैं। सड़के टूटी पड़ी थीं। 1995 मे जब फ्लड आयी थी उस समय भजन लाल जी मुख्यमंत्री थे इन्होंने उसके बाद कहीं पर भी एक रोड़ी नहीं डाली थीं। सड़कों के बारे में माननीय कांग्रेस के साथियो ने भी सरकार की बड़ाई की है। स्पीकर साहब, बजट में वित्त मंत्री महोदय ने बिजली, सिंचाई, सड़कें, परिवहन के लिए 911 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। वहां सामाजिक क्षेत्र जैसे सामान्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल के लिए भी उन्होंने 890.23 करोड़ रुपये बजट में रखे हैं। 1120 किलोमीटर लम्बे राजमार्गों के सुधार के लिए भी 270.08 करोड़ रुपयों की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके अलावा 325 किलोमीटर लम्बी प्रमुख जिला सड़कों और सात हजार किलोमीटर जिले की अन्य सड़कों के सुधार के लिए 368.26 करोड़ रुपये का प्रावधान इसमें किया गया है। स्पीकर सर, नेशनल हाईवे नंबर 10 बहादुरगढ़ से लेकर रोहतक तक फोरलेनिंग बनाने के लिए इसमें प्रावधान है और इसके लिए किसानों को मुआवजा देने के लिए भी इसमें 26 करोड 30 लाख रुपया रखा गया हे व इसको सुदृढ़

करने के लिए भी 14 करोड़ रुपया खर्च किया गया है इसमें मेरा सुझाव यह है कि उस प्रक्रिया को थोड़ा सा तेज करवाया जाए क्योंकि झज्जर जिले की सीमा तक तो जमीन अधिगृहित कर ली गई है लेकिन रोहतक जिले की सीमा तक जो जमीन पड़ती है वह अधिगहित नहीं की गई है। मेरा निवेदन है कि नेशनल हाईवे नंबर 10 को चौड़ा करने का कार्य जल्दी से जल्दी करवाया जाए। इसके अलावा स्पीकर सर, मैं इस सरकार के परिवहन मंत्री श्री अशोक अरोड़ा जी का और माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करूंगा कि हरियाणा में जो रोडवेज की बसें पिछली सरकारों के समय में खटारा हालत मे थीं, इस सरकार के आने के बाद रोडवेज के बेड़े में जो 3500 बसें हैं उनमें 1600 और नयी बसें शामिल की गई हैं और 530 और नयी बसें शामिल करने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी की कृपा से बहादुरगढ़ विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं। बहादुरगढ़, सोनीपत, गुड़गांव ओर फरीदाबाद ये चार शहर दिल्ली के साथ–साथ लगते हें इन शहरों से हरियाणा रोडवेज की बसों में हजारों दैनिक यात्री सैन्ट्रल सैक्रेटेरियट व सी०जी०ओ० कॉफ्लैक्स, दिल्ली में केन्द्रीय दफ्तरो में जाते थे लेकिन डेढ़ वर्ष पहले माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये आदेशों के बाद वह बसें बंद कर दी गई हैं क्योंकि उन्होने सी०एन०जी० बसे चलाने के लिए कहा है मैं परिवहन मंत्री जी व मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि इससे वहां के हजारों दैनिक यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है अतः मेरा अनुरोध है कि सी०एन०जी० की बसे भी खरीदी जाएं। अध्यक्ष

महोदय, आज दूसरे प्रदेशो के लोग जब सफर पर निकलते हैं तो चाहे एक घंटे बस का इंतजार करना पडे लेकिन हरियाणा रोडवेज की बसों में ही सफर करना पसन्द करते हैं। अध्यक्ष महोदय, आज से दस साल पहले कांग्रेस के शासनकाल के समय में जो बसों की बॉडियां बनवाई गई थी बहू आज की बनवाई हुई बॉडीज से बहुत कमजोर हैं और बनवाई भी ज्यादा पैसों में गई थीं, मेरी मांग है कि इसकी जांच करवाई जाए। इसके अलावा मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि बहादुरगढ गेटवे ऑफ हरियाणा है और नेशनल हाइवे नंबर 10 पर स्थित है जो दिल्ली में मैट्रो ट्रेन चलाई जा रही हे वह बहादुरगढ़ से मै 4–5 किलोमीटर की दूरी पर जो एक गांव मुंडका है वहां तक चलाई जा रही है इस बारे में केन्द्रीय सरकार से मिलकर उस मैट्रो ट्रेन को बहादुरगढ़ तक बढ़ाने की प्रार्थना की जाए ताकि हजारों की संख्या में जो दैनिक यात्री दिल्ली जाते हैं उनको लाभ हो। अध्यक्ष महोदय, झज्जर जिले में रोडवेज की वर्कशाप नहीं है परिवहन मंत्री जी बैठे हैं मैं निवेदन करूंगा कि बहादुरगढ़ में वर्कशाप के लिए बिल्डिंग खाली पड़ी है जब तक झज्जर में वर्कशाप न बने तब तक वर्कशाप को बहादुरगढ़ में चलाया जाए। मैं इस बात की प्रशंसा करूंगा कि हाइवे पैट्रोल नामक जो सुरक्षा संगठन बनाया गया है वह देश का ऐसा पहला संगठन है जिसकी प्रशंसा भारत सरकार ने भी की है व अन्य राज्यों को भी भारत सरकार ने ऐसा करने के लिए कहा है। अध्यक्ष महोदय, सैकड़ों आदमियों की जानें हर साल यह संगठन बचाता है यह अपने आप में एक अनूठा उदाहरण सरकार

ने प्रस्तुत किया हे। यह बहुत प्रशंसा की बात है और बहुत बढ़िया काम माननीय मुख्यमंत्री ने किया है। कृषि पर भी मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। कृषि इस प्रदेश का मुख्य आधार है और 75 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। चाहे देश में सूखा पड़ा हो लेकिन सूखा पड़ने के बावजूद इस सरकार ने नहरों में बराबर पानी दिया और नहरो का पानी ड्रेनों मे डालकर विशेषकर दक्षिणी हरियाणा के लोगों के लिए पानी देने का बहुत अच्छा काम इस सरकार ने किया है। मेरे हल्के के 14 गांव बिलकुल टेल एंड पर पड़ते थे उन गांवों की नहरों में पानी नहीं जाता था। वहां ड्रेनों में पानी डालकर इस सरकार ने पानी दे दिया और इस प्रकार दस हजार एकड़ जमीन सिंचित करके बहुत बढ़िया काम किया है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय को धन्यवाद देता हूं। स्पीकर सर, 2000 –2001 में 132. 94 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ और 2001–2002 में 133.01 लाख माट्रिक टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ। लेकिन इस साल भयंकर सूखा होने के बाद भी 2002–2003 में अनुमान लगाया जा रहा है कि 127.83 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न होने की आशा है। इस बजट में अनुमान लगाया गया है कि 2003–2004 मे 141 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का उत्पादन होगा। मेरे कांग्रेस पार्टी के साथी श्री मांगे राम गुप्ता जी जो यहां पर बैठे हुए हैं उन्होंने गेहूं के भण्डारण पर और गेहूं की खरीद के बारे में एक बात उठाई थी। स्पीकर सर, श्री मांगे राम गुप्ता जी शायद भूल गये। पिछले साल इनकी खुद कही हुई असैम्बली की ग्रोसिडिंग्ज में वह बात दर्ज है।

इन्होने यह कहा था कि इस सरकार ने किसानों का भीगा हुआ गेहूं खरीद लिया जिससे सरकार को लाखों करोडों रुपये का नुक्सान हुआ। तब माननीय मुख्यमंत्री जी ने खड़े होकर कहा था कि हम किसानों का नुक्सान बर्दाश्त नही करेंगे बेशक सरकार नुक्सान में चली जाये। हम किसानों को नुक्सान नहीं होने देंगे। (विघन)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप बैठें। आपको कोई तकलीफ नहीं है, बैठिए, नफे सिंह राठी बडा अच्छा बोल रहे हें, आप बैठिए, आप सिक्वैंस को खराब न करे। आपका नाम नहीं लिया है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यायंट ऑफ आर्डर है। मैं आपकी इजाजत लेकर बोल रहा हूं। इन्होंने मेरा जिक्र किया है। (विघ्न) मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है इसमें कोई तकलीफ की बात नहीं है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चोटालाः अध्यक्ष महोदय, नफे सिंह जी ने यह कहा है कि पिछले बजट अधिवेशन में मांगे राम गुप्ता जी ने अपने भाषण में एक बात कही थी कि यह सरकार प्रदेश का अहित कर रही है, नुक्सान कर रही है और किसान का भीगा हुआ गेहूं खरीद रही है। यह बात असैम्बली की प्रोसिडिंग्ज में है। हमने तो उस समय भी यह बात खुलकर कही थी कि यह सरकार प्रो

फार्मर है, प्रो प्रीजैटरी है और प्रो पुअर है। गरीब के हितार्थ अगर प्रदेश की सरकार को आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ेगा तो हम उठायेगे। यह बात हम आज भी कह रहे हैं कि किसान के हित के लिए अगर नुक्सान उठाना पड़ेगा तो उठायेगे। गरीब आदमी का लाभ करेंगे। यह बात आपकी असैम्बली प्रोसिडींग्ज में है उसके बाद कुछ कहने की बात ही नहीं है।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट ऑफ आर्डर है। पिछले सैशन की जो बात मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं वह कार्यवाही आपके पास है और अब की कार्यवाही भी है। मैंने पिछले सैशन में यह जिक्र किया था कि हरियाणा सरकार ने जो किसान की गेहूं खरीदी है वह पूरे जोरशोर से खरीदा है चाहे वह भीगी है चाहे वह कैसी है वह भी खरीदा है मैंने उसकी सराहना की थी। मैंने यह कहा था कि उस गेहूं को इसलिए खरीदा है क्योंकि पैसा सैंट्रल गवर्नमैंट का है। मैंने यह नहीं कहा कि इसमें प्रदेश का अहित है 1 प्रदेश के अहित का कोई सवाल नहीं है क्योंकि सारा बर्डन, सारा पैसा सैंट्रल गवर्नमैंट का हे जो नुक्सान होगा तो सैंट्रल गवर्नमैंट का होगा, स्टेट में तो इसका फायदा होगा क्योंकि उसमे आढत बनी है।

चौ० नफे सिंह राठीः स्पीकर सर, ये गलत व्यानी कर रहे हैं।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं जिस कार्यवाही की बात कह रहा हूं उस कार्यवाही को आप निकलवा कर देख लें।

श्री अध्यक्षः आपकी ऐसी कोई बात रिकार्ड नहीं है। दिखा देंगे आपको।

चो० नफे सिंह राठीः स्पीकर सर, ये कहें कि किसान को फायदा देने के लिए सरकार ने वह गेहूं खरीदा था।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आप पिछले सैशन की प्रोसीडिंग्ज देखें।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप बैठिए। हां जी, राठी साहब, कन्टीन्यू करें।

चौ० नफे सिंह राठीः स्पीकर सर, ये प्रोसीडिंग्ज देख लेंगे।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी की कोई बात रिकार्ड न करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मांगे राम गुप्ता जी को मैं कहना चाहूंगा कि सदन में इन जैसे सीजन्ड पोलिटीशियन को गल्लव्यानी नहीं करनी चाहिए। इन्होने कहा था

कि यह। सरकार कुल मिलाकर किसानों को फायदा देने के लिए भीगा हुआ .गेहूं खरीद रही है इनकी जो अपनी सोच थी वह इन्होंने प्रदर्शित कर दी थी कि ये किसान के प्रति जहर–से मरे हुए हें।

श्री मांगे राम गुप्ताः नहीं नहीं।

श्री ओम प्रकाश चोटालाः यह आपने कहा लेकिन इसके बावजूद भी मैंने कहा था चाहे प्रादेशिक सरकार को कितना ही नुक्सान उठाना पड़े हम किसानों के हित के लिए इससे भी आगे बढ़कर कदम उठाएंगे।

चौ० नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, यहां कानून और व्यवस्था के बारे में जिक्र आया, कई कांग्रेसी साथियों ने और बंसी लाल जी जो चले गए, भी इस बारे में बात कह रहे थे। भजन लाल के टाईम में बहादुरगढ़ में बेबी किलर जैसे कांड हुए। 1 –2 नहीं बल्कि एक दर्जन से ज्यादा बच्चियों के साथ गल्त काम करके उनका कत्ल हुआ। इन्होंने निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाने का काम किया था।

चौ० भजन लालः ये मेरे वक्त की नहीं हे और किसी सरकार के वक्त की बात हे।

श्री ओम प्रकाश चोटालाः ये आपके राज की बात है, द्रोपदी कांड, सुशीला कांड ,ये आपके वक्त में हुए। आप इस

चक्कर में मत पड़ो, इनका टारगैट बंसी लाल जी की तरफ हे। (शोर) **चो० भजन लालः** नहीं नहीं, ये मेरे वक्त के नहीं हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः बेबी किलर कांड आपके ही वक्त में हुए। (विष्य) हम एफ०आई०आर० प्रस्तुत कर देंगे तब तो आप मानोगे।

चौ० भजन लालः हम भी साबित कर देंगे कि ये हमारे वक्त में नहीं हुए।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः आप भी कर देना।

चौ० नफे सिंह राठीः कांग्रेस के साथियों ने आज सदन में इस सरकार पर लांछन लगाने की कोशिश की। कानून व्यवस्था के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि अपराधी अपराध कर जाता है लेकिन अपराधी को पकडने में आज इस सरकार ने सफलता प्राप्त की है, इस समय की पुलिस ने जो सफलता प्राप्त की, वह अपने आप मे एक उदाहरण है। मैं एक बात के बारे में ध्यान दिलवाना चाहूंगा कि भजन लाल जी का 5 साल का शासन था, इनके समय 8 गोली कांड हुए जिसमें 12 लोग मारे गये, 75 लोग घायल हो गए, पृथला में गोली चलने से 2 लोग मारे गए, एक घायल हुआ. इसी प्रकार बसई में कांड हुआ। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः कानून व्यवस्था के बारे मे इन की तरफ से कहा गया है कि बजट में 3 प्रतिशत रुपया खर्च किया है, उस रुपये के हिसाब से ही ये हालात ठीक हो गए हैं। (शोर)

चौ० नफे सिंह राठी: अध्यक्ष महोदय, ये सुनने की हिम्मत रखें। इसके अलावा इनके समय में जी०टी० रोड पर एक्सीडैंटल जगह पर भीड़ के द्वारा वाहनों को आग लगा दी गई, थाने पर पथराव किया गया, गवर्नमैंट कालेज, नारनौल मे 3 सितम्बर, 1992 को इनके समय में छात्रों पर फायरिंग हुई। इसके अलावा निसिंग (करनाल) में किसानों पर फायरिंग हुई जिसमें 2 व्यक्ति मारे गए, 5 घायल हुए। 10 अगस्त, 1993 को आई०टी०आई०, नारनौल में गेट के सामने इन्होंने जो उठ व्यक्ति घायल किए उसमें पुलिस कर्मचारी भी घायल हुए थे। कांडा खेड़ी, नारनौल में जो किसानों पर फायरिंग हुई उसमें एक किसान मारा गया था। बंसी लाल जी चले गए, उनके समय में उनकी लड़की गुड़गांव से फरूखानगर होते हुए झज्जर आ रही थी, दुलीना चौकी जो इन्होंने 25 जनवरी, 1998 को झज्जर के पास स्थापित की थी, वहीं दुलीना के नजदीक ही इनकी लडकी को बदमाशों ने लूटा। मुकद्दमा दर्ज हुआ। मुकदमा नं० 47, तिथि 26–1–98 अंडर/सैक्शन 392 आई०पी०सी०, जिला झज्जर। लइ महीने के बाद इस केस को इसलिए बंद कर दिया कि अपराधी पकड़े नहीं गए।

श्री राम किशन फौजी: कंडेला मे जो गौ हत्याएं हो रही हैं आप उनके बारे मे भी बता दें। **श्री अध्यक्ष:** राम किशन जी, आप बैठें।

13.00 बजे

चौ० नफे सिंह राठीः आज की भी मैं बताऊंगा। ये जो केस दर्ज हुए हैं उनके बारे में मैं पहले ही कह चुका हूं कि अपराधी अपराध करता है लेकिन उनको इस पुलिस ने मेहनत से ट्रैंस किया है, यह रिकार्ड की बात है। आज श्री पवन दीवान का प्रश्न संख्या 1288 आया था। उस प्रश्न बताया गया है कि मौजूदा सरकार के समय में हत्या, बलात्कार, अपहरण और डैकेती के केसिज में से कितने प्रतिशत ट्रेस हुए हैं। उत्तर के मुताबिक 2001 में हत्या के केसिज में 81.52 प्रतिशत केसिज में मुलजिम ड्रेस हुए हैं, इसी तरह से रेप के केसिज में 98.24 प्रतिशत, अपहरण के केसिज में 89. 59 प्रतिशत, दंगों के केसिज में 98.29 प्रतिशत और डैकेती के केसिज में 72.17 प्रतिशत केसिज मे मुलजिम ट्रेस हुए हैं जबकि चौधरी बंसी लाल जी के समय में उनकी लड़की के साथ जो लूटपाट की घटना घटी थी उसमें भी मुलजिम ट्रेस नहीं हुए थे और उन्होंने वह केस बंद करवा दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम किशन फौजीः अध्यक्ष महोदय, कृषि मंत्री जी की भी तो भैंस चोरी हो गई थी। (शोर एवं व्यवधान)

कृषि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। भाई फौजी ने कहा कि मेरी भैंस चोरी हो गई। इस बारे मे मैं बताना चाहूंगा कि मेरा फार्म हाउस मेन रोड पर है ओर वहां से मेरी भैंस चोरी हो गई थी इसमें कोई दो राय नहीं हैं। जिस गिरोह के चोर मेरी भैंस

खोलकर ले गये थे वे सिर्फ मेरी भैंस ही नहीं बल्कि दूसरी जगहों से भी भैंस खोलकर ले गये थे। कुल मिलाकर उस गिरोह ने 50 वारदातें की थी। पंजाब में भी उन्होंने कई वारदातें की थीं और पंजाब पुलिस को भी उस गिरोह की तलाश थी। मैं बधाई दूंगा हरियाणा पुलिस के डी०जी०पी० को, पुलिस कैप्टन देशराज जी को और इन्सपैक्टर सुन्दर मल को जिन्होंने उस गिरोह को पकड़ा। आज दोषी अम्बाला जेल में सजा काट रहे हैं। हमारी हरियाणा पुलिस ने पंजाब की वारदातों की भी रिकवरी करवाई। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० नफे सिंह राठी: अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय में इनके वित्त मंत्री जी के रिश्तेदार का अपहरण हो गया था, उनको भी ये नहीं पकड़ पाये थे। आज विपक्ष के साथी यह नहीं चाहते कि हमारी सरकार विकास कार्य करे। ये तो सिर्फ जनता को भड़काने का काम करते हैं। अध्यक्ष महोदय दुलीना मे जो कुछ भी हुआ उसको हमारे मुख्यमंत्री जी ने छुपाने का काम नहीं किया बल्कि एक आयोग नियुक्त किया और उसकी रिपोर्ट आने पर उसको हू ब हू लाग कर दिया। दुलीना की घटना में जिन टी दोषियों को गिरफ्तार किया गया उसमें से सात हरिजन थे। जो गिरफ्तार किए गये थे उनको कांग्रेस पार्टी ने भड़काने का काम किया और वहां पर हरिजन और दूसरे वर्ग के बीच तनावपूर्ण स्थिति पैदा करन की कोशिश की। इनकी पूरी मंशा थी कि वहा शांति भंग की जाये और हरिजनो

तथा दूसरे वर्ग के लोगों में लड़ाई करवाई जाये। अध्यक्ष महोदय, हुड्डा साहब यहां बैठे नहीं है। विपक्ष के भाई यदि किसी की आपसी दुश्मनी में कोई हत्या कर देता है तो उसको भी राजनैतिक रूप दे देते हैं। अभी दुल्ला साहब ने रोहतक के बारे में बताया था। इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि रोहतक में असलियत में क्या हुआ था। ऐसा हुआ कि रोहतक में एक व्यापारी ने अपने तीन पार्टनरो की दीवाली के दिन गोली मारकर हत्या कर दी और खुद उसने दिल्ली में जाकर आत्महत्या कर ली। विपक्ष के साथियों ने उसको भी राजनैतिक रूप दे दिया। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन हरियाणा की कानून व्यवस्था बहुत बढ़िया है। विपक्ष के भाईयों ने महिलाओं पर अत्याचार होने की बात कही। कल इससे संबंधित मेरा एक प्रश्न संख्या 1271 लगा था, उसमें मैंने महिलाओं पर चौधरी भजन लाल जी, चौधरी बंसी लाल जी और हमारी सरकार के समय मैं हुए दर्ज मुकदमों के बारे में अलग–अलग पूछा था। उस प्रश्न के उत्तर मे मुझे बताया गया कि 1998 मे दहेज के 275 मामले दर्ज हुए और इस सरकार के समय 2002 में 243 दहेज के मामले दर्ज हुए। बलात्कार के 1997 में 399 और हमारी सरकार के समय में 2002 में 363 मुकदमे दर्ज हुए। इसी तरह से महिलाओं के अपहरण के 1997 में 323। 1998 में 388 और हमारी सरकार के समय में 298 मुकदमे दर्ज हुए। इसके अतिरिक्त महिलाओं के साथ छेड़छाड के 1995 में चौधरी भजन लाल जी के समय में 447, 1996 में 463, 1997 में चौधरी बंसी लाल जी के समय में 451, 1998 में 523 और हमारी सरकार

के समय में 2002 में 432 मुकदमे दर्ज हुए। (शोर एवं व्यवधान) ये लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। यह इनको नहीं करनी चाहिए। इस सरकार ने जो 'कन्यादान' योजना शुरू की है, वह हरियाणा के अलावा किसी और प्रदेश में नहीं है। गरीब हरिजन की लड़की की शादी मे 5100 रुपये कन्यादान देने की जो योजना है यह अपने आप में एक उदाहरण है। हो सकता है कि इनको कोई फर्क न पड़ता हो क्योंकि ये करोडपति और अरबपति है और ये सारे के सारे लुट खसोट करके बने हैं। स्पीकर साहब, कांग्रेस के लोगों को यानि इनको फर्क न पड़ता होगा लेकिन गरीब से जा कर पूछो 5100 रुपये शादी में कन्यादान के रूप में जो दिए जा रहे हैं उनका क्या महत्व है (विघन)

राव नरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, ये गलत व्यानी कर रहे हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बेठिये। आपके नेता भी बैठे हैं। (शोर एव विघ्न) आप ज्यादा ठेकेदार मत बनो। (शोर एवं विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः तुम बोलते थे तो कोई नहीं टोकता था। तुम सब्र से सुन नहीं सकते, यह कोई बात हुई। जब समय मिलेगा तब जवाब दे देना। यह कोई बात है जो सलाह देने खड़े हो जाते हो। सदन की कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश मत करो। आप बीच में खड़े होकर अपने आपको ज्यादा जाहिर

करने की कोशिश करते हो। इसको बोलने का समय मिला है, यह बजट पर बोल रहा है। अगर गलत बयानी करेगा तो तुम बाद में बता देना।

चौ० भजन लाल: स्पीकर साहब, यह कोई बात हुई। ....
....

श्री ओम प्रकाश चोटाला: इनकी यह बात कार्यवाही से निकलवाये।

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, आप बैठिये। भजन लाल जी जो कहा है वह रिकार्ड न किया जाये। चौधरी साहब, आप बैठिये। इनकी कोई बात रिकार्ड न करें क्योंकि ये बगैर परमिशन के बोल रहे हैं।

चौ० नफे सिंह राठी: चौधरी भजन लाल जी, थोड़ा सा सुनने की हिम्मत रखो। ये जो खोटे कर्म कर रखे हैं इनको सुनो तो। स्पीकर साहब 13814 कन्याओं को आज ओं करोड़ से ज्यादा की राशि दी गई है। इसी प्रकार से जो 'देवी रूपक' योजना सरकार ने, मुख्यमंत्री जी ने शुरू की है, यह बहुत ही लाजवाब है। इस स्कीम से जो महिला और पुरुषों का अनुपात था, जो बिगड़ने जा रहा था, उसको ठीक करने के लिए यानि ठीक रास्ते पर लाने के लिए यह बहुत ही बढ़िया स्कीम है। मुझे यह भरोसा है कि यह स्कीम पूर्णतः हरियाणा में लागू होगी और लोग इसको अपनाएंगे जिससे हरियाणा में एक नई मिसाल कायम होगी। स्पीकर साहब,

हरियाणा में 68 नगरपालिकाए हैं जिनमे या पालिका, 20 नगरपरिषद और एक नगर निगम है। सरकार ने फैसला लिया है कि–

श्री अध्यक्षः आप अपनी बात सक्षिप्त में करें।

चौ० नफे सिह राठीः सर, में दो मिनट में ही अपनी बात खत्म कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने फैसला लिया है कि 6 नए नगर निगम बनाये जाने हैं। सरकार का यह एक बहुत ही अच्छा कदम है। मैं मुख्यमंत्री जी से यह निवेदन करूंगा कि अगर नार्म पूरे होते हों तो बहादुरगढ़ को भी नगर निगम का दर्जा दे दिया जाये। मैं यह भी प्रार्थना करूंगा कि जब कोई नया जिला बनाने की बात विचाराधीन हो तो बहादुरगढ़ को जिला बनाने बारे भी विचार किया जाये क्योंकि दिल्ली के चारों तरफ जैसे गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुड़गांव, सोनीपत जिले हैं। बहादुरगढ़ दिल्ली के सबसे नजदीक भी है। जो यह शहर है नई सैन्सस रिपोर्ट के हिसाब से भी इसकी एक लाख सत्ताईस हजार की आबादी है जबकि इसमें वह कालोनीज शामिल नहीं हैं जो नगरपालिका सीमा के बाहर हैं। अगर हम उनको भी शामिल कर लेंगे और जो दो तीन गांव शहर के अन्दर आ गए हैं उनको भी अगर शामिल करेंगे तो बहादुरगढ़ की आबादी एक लाख सत्तर हजार के करीब बन जाती हे। इसलिए इस बारे मे मेरा निवेदन है कि जब भी कोई नया जिला बनाने की बात हो' तो बहादुरगढ़ के बारे में अवश्य विचार कर लिया जाये।

स्पीकर साहब, अब मैं सरकार की खेल नीति के बारे में कहना चाहूंगा। इस सरकार के आने के बाद खेलों को जो बहुत बढ़ावा दिया गया है, वह अपने आप में एक मिसाल है। स्पीकर साहब, आप भी खिलाड़ी रहे हैं, डिप्टी स्पीकर साहब भी खिलाड़ी रहे हें और हमारे मे से आधे से ज्यादा सदस्य अपने टाईम के खिलाड़ी रहे हैं। स्पीकर साहब, हमे पता है और हमे महसूस होता था कि जब सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिलती थी तो हमारा दिल टूट जाया करता था। लेकिन अब सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में जो नकद इनाम देने की प्रथा शुरू की है यह बहुत ही लाजवाब है। इस सरकार के आने के बाद 1931 खिलाड़ियो को

जिन्होंने पदक प्राप्त किए हैं, उनको 359.25 लाख रुपये की राशि इनाम के तौर पर नकद राशि के रूप में दी हैं जो कि बहुत बढ़िया काम है। (विघन) सरकार ने बहुत बढ़िया काम किए हैं जो अपने आप में एक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं ओर सरकार इस बढ़िया काम के लिए बधाई की पात्र है। पिछली सरकार ने खेलों को बिलकुल रोक दिया था और हमारे खिलाड़ी खेलने के लिए दूसरे प्रदेशों में जाया करते थे। इस नीति का यह प्रभाव भी हुआ कि हमारे नौजवान साथी गलत रास्ते पर चले गए थे लेकिन खिलाड़ियों को जो प्रोत्साहन दिए गए हैं, उनसे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति भी ठीक हुई है। खिलाड़ियों के लिए सरकारी नौकरियों में 3 परसैंट आरक्षण की नीति कभी चौधरी देवी लाल ने

शुरू की थी उस नीति को माननीय चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने वापिस ले लिया था हमारे माननीय मुख्यमन्त्री जी ने 3 प्रतिशत नोकरियों में आरक्षण की नीति को पुनः लाग किया है इसके लिए हम उनको धन्यवाद देते हें। (विघन)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पता नहीं कहां से ये इस प्रकार की यूं ही बात कह रहे ई। (विघन)

चौ० नफे सिंह राठीः चौधरी भजन लाल जी, यूं ही नहीं कहते। (विघ्न)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): स्पीकर सर, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। हमारे माननीय साथी जब हमारी उपलब्धियां बताते हैं तो चौधरी भजन लाल जी कान उधर को कर लेते हैं और चौधरी बंसी लाल जी के कान में भी बात नहीं पड़ती है। इनको कुछ कम सुनाई देता हे इसलिए इन के लिए हियरिंग मशीनों की व्यवस्था की जाए ताकि हमारी उपलब्धियां ठीक से इन्हे सुनाई दे सके (हंसी)। (विघन)

चौ० नफे सिंह राठीः स्पीकर सर, ये लोग काम की बात तो सुनते नहीं हैं। भारत देश को आजाद हुए 56 वर्ष हो गए हैं और 56 साल में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने लगभग तीन साल राज किया है, तीन साल बनाम 53 साल। आप रिकार्ड उठा कर देख लें 53 साल मे गांवों की पंचायतों को इतना पैसा नहीं दिया गया होगा जितना इन 3 सालों के अन्दर दिया गया है। 'सरकार

आपके हार' कार्यक्रम चला कर लोगों की समस्या सुन कर के माननीय मुख्य मन्त्री जी ने उनको पैसा दिया है। हम तो आभारी हैं माननीय मुख्य मन्त्री जी के कि बहादुरगढ़ हल्के के विकास के कार्य उनके शासनकाल में हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, क्योंकि बहादुरगढ चौधरी देवी लाल का गढ़ रहा है और पिछले समय में मैक्सिमम कांग्रेस की सरकारें रही हैं उन्होंने बहादुरगढ़ की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया (विघ्न) वर्तमान मुख्य मन्त्री जी ने पिछले तीन सालो मे 62 करोड रुपये दिए हैं। बहादुरगढ़ हल्के में अभी 25 जनवरी को 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम आयोजित हुआ था इसे अभी डेढ़ महीना ही हुआ है और इस डेढ़ महीने के अन्दर ही साढ़े चार करोड़ रुपये के चौक माननीय मुख्य मन्त्री जी ने भिजवा दिए हैं और इसे कहते हैं विकास। अध्यक्ष महोदय, शहीदों के बारे में भी यहां पर बात आई। स्पीकर सर, कांग्रेस के साथियों ने शहीदों के सम्मान के बारे में कहा। इस सरकार ने शहीदों को जितना सम्मान दिया है उतना पीछे कभी भी नहीं दिया गया था। अध्यक्ष महोदय, आज ये लोग कृषि की बात करते हैं, न इनके पास कोई नीति है, न इनके पास कोई नेता है और न ही इनकी नीयत ठीक है। ये ऐसे नेता हें जिनको अपने नेता का असली नाम तक पता नहीं है। इनके नेता का क्या नाम है, उनका जन्म कहां हुआ, वे कहां पर पले—पढे, क्या काम करते हैं (विघन) स्पीकर सर, यह है कांग्रेस के नेता (विघ्न) न तो उसकी मां के नाम का बेरा, ना उनके बाप के नाम का बेचा, ना उनके भाई के नाम का बेरा, ये क्या नेता बने फिरते हैं। (विघन)

श्री अध्यक्षः राठी साहब, आप बैठिये, ये बात कहना चाह रहे हैं, पहले इनको बता लेने दो उनका असली नाम ये बताना चाहते हैं। (विघ्न) चौधरी भजन लाल जी, उनका असली नाम क्या है अगर आपको पता है तो आप बता दें?

चौधरी भजन लालः क्या आप नहीं जानते हैं कि उनका नाम क्या है? (विघ्न एवं शोर) **श्री अध्यक्षः** आपको अगर पता है तो आप हाउस में बता दें। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः क्या आप उनका नाम नहीं जानते हैं ? वे नेहरू परिवार की बहू हैं और स्वर्गीय राजीव गांधी की धर्म पत्नी हैं। (विघन एवं शोर)

प्रो० सम्पत सिंहः उनका यह नाम मैरिज के बाद रखा गया था। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, एक बात तो मैं इनकी मानता हूं जो इन्होंने ठीक नहीं की और उनका अपमान किया वह नेता नहीं नेत्री हैं। सम्मत सिंह जी भी ठीक कह रहे हैं कि उनका वह नाम असली नहीं था। चौधरी साहब, आप तो वैसे ही इस बात पर बहस कर रहे हैं। अगर आपको पता हो तो उनके बाप का नाम बता दो, उसके गांव का नाम बता दो, उसकी मां का नाम बता दो। आखिर हम और आप यहां पर बैठे हैं, मैं आपके बाप दादा का नाम जानता हूं अगर आपको मालूम हो तो अपनी नेत्री का असली नाम बताएं।

चौधरी भजन लालः यहां पर कोई रिश्ता तो करना नही है। (विघ्न) चौधरी साहब, आपने कोई रिश्ता करना है। जो उनके बाप दादा का नाम पूछ रहे हो। हम तो सब कुछ जानते हैं और हमें सबका पता है। क्या आपको अपने पड़दादे का नाम पता है उसके दादे का नाम पता है? अगर पता हे तो आप बता दें। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः हमारा उनके साथ रिश्ता नहीं हो सकता है क्योकि वे दफनाते हैं और हम जलाते हैं। हां, आपके साथ उनका रिश्ता हो सकता है क्योकि उनके यहां पर भी दफनाते हैं और आपके यहां पर भी दफनाते हैं। (विघन) आपके यहां पर उनके रिश्ते हो सकते हैं। (विघन) जहां तक नाम की बात है तो हम आपको बता सकते हैं कि उसका नाम क्या है, उसके बाप का नाम क्या है, उसके गांव का नाम क्या है। लेकिन क्या आपको भी इस बारे में पता है ? अगर पता है तो आप बता दें। (विघन)

श्री अध्यक्षः राठी जी, आप कन्टीन्यू करें। (शोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी आप बैठिए, बैठिए। आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जो देश की सबसे बड़ी नेता है अगर उसके लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जाए तो इनको यह बात शोभा नहीं देती है। (विघ्न)

चौ० नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, इनको मेर एक केस के करे में बताना चाहूंगा, इनको तो उसके बारे में पता नहीं हे। चौधरी भजन लाल जी, ... के उपर मध्य प्रदेश मे मूर्ति चोरी का एक केस दर्ज है। उस केस में वे पकड़ी गई थी। जहां पर वे मूर्तियां रखी हुई हैं वहां का पता मेरे पास है। उनकी फोटो अखबारों में भी छपी थी। इसका रिकार्ड मेरे पास है। (विघान) आपको इस बारे में पता नही है। इस बारे मे मध्य प्रदेश में केस दर्ज है। (विघ्न) .... पर देवी– देवताओं की मूर्तियां चोरी करने का केस दर्ज है। (विघ्न)

चौ० भजन लालः............................।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी ने जो भी बोला हे वह कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (विघन)

चौ० नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मेरे पास इस विषय में फोटो है। जहां पर वह मूर्तियां रखी हुई हैं वह एड्रैस भी मेरे पास है। (विघान) आप वहां पर जा करके देख लें। वहां पर कांग्रेस पार्टी के ही मुख्यमंत्री हैं। (विघ्न)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि इनको इस तरह से अनर्गल बातें नहीं कहनी चाहिएं। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मैंने कोई अनर्गल बात नहीं कही हे। (शोर एवं व्यवधान) मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री कांग्रेस का है, आप वहां पर जाकर पता कर लें।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः बलबीर सिंह जी, आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान) आप सब बैठें, मुख्यमंत्री जी बोलेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे यह कहना है कि आप बजट पर चर्चा शुरू करवाएं। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो लाईन से हट कर बात करी है और जो इन्होंने कहा है वह कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (विघन)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो बात कही है वह कार्यवाही से निकालें। जो माननीय सदस्य सदन में उपस्थित नहीं हैं उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिए। आपको उनका नाम कार्यवाही से निकलवा देना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) इनको इस तरह की बात यहां पर नहीं कहनी चाहिए। आप उन बातों को कार्यवाही से निकलवाए।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो इनकी नेता का नाम लिया है उसको कार्यवाही से निकलवा दिया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ठीक है, उनका नाम कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, आपने सिर्फ नाम ही निकलवाया है आप उन बातों को कार्यवाही से निकलवाए। (शोर एवं व्यवधान) उनके गांव के बारे मे ये पूछने वाले कौन होते हैं? (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जो यह इन्होंने बात कही है आप उसको कार्यवाही से निकलवाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इन्होने तो चोरी की चर्चा की है। मैं उसको कैसे कार्यवाही से निकलवा दूं? उन्होंने कोई असंसदीय बात नहीं कही हे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, आप इनकी उस बात को कार्यवाही से निकलवाए इस बात का बजट से कोई सम्बन्ध नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, क्या ये बजट पर बोल रहे हैं? आपको इनकी उस बात को कार्यवाही से निकलवाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बेठिए। (शोर एवं व्यवधान) हुड्डा जी, आप अपनी सीट पर बैठे। चौधरी भजन लाल जी, आप भी बैठें। राठी जी, आप बजट पर ही बोलें। (शोर एवं व्यवधान) (इस समय कांग्रेस पार्टी के बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए और श्री राठी द्वारा बोली गई बात को कार्यवाही से निकालने के लिए कहने लगे।)

चौ० नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मैंने कोई गलत बात नहीं कही है। यह सब रिकार्ड की बात है। आप चाहें तो पता कर लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, आप इनकी उस बात को कार्यवाही से निकलवाए इस बात का बजट से कोई सम्बन्ध नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, क्या ये बजट पर बोल रहे हैं 7 आपको इनकी उस बात को कार्यवाही से निकलवाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) आप इसको कार्यवाही से निकलवाए। (शोर एवं व्यवधान) ऐसी बातें करना इनको शोभा नहीं देता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चोटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको यह कहना चाहूंगा कि ये वाक–आउट नहीं कर

सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) हम आपको वाक आउट नहीं करने देंगे। (शोर एवं व्यवधान) हमने अभी तो आपको बुलवाना है। (शोर एवं व्यवधान) हमारा मैम्बर बैठ जाएगा। आप अपने मैम्बर्ज को भी बैठाए। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आप भजन लाल जी को बुलवाएं। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मैं इस बजट का समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप राठी साहब द्वारा कहे हुए शब्द कार्यवाही से निकलवाए।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, उनका नाम कार्यवाही से निकलवा दिया गया है और अब मैं आपको बोलने की इजाजत देता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पहले आप कार्यवाही से उनके द्वारा कहे हुए शब्द निकलवाए। अगर आप उनके कहे हुए शब्द कार्यवाही से नहीं निकलवाएंगे तो हम वाक–आउट करके जाएंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है इसलिए ये इस तरह की बात कर रहे हैं।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, उनका नाम कार्यवाही से निकलवा दिया गया है आप बैठें। **चौ० भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, क्या आपने उनके पद का नाम भी निकलवाया है या नही ?

श्री अध्यक्षः उनका नाम निकाल दिया है इसलिए अब आप बैठें।

चौ० भजन लालः अगर निकाल दिया है तो ठीक है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, उनका नाम आपने कार्यवाही से निकलवा दिया हे और अब आप जब इनको बोलने का अवसर दे रहे हैं तो ये बोल नहीं रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) **श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः** अध्यक्ष महोदय, उनके नाम से अगर कोई भी बात कही गयी है तो वह कार्यवाही से निकलवायी जानी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः हुड्डा साहब, उनका नाम कार्यवाही से निकाल दिया है इसलिए अब आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान) जो उन्होंने अपनी स्पीच दी है वह कार्यवाही से नहीं निकलेगी लेकिन उन्होंने जो उनका नाम लिया था वह कार्यवाही से निकलवा दिया गया है। (शोर एव व्यवधान) कार्यवाही से नाम निकाल सकते हैं पूरी स्पीच नहीं निकाल सकते। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः आप हमें बताएं कि आपने कार्यवाही से क्या निकाला है?

श्री अध्यक्ष: भजन लाल जी, उनका नाम कार्यवाही से निकाल दिया गया है।

चौ० भजन लाल: आप उनके पद का नाम भी निकलवाईये। (शोर एवं व्यवधान) आप बताएं कि क्या आप उनके पद का नाम निकालेंगे या नहीं ? आप उनका नाम निकालते हैं या नहीं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: भजन लाल जी, अब आप बैठिए। आपको बोलने का समय दिया है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, आप हमें बताएं कि आप उनके पद का नाम कार्यवाही से एक्सपंज करवाएंगे या नहीं करवाएंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: उन का नाम एक्सपंज करवा दिया गया है इसलिए आप बैठे।

चौ० भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इनका यह कोई तरीका नहीं है।

श्री अध्यक्ष: भजन लाल जी, उनका नाम एक्सपंज कर दिया है।

चौ० भजन लाल: उनके पद का भी और उनका नाम भी कार्यवाही से निकालें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ये एक मिनट बैठें तो में इनको बताता हूं। हुड्डा साहब आप तो यहां थे नहीं आप तो प्रेस लौबी में थे। अध्यक्ष महोदय, मुझे सबसे ज्यादा हैरानगी इस बात की है कि आपने इनको गवर्नर के अभिभाषण पर भी खुलकर बोलने का समय दिया और बजट पर भी खुलकर बोलने का समय दिया लेकिन इनके पास बोलने के लिए कुछ था ही नहीं। अध्यक्ष महोदय, जब इनको एक मैच हाउस में बोलने के लिए मिल रहा है तो ये प्रैस लॉबी में जाकर प्रैस वालों से वहां पर क्यों बात कर रहे हैं? इनको यहां पर खुलकर बात करनी चाहिए। ये यहां पर कुछ नहीं कह सकते, बजट पर आकड़े प्रस्तुत नहीं कर सकते, बजट का इनको कोई ज्ञान नहीं है इसलिए ये प्रैस लॉबी में जाकर प्रैस में बात करते हैं और कहते हैं कि हमें बोलने का समय नहीं दिया गया। अध्यक्ष महोदय, ये प्रैस में जाकर कहते हैं कि बोलने का समय नहीं दिया गया और जब इनको यहां पर बोलने का समय दिया जाता है तो ये कुछ बोलते नहीं हैं।

श्री भूपिन्द्र सिंह हुड्डाः आपको क्या पता कि हमने प्रैस से क्या बात की?

श्री ओम प्रकाश चौटालाः मुझे सारी बातों की जानकारी है कि आपने वहां क्या कहा। मुझे 75 लाख रुपये की भी जानकारी है। इसलिए मैं आपकी जानकारी के लिए बता दूं क्योंकि आप यहां पर नहीं थे। हमारे एक मैम्बर ने उनका नाम ले लिया था लेकिन अध्यक्ष महोदय ने वह नाम कार्यवाही से निकाल दिया है लेकिन

उनके पद के नाम निकलवाने के लिए आप नहीं कह सकते। अध्यक्ष महोदय, जेसे मैं अपनी पार्टी का अध्यक्ष हूं। इंडियन नेशनल लोकदल के अध्यक्ष का नाम अगर इस सदन में लिया जाता है तो चाहे मैं इस सदन का सदस्य न भी हूं तब भी इस नाम पर यहां पर सदस्य चर्चा कर सकते हैं। हुडा साहब, आप सीजैड पार्लियामैंटेरियन हैं आप कुछ तो सोचा करो। आपने शकधर की रिपोर्ट तो दिखा दी लेकिन कभी अपने मोटे दिमाग का इस्तेमाल तो कर लिया करो।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, क्या हमे प्रैस में इनसे पूछकर जाना पड़ेगा क्या हम प्रैस में भी नही बोल सकते? (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष जी, उनके पद का नाम आप कार्यवाही से निकलवाए। जो–जो शब्द उनके बारे में कहे गये हैं वह एक्सपंज होने चाहिएं। अगर आप इसके लिए तैयार नहीं हैं तो हम वाक–आउट करेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः आपको इसके अलावा भी कुछ आता हे। (शोर एवं व्यवधान) ये साथ–साथ वाक–आउट केसे करेंगे? ये एक–एक करके वाक–आउट करेंगे क्योकि एक साथ वाक आउट करना इनको अच्छा नहीं लगता है। हमने इनकी बात मान ली है और वह नाम कार्यवाही से निकाल दिया गया हे।

चौ० भजन लालः आप उनके पद का नाम भी कार्यवाही से निकलवाइए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः वह नहीं निकल सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः उनके पद का नाम भी निकालिए और मूर्तियों की चोरी की जो बात कही गयी है वह भी कार्यवाही से निकालिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः उनके पद का नाम रहेगा। इस सदन मे राष्ट्रपति महोदय का भी जिक्र आता है, प्रधानमंत्री महोदय का भी जिक्र आता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जो भी सदस्य मेरी परमीशन लिए बगैर बोल रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी, आप बजट पर बोलें।

चौ० भजन लालः पहले यह फैसला करें कि उनके पद का नाम निकाल दिया है। उसके बाद मैं बोलूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, हुड्डा साहब ने तो आपका नाम नहीं भेजा था फिर भी मैं आपको बोलने का मौका दे रहा हूं ताकि आपके मन में कोई सुझाव हो तो दे दे।

चौ० भजन लालः पहले आप कृपा करके उनके पद का नाम कार्यवाही में से निकलवाइए। (शोर एवँ व्यवधान)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यदि आप नाम नहीं निकलवाते हैं तो हम वाकआउट करके जाते हैं।

श्री अध्यक्षः उनका नाम निकाल दिया गया है। (शोर एवं व्यवधान) इस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य उठकर खड़े होकर बोलने लगे। (शोर एवं व्यवधान) ऐसा कुछ भी नहीं कहा है कोई ऐसी बात नहीं हुई है। आप लोग अपनी–अपनी सीटों पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) कोई पक्षपात नहीं किया गया है। आप सभी से प्रार्थना है कि सदन में व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें। भजन लाल जी, आप बजट पर बोलें।

चौ० भजन लालः नहीं बोलूंगा। पहले इस बारे में फैसला करें बाद में मैं बोलूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अब रमेश खटक जी बोलेंगे। (विघ्न)

चो० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब तक उनका नाम कार्यवाही से नहीं निकलता तब तक हम सदन को नहीं चलने देंगे। (विघन)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले इसलिए जो इस सदन के सदस्य हैं, वे कृपा करके अपनी सीटों पर बैठें और आप सदन को अच्छे ढंग से चलायें ताकि सदन का समय खराब न हो। उनका नाम कार्यवाही से निकाल दिया है। (विघन)

श्री अध्यक्षः आप भी अपनी सीटों पर जाकर बैठें।

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब तक पद का नाम कार्यवाही से नहीं निकलता तब तक हम सदन को नहीं चलने देंगे। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपने इनकी बात मानकर उनका नाम कार्यवाही से निकाल दिया। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि पद का नाम भी कार्यवाही ने निकाल दिया जाये।

श्री अध्यक्षः ठीक है, पद का नाम भी कार्यवाही से निकाल दिया जाये। (विघ्न)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने मेरा नाम बोलने लिए लिया था। (विध्न)

श्री रमेश कुमार खटकः अध्यक्ष महोदय, आपने मेरा नाम भी बोलने के लिए लिया था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः खटक साहब, आप भी बैठें। अब चौधरी भजन लाल जी बोलेंगे। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

चौ० भजन लाल (आदमपुर): उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी ने बहुत सोच समझ कर कल बजट पेश किया। ये बहुत सुलझे हुए व्यक्ति हैं, अच्छे हैं, काबिल हैं, पढ़े लिखे हैं, प्रोफैसर भी रहे हैं। इन्होने आकड़ों को तोड़–मरोड़कर ऐसे फिट किया है ताकि वे लोगों को बतायें कि बजट कितना शानदार और सुन्दर है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि जब हमारी सरकार थी उस समय 3 हजार करोड़ रुपये का हरियाणा प्रदेश पर कर्जा था। (विघन) लेकिन आज तीस हजार करोड़ रुपये का कर्जा हरियाणा की जनता पर जमा है जो बच्चा पैदा होता है उस पर 15 हजार रुपये का कर्जा जिम्मे लगा हुआ मिलेगा क्योंकि प्रदेश की आबादी 2 करोड़ 10 लाख की है और हरियाणा पर तीस हजार करोड रुपये का कर्जा है एक आदमी पर, एक बच्चे पर जो एक दिन का है वही तो मैं कह रहा हूं। (विघन)

श्री ओम प्रकाश चौटाला: उपाध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहूंगा कि इनका नेता पहले यह सब बोल चुका है। इसके आगे ये कुछ बोलें। ये उसी बात को क्यों दोहराते हैं ? चौधरी भजन लाल जी आपका नेता.....

चौ० भजन लाल: मेरा नेता नहीं वह आपका भी नेता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला: आपका नेता, म्हारा नेता नहीं, हम तो मानेंगे नहीं वह तो आपका नेता है।

चौ० भजन लाल: उपाध्यक्ष महोदय, वह सभी एम०एल०एज० का नेता है। मैं भी एम०एल०ए० हूं, यह एम०एल०एल० का नेता है।

श्री उपाध्यक्ष: चौधरी साहब, नेता आपका ध्यान नही रखते।

चौ० भजन लाल: उपाध्यक्ष महोदय, ये बजट में कहते हैं कि हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश है और यह सरकार किसानों के लिए काम कर रही है। (शोर) यह इतिहास है कि चौधरी बंसी लाल के बाद उस कुर्सी पर चौधरी देवी लाल या ओम प्रकाश चौटाला बैठता है और उसके बाद भजन लाल बैठता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटालाः हुड्डा साहब की तो छुट्टी हो गई। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः ये हमारे छोटे भाई हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः मेरी छुट्टी हो, इनकी हो लेकिन आप की तो छुट्टी जरूर होगी। **नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल):** आपने कोई सपना देखा है क्या? (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः सपना नहीं देखा बल्कि ये पहले का इतिहास बताता है। (शोर एवं व्यवधान) इस बजट में किसानों के लिए बड़ी बातें की गई हैं। जबकि बजट में कृषि पर 3 प्रतिशत, सिंचाई पर 5 प्रतिशत रखा गया है। कल को एस०वाई०एल० कैनाल की बात पर भारत सरकार कह दे कि इतना पैसा और देना पढेगा तो इसके लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया। कृषि के लिए बजट में 3 प्रतिशत, सिंचाई पर 5 प्रतिशत और बिजली के लिए 3 प्रतिशत दिया गया हे। ब्याज पर 14 प्रतिशत और जो देना है वह 26 प्रतिशत है। इससे आप अन्दाजा लगाएंगे कि इससे ज्यादा बजट का दिवालियापन और क्या हो सकता है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आप अपने समय का कम्पैरीजन करके बता दें तो ज्यादा अच्छा होगा।

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, हमारे वक्त में एग्रीकल्चर पर 20 से 25 प्रतिशत, बिजली में 18 से 22प्रतिशत रखा गया था। किसान, बिजली और पानी यही तीनों चीजें मेन हैं।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): उपाध्यक्ष महोदय, मुझे बिजली के मामले में विशेष तौर पर कालिंग अटैंशन का रिप्लाई देने का मौका मिला था। मुझे एक बार इजरायल भी जाने का मौका मिला था। मैं यही दर्शक दीर्धा में बैठकर भी और बाहर भी सम्पत सिंह जी को और चौटाला जी को भी सुनता था। विशेषकर यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट के बारे में दोनों नेता कहते थे कि हरियाणा प्रदेश में बिजली यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट से पहुंच जाती अगर ये चौधरी साहब इसका ठेका इजरायल की आइजन वर्ग नाम की कम्पनी जो बिंदी, सुरमा, पाऊडर और लाली बनाने का काम करती थी, को न देते। इससे उस पावर स्टेशन का भट्टा बैठ गया। इसलिए अब ये स्पष्टीकरण दे कि इसका ठेका इन्होंने उस कम्पनी को क्यों दिया जो लाली, सुरमा और बिंदी बनाने का काम करती थी और जिसकी वजह से वह थर्मल प्लांट नहीं बन सका?

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, कल भी मैंने जवाब दिया था, हमने बिजली के लिए टैण्डर्ज काल किये, ग्लोबलाइजेशन का जमाना है, दुनिया की कम्पनियों के टैण्डर्ज आए। बाकायदा इसके लिए एक कमेटी बनाई गई थी। इस कमेटी

के चीफ सैक्रेटरी अध्यक्ष थे और इरीगेशन पावर सैक्रेट्री की कमेटी बनाकर हमने एक–एक टैण्डर खोलकर देखा ओर जिसका टैण्डर हमें ठीक लगा उसके साथ हमनें नैगोशिएट करके उस कम्पनी को ठेका दिया, उस कम्पनी को 4000 मैगावाट बिजली का ठेका चाइना ने भी दिया था। में चौलेंज करता हूं कि यदि वह कंपनी वहां कार्य नहीं कर रही हो तो मैं इस्तीफा दे दूंगा और यदि कर रही हो तो ये इस्तीफा दे देंगे। (शोर एवं व्यवधान) मैं अपने आपको मुख्यमंत्री से फालतू समझता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, 1968 से लेकर अब तक 35 साल हो गये यानि मैं पिछले 30 साल से जीतकर यहां आ रहा हूं, सिर्फ बीच में दो–तीन महीने नहीं रहा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी साहब, हम आपका सम्मान करते हैं। आप 1968 से विधायक बनकर आ रहे हैं यह ठीक है लेकिन कई बार आप ऐसी बात कर देते हैं जैसे कोई नया विधायक कर रहा हो। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, हम भी आपकी इज्जत करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी साहब, इज्जत तो हम भी आपकी करते हैं। आप बहुत वरिष्ठ हैं। लेकिन इतने सीनियर होते हुए जिस दिन बजट पेश हुआ उस दिन आप कह रहे थे कि आप तैयारी करके नहीं आये। मैं, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और आप वहां बैठे

हुए थे (शोर एवं व्यवधान) लेकिन फिर भी आपको यह नहीं पता कि जिस दिन बजट रखा जाता है, डिबेट उससे अगले दिन होती है। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, इतना तो हमें पता है कि जब बजट पेश होता है तो उसके बाद सैशन अगले दिन के लिए स्थगित हो जाता है और बजट पर चर्चा अगले दिन होती है। (शोर एवं व्यवधान) क्या यह हमें आप सीखायेंगे? मैं 12 साल मुख्यमंत्री रहा हूं और 12 बजट सत्रों का सामना कर रखा है। आप यह माने या न मानें यह आपकी मर्जी है। (शोर एवं व्यवधान)

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी साहब कह रहे हैं कि इन्होंने 12 साल राज किया है। इस बारे मैं इनको बताना चाहूंगा कि उस समय हरियाणा के लोग एक नारा लगाते थे कि ''वा रै भजन लाल पानी गया पंजाब मे' (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार के समय में इन्होंने दिल्ली में बैठकर पानी पंजाब को दे दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि अब पानी कहां जा रहा है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, अब तो हम अपने दम पर पानी लायेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, ये मुझे बार–बार बीच में क्यों टोक रहे हैं 7 ये मुझे अपनी बात क्यों नहीं कहने देते? (शोर एवं व्यवधान)'

परिवहन मंत्री (श्री अशोक कुमार): उपाध्यक्ष महोदय, उस समय बिजली के बारे में लोग कहते थे कि 'वा रे भजन लाल बिशनोई तने बिजली कहां खोई'। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं अरोड़ा जी को क्या कहूं। मेरा और इनका लैवल एक नहीं है। ये मेरे से बड़े आदमी हैं, इनकी बिरादरी मेरे से बड़ी है।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी साहब, आप बजट पर बोलें और समय का भी ध्यान रखे। मैंने दूसरे सदस्यो को भी बोलने का समय देना है। जो नाम हुड्डा साहब ने दिए हैं उनको भी अकोमोडेट करना है। आप जल्दी समाप्त करें।

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी पूरी बात कहकर ही समाप्त करूंगा। जहां तक सूखे की बात है पिछले साढ़े तीन साल से जब से यह सरकार आई है तब से प्रदेश सूखे की चपेट में है क्योकि जैसी सरकार की नीयत होगी वैसी ही प्रभू की नीयत होगी। अब जाकर कुछ राहत किसानो को मिली है, ईश्वर की कृपा किसानों पर हुई है। मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं कि इन्होंने विदेशों का दौरा करके कई विदेशी उद्योग यहां लाये हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि ये एक भी ऐसे उद्योग का नाम बता दे जो

पिछले तीन साल से हरियाणा में लगा हो? ये कहते हैं कि 146 बड़े उद्योग, 4000 छोटे उद्योग लगे हैं या लगेंगे और 1.54 लाख लोगों को रोजगार मिला है। उपाध्यक्ष महोदय, किसी भी पड़े लिखे नौजवान से पूछ लो, आज किसी को भी रोजगार नही मिला है। बल्कि मौजूदा सरकार ने 30 हजार कर्मचारियों की छंटनी कर दी हमने उनको कहा कि चिंता मत करो, थोडे दिन की बात है फिर हमारी सरकार आ जायेगी और हम सभी छंटनी हुए कर्मचारियों को दोबारा से नोकरी में ले लेगे। ये जिन कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं उनके बारे में सोचना चाहिए कि वे कहां जायेंगे ? (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा से उद्योग का इतना पलायन हो रहा है जिसका कोई अंत नहीं है। (विघन)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, जिन उद्योगों का पलायन हुआ है उनका नाम भी तो बताओ ताकि वित्तमंत्री जी को भी पता लगे कि कौन–कौन से उद्योग पलायन करके चले गये। (विघ्न)

चौ० भजन लालः इसी प्रकार से डी०सी०एम० फैक्ट्री है और दूसरी कुछ फैक्ट्रियां और हैं। उनको ये यूं ही लाइसैंस दे देते हैं। इसी प्रकार से इन्होने 18 एकड़ जमीन जिसकी कीमत 500 करोड़ रुपयों में है, कोई कहता है कि इनकी दोस्ती में है, कोई कहता है कि इनकी रिश्तेदारी मे है इसलिए वह जमीन

प्रकाश सिंह बादल को दे दी। आप तो गुड़गांव में रहते हैं, आपको पता होगा उसकी कीमत क्या होगी?

श्री उपाध्यक्ष: मैं आपको पुरानी बात बता दूंगा।

चौ० भजन लाल: आप कदे बता देना।

श्री उपाध्यक्ष: वहां पर जमीन 300 रुपये गज के हिसाब से दी है बादल को और आपके समय में सरोल गांव की 20 एकड़ जमीन एक विधवा की जबरन ली गई जिसमे डी०सी० तक को सजा हुई। मैंने पिछली बार भी कहा था कि गुडगांव विधान सभा क्षेत्र का चौधरी भजन लाल जी अगर कोई मसला हाउस के अन्दर आता है तो मुझे बताना पड़ेगा। साख्य हरियाणा के छः एम०एल०एज० हैं, आप किसी को भेज कर पता करो कि सरोल गांव की विधवा शकुन्तला यादव की 20 एकड़ जमीन जबरन कब्जा की गई थी या नहीं ? जिसमें डी०सी० समेत छः अफसरों को सजा हुई थी।

चौ० भजन लाल: अगर किसी ने गलत कब्जा किया है, तो सजा होगी ही।

श्री उपाध्यक्ष: कोर्ट ने ऐसा किया है। अगर उसकी पूरी इन्क्वायरी करें तो पता लगेगा कि किस–किस की हिस्सेदारी थी।

चौ० भजन लाल: आप पार्टी मत बनिये।

श्री उपाध्यक्षः आपने जब यह मामला पहले उठाया था तब भी मैंने कहा था।

चौ० भजन लालः मेरी आपसे यह विनती है कि आप पार्टी मत बनिये।

श्री उपाध्यक्षः अगर गुड़गांव की कोई बात करेगा तो मैं उसका जवाब देना अपनी ड्यूटी समझता हूं।

चौ० भजन लालः गुड़गांव में दुनिया रहती है।

श्री उपाध्यक्षः गुड़गांव में दुनिया रहती है, लेकिन गुड़गांव का एम०एल०ए० तो मैं हूं।

चौ० भजन लालः एम०एल०ए० तो थोड़ी देर के लिए हो।

श्री उपाध्यक्षः मैंने कल भी कहा था। मैं आपकी पार्टी से नहीं हूं। आपका जोर चलता तो मैं आज भी नहीं आता। आपने तो अब भी जोर लगाया, आगे भी लगा लेना।

चौ० भजन लालः आप तो इनकी पार्टी के हिस्सेदार थे इसलिए तो वहां पर आपने बी०जे०पी० को हराया और अपने को एम०एल०ए० बनाया।

श्री उपाध्यक्ष: चौधरी साहब, आप कह कर आये थे कि अंगुली उठाने वाले का हाथ काट देंगे। हाथ तो आपका निशान है, आप अपनी बात मत भूलो, आपने जो उस मीटिंग में कहा था।

चौ० भजन लाल: उपाध्यक्ष महोदय, कुरक्षेत्र डिवैल्पमेंट बोर्ड है उसके अध्यक्ष गवर्नर साहब हैं। कुरुक्षेत्र भारत को एक दिशा दिखाता है। वहां पर कृष्णा म्यूजियम है। वहां पर एक बार सैकड़ों करोड़ों रुपये, दूसरी बार चार करोड़ रुपये और तीसरी बार तीस करोड़ रुपये जगमोहन जी ने दिए लेकिन वहां पर एक पैसा भी गवर्नर की इजाजत से खर्च नहीं हो रहा है, पता नहीं उस पैसे को कौन खर्च करता है, किसके कहने पर खर्च होता है 7 इन्होंने प्रदेश का बुरा हाल कर रखा है। ये कहते हैं कि बिजली इतनी पैदा कर दी है, यदि पैदा कर दी है तो वह गई कहां? लोगों से पूछो जाकर गांवों के। उपाध्यक्ष महोदय, स्टेट के अन्दर बिजली का, पानी का बहुत बुरा हाल है। पहले एक महीने में 15 दिन तक नहर चला करती थी अब एक महीने मे सप्त दिन चलती है। ये कहते हैं कि पानी बढ़ा दिया, बिजली बढ़ा दी व नौकरियां दे दी। हम कहते हैं कि ऐसा बुरा हाल सारे प्रदेश में है जिसका कोई अन्त नहीं है इसलिए मैं कह सकता हूं कि जो बजट पेश किया गया है, मैं इसकी डटकर मुखालफित करता हूं।

श्री शादी लाल बत्रा (रोहतक): उपाध्यक्ष महोदय, पिछले 3 सालो की परम्परा को बरकरार रखते हुए आदरणीय वित्त मंत्री जी ने इस बार भी वही बजट दिया है जिसमें न कोई कर है और

न ही किसी वर्ग को राहत दी गई है। शायद उनका यही विचार है कि न किसी से बैर न किसी से प्यार। अगर ऐसा चलता है तो ठीक है। यह बजट जो कर मुक्त दिया है मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। लेकिन मैं एक बात यह कहना चाहता हूं कि सदन में अगर कर मुक्त बजट आता है और उसके बाद एक साल तक कितना टैक्स लगता है उसका कोई अन्दाजा नहीं होता। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या यह जनप्रतिनिधि के साथ एक धोखा नहीं है, जनता के साथ धोखा नहीं है? अगर टैक्स लगाने हैं तो सानने सदन में आयें ताकि इन पर हर व्यक्ति को, हर जनप्रतिनिधि को कुछ कहने का मौका मिले, अपने विचार प्रकट करने का मौका मिले लेकिन ऐसा नहीं होता। पिछले साल जो टैक्स लगाए गए थे उनमें विकास टैक्स लगाया गया था, हलवाई टैक्स था, प्रोफैशन टैक्स था, इस बार लोगों को बड़ी आशा थी क्योंकि पहले जो टैक्स लगाए गए थे उनका विरोध हुआ था इसलिए इस कारण शायद बजट में हमें कुछ राहत मिलेगी क्योंकि सरकार भी व्यान कर रही थी कि सरकारी खजाने में बहुत पैसा है खजाना लबालब भरा है कितनी भी राहत ले लें लेकिन जब बजट आया तो बहुत निराशा हुई क्योंकि किसी वर्ग को कोई राहत नहीं मिली और बजट पेश हो गया। आने वाले टाईम में कितने कर लगेंगे क्या अन्दाजा होगा उसका कुछ कह नहीं सकते? आज हम यह नहीं कह सकते कि हरियाणा मे और विकास की जरूरत नहीं है। हम यह नहीं कह सकते कि हरियाणा में अन्य कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां टैक्स नहीं लग सकता है या ऐसे साधन नहीं जुटाए

जा सकते लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ इसलिए हमारा यह बजट दिशाहीन है और इसमें ऐसी कोई बात नहीं है जिससे हम यह कह सके कि यह विकास की दिशा में प्रदेश को आगे ले जाएगा और हरियाणा की जनता का इस सरकार में विश्वास बना रहेगा। सबसे पहले मैं शिक्षा नीति के बारे में बात करना चाहूंगा। शिक्षा नीति हर देश और प्रदेश की ऐसी होती है जिस पर भावी समाज निर्भर करता है। जैसी शिक्षा मिलेगी देश और प्रदेश वैसा ही होगा, इससे प्रदेश मजबूत होगा, दृढ़ होगा लेकिन आज हमारी शिक्षा नीति एक व्यवसाय बन कर रह गई है। सरकार भी कहती है कि ऐसे प्राईवेट इन्स्टीच्यूट बनें जो आत्म निर्भर हों, सैल्फ सफिशैंट हों, वे चाहे जितनी भी कैपिटेशन फीस ले लें लेकिन वह इंस्टीच्यूट अपने आप चलाएं और उसमें सरकार को कोई योगदान न देना पड़े। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा सबसे पहले आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि शिक्षा को व्यवसाय न बनाया जाए। अगर किसी भी प्राईवेट व्यक्ति को कोई भी जॉब ओरिऐटिड कोर्स या दूसरा कोर्स चलाने के लिए अलाउ किया जाता है तो उसको यह छूट न दी जाए कि चाहे वह कितनी भी केपिटेशन फीस ले ले या कुछ भी कर ले उनकी मर्जी होगी क्योंकि अगर ऐसा होगा तो गरीब और मध्यम वर्ग के लोग तथा मध्यम वर्ग के होनहार बच्चे आगे नहीं बढ़ सकेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा यह निवेदन है कि शिक्षा की नीति को हम किसी प्रकार से भी व्यवसाय न बनाएं। इसके बाद यह कहा जाता है कि और यूनिवर्सिटीज खोली जाएंगी। अगर नई यूनिवर्सिटीज खोलना चाहते हैं तो खोलें ओर

अगर नये कॉलेज खोलना चाहते हैं तो नये कॉलेज खोलें लेकिन जो ऑलरेडी यूनिवर्सिटीज ओर कॉलेजिज हैं उनमे क्या हो रहा है? (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः बत्रा साहब, आप पहले गवर्नर एड्रैस पर बोले हैं और जो बातें आपने गवर्नर एड्रैस पर बोलते हुए कहीं थीं उनको रिपीट न करें।

श्री शादी लाल बत्राः उपाध्यक्ष महोदय, अभी तक तो मैंने रैपीटीशन का एक भी शब्द नहीं कहा हे। जो युनिवर्सिटीज में एप्यायंटमैंट्स नही हो रही हैं वे शायद इसलिए नहीं हो रही हैं क्यो कि बजट में उनका कोई प्रवाधान नहीं है, बजट में उनका कोई प्रोविजन ही नहीं दिया गया। हमारी रोहतक यूनिवर्सिटी में पिछले 5 साल से कोई भी नियुक्ति नहीं हो रही थी और कोई भी अनुदान इस यूनिवर्सिटी को नही दिया जा रहा है तथा यह कहा जा रहा था कि आप सैल्फ सफिशैंट हो जिस तरीके से जितनी मर्जी हो जितने भी टैक्स लगा लें किसी भी फोर्म पर जितनी भी फीस लगानी हो लगा लें, जितनी भी ऐडमिशन फीस लगानी हो लगा ली जाए, लेकिन सरकार कोई अनुदान यूनिवर्सिटी को नहीं देगी। इस का क्या मतलब हुआ? क्या वह यूनिवर्सिटी सरकार के अधीन नहीं आती ? यह सरकार नई यूनिवर्सिटी तो चालू कर सकती है लेकिन ऑलरैडी चल रही यूनिवर्सिटी को अनुदान नहीं दे सकती है। इसलिए आपके माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि जो शिक्षा है उसको व्यवसाय न बनाया जाए। उपाध्यक्ष

महोदय, अगर हम स्वास्थ्य की बात करते हैं तो आज प्रदेश में डॉक्टर्ज की फिगर 2054 आती है। हमारी पोपुलेशन दो करोड़ दस लाख है जबकि इन पर केवल 2054 डॉक्टर्ज हैं तो तकरीबन 10 हजार आदमियों के पीछे एक डॉक्टर है। अगर यही पोजीशन है तो फिर हमारे स्वास्थ्य के लिए चिकित्सा क्या है? स्वास्थ्य के लिए हमारी क्या सोच है और आगे हम उसमे क्या चाहते हें। अगर हम चाहते हैं कि हस्पताल और बनें, अगर हम चाहते हैं कि डिस्पेंसरीज और बनें लेकिन अगर वहां पर डॉक्टरो की नियुक्तियां न हों तो इनको बनाने का क्या फायदा है ? जो डिस्पैंसरीज ऑलरैडी खुली हुई हैं उनमें डॉक्टरों का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इनका प्रावधान न करने के कारण लोगों की चिकित्सा की हालत क्या होगी? इसका अन्दाजा लगाया जा सकता है। अगर हम बजट को देखें तो बजट मे पिछली बार जो डैबिट आया था वह डैबिट कहीं आगे बढ़ गया है। इस बार बजट में एक यह दिखाया है कि 38 परसैंट तो पब्लिक डैबिट से पैसा आएगा और 26 परसैंट लोन रिपेमेंट तथा 14 परसैंट इन्ट्रस्ट में चला जाएगा यानि 40 परसैंट तो रिपेमैंट तथा ब्याज में ही चला जाएगा तो जो पैसा बचेगा वह काफी कम बच पाएगा। इसका मतलब यह हुआ कि हमारी दिशा ठीक नहीं है, हम गलत दिशा में चल रहे हैं, क्योंकि अगर थैधइज्ञई? येसा रिपेमैट और व्याज में चला जाएगा और बाकी का जो 60 परसैंट पैसा रह जाएगा तो क्या वह विकास के लिए पर्याप्त होगा? यानि 60 परसैंट हमारे पास कैपिटल एक्सपैडिंचर बचता हे और इतनी कम राशि से विकास के लिए

कुछ खास नहीं होता। सरकार ने एक बड़ी बात कही कि कर वसूली के लिए कर वैट प्रणाली आएगी। उपाध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं यह कहना चाहूंगा कि यह क्या है ? आज इसका विरोध क्यो हो रहा है? वैट प्रणाली के अनुसार एक चीज जब तक उपभोक्ता के पास नहीं पहुंचेगी जब तक टेक्स पर टैक्स लगता जाएगा। अगर यही सिचुएशन रही तो टैक्स पर टैक्स लगने के बाद हमारे उपभोक्ताओं में वह आदमी जिनके पास पैसा कम है वह कैसे कोई चीज खरीद पाएगा। यह चीज हमारे प्रदेश के लिए बड़ी घातक रहेगी। पिछली बार जब यह विधेयक प्रस्तुत हुआ था तो सबसे बड़ी बात यह कही गई थी कि वैट प्रणाली आई तो हरियाणा को एक हजार करोड़ रुपये का नुक्सान होगा। अब भी इसका विरोध चल रहा है। केन्द्र सरकार ने खाद पर जो वृद्धि करी थी उसको वापिस ले लिया है। लेकिन वैट प्रणाली के अन्तर्गत सभी प्रकार की खादों पर मै प्रतिशत वैट कर लगाने का प्रावधान रखा है उसमे कहा गया है कि खादो पर पहले कोई प्रक्रिया कर नहीं था और अब पैस्टीसाईडज पर 2 प्रतिशत प्रक्रिया कर लगाया है। उन्होंने बताया कि यूरिया खाद के दाम लगभग 10 रुपये प्रति बैग, डी०ए०पी० के 19 रुपये प्रति बैग, पैस्टीसाईडज के और पोटास के दाम लगभग 9 रुपये प्रति बैग बढ़ जाएगे। हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश है। आज हम कहते हें कि हमारी सरकार किसानों की हितैषी है। अगर वैट प्रणाली आ गई और यह टैक्स लग गए तो किसानों का क्या होगा 7 अगर वैट प्रणाली न लगाई जाए तो यह अच्छा होगा। अगर यह वैट लगाना भी है तो

एटलीस्ट ये आईटम्ज जैसे खाद, यूरिया और पैस्टिसाईडज हैं इनको शैडयूल्ड 'डी' मे न रखा जाए। इसी प्रकार से उपाध्यक्ष महोदय, कपड़े के बारे में भी मैं बात कहना चाहूंगा। अगर इसमें कपड़ा भी आ जाएगा तो पानीपत में जो हमारा व्यापार चल रहा है वह सारे का सारा चौपट हो जाएगा। कपड़े पर टैक्स लगने के बाद वहां के व्यापारी मार्किट में कम्पीट नहीं कर पाएंगे। वैट प्रणाली न तो प्रदेश के लोगों के लिए और न ही सरकार के लिए सुखदायी है। यह तो उद्योग धन्धो के लिए भी हानिकारक है।

श्री उपाध्यक्षः आप वाईंड–अप करें।

श्री शादी लाल बत्राः उपाध्यक्ष महोदय, विकास के नाम पर बजट में जो प्रावधान किया गया है उसमें यह बात आती है कि यातायात के लिए सड़को की मरम्मत की जाएगी, सड़कों का जाल बिछाया जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, आज सड़कों की हालत क्या है जो मेन रोडज हैं चाहे वे शहरों की हों या नैशनल हाई–वेज की हों सबकी हालत खराब है। उपाध्यक्ष महोदय, जो रोड नैशनल हाई–वेज डिक्लेयर हो चुकी हैं आप उनकी हालत देखे तो आप पाएंगे कि उनकी बहुत बुरी हालत है। पानीपत से होडल तक चले जाएं, पानीपत से धारूहेड़ा तक चले जाएं। ये रोडज नैशनल हाई–वेज डिक्लेयर हो गई हैं और इसकी वजह से वही पर ट्रक और दूसरे ट्रैफिक का लोड बढ़ गया है लेकिन वह सड़क वैसी की वैसी हे जैसी पहले हुआ करती थी। वे सड़क न तो चौड़ी हुई है और न ही उनकी मरम्मत की गई हैं। अगर उनकी मरम्मत हुई है

तो वह भी जल्दी ही टूट जाती है। मेरे कहने का मतलब यह है कि आज हमारे प्रदेश और देश का बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

बैठक का समय बढाना

श्री उपाध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता हे।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि हमारे निर्दलीय विधायकों की संख्या 10 है इसलिए हमें भी बजट पर बोलने का बराबर समय दिया जाए।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है, अभी आप बैठें। अब शेर सिंह जी बोलेंगे।

14.00 बजे

आई०जी० (रिटायर्ड) शेर सिंह (जुलाना): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जब भी सदन में बजट पेश किया जाता है तो चाहे वह बजट देश का हो या प्रदेश का हो, सभी की निगाहें उस पर लगी रहती हैं। हमारे हिन्दुस्तानी दो चीजों के बारे में जानने के लिए बहुत गम्भीर रहते हैं। जेसे हिन्दुस्तान का क्रिकेट का मैच हो रहा हो तो सब यही जानने के इच्छुक रहते हैं कि मैच का क्या हुआ। चाहे वह अमीर हो या गरीब हो, चाहे वह गांव वाला हो या शहर का रहने वाला हो, अनपढ हो या पढ़ा लिखा हो, उसका ध्यान इस तरफ रहता है कि भारत जीता है कि नहीं जीता है। इसी तरह से हरेक व्यक्ति अगर बजट प्रदेश का हो तो उस पर निगाहें लगाए रहता है और अगर देश का बजट हो तो पूरा देश उस पर निगाहें लगाए रहता है कि क्या क्या फैसिलिटी दी गई हे। यह जो बजट हमारा पेश किया गया है इसमें देने के लिए कुछ नहीं है। पहले तो ये बजट कर मुक। पेश करते हैं लेकिन बाद में करों की इतनी बौछार लग है कि जिसका अन्त नहीं है। यह एक दुविधा की बात है। हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश कहलाता है। पिछले से पिछले साल पांच परसैंट बजट का कृषि की मद पर रखा गया था लेकिन इस दफा घटाकर तीन परसैंट कर दिया है। यानी कृषि के ऊपर ही इन्होंने कुल्हाडी चलायी है। इसी तरह से इनकी लोन लायबिलिटीज भी बढ़ती जा रही है। सभी ने इसके बारे में जिक्र भी किया है। कृषि प्रधान

प्रदेश होने के कारण सभी का ध्यान इस ओर ज्यादा है इसलिए कृषि प्रोत्साहन देने के लिए सभी का इरादा नेक है। मैं सबसे पहले पानी की बात करूंगा। एस०वाई०एल० कैनाल के बारे में सभी ने जिक्र किया है, करते हैं और करते रहेंगे। मैं इस बारे में एक छोटी सी बात कहना चाहता हूं। हिन्दुस्तान की सुप्रीम कोट ने इस बारे में एक फैसला दिया है। इससे बड़ी कोर्ट तो कोई हो ही नहीं सकती। जब इसने एक फैसला दे दिया तो उसको लागू करना चाहिए। यह फैसला भारत की सरकार ने लागू करना है इसमें शक की बात नहीं है, इसमें दो आकड़े नहीं है। यह फैसला हरियाणा सरकार उनसे कहकर लाग करवा सकती है क्योंकि हरियाणा सरकार उनके साथ है। (इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।) अध्यक्ष महोदय, चाहे किसी भी तरह से एस०वाई०एल० कैनाल का पानी लाएं लकिन जल्दी से जल्दी इसका पानी लाने की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि किसानों का, व्यापारी का, हर वर्ग का भला हो सके। अभी सरकार के हाथ में डंडा है इसलिए किसी भी तरीके से इनको इस नहर का पानी लाने की व्यवस्था करनी चाहिए। इससे ऊपर कोई और चीज नहीं है। हरियाणा सरकार चाहे तो वह इस नहर का पानी ला सकती है। इस मामले में हम सभी उसके साथ हैं। इसी तरह से किसानों के बारे में भी ये कहते हैं कि हमने किसानो को यह चीज दी हे, वह चीज दी है। मैं इस बारे में कहना चाहूंगा कि जब तक फसलों का डायवर्सीफिकेशन नहीं होगा तब तक किसान का भला नहीं हो सकता। इस बारे में यहां पर जिक्र भी हुआ है। एक दो साल

पहले भी इसका जिक्र हुआ था कि हरियाणा में फसल चक्र बदला जाए और दूसरी फसलों की तरफ भी ध्यान दिया जाए। मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार ने अभी तक इस बारे में किसानो को शिक्षा देने का आधार बनाया है कोई इस तरह के सैंटर्ज खोले हैं जिसके हारा किसानों को इस बारे में समझाया बुझाया जा सके क्योंकि किसान तो भोलाभाला होता है ? वह अपनी दो तीन क्राप्स को ही जानता है वह यह सोचता हे कि उसे दो तीन क्राप्स पर ही पैसा मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मैं बिजली के बारे में भी जिक्र करना चाहूंगा। बिजली के मामले में हम मानते हैं कि बिजली के बिल्लू की पैमेंट बहुत ज्यादा पैंडिंग है। लेकिन देखने वाली बात यह है कि किसने कहा था कि ये बिल्लू न दो ? आज किसान के ऊपर इनका इतना भारी वजन हो चुका है कि वह इनकी पेमेंट नहीं कर सकता। अब ये कहते हैं कि हमने 75 परसैंट तक माफ कर दिया है ठीक है मैं समझता हूं कि किया होगा लेकिन क्या किसान वह बचे हुए 25 परसैंट बिल्लू भी आज की तारीख में दे सकते हैं? जब यह सरकार तीन साल पहले आयी थी तो अगर ये उस वक्त ही यह कह देते कि हम 75 परसैंट बिल्लू माफ कर देंगे और 25 परसैंट देना पड़ेगा तो आज किसान के ऊपर इनका इतना वजन नहीं पड़ता। वह 25 परसैंट ही बढ़ते बढ़ते आज बहुत ज्यादा हो चुका है। अगर ये पहले ही इतना माफ कर देते तो अब तक इनको इतना पैसा तो वैसे ही मिल गया होता। जैसे ये कह रहे हें कि 25 परसैंट देना है तो अगर ये बात यह पहले ही कह देते तो

इतना पैसा तो इनको पहले से ही मिलना शुरू हो जाता। अध्यक्ष महोदय, मैं कहता हूं कि इसको माफ किया जाना चाहिए। अगर पहले ही इसको माफ कर देते तो जो हमारा रैवेन्यू इनसे आना है वह पहले से ही आना शुरू हो जाता और वह रैवेन्यू हरियाणा सरकार के लिए इन्कम का एक रिसोर्सिज भी बन जाता।

श्री अध्यक्षः शेर सिंह जी, आप वाईंड–अप करें।

आई०जी० (रिटायर्ड) शेर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से शुगर केन के बारे में भी यहां पर चर्चा की गयी। इसमे कोई शक की बात नहीं है कि सरकार ने गन्ने का भाव 104, 106 और 110 रुपये क्विंटल का दिया है लेकिन कोऑपरेटिव मिलों में ही यह भाव है। इन मिलों में लोगों ने अपना शेयर दिया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, पचास पैसे प्रति क्विंटल के हिसाब से उनका शेयर कटता है। क्या किसान को आज तक किसी तरह का पैसा वापस दिया गया है यह मैं इनसे पूछना चाहता हूं?

श्री अध्यक्षः शेर सिंह जी, आप किस तरह का पैसा वापस देने की बात कर रहे हैं? आप अब वाईड–अप करें।

आई०जी० (रिटायर्ड) शेर सिंहः अध्यक्ष महोदय, अब मैं किसानों के बारे मे बात कहना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि सभी जो समान हक मिलें। कोऑपरेटिव शुगर मिलें जहां नहीं हैं और जहां दूसरी मिलें चल रही हैं वहां के किसानों को भी गन्ने का भाव उसी तरीके से दिलाया जाए जैसा कोऑपरेटिव शुगर मिलों

के द्वारा दिया जाता है। यह मेरा निवेदन है। दूसरी जो मिले चल रही हैं उनको भी कोऑपरेटिव मिलों की बराबरी मे लाया जाए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि जो ये 50 पैसे शेयर के कटने की बात कह रहे हैं वह शेयर मनी में जमा होते हैं। हर मिल में यह व्यवस्था है जिसके नाम से शेयर है उसके खाते में चले जाते हैं और उसका उसको लाभांश डिवीडेण्ड भी मिलता है।

आई०जी० (रिटायर्ड) शेर सिंहः अगर ऐसा है तो अच्छी बात है। कब पैसा मिला है कितना मिला है यह भी जवाब देते समय बता दिया जाए ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बजट पर बोलें।

आई०जी० (रिटायर्ड) श्री शेर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं बजट पर ही बोल रहा हूं। यह जो पुलिस के लिए बजट मे 3 प्रतिशत की राशि रखी है मैं इस बारे मे कहना चाहता हूं। पुलिस की जो भर्ती की गई है उसमें युवकों की हाइट बढ़ाने की बात कही गई है। आज हरियाणा ही नहीं पूरे हिन्दुस्तान में हाइट बढ़ने की बजाय घटी है। पहले हरियाणा में पुलिस की भर्ती के लिए 5 फुट 7 इंच हाइट की अनिवार्यता होती थी अब वह बढ़ाकर 5 फुट 9 इंच कर दी है इससे युवकों को कहीं भी नौकरी नहीं मिल पा

रही है। यह तो नवयुवकों को नौकरी से वंचित करने की बात् है आज डील डौल की जरूरत नहीं है, दिमाग की जरूरत है।

श्री अध्यक्ष: शेर सिंह जी, आपका समय समाप्त होता है आप बैठ जाएं। अब श्री राजेन्द्र सिंह बिसला जी बोलेगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला (बल्लभगढ़): अध्यक्ष महोदय, आपने सदन में बजट पर चर्चा में सम्मिलित होने का मुझे समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मेरे भाई और योग्य वित्त मंत्री चौधरी संपत सिंह जी ने वर्ष 2003–04 का जो बजट पेश किया, हम सभी सम्मानित सदस्यों ने अपने–अपने तरीके से इस बजट का आकलन किया है और हम सभी पूर्ण रूप से अवगत हैं कि मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को साढ़े तीन वर्ष पहले इस प्रदेश की बागडोर संभालने का सौभाग्य प्राप्त हुआ उस समय हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था, कानून व्यवस्था पूर्ण रूप से छिन्न भिन्न थी उसको धीरे धीरे लाईन पर लाकर उन्होंने अपनी क्षमता और कर्मठता का परिचय दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से इस बजट का आकलन करते हुए यह निवेदन करना चाहूंगा कि कई साथियों ने इस बजट को अपने–अपने ढंग से अपने शब्दों में व्यक्त किया। कई साथियों ने यह कहा कि यह बजट बिलकुल खोखला है। इसमें जान नहीं है। यह एक कॉस्मैटिक बजट है। अध्यक्ष महोदय, मै समझता हूं कि जो थीम है, एसैंस है और जो क्राईटेरिया इस बजट का होना चाहिए वह वही होना चाहिए जिस उद्देश्य को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गान्धी

के नेतृत्व में जननायक स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी ने जोकि देश के स्वतंत्रता आन्दोलन की अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं में से एक थे, ने इस देश को आजाद कराया था। जो उस समय उनके उद्देश्य थे उन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस बजट मे समाज के उस वर्ग का जो बहुत ही गरीब डाऊन ट्रोडन और आप्रैसड है और जो शोषित एवं महिलाओ जैसा वर्ग है, उन सब को मिलाकर समाज का जो अति कमजोर वर्ग माना जाता है उस वर्ग के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए आदरणीय श्री सम्पत सिंह जी ने इस बजट में जितना ध्यान रखा है और जितना अच्छा उन्होंने इस वर्ग का आकलन किया है मैं समझता हूं कि इससे बढिया आकलन और क्राईटेरिया कोई हो ही नहीं सकता। मैं आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय को बधाई देना चाहता हूं कि जहां पहले चौपालें नहीं बनी हुई थीं वहां उन्होंने मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद नीतिगत तरीके से जो अनुसूचित जाति के लोग थे उनके लिए सारे प्रदेश में हरिजन चौपालें, बैकवर्ड चौपालें बनवाई और जो पहले बनी हुई थीं उनकी उन्होंने अति शीघ्र मरम्मत के बाद रहने लायक और इस्तेमाल करने लायक बनाने का नीतिगत फैसला किया। पहले वाली सरकारों में केवल पत्थर ही रखे जाते थे उनको बनाया नहीं जाता था लेकिन इस सरकार ने जहां पत्थर रखे थे उनको पक्का बनवाया और जो पहले बनी हुई थी उनको अच्छी तरह से बनाया ताकि उनमें रहा जा सके। इस तरह से उन्होंने कई नीतिगत फैसले लिये। जहां गांवों और शहरों में गरीब आदमी जिनको रहने के लिए जगह नहीं है, समाज के

पिछड़े हुए और कमजोर वर्ग के लिए घर नहीं है, जहां गलियां पक्की नहीं हैं, जिनके घरों में पीने के पानी का प्रबन्ध नहीं है उनका प्रबन्ध होना चाहिए, उनके बच्चो की पढ़ाई और उनके स्वास्थ्य की देखभाल की भी पूरी तरह से व्यवस्था होनी चाहिए। मैं समझता हूं जन कल्याण का जो उद्देश्य है, समाज कल्याण की जिस प्रकार की योजनाएं हैं, वयोवृद्ध नागरिको, विधवाओं, विकलांगों, समाज के वंचित वर्गो के लिए, सारी की सारी पिछड़ी जातियों और कमजोर वर्गों के लिए उत्थान के लिए सभी प्रकार की प्राथमिकताएं इस बजट में दी गई हैं। इसके लिए निश्चित रूप से भाई प्रो० सम्पत सिंह जी और यह सरकार बधाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा और स्वास्थ्य आज प्राथमिकता के विषय हैं और इस बजट के अन्दर इस प्राथमिकता का ध्यान रखा गया है। निश्चित रूप से उन साथियों से डिफर करता हूं जो यह कहते हें कि यह घाटे का बजट है। मैं कहता हूं कि अगर इस बजट में 100–200 करोड़ रुपये का और भी घाटा होता तो भी इस बजट की प्रशंसा की जाती। अध्यक्ष महोदय, जो आदमी कमाकर खाते हैं उस कमेरे वर्ग के लोग इस बजट की तारीफ करेंगे। (विघन) इस बजट में जो वृद्ध विश्राम गृहो के बनाने का ओर ओल्ड ऐज पैंशन देने के बारे में भी पैसों का इंतजाम किया गया है इसके लिए मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। 'सरकार के आपके द्वार'' कार्यक्रम के दौरान जिस गांव का भी मैसेज गया कि उस गांव में वृद्ध विश्राम गृह बनाना है तो उसके लिए तुरन्त पैसा मंजूर कर दिया गया क्योंकि इसको बनाने के लिए लाख या दो लाख रुपये ही

लगते हैं। इस बारे में हमारे जो नौजवान हैं, उनको इस विषय पर गम्भीरता से सोचना चाहिए, हमारे माता पिता जिन्होंने हमें जन्म दिया, जो हमारी बुजुर्ग वृद्ध पीढ़ी है उनका मान सम्मान होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यह पहली सरकार है जिसने महिलाओं को बड़ा मारी मान सम्मान दिया है। आदरणीय मुख्यमत्री जी ने कार्यभार सम्भालने के बाद सबसे ज्यादा महिलाओं को डी०सी० के रूप में, एस०पी० के रूप में डी०एस०पी० के रूप में, एस०डी०एम० के रूप में लगाया है और वे अच्छे ढंग से सुचारू रूप से हमारे प्रशासन को चला भी रही हैं।

केप्टन अजय सिंह यादवः ....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, जो कुछ कह रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि कैप्टन अजय सिंह जी मेरे पुराने मित्र हैं इसलिए मैं उनसे कहना चाहूंगा कि मैं हाउस में कोई इरेलैवैट बात नहीं बोलता।

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): आप गलत नहीं बोलते और अगला ठीक नहीं बोलता।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि प्रदेश के डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन में आज एस०पी०, डी०एस०पी०, डी०सी० और एस०डी०एम० के पदो को महिला

अधिकारी सुशोभित कर रही हैं। यह एक सूचक है कि महिलाओं को कितना प्रोत्साहित किया गया है। कन्यादान, महिला सशक्तिकरण और देवीरुपक योजनाएं चलाई गई हैं। इस प्रकार महिला जो समाज का अभिन्न अंग है, पहले इग्नोर्ड था लेकिन इस बजट के माध्यम से समाज के इस 60 प्रतिशत वर्ग को सशक्त करने का काम किया गया है इसलिए यह बहुत अच्छा बजट है। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने सारे प्रदेश से नाजायज कब्जे हटाने का एक नीतिगत फैसला भी लिया हुआ है। सबसे ज्यादा आज सरकारी जमीनो पर कब्जे हैं। जो दिल्ली के समीप जिले हैं जैसे बहादुरगढ़, गुडगांव और फरीदाबाद, उनमें बहुत ज्यादा सरकारी जमीनों पर नाजायज कब्जे हैं। मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं कि उनकी सरकार के द्वारा हमारे फरीदाबाद जिले की कई सौ एकड़ जमीन से करोड़ों रुपये के नाजायज कब्जे हटाए गए हैं। लेकिन जो नेता लोग वहां जाकर अपनी राजनीति चमकाते हैं लोगों ने उन्हें दुत्कारा है। पढ़े-लिखे लोगो ने प्रशासन को लैटर लिखे कि ये पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने नाजायज कब्जे उठाए हैं इसलिए इसमें कोई डिस्क्रीमिनेशन नहीं है। मुख्यमंत्री जी ग्रिवैंसीज कमेटी में जाते हैं तो कहते हैं कि चाहे सरकार से जुड़े लीडर हो, चाहे कोई और नेता हो, कोई कुछ भी हो उनकी बात नहीं मानी जानी चाहिए और नाजायज कब्जे हटाए जाने चाहिएं। दिल्ली के नजदीक जहां-जहां नाजायज कब्जे हैं उनको हटाया गया है। यहां मैं पूरी जिम्मेवारी के साथ कहता हूं कि पहली सरकारों की लापरवाही की वजह से विदेशी मूल के लोग, बंगला देश के लोग

यहां आ गए, उनमें 151 के एजेण्ट भी मिले हुए हैं। कई घटनाएं हुई हैं। ऐसे स्थानों पर ली एण्ड आर्डर की समस्या है। यह सुरक्षा से जुड़ी हुई भी बात है, मुख्यमंत्री ने अच्छे कार्यक्रम चलाए हुए हैं। कानून–व्यवस्था के बारे में भी सम्मानित साथियों ने जिक्र किया। हमारे फरीदाबाद जिले की जो भौगोलिक स्थिति है वह इस प्रकार है कि एक तरफ उत्तर प्रदेश लगता है, दूसरी तरफ राजस्थान लगता है और तीसरी तरफ दिल्ली की सीमा है। दिल्ली नगर निगम में 2 लाख पोल्यूटिग पौपुलेशन है जिनके न घर हैं ना और कुछ 2 लाख लोग जब ओपन में, पार्कों में, स्ट्रीट में, स्टेट हाइवे पर ओपन में टायलैट बैठेंगे, तो क्या हाल होगा? इस प्रकार वहां लिविंग कंडीशन बहुत पुअर है। यहां बैठे लोग सरकार की नीतियों का विरोध तो करते हैं, लेकिन वे स्टेट के बारे में नहीं सोचते। सरकार का जो निर्णय हे हम पूर्ण रूप से उसका समर्थन करते हैं। जनता सरकार के निर्णय को एप्रीशिएट करती है। अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि पौल्यूशन को भी हमें एक चुनौती के रूप मे स्वीकार करना है।

श्री अध्यक्षः बिसला जी, आप एक मिनट में वाईड–अप करें।

श्री राजेन्द्र सिह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मैं तो सबसे ज्यादा चेयर का सम्मान करता हूं। मैं अपनी बात दो मिनट में वाईड–अप करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मै पोल्युशन के बारे मे कह रहा था कि दिल्ली के आस–पास के हमारे क्षेत्र मे बहुत ज्यादा

पोल्यूशन हो रहा है, मेरा हल्का भी दिल्ली के साथ लगता है। वहां पर वायु प्रदूषण ही नहीं बल्कि ध्वनि प्रदूषण भी बहुत होता है। मैंने इस बारे में प्रश्न भी दिया है पता नहीं वह लगेगा या नहीं। पोल्युशन को कंट्रोल करने के बारे में हाई कोर्ट ओर सुप्रीम कोर्ट ने भी हिदायतें जारी कर रखी हैं इसलिए मैं चाहूंगा कि प्रशासन इस समस्या से निपटने के लिए अपनी शक्ति लाग करे ताकि लोगों को अच्छा वातावरण मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को और वित्तमंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि कई जगहों पर जहां लड़कियों के स्कूल्ज को अपग्रेड किया गया है वहां पर लड़कियो को बहुत अच्छी शिक्षा मिल रही है। गांवों में गरीब हरिजन की लड़कियों, बैकवर्ड क्लास की लड़कियों और कमजोर वर्ग की लड़कियों को अच्छी शिक्षा जमा दो तक मिल रही है। मेरे हल्के बल्लभगढ़ में कोई सरकारी कालेज नहीं है इसलिए मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि वहां भी एक सरकारी कालेज बनवाया जाये ताकि वहां पर गरीब वर्ग की लड़कियां शिक्षा प्राप्त कर सकें। अध्यक्ष महोदय, मैं बधाई देता हूं हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी को जो बहुत मजबूती से कहते हैं कि हम आर्य समाज के सिद्धांतों मे विश्वास रखते हैं, जिसकी स्थापना महर्षि दयानन्द ने की। अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हँ कि हमारी सरकार की जो नीतियां हो वे वैदिक संस्कृति के सिद्धांतों पर आधारित हों। जो महर्षि दयानन्द जी चाहते थे और उन्होंने जिस उद्देश्य को लेकर आर्य समाज की स्थापना की थी वैसी सरकार की नीतियां होनी चाहिएं। अध्यक्ष

महोदय, मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि में जब भी इनके पास अपने हल्के की समस्याएं लेकर गया उनको इन्होंने हल किया और जो भी हमने मांग की उसको मुख्यमंत्री जी ने पूरा किया। उन्होंने हमें कभी भी निराश नहीं किया और मुझे विश्वास है कि आगे भी हमे निराश नहीं करेंगे। अभी तो चौटाला साहब की सरकार को तीन साल हुए हैं, दो साल और बाकी हैं और चौटाला साहब दो साल बड़े अच्छे ढंग से सरकार को चलायेंगे। मुख्यमंत्री जी ने हमारे यहां यमुना नदी पर करोड़ों रुपये का पुल बनाकर उसका उद्‌घाटन किया। इसके लिए भी मैं उनको बधाई देता हूं, धन्यवाद करता हूं। इसके अतिरिक्त मेरे हल्के के गांव साहवा मोहना में 66 के०वी० के सब–स्टेशन का माननीय मुख्यमंत्री जी ने उद्‌घाटन किया और वहां पर एक हस्पताल बनवाने के बारे में भी घोषणा की है, इसके लिए भी माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं मुख्यमंत्री जी का, भाई सम्पत सिंह जी का अच्छा बजट पेश करने के लिए धन्यवाद करता हूं। ये मेरे बहुत पुराने मित्र हैं, हम दोनों 1977 मे एम०एल०ए० थे, तब से मित्र हैं, जब भी इनके पास दो–तीन घंटे का समय होता है तब ये बेठते हैं और सोचते हैं, इसी का नतीजा है कि इन्होंने यह बहुत ही संतुलित बजट पेश किया है। इसके अतिरिक्त स्पीकर साहब, मैं आपका भी बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने सभी 90 के 90 विधायकों को उनके हल्के की बात कहने के लिए बिना किसी भेदभाव के समय दिया। यह पहली बार हुआ है कि आपने सभी विधायकों को राज्यपाल

महोदय के अभिभाषण पर और बजट पर दोनों पर बोलने का अवसर दिया। आप सबका बहुत–बहुत धन्यवाद।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक हे, हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री जसबीर मलौर (नग्गल): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया इसके लिए में आपका बहुत–बहुत आभार व्यक्त करता हूं। हरियाणा प्रदेश के वित्तमंत्री प्रो० सम्पत सिंह जी ने जो बजट 10 तारीख को पेश किया है यह बहुत ही सराहनीय और सतुलित बजट है। यह बजट हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया गया है ओर हर वर्ग को इसमें राहत पहुंचाने का काम किया गया है। अध्यक्ष महोदय, जहां पिछले साल 2002–03 में बजट के लिए 1800 करोड़ रुपये रखे गये थे, उसमें इस साल 16.7 प्रतिशत की वृद्धि करके 2100 करोड रुपये रखा गया है। इससे हरियाणा प्रदेश के हर वर्ग को फायदा मिलेगा। जहां तक

सड़कों की बात है, सड्कों के लिए 335 करोड़ रुपये बजट मे रखे गये हैं। बिजली के लिए 290 करोड़ का प्रावधान रखा गया है ओर सिंचाई के लिए 266 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त सामाजिक सेवा, शिक्षा और पेय जल के लिए 890.23 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान रखा गया है और आम लोगों को राहत देने की कोशिश की गई है। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय जी ने इन तीन सालों में जो विकास के अनेकों कार्य किए हैं। आज से साढ़े तीन साल पहले जब इस प्रदेश की बागडोर परम आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने सम्भाली थी, उस समय प्रदेश की स्थिति बहुत खराब थी। चौधरी बंसी लाल जी आर्थिक स्थिति खराब करके गए थे। कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब थी। हर तरह से स्टेट का दिवालिया पीट रहा था। प्रदेश की जनता चाह रही थी कि बंसी लाल जी की सरकार से छुटकारा मिले और चौधरी ओम प्रकाश जी के हाथो में इस प्रदेश की बागडोर लाये। अध्यक्ष महोदय, जो छः महीने का ट्रेलर चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने हरियाणा प्रदेश की जनता को दिखाने का काम किया था, जो सपने हरियाणा प्रदेश की जनता ने आज से तीन साल पहले चौटाला साहब जी की सरकार के बनने के बाद में संजोये थे, जो उम्मीदें और आशाएं हरियाणा सरकार से लगाई थीं, आज वह एक–एक उम्मीद, एक–एक चुनाव का किया हुआ वायदा यानि सारे वायदे चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने पूरे किए हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने चौधरी देवी लाल जी के पद चिन्हों पर चलने का काम किया है।

जन नायक चौधरी देवी लाल जी ने जो सपना देखा था कि हरियाणा प्रदेश की जनता का अगर हमें सेवा करने का मौका मिला तो ग्रामीण आचल मे बसने वाले लोगों को सुख सुविधा देने के लिए, उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए मैं काम करूंगा। आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने जन नायक चौधरी देवी लाल जी के पद चिन्हों पर चलते हुए जिस तरह से हरियाणा प्रदेश में 'हरियाणा सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम चला करके हरियाणा प्रदेश के 90 के 90 हल्कों में जा करके लोगों के बीच मे बैठ करके पूछते हैं कि बताओ तुम्हारी समस्याएं क्या हैं। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार का मुख्यमंत्री प्रदेश को पहली बार मिला है जिसको हर व्यक्ति की दुखः तकलीफ का पता है। किस व्यक्ति को किस समय क्या चीज चाहिए, किस की मदद कब करनी हे, इस तरह का मुख्यमंत्री प्रदेश को पहली बार मिला है। हरियाणा में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम चौटाला साहब ने चलाया है। आज प्रदेश का कोई गांव ऐसा नहीं है जहां नयी फिरनिया न बनायी जा रही हों, पीने के पानी की व्यवस्था के लिए टयूबवैल्ज ओर पाईप लाईन न बिछाई जा रही हो, पानी की निकासी के नाले न बनाये जा रहे हों, तालाबों की रिटेनिंग वाल न बनायी जा रही हों, शमशान घाट के रास्ते और शैड न बनाये जा रहे हो, हरिजनों और बैकवर्ड लोगों की चौपालो का निर्माण न किया जा रहा हो। अध्यक्ष महोदय, पशुधन को बढ़ावा देने के लिए पशु अस्पताल नये बनाये जा रहे हैं। हर गांव मे जहां पानी खड़ा होता है वहां सी०सी० स्ट्रीट बनवाने का काम मुख्यमंत्री महोदय

कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने और चौधरी बहादुर सिंह ने जो शिक्षा नीति बनायी है उसमें पहली कक्षा से अंग्रेजी की किताब लगाकर अंग्रेजी का पाठ्यक्रम लगाया है ताकि ग्रामीण आचल में बसने वाले लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया जा सके। इस सरकार ने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का काम किया है। इसी प्रकार से छठी कक्षा के लिए कम्प्यूटर शिक्षा की व्यवस्था की है इससे हमारे ग्रामीण आचल में बसने वाले बच्चे जो कम्पीटीशन मे पिछड़ जाया करते थे, आज वे आगे आकर के पढ़ लिखकर करके हरियाणा प्रदेश का नाम ऊंचा करने का काम करेंगे। अध्यक्ष महोदय, आज जहां स्कूलों में नये कमरों की जरूरत है वहां नए कमरे मुख्यमंत्री महोदय दे रहे हैं और जो धार्मिक गुरुद्वारे, मंदिर या मस्जिद थे, वहां पर पक्के रास्ते बनवाने का काम मुख्यमंत्री जी ने किया है। आज प्रदेश में मुख्यमंत्री महोदय ने सड्कों का सुधार किया है। आज से तीन साल पहले हरियाणा प्रदेश की जनता यह सोचती थी कि कौन से छोटे या बड़े गढ्ढे में गिरा जाये क्योंकि प्रदेश की सड़कों का बहुत बुरा हाल था। हमारे मुख्यमंत्री ने एक—एक सड़क को जो डिस्ट्रिक्ट को डिस्ट्रिक्ट से जोड़ती हे, ब्लाक को ब्लाक से जोड़ती है, प्राथमिकता के तौर पर उनको बनवाने का काम किया है। मुख्यमंत्री जी ने जो सड़कों के लिए इस बजट में पैसा रखा है उसके लिए भी हमारी जो सड़कें बनने से रह गई थीं, वे भी जल्दी ही मुख्यमंत्री जी के आदेश से बनेगी। जो हमारे साथी अभी थोड़ी देर पहले बोल रहे थे जैसे चौधरी बंसी लाल जी थे या

भजन लाल जी थे, वे हरियाणा प्रदेश की कानून व्यवस्था की चर्चा करके यहां पर गए। वे कह रहे थे कि कानून व्यवस्था यहां की बहुत खराब है। मैं इनके टाईम की कानून व्यवस्था के बारे में बताना चाहूंगा कि इनके टाईम की कानून व्यवस्था का दिवाला पीटा हुआ था। उस वक्त जो महिलाओं पर अपराध हो रहे थे, बलात्कार हो रहे थे, वे सारे के सारे कांग्रेस पार्टी व विकास पार्टी के टाईम में हुए थे, उनको शुरू करने का काम इन्होने किया था। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे मे मैं यह कहना चाहूंगा कि पिछले अधिवेशन से आज तक के अधिवेशन के दौरान प्रदेश में बिलकुल शांति बनी रही। ऐसी कोई घटना नहीं घटी जिसके कारण प्रदेश में कोई साम्प्रदायिक सद्भावना को ठेस पहुंची हो। सरकारी कर्मचारियों, छात्रों और किसानों का कोई भी आन्दोलन प्रदेश में नहीं हुआ। पिछले तीन वर्षों की अवधि में किसी प्रकार की आतंकवादी या अलगाववादी घटना राज्य में नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, अब मैं मानवता के विरुद्ध अपराधों की बात करता हूं। वर्ष 2002 में वर्ष 2001 में दिनांक 31 – 12–2000 तक की तुलना में मानवता के विरुद्ध अपराधों की तुलना में जैसे हत्या, बलात्कार, चोट, अपहरण, सरकारी कर्मचारियो पर हमले मारपीट इत्यादि की घटनाओं में 323 मुकद्दमों की कमी हुई है। हरियाणा सरकार ने हत्या के 85 परसैंट मुकद्दमें हल किए, बलात्कार के लगभग 99 परसैंट मामले हल किए गए, अपहरण के 84 परसैंट मुकद्दमे हल किए। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सम्पत्ति के विरुद्ध अपराधों की बात है, डकैती,

लूटमार, चोरी और सेंधमारी के मुकद्दमो में वर्ष 2001 की अपेक्षा दिनांक 31 – 12–2002 तक 223 मुकद्दमों मे कमी आई। अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2002 में डकैती के मुकद्दमो मे 20 की कमी आई है 75 परसैंट मुकद्दमे हल किए गए हैं। लूटमार के 47 मुकद्दमो में कमी आई और 74 परसैंट मुकद्दमे हल करने मे सफलता प्राप्त की। सेधमारी के एक मुकद्दमें में कमी हुई ओर लगभग 44.5 परसैंट मुकद्दमें हल करने में सफलता प्राप्त की। (विघन) चोरी के 155 मुकद्दमें दर्ज हुए और 48 परसैंट मुकद्दमें हल कर लिए गए। अध्यक्ष महोदय, महिलाओ के बारे में हमारी कांग्रेस की विधायिका श्रीमती अनीता यादव कहती है कि अपराधों की संख्या बढ़ी है। (विघन) लेकिन महिलाओं के सशक्तिकरण वर्ष में चौटाला साहब के राज में महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों मे कमी हुई है। अनीता यादव जी भी यहां पर बैठी हुई हैं यह ध्यान से सुनें कि कांग्रेस पार्टी के राज में महिलाओं पर कितने अत्याचार हुए, कितने बलात्कार हुए, कितनी हत्याएं हुईं। ये सब नोट कर लें। पिछले वर्ष 2002 में महिलाओं के विराड अपराधो के 58 मुकद्दमों में कमी आई, दहेज हत्या के 21 मुकद्दमे कम हुए, बलात्कार के 35 मुकद्दमें कम हुए, अपहरण के 12 मुकद्दमे कम हुए, छेड़छाड़ के 38 मुकद्दमे कम हुए और इस प्रकार महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 93 परसैंट मामले हल कर लिए गए हैं। (विघन) महिलाओं के प्रति अत्याचारों से भली भांति निपटने के लिए रेंज लैवल पर महिला पुलिस थाने स्थापित किए गए हैं, जिला स्तर पर महिला काउंसलिंग सैंटर स्थापित किए गए हैं ताकि समझा–बुझा कर आपसी मतभेद के

मामले सुलझाए जा सकें। महिलाओ के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम तथा महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए राज्य भर में परामर्श गोष्ठी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी प्रकार से राज्य पुलिस मुख्यालय में भी एक महिला विरुद्ध अपराध प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। दहेज प्रथा रोकने के लिए नियमावली तैयार की गई। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी के राज में जो कुकर्म हुए उनमें मुख्य–मुख्य महिलाओं के विरुद्ध हुए केसो का वर्णन मैं कर देता हूं। करनाल में द्रोपदी काण्ड हुआ था, उस समय सारे प्रदेश में हाहाकार मचा था और उसके अपराधी आज तक पकड़े नहीं गए हैं। हिसार में सुशीला काण्ड, यमुनानगर मे रेणुका काण्ड हुए। अध्यक्ष महोदय, इन काण्डों में से एक मे कांग्रेस के एक पूर्व मंत्री भी शामिल थे और उनका उसमें हाथ था। मैं इस समय उसका नाम लेना नहीं चाहता क्योंकि इस समय यह केस सी०बी०आई० के अण्डर इन्वैस्टिगेशन में है। भूतमाजरा काण्ड इनके टाईम में हुआ जहां ब्राह्मणों की दो लड़कियों को सरेआम उठा ले गए थे। इसी प्रकार से सोनीपत का कथूरा काण्ड हुआ था इस बारे में ज्यादा चर्चा न करते हुए मैं यह कहना चाहूंगा कि कांग्रेस के टाईम में तन्दूर काण्ड जैसी घटना हुई और महिला को भट्ठियों में जलाकर मारा गया। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी के टाईम में बहादुरगढ़ में मासूम बच्चियों के साथ बलात्कार करके उनकी हत्याएं होती रहीं और चौधरी बंसी लाल के 24 घण्टों में वारदातो को हल करने के खोखले दावे के दबाव में आ कर अधिकारी बेगुनाह लोगों को इन

मुकद्दमों में झूठे फंसाते रहे। वर्तमान सरकार ने बहादुरगढ़ के लोगों को भी राहत दिलाने का काम किया और असली दोषी को सजा दिलाई। अध्यक्ष महोदय, फिरौती और अपहरण की घटनाओं के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि बंसी लाल जी के राज में झज्जर के पैट्रोल पम्प के मालिक श्री पाहवा की घटना। श्री पाहवा फरीदाबाद के अरविन्द ढींगरा और लखानी के अपहरणकर्ताओं का अभी तक कोई पता नहीं चला है। फिरौती और अपहरण के सबसे ज्यादा 10 मामले चौधरी बंसी लाल जी के वक्त सन् 1998 में दर्ज हुए थे। (विघन) अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल ओर बंसी लाल जी के वक्त मे जितने कुकर्म हुए हैं उतने कभी नहीं हुए हैं। इन्होंने हरियाणा प्रदेश की जनता के साथ किस तरह से अत्याचार किए हैं, आज उसी का परिणाम ये भुगत रहे हें। आज ये उन गलत कामो के कारण मेरी राईट साईड पर बैठे हुए हैं और आने वाले 10 सालों तक भी ये यहीं बैठे रहेंगे। आज हरियाणा प्रदेश का भला करने वाली सरकार है, उनके हितों की रक्षा करने वाली सरकार आज सत्ता में है और आने वाले 10 सालों तक लगातार ये सरकार रहेगी। इस सरकार को प्रदेश की सेवा करने का अवसर लोग प्रदान करेगे। (विघन)

श्री अध्यक्षः आप जल्दी वाइंड–अप करें।

श्री जसबीर मल्लौरः अध्यक्ष महोदय, आज हमारे मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा प्रदेश में हर वर्ग का, हर हल्के में डिवैल्पमैंट का काम किया है। मेरा हल्का नग्गल भी विकास से

अछूता नहीं रहा है। अध्यक्ष महोदय, 20 वर्षों से मेरा हल्का विकास की दृष्टि से पिछड़ा हुआ था, माननीय मुख्यमंत्री जी के 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत तीन कार्यक्रम हो चुके हैं और दो कार्यक्रम और होने हैं। अगर मैं इसकी डिटेल दूंगा तो यह काफी लम्बी हो जाएगी। मेरे हल्के में कामों के लिए एच०आर०डी०एफ० द्वारा 6 करोड़ 70 लाख रुपये गलियो, फिरनियो, रिटेनिंग वील, हरिजन और पिछड़े वर्गों की चौपालों और सामूहिक विकास के कायों के लिए खर्च किए गए हैं। इसी के साथ एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड की तरफ से 60 नई सड़को की मंजूरी दी गई हे इनका 70 प्रतिशत काम हो भी चुका है। बाकी का जो 30 प्रतिशत काम था वह मौसम की वजह से रह गया था। अब वहां पर मिट्टी डाल दी गई है और उस पर भी काम हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, बिजली की व्यवस्था को सुधारने के लिए 220 के०वी० का सब–स्टेशन टेपला में, 66 के०वी० का सब–स्टेशन दुखेड़ी मे और 66 के०वी० का सब–स्टेशन सीडा गांव में भी मंजूर किया गया है। (विघ्न) हमारे यहां पर माजरी से दुलाना के बीच मे जो पुल बनाने की बहुत पुरानी डिमाण्ड हमारे लोगों की थी, उसको चार करोड़ रुपये की लागत से हमारे मुख्यमंत्री जी ने तैयार करवाया है। इसी तरह से दुलाना में 66 के०वी० सब–स्टेशन की अनाउसमैट उन्होंने की थी। उसके बारे में भी मेरा अनुरोध है कि उसको भी बनवाया जाए ताकि वहां पर रहने वाले लोगों को बिजली की समस्या से छुटकारा मिल सके। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर एक पी०एच०सी० भी बनाई गई है।

अगर मैं सभी कामों के बारे में यहां पर गिनाने लग जाऊंगा तो काफी समय लग जाएगा। मेरे हल्के के लोगों की जो मांगें हैं, अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहूंगा कि सरकार उनको पूरा करने का कष्ट करे। वहां पर एस०वाई०एल० नहर का साईफन बनवाया जाए, जिसकी वहां के लोगों को बहुत जरूरत है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री जी वहां पर गए थे और वहां पर अधिकारियों को कहा था कि इसके कागज तैयार करके इनके पास भेजे जाएं। पता नहीं किन कारणों से वह काम अभी तक वहीं पर रुका हुआ है। मुख्यमंत्री जी उसका भी निवारण करें। अध्यक्ष महोदय, यह साईफन न बनने की वजह से मेरे इलाके के 30–35 गांव इफैक्टिड हैं। अगर वह बन जाता है तो उससे आगे टांगरी में पानी गिर जाएगा और वहां के लोगों को फायदा होगा। इसके साथ ही कुर्बानपुर माईनर मेरे हल्के मे है, उसकी भी एक बुर्जी आगे बढ़वाने का कष्ट करें। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ जो बजट सदन में रखा गया है मैं उसका समर्थन करता हूं ओर अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

श्री रमेश कुमार खटक (बड़ौदा अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने बड़ी सूझबूझ के साथ 2003–2004 का बजट प्रस्तुत किया है, मैं इसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, जैसे ही यह बजट पेश किया गया और हरियाणा के लोगों मे इस बजट की चर्चा हुई तो

उन्होंने इस बजट को बड़ा ही सराहनीय बताया हे, क्योंकि जब कांग्रेस के राज में, पिछली सरकारों के राज में बजट पेश किया जाता था तो हरियाणा के लोगो के चेहरों पर, किसान मजदूर के चेहरों पर मायूसी छाया करती थी क्योंकि जो पिछली सरकारें हुआ करती थीं उनमें किसानों और मजदूरों के हित की बात कोई नहीं करता था। लेकिन जब से हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने हरियाणा की बागडोर संभाली है तब से हर जगह विकास के काम हो रहे हैं जबकि पहले प्रदेश की जो हालत थी उसका सबको पता ही है। उस स्थिति में जब पहला बजट हमारी सरकार का पेश हुआ तो सबके चेहरों पर रौनक लौट आयी थी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा के केवल एक गांव में ही नहीं बल्कि हरियाणा के साढ़े सात हजार गांवों को कवर किया और 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तीनों–चारों चरणों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनी और उन लोगों की इच्छानुसार ही उन्होंने उनको पूरा किया। लोगों ने जो–जो मांग मांगी उसको मुख्यमंत्री जी ने पूरा किया जो कि यह अपने आप में एक सराहनीय कार्य है। चाहे वह सड़क का मामला हो, चाहे वह खेलों का मामला रहा हो, चाहे वह परिवहन का मामला रहा हो, चाहे वह सहकारिता का मामला रहा हो, चाहे समाज कल्याण का मामला रहा हो, चाहे एस०वाई०एल० कैनाल का मामला रहा है, चाहे वह शिक्षा का मामला हो या कृषि का मामला रहा हो इन सभी मदों पर अगर लोगों ने माननीय मुख्यमंत्री महोदय के सामने डिमांडज रखीं तो उनको मुख्यमंत्री जी ने पूरा किया। मैं इसके लिए उनका

तहेदिल से धन्यवाद करूंगा और उनको इसके लिए बधाई दूंगा कि उन्होंने किसानों की इच्छाओं को पूरा करने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, इस समय न तो चौधरी भजन लाल जी बैठे हैं और न ही चौधरी बंसी लाल जी बैठे हैं। मैं उनको बताना चाहूंगा कि पिछली सरकारों के वक्त में हरिजनों के साथ क्या होता था ? ये लोग अपने आपको हरिजनो का बड़ा हितकारी मानते हैं कि हमने हरिजनों का हित किया। लेकिन जितना नुकसान कांग्रेस सरकारों ने हरिजनो का किया है उतना किसी सरकार के वक्त में नहीं हुआ। किसी भी सरकार के राज में इतना अत्याचार हरिजनो पर नहीं हुआ। पिछली सरकारों के वक्त जो हरिजनों पर अत्याचार हुए हैं मैं उनके बारे में बताना चाहूंगा। 1995 में जब चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री थे तो इनके शासनकाल में 1 मै०इ घटनाएं हरिजनों के साथ घटी, इसी प्रकार से चौधरी बंसी लाल जी के राज में 167 घटनाएं हरिजनो के साथ घटी। मैं अपनी सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि जब से हमारी सरकार आयी तब से माननीय मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी के शासनकाल में यह संख्या घटकर 111 ही रह गयी है यानी इसमें 26 प्रतिशत की कमी आयी है। इस प्रकार से हरिजनो की हत्याओं में भी अब कमी आयी है। हत्या के मुकदमों में तीन परसैंट, बलात्कार के मुकदमों मे पांच परसैंट और अपहरण के केसिज मे चार परसैंट की कमी आयी है। इस तरह से हमारी सरकार हरिजनो की हमदर्द सरकार है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हरिजनों ने कांग्रेस पार्टी को और चौधरी बंसी लाल जी को पछाड़ने का काम किया क्योकि

आज अनुसूचित जाति के जो हमारे मैक्सिमम विधायक चुनकर आये हैं वह इंडियन नेशनल लोकदल के टिकट पर चुनकर आये हैं। इन लोगो को पता लग गया कि 50–55 साल के राज में केवल कांग्रेस पार्टी ने हरिजनों का खून चूसने का ही काम किया। इनका भला करने का कोई काम नहीं किया है। (शोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी के राज मे 25 हरिजनो की हत्याएं हुई, 118 हरिजन महिलाओं के साथ बलात्कार हुए और 83 हरिजन महिलाओ का अपहरण किया गया। मांगे राम जी, अब आप कान खोलकर सुन ले। कैप्टन साहब, आप भी सुन लें। 83 अपहरण की घटनाएं उनके राज में हुई थीं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठे। (विध्न)

श्री रमेश कुमार खटकः 195 हरिजन महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की गई, 35 मामलों में हरिजनों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हुए और 10 लोगों के खिलाफ आगजनी के मामले दर्ज हुए। यह सारा चौधरी भजन लाल जी के राज में हुआ। इनके राज मे ही बलियाना और टोहाना में दो हरिजनों की हत्या की गई। इसी प्रकार चौधरी बंसी लाल के समय में जो हरिजनों के साथ अत्याचार हुआ वह इस प्रकार है, 19 हरिजनों की हत्या की गई, 112 हरिजन महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया, 90 महिलाओं का और लड़कियों का अपहरण किया गया, 190 महिलाओं से छेड़छाड़ की गई 24 मामलों में हरिजनों पर केस दर्ज हुए, 23 आगजनी के केस दर्ज हुए और 8 मामलों में हरिजनों

से कुकर्म किया गया। चौधरी भजन लाल के राज में रेणुका कांड, सुशीला कांड, भूतमाजरा कांड, कुरुक्षेत्र लाहौर माजरा कांड, द्रोपदी कांड, जटपुरा कांड हुए और ऐसे ही बहुत से कांड चौधरी बंसी लाल जी के राज में भी हुए। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि हमारी सरकार के समय में अपराध कम हुए हैं। (शोर एवं व्यवधान) बलात्कार के 35 मामले कम हुए हैं, अपहरण के 12 मामले कम हुए हैं, छेड़छाड़ के 38 मामले कम हुए हैं और दहेज हत्या के 21 मुकदमें कम हुए हैं। महिलाओं के 93 प्रतिशत मामले हल कर दिये गये हैं। इस प्रकार जो हमारी सरकार है वह हरिजनों की हितैषी सरकार है और इस सरकार के समय में चाहे जब भी किसी ने अपनी चौपाल का मामला उठाया तो मुख्यमंत्री जी ने चौपाल बनाने का आदेश दिया, रिपेयर की बात कही तो रिपेयर का आदेश दिया। पिछले 50–55 साल से जो हमारी जनरल चौपाल हुआ करती थी, उसकी किसी सरकार ने रिपेयर नहीं की लेकिन हमारी सरकार ने जनरल चोपालों की भी रिपेयर की है। यह अपने आप में रिकार्ड है। हरिजन बैकवर्ड और जनरल सभी प्रकार की चौपालों को सुधारने का मुख्यमंत्री जी ने आदेश दिया। 36 बिरादरियों को एक समान लेकर चल रहे हैं। अब मैं खेलों के बारे मे जिक्र करना चाहूंगा।

श्री अध्यक्षः खटक जी, आपका समय समाप्त हो गया है, अब आप बैठ जाइए।

श्री रमेश कुमार खटकः अंत में अध्यक्ष महोदय मैं इस बजट का पुरजोर समर्थन करते हुए यह बात कहते हुए अपना स्थान लेता हूं कि जिस प्रकार हमारी सरकार चल रही है यह अगले 10– 15 साल तक रहेगी और माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी दोबारा से मुख्यमंत्री होंगे। धन्यवाद।

श्री लीला राम (कैथल): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से हरियाणा के वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने इस गरिमामय सदन में हरियाणा के विकास के लिए बजट प्रस्तुत किया है।

श्री अध्यक्षः लीला राम जी, आपको पांच मिनट का समय दिया जाता है।

श्री लीला रामः अध्यक्ष जी, बजट पर चर्चा चल रही है उसमे विपक्ष के सदस्यों ने अपने विचार रखे। जब सत्ता पक्ष के सदस्यों ने सरकार की उपलब्धियो को गिनाने का काम किया तो उन्होंने बीच में टोका टाकी करने का काम किया। अध्यक्ष महोदय, में वित्त मंत्री जी का इसलिए धन्यवाद करूंगा कि उन्होंने हरियाणा की जनता का दिल जीतने का काम किया। आज पूरे हिन्दुस्तान के अखबारों में इस बात की चर्चा हे कि वित्त मंत्री ने किस प्रकार से हरियाणा प्रदेश में बिना कर के, किसी प्रकार का कोई टैक्स न लगाकर बजट पेश करने का काम किया है। चाहे विपक्ष के साथी

बजट के बारे में कुछ भी कहे गुप्ता जी, अखबारों मे पढ़ने का काम करें, चाहे वह दैनिक भास्कर हो, दैनिक ट्रिब्यून हो चाहे पंजाब केसरी हो, सभी अखबारो में आज हरियाणा प्रदेश के बजट की प्रशंसा की गई है। मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी का इसके लिए धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने इस सदन में आदरणीय चौधरी देवी लाल जी के सपने को साकार करने का काम किया है, जिन्होंने कहा था कि 'लोक राज लोक लाज से चलता है'। इस बात का विशेष ध्यान रखकर के वित्तमंत्री महोदय ने इस बजट को प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सरकार की उपलब्धियो की बात है। वे किसी से छिपी हुई नहीं है। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने अपने अधिकारियों के साथ एक योजना बनाई, एक स्कीम चलाई और उसका नाम दिया 'सरकार आपके द्वार'। ये विपक्ष के साथी उस पर टीका टिप्पणी करते हैं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम की तर्ज पर पंजाब में भी संगत दर्शन नाम से एक प्रोग्राम चलाया गया था। जिस तरह एक कहावत है कि कौआ चला हंस की चाल खुद की भी भूल बैठा, इसने कांग्रेस के भाईयों को नसीहत देने का काम किया है। जब ये लोगों के पास जाते हैं तो हरियाणा प्रदेश मे इनकी कोई सुनने वाला नहीं होता है। लोग इनकी कोई बात सुनने को तैयार नहीं हें। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं हरियाणा की आम जनता की सहूलियत बिजली के बारे में चर्चा करना चाहूंगा। आज हरियाणा प्रदेश में आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने बिजली के क्षेत्र में इस प्रकार की उपलब्धि हासिल की है

कि जैसे कि एक कहावत है कि जब कोई बुजुर्ग कोई पौधा लगाता है तो तब कहते हैं कि दादा लगाये और पोता बरते। तो आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने हरियाणा प्रदेश में बिजली के क्षेत्र में वह काम करके दिखाया है। शायद आज बिजली चाहे हमें कम मिलती हो परन्तु इससे अध्यक्ष जी, साल दो साल में हरियाणा प्रदेश की जनता की अच्छी बिजली मिलेगी। मेरे क्षेत्र में 115 करोड़ रुपये की लागत से 440 के०वी० पावर हाउस बनेगा, कैथल के गांव पाडला में साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत का 133 के०वी० का स्टेशन बनेगा। गांव क्योड़क में डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से पावर हाउस बनकर तैयार हो गया है। कैथल हल्के के गांव टीक मे 33 के०वी० का सब स्टेशन स्वीकृत हो गया है। 33 के०वी० का सब स्टेशन मानस गांव में और 33 के०वी० का सब स्टेशन पटासलाल में बनाने के लिए भी मंजूर किया गया है उसके लिए भूमि के कागजात सरकार ने मंगवा लिये हैं। इस तरह से इस प्रकार की व्यवस्था सरकार ने बिजली के क्षेत्र में की है। जब यहां पर बजट पर बहस चल रही है तो विपक्ष के साथियों ने बात की कि ट्रांसफार्मर बदले नहीं जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा की जनता इस बात की गवाह हे कि आज की सरकार ने इस बात का उदाहरण प्रस्तुत किया है कि 24 घण्टे तो दूर आज चार घण्टे के अन्दर ट्रांसफार्मर बदले जा रहे हैं। आप शिकायत लेकर बिजली के दफ्तर में जाओ और अपने साथ ही ट्रांसफार्मर लेकर आ जाओ। ऐसी व्यवस्था आज आदरणीय मुख्यमत्री ने बिजली के क्षेत्र में की हे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह परिवहन की

बात हुई। मैं आपके माध्यम से आदरणीय श्री अशोक अरोड़ा जी, परिवहन मंत्री ओर इस सरकार को धन्यवाद करना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक ईमानदार मंत्री और ईमानदार अधिकारियों की टीम गठित करके परिवहन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। जिस विभाग का पहले सत्यानाश हो चुका था और करोडों रुपये का घाटा पहुंच चुका था, उसको उन्होंने सही दिशा दी है और आज पूरे हिन्दुस्तान में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इसका नाम चमकाया है। पिछले दिनों मुझे भी आदरणीय मुख्यमंत्री जी के साथ विदेश जाने का मौका मिला था।

श्री अध्यक्षः आप अब वाईंड–अप कीजिए।

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट और लूंगा। इसी प्रकार से बसों की भी व्यवस्था की गई। अब मैं खेलो के बारे में कहना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला की सरकार आने से पहले हरियाणा प्रदेश का नक्शा आपकी नजरो में भी था और इन कांग्रेसी साथियों की नजरो मे भी था। हरियाणा प्रदेश के युवा वर्ग के हाथो मे रिवाल्वर थे, बैग मे शराब की बोतलें थीं और वह समाज की मुख्य धारा सं भटक गया था। आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने हरियाणा की सत्ता सम्भालते ही खेल नीति बनाई। आज हरियाणा प्रदेश के नौजवान का दिल करता है कि मैं कुश्ती, कबड्डी, हाकी और क्रिकेट खेलूं। इसका एक उदाहरण है कि जब हैदराबाद में राष्ट्रीय स्तर पर जो गेम हुए उसमें हरियाणा प्रदेश हिन्दुस्तान में पहला मेडल लाया और

हरियाणा प्रदेश के युवाओं ने अपने प्रदेश को गौरवान्वित किया। यह एकदम कोई करिश्मा नहीं हुआ बल्कि सरकार ने जो खेल नीति बनाई और खिलाड़ियों के लिए जो 3 प्रतिशत नौकरियों में आरक्षण देने का काम किया उससे ही यह हुआ। खिलाड़ियों को 100 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 500 रुपये करने का काम इस सरकार ने किया इससे युवाओ मे जोश आया और उन्होंने खेल के मैदान में अपने जौहर दिखाने का काम किया। युवाओं ने हरियाणा का नाम रोशन किया। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से इस गरिमामय सदन में इस गरिमामय बजट का मैं समर्थन करता हूं। अष्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

राव नरेन्द्र सिंह (अटेली): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। माननीय वित्त मंत्री जी ने वर्ष 2003—04 का बजट प्रस्तुत किया।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष: यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 3० मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष: सदन का समय 30 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा
(पुनरारम्भ)

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा बनने के बाद अगर कोई सबसे ज्यादा घाटे का बजट पेश हुआ है तो वह अब की बार का बजट है। इस बजट में जहां एक? तरफ यह घोषणा की गई हे कि कोई कर नहीं लगाया गया वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के किसी भी वर्ग को सरकार की तरफ से कोई रियायत नहीं दी गई चाहे वे किसान हो, कर्मचारी हो, व्यापारी हो या दूसरे लोग हों। किसी भी व्यक्ति को कोई रियायत इस सरकार ने इस बजट में नहीं दिखाई। जहां तक कर्जों का सवाल है मैं समझता हूं कि हरियाणा बनने के बाद सबसे ज्यादा कर्जे आज हरियाणा प्रदेश के ऊपर हैं जिसकी संख्या 30 हजार करोड़ से ज्यादा है। पिछली बार जब बंसी लाल जी की सरकार थी तो सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी हमारे साथ विपक्ष में बैठते थे तब उस सरकार की इन्होंने खुद हाउस मे आलोचना की थी, इनकी यह बात डिबेटस में भी मिल जाएगी। इन्होने कहा था कि बंसी लाल जी, आपने कर्जे लिए, इनको चुकाया कैसे जाएगा? मैं समझता हूं कि सरकार में आने के बाद ये भूल गये कि अधिक कर्जा लेंगे तो प्रदेश को देना पड़ेगा। उसी वजह से 'बजट एट ए ग्लांस' मे आप देखेंगे कि लगभग 26 प्रतिशत लोन रिपेमैट पर, 14 प्रतिशत इंट्रस्ट पर यानि मैट प्रतिशत टोटल इसमे जा रहा है। बजट का एक बडा हिस्सा अधिकारियो की, कर्मचारियों की

तनख्वाहों में और पैंशन के रूप में जा रहा है। ऐसी हालात में जब बजट पेश हुआ है तो जो महत्वपूर्ण चीज है जिसके लिए सरकार इस बात का श्रेय लेना चाहती है कि सरकार किसानों की सरकार है उनके लिए कुछ नहीं किया गया है। पिछली बार एग्रीकल्चर रूरल डिवैल्पमैंट के लिए 5 प्रतिशत का प्रावधान था वहीं अब की बार केवल 3 प्रतिशत का बजट में प्रावधान रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा कृषि प्रधान देश है, आप जानते हें कि यहां ज्यादा काम गांवों में होते हैं। बजट में वाटर सप्लाई पर पै प्रतिशत, सोशल वैल्फेयर पर 3 प्रतिशत और हैल्थ के बारे में मैं खास तौर पर बताऊंगा कि 3 प्रतिशत पैसा रखा गया है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी बैठे हैं, मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि आज प्रदेश के अन्दर रूरल एरियाज में डाक्टर्ज की पोस्टें भारी मात्रा में खाली पड़ी हैं। ये मेरे पड़ौसी हैं इसलिए मैं इनका ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि जिला महेन्द्रगढ में डाक्टर्ज की पोस्टें खाली हैं। CHC अटेली, CHC कनीना, Old PHC नांगल चौधरी, Old PHC सेलंग, Old PHC नांगलसरोही, Old PHC दोचाना इन सब जगहों पर SMOs की पोस्टें खाली हें। PHC सीमा, PHC पाली, PHC बूढवाल में डाक्टरर्ज की दो पोस्टें हैं और दोनों खाली हैं। जब हस्पतालो में डाक्टर ही नहीं है तो फिर प्रदेश के लोगो को किस प्रकार से स्वास्थ्य मंत्री जी स्वास्थ्य सेवायें मुहैया करवायेंगे? नारनौल में ब्लड बैंक है लेकिन पथोलोजिस्ट की पोस्ट खाली है। वहां अन्ट्रा साऊंड मशीन है

लेकिन रेडियोलोजिस्ट नहीं है और न ही वहां कोई आईज स्पेशलिस्ट है तथा न ही कोई मैडीसन स्पेशलिस्ट है।

15.00 बजे

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डा० एम०एल० रंगा): अध्यक्ष महोदय, राव नरेन्द्र जी कह रहे हैं कि फलां पी०एच०सी० मे एस०एम०ओ० की पोस्टें खाली हैं इनको इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि किसी भी पी०एच०सी० में एस०एम०ओ० की पोस्ट नहीं होती। इसके अतिरिक्त मैंने एक प्रश्न के जवाब में प्रश्नकाल के दौरान दो दिन पहले बताया था कि इस समय 187 डाक्टर्ज की पोस्टे खाली हैं जिनमें से 150 पोस्टें भरने बारे इन्ट्रव्यू हो चुके हैं और जल्दी ही जहां–जहां डाक्टर नहीं हैं वहां डाक्टर लगा दिए जायेंगे। जब मैंने बता दिया फिर ये इस बारे जिक्र क्यों कर रहे हैं?

राव नरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, जहां पर डाक्टर्ज की खाली पोस्टें हैं उनके बारे मे मैंने बता दिया तो कौन सा गलत बताया है। स्वास्थ्य मंत्री जी चाहें तो रिपोर्ट मंगवाकर पता लगा लें। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त 20 हजार कर्मचारियों की नई भर्ती करने के बारे में बजट में कहा गया है। इस बारे मे मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि अच्छा होता यदि पहले उन कर्मचारियों को लगाया जाता जो कानफैड, एम० आई०टी०सी०, एच०एम०एल० आदि के बंद करने पर पर बैठे हैं। इसके अतिरिक्त

पुलिस से जो कर्मचारी बर्खास्त किए गये उनको भी लगाना चाहिए क्योंकि उन्होंने 10– 10 या 15– 15 साल सरकार की सेवा की है। अब उनकी उस नहीं रही कि वे दोबारा नौकरी के लिए अप्लाई कर सकें। मेरे कहने का मतलब यह है कि पहले उन कर्मचारियों को मौका देना चाहिए था जो बोर्ड या कारपोरेशन बंद होने से घर बैठे हैं या किसी दूसर, कारण से उन्हें बरखास्त कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के बारे मे कुछ कहना चाहूंगा कि बिजली के बारे मे जो आकड़े बजट में दिए हैं वे मेल नहीं खाते। बजट में कहा गया है कि 24 हजार नलकूपों के कनैक्शन पिछले तीन साल मे इस सरकार ने दिए हैं लेकिन आर्थिक सर्वेक्षण दिखाता है कि केवल 7466 कनैक्यान दिए गये हैं जो कि कन्ज्यूमर्स की संख्या के मुताबिक है। इसके अतिरिक्त उद्योगो को लगाने के बारे में यहां कहा गया कि मुख्यमंत्री जी विदेश यात्राएं कर रहे हैं। यह अच्छी बात है यदि प्रदेश तरक्की करे, खुशहाली के रास्ते पर आये तो ऐसा होना चाहिए। बजट मे कहा गया हे कि 140 बड़े उद्योग और 4 हजार छोटे उद्योग लगाये गये हैं ओर इससे 1.54 लाख लोगों को रोजगार मिला है जबकि आर्थिक सर्वेक्षण के हिसाब से पिछले तीन सालों में बेरोजगारी बढ़ी है। आर्थिक सर्वेक्षण के हिसाब से उद्योगों के बिजली कनैक्शन में भी कमी आई है फिर उद्योग कहां से बढ़ गये ? आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक 2000–01 में उद्योगो के बिजली कनैक्शन 70710 थे जो कि अब 64314 हैं यानि ०6396 कन्ज्यूमर

कम हुए हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने उद्योग बढ़े हैं? अध्यक्ष महोदय, जहां तक कानून व्यवस्था की बात है।

श्री अध्यक्षः नरेन्द्र जी, आप वाईंड–अप करें।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे थोड़ा सा समय और दिया जाये। जहां तक कानून व्यवस्था की बात है इस बारे में सत्ता पक्ष के भाईयों ने बड़े विस्तार से बताया। मैं उनको बताना चाहूंगा कि आज हरियाणा प्रदेश के अंदर रोजाना हत्या, अपहरण, डकैती और लूटपाट की घटनाएं हो रही हैं। इस बारे में सरकार ने जो आकड़े प्रस्तुत किए हैं।

श्री अध्यक्षः नरेन्द्र जी, आप बजट पर बोलें।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या ला एंड आर्डर पर हमे बोलने का हक नही है 7 मैं आकड़ों के हिसाब से बोल रहा हूं।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): अध्यक्ष महोदय, नरेन्द्र जी तो बडे सयाणे हैं। ला एंड आर्डर के बारे मे तो ये राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए बोल चुके हैं उसे अब रिपीट क्यों कर रहे हैं? बात रिपीट करने से सदन का समय ही बर्बाद नहीं होता बल्कि यह मैडकिली भी इनके हित्त में नहीं है, रिपीटेशन से स्वास्थ्य भी खराब होता हे। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि स्वास्थ्य मंत्री जी ने बताया कि पहली बार हरियाणा में 100 के करीब डेंटिस्ट डाक्टर हस्पतालो में लगाये गये हैं और 150 के

करीब डाक्टरों के इन्ट्रव्यू हो चुके हैं जल्दी ही सभी खाली पोस्टों पर अस्पतालो में डाक्टर भेज दिए जायेंगे, फिर भी राव नरेन्द्र जी ने धीमी सी आवाज मे कह दिया कि इनकी पोस्ट खाली पड़ी है चौक करवा लो। अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मंत्री जी के बताने के बाद इनको ऐसी बात नहीं करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त ये ला एंड आर्डर पर पहले बोल चुके हैं फिर उसे दोहरा क्यों रहे हैं?

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, शायद चौटाला साहब को .... नहीं है।

श्री अध्यक्षः यह अनपार्लियामैन्ट्री शब्द हाउस की कार्यवाही से निकाल दिया जाये। नरेन्द्र जी, प्लीज आप बैठें।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, आप हमारे कस्टोडियन हैं, यदि आप कहेंगे तो मैं बोलूंगा अन्यथा नहीं बोलूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः ....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब चेयर के इजाजत के बिना बोल रहे हैं, इसलिए इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये।

राव नरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि केवल सैशन को देखते हुए डाक्टर्ज का डैपूटेशन किया गया है। परमानैंट पोस्टे फिलअप नहीं की गई हैं, ये इस बात का ध्यान रखें।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डा० एम०एल० रंगा): अध्यक्ष महोदय, हर जगह डाक्टर्ज काम कर रहे हैं। यह हो सकता हे कि किसी पी०एच०सी० या सी०एच०सी० में मै डाक्टर्ज की जगह पर 3 डाक्टर्ज काम कर रहे हैं।

राव नरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आज प्रदेश की कानून व्यवस्था इतनी खराब हो चुकी है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः राव साहब, आप बजट पर बोलें।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों जायपुर गाव के श्री प्रकाश यादव का (विघ्न) **श्री अध्यक्षः** राव साहब, आप बैठिये, आपके पास बोलने के लिए कुछ नहीं है।

राव नरेन्द्र सिंहः मेरे पास बोलने के लिए काफी कुछ है। आप बोलने तो दें, आपने यही सोच लिया है कि बोलने नहीं देना तो मैं बैठ जाता हूं।

श्री अध्यक्षः आप बेठिये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप इनको अपनी बात कहने दें। .... **श्री अध्यक्षः** कैप्टन साहब, आप बैठिये। इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। क्या सारी की सारी व्यवस्था का आपको पता है?

राव नरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपको एक अखबार की कटिंग दिखाना चाहता हूं कि गुड़गांव के अन्दर 2 महीने में

10वी बार लूटपाट की घटना हुई है 1 यह अखबार 6 मार्च का है। आप मंगा कर इस अखबार को देख सकते हैं।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये, आपका समय हो चुका है। अब श्री लीला कृष्ण जी बोलेंगे।

चौ० लीला कृष्ण (फतेहाबाद): स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे समय दिया। 10 मार्च, 2003 को माननीय प्रोफैसर चौधरी सम्पत सिंह जी ने जो बजट प्रस्तुत किया हे वह कर मुक्त बजट है। मैं मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी को इसके लिए बधाई देता हूं। यह बजट जितना संतुलित है, जनता के लिए कल्याणकारी है उसकी कोई मिसाल नहीं मिलती। इसमें आम आदमी के लिए मूलभूत सुविधाएं जुटाई गई हैं। यह बजट किसानों, कमेरों, व्यापारियो और कारखानेदारों का हितैषी है। हरियाणा के समूचे विकास के लिए इस बजट के वार्षिक योजना में 2100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मैं धन्यवाद करता हूं वित्त मंत्री जी का और मुख्यमंत्री जी का जिन्होंने सबसे पहले सडक ओर परिवहन को इतना सुन्दर बनाया। थोड़े समय में सड़कें हमारे यहां पर बहुत अच्छी बनी। थोड़े समय पहले जब हम फतेहाबाद से चलते तो परेशान हुआ करते थे लेकिन आज मैं यह कहने में गुरेज नहीं करूंगा कि हमारे यहां पर पैरिस जैसी सड़के बन रही हैं और इतनी सड़कें बनी हैं कि अगर मैं डिटेल्ज देने लग तो बहुत समय लग जायेगा। इन सड़कों पर हमारी सुन्दर बसें चमचमाती हुई चलती हैं इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और

परिवहन मंत्री जी को मुबारकबाद देता हूं। हमारी रोडवेज का 3500 बसो का बेड़ा है ओर इस बेडे में 1600 नई बसें ओर लगायी गई हैं और 503 नई बसें और जल्दी ही रिप्लेस होने वाली हैं। इसी प्रकार से हमारे यहां पर बड़े अच्छे पुल और पुलियों बनायी गई हैं। ये पुल बी०ओ०डी० की पद्धति पर बने हैं जिसकी कोई मिसाल नहीं मिलती। हमारे यहां पर सड़के बहुत अच्छी हैं। सड़कों के बारे मे मैं केवल एक बात मुख्यमंत्री जी को कहूंगा कि हमारे शहर फतेहाबाद में से नेशनल हाई वे नं० 10 शहर के बीच में से गुजरता है जिस कारण वहां पर एक्सीडैन्टस होते रहते हैं। मेरी सरकार से मांग है वैसे हम पिछले तीन साल से मांग कर रहे हैं कि वहां पर इसके लिए बाई पास का प्रावधान किया जाये। स्पीकर सर, हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है और इसलिए इस बजट में बिजली पानी को प्राथमिकता दी गई है। बिजली के उत्पादन मे 792 मैगावाट की वृद्धि हुई है जो कि एक प्रशंसनीय कार्य है। राज्य सरकार ने ताऊ देवी लाल थर्मल पावर स्टेशन पानीपत की 7वीं और 8वीं यूनिट का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है जो कि वर्ष 2003–05 में मुकम्मल हो जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए 24 हजार टयूबवैलों के नये कनैक्शन्ज दिए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, पहले बिजली के ट्रांसफारमरों की हमेशा कमी रहा करती थी। मैं चौधरी भजन लाल जी की सरकार में भी मन्त्री था और चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय में भी मैं चेयरमैन था, उस समय जनता और किसान हर वक्त रोते रहते थे लेकिन ट्रांसफार्मर मिलना मुश्किल

हुआ करता था और एक–एक ट्रांसफारमर के लिए 15 – 15 दिन लोग भागते रहते थे लेकिन ट्रांसफारमर नहीं मिलता था। लेकिन आज 24 घण्टे के अन्दर आपको ट्रांसफार्मर मुहैय्या होगा। कम शक्ति की केबलों को बदला जा रहा है और उचित गुणवत्ता की बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। (विघन) बिजली की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए 400 किलोवाट क्षमता के तीन नये सब–स्टेशन्ज बहादुरगढ़, फतेहाबाद और कैथल में स्थापित किए जा रहे हैं। मैं मुबारकवाद देता हूं मुख्यमंत्री जी को, कि जो फतेहाबाद में बिजली की कमी थी, केवल 150 के०वी० का एक सब–स्टेशन ही वहां पर था लेकिन आप हैरान होंगे कि इस थोड़े से अर्से में 220 के०वी० सब–स्टेशन की नींव 30 जनवरी, 2001 को रख गई थी और अब वह तकरीबन मुकम्मल हो चुका है। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह आशा है कि महीने डेढ़ महीने के बाद मुख्य मंत्री जी इसका उद्‌घाटन करेंगे। इसके अलावा 132 के०वी० का सब–स्टेशन अहरवा में बनाने का काम चालू है और इसी प्रकार से छोटे–छोटे सब– स्टेशन 33 के०वी० के दरियापुर तथा साउदर्नवास में बनाए जा रहे हैं। (विघन) स्पीकर साहब, आपको पता होगा कि भाखड़ा में पानी का स्तर बहुत नीचा हो चुका था और यमुना मे भी पानी की कमी थी परन्तु मैं यह करने में गुरेज नहीं करूंगा कि पानी को कण्ट्रोल करने के अरेंजमैंट इतने सुन्दर किए गए कि किसानों को कहीं पर पानी की कोई कमी दिखाई नहीं दी। पानी का ऐसा सुन्दर प्रबन्धान किया गया कि जिसके लिए सरकार की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है इसके लिए हम सब

माननीय मुख्य मंत्री जी के कृतज्ञ हैं। स्पीकर सर, मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद भी करना चाहूंगा कि हमारी जाण्डली माईनर के निर्माण का काम भी इसी अवधि में किया गया जिससे 9– 10 गावो को पानी दिया जा रहा है यह इनकी कृपा है। इसी तरह से कई माईनर्ज और नहरें बनी हैं, कई डिस्ट्रिब्यूटरीज का आधुनिकीकरण हो रहा है। स्पीकर सर, मैं अब दो मिनट एस०वाई०एल० कैनाल के बारे में बताऊंगा। हमारी तरफ कहते हैं

''खुदा उनको बख्श देता है जिनकी किस्मत खराब होती हे,

वे लोग नहीं बख्शे जाते जिनकी नीयत खराब होती है।''

स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मन्त्री जी को कहना चाहता हूं कि कांग्रेस वाले मेरे दोस्त एम०एल०एज० कहते तो हैं कि इस दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर चलें लेकिन इनकी कथनी और करनी में बहुत फर्क है। जब 14– 5 तारीख को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फसल की तारीख निकल गयी तो इनको बहाना सूझा, एक दिन फालतु भी नहीं हुआ था, पूर्व मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी, श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी से मिलने के लिए गए थे लेकिन इनके साथ कांग्रेस के आधे एम०एल०एज० भी नहीं थे। आज ये कहते हें कि हमे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम क र ना चाहिए ले किन इनकी क

थनी और कर नी मे क्या फर्क है? यही नहीं अध्यक्ष महोदय, एक साल पंजाब को एस०वाई०एल० कैनाल बनाने के लिए मिला लेकिन ये उनके पास नहीं गए जबकि वहां पर भी कांग्रेस की सरकार है। मैं यह कहने में गुरेज नहीं करूंगा कि इनकी नीयत खराब है। यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मैं एक सीनियर मोस्ट सिटीजन हूं और इनको यह कहने का मुझे अधिकार हे। अध्यक्ष महोदय, जो जीता वही सिकन्दर। अब ये यहां पर कहते हैं कि उसमें मिट्टी चौधरी भजन लाल ने डाल दी, लाईनिग का काम बंसी लाल जी ने किया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी के प्रयासो से हमने यह केस सुप्रीम कोर्ट मे जीता है। (इस समय नेजे थपथपाई गई।) हमारे मुख्यमंत्री जी में एक जमुन है कि जितनी जल्दी हो सके हमें एस०वाई०एल० कैनाल का पानी मिले। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे आपके माध्यम से अनुरोध करूंगा कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एस०वाई०एल० कैनाल के पानी को लाने के लिए सभी भाईयो को प्रयास करने चाहिएं। अगर सभी भाई ऐसा करेंगे तो वह दिन दूर नही जब एस०वाई०एल० कैनाल का पानी हरियाणा में आएगा। अध्यक्ष महोदय, मांगे राम जी सदन में मेरी भलाई की बात करते हैं तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि चौधरी देवी लाल जी का नारा था कि हम सत्ता–सुख भोगने के लिए नहीं बल्कि हम जनता की सेवा करने के लिए हैं। (विघ्न)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी, आप अपनी सीट पर बैठे। बीच में मत बोलें। गुप्ता जी की बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसका मतलब यह हुआ कि इनकी और हमारी मिली भगत है। मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि अब ये आपके माध्यम से आगे आएंगे क्या? (विघ्न) ये ली ग्रैजुएट हैं ओर क्या ऐसे आदमी के पास गलत सिफारिश करेगे जो चपरासी भी नहीं लगा सकता है। (विघ्न) यह तो वही बात हुई ''अन्धे के आगे रोवे, अपने नैन खोवे।''

चौ० लीला कृष्णः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहने से गुरेज नहीं करूंगा कि पिछले सत्र के मुकाबले यह सत्र बहुत अच्छा रहा है। वैसे तो अभी भी कांग्रेस वाले अपने कर्त्तव्यो को निभाने मे पूरी तरह से सफल नहीं रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से इस बार ये कुछ लाईन पर तो आ रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं स्पोर्टस के बारे में कहना चाहूंगा। चौधरी बंसी लाल जी के राज में पूर्ण शराब बंदी की वजह से हरियाणा में एक माफिया खड़ा कर दिया गया था। उसका इलाज सिर्फ स्पोर्टस ही था। चौधरी देवी लाल जी के राज में भी स्पोर्टस की तरफ ध्यान दिया गया था। हमारी इस सरकार के और चौधरी देवी लाल जी के राज के बीच में जो सरकारें आई उन्होंने इसको निगलैक्ट कर दिया था। अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी खुशी की बात है कि हमारे रोड़ी के एम०एल०ए० चौधरी अभय

सिंह चौटाला और आदरणीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी इस तरफ जो प्रयास कर रहे हैं उसकी मिसाल आज तक देखने को नहीं मिली है और न ही मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, माननीय अभय सिंह चौटाला जी ने हमारे फतेहाबाद में दो करोड़ रुपये की लागत से एक स्टेडियम और स्टेडियम का हॉस्टल बनाने की घोषणा की थी और मैं इस बारे में उम्मीद करता हूं कि यह भी जल्दी से बनकर तेयार होगा। खेलो के प्रोत्साहन में जितना योगदान भाई अभय सिंह और भाई अजय सिंह दे रहे हैं इसकी मिसाल नहीं मिलती। हिसार में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा एक खेल परिसर केन्द्र खोला जा रहा है मुझे उम्मीद है कि यह बहुत जल्द बनकर तैयार हो जाएगा और इससे हमारे खिलाड़ी फायदा उठाएंगे। जिला सोनीपत मे गांव जोशी चौहान में 82 एकड़ भूमि पर ताऊ देवी लाल जी की स्मृति में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा उत्तरी क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना की जा रही है। यह भी बहुत ही खुशी की बात है। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय न लेते हुए इस बजट का अनुमोदन करता हूं और जैसाकि मुख्यमंत्री जी चाहते हैं कि हरियाणा में गरीबी न रहे, पिछड़ापन न रहे, भ्रष्टाचार न रहे इसलिए अपोजीशन को भी में शुद्ध ह्दय से विनती करूंगा कि जो वित्त मंत्री जी ने बजट पेश किया है उसका वे भी अनुमोदन करें। (विघ्न)

श्री लक्ष्मण दास अरोड़ा (सिरसा): स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

मैं बजट पर कुछ कहना चाहता हूं। हरियाणा की जनता ने बड़ी बेसब्री से इस बजट सैशन का इंतजार किया था कि कब बजट सेशन आए और कब हमें वित्त मंत्री जी कोई राहत देने पर रजामन्द हों लेकिन प्रदेश का किसान, मजदूर, व्यापारी और कर्मचारी सभी लोग हैरान हो गये कि जब वित्त मंत्री जी ने विधान सभा में बजट पेश किया तो किसी के हित मे या किसी को राहत देने के बारे में कुछ नहीं कहा। मैं वित्त मंत्री जी से कहूंगा कि अगर आप किसी के हित में कुछ नहीं कह सकते थे तो किसी की दुखदी रग तो छेड़ देते, कुछ तो कर देते। इन्होंने तो बजट को एक कागज का पुलिन्दा बनाकर विधानसभा में रख दिया। न इसमें किसी का भला किया और न ही बुरा किया कुछ तो करते आपने तो कुछ भी नही किया तो अध्यक्ष महोदय, इसका इलाज क्या है? इसलिए में बजट के विरोध में बोल रहा हूं।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह): स्पीकर सर, अरोड़ा साहब को इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी सिरसा में दे दी फिर भी ये कह रहे हैं कि कुछ नहीं किया। सिरसा नरेश तो ये ही हैं चौधरी साहब तो सारे स्टेट के नेता हैं लेकिन सिरसा नरेश ये ही हैं। हम तो इनको ही मानते हैं इसलिए इनको इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी दी है। अगर ये कुछ और कहेंगे तो ओर दे देंगे।

श्री लक्ष्मण दास अरोडा: अध्यक्ष महोदय, मैं तो जनरल बजट की बात कर रहा हूं। सिरसा को तो बहुत कुछ मिला हे इसमे कोई दो राय नहीं हे। (विघन) मैं तो समस्त हरियाणा की

बात कर रहा हूं और करनी चाहिए। मैं एक ही बात कहना चाहता था। महामहिम के अभिभाषण पर बोलते हुए मैंने मुख्यमंत्री महोदय से एक विनती की थी कि घग्गर के फ्लड का मौसम आगे आने वाला हे इसलिए मेरी डिमांड है कि इस बारे में विचार करें नहीं तो मेरे हल्के के 14 गांव पूरी तरह से डूब जाएंगे।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चोटाला): हम उसका पूरा प्रबन्ध करेंगे चिन्ता न करो।

श्री लक्ष्मण दास अरोड़ा: अगर आपको चिन्ता है तो मुझे कोई चिन्ता नहीं हे। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बजट का विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री नफे सिंह अला (जुडला–अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, इस महान् सदन में वित्त मंत्री जी ने जो बजट रखा है उस पर चर्चा में हिस्सा लेने का आपने मुझे जो समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा और साथ ही मैं प्रो० सम्पत सिंह जी का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होने आदरणीय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी की रहनुमाई में प्रदेश की जनता के हित के लिए एक कर रहित बजट सदन में प्रस्तुत किया है। हर मद में जनता के हितार्थ पैसे का प्रावधान किया है ताकि प्रदेश की जनता का भला हो सके। अध्यक्ष महोदय, कल भी और आज भी इस सदन मे बजट पर चर्चा चल रही है। काफी सारे सम्मानित सदस्यो ने बजट पर बोलते हुए यह कहा कि माननीय

मुख्यमंत्री जी ने स्टेज के माध्यम से पूरे प्रदेश की जनता के सामने कटु सच्चाई को कहा कि हरियाणा प्रदेश का खजाना लबालब भरा हुआ है इसमें प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। आज पूरे प्रदेश में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से 90 के 90 विधान सभा क्षेत्रों में 33 हजार विकास के जो काम किए गए वह बिना पैसे के नहीं हुए। प्रदेश में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के दो चरण पूरे हो चुके हैं उनमें प्रदेश की जनता के हित के लिए अनेक प्रकार के विकास के काम किए गए। मेरे कहने की आवश्यकता नहीं है। आप प्रदेश के 6729 गांवों में कहीं भी जाकर देख लें। कहीं स्कूल के कमरे, कहीं हरिजन चौपाल, कहीं बाल्मीकि चोपाल बन रही है। (विघन)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधे घण्टे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय आधे घण्टे के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा
(पुनरारम्भ)

श्री नफे सिंह जुंडलाः कहीं फिरनी बन रही हैं, कही पानी की निकासी के लिए व्यवस्था हो रही है, कहीं शमशान के रास्ते पक्के किए जा रहे हैं, कहीं जोहडों की खुदाई करने का काम हो रहा है कहीं जोहड़ों के साथ रिटेनिंग वाल बनाने का काम हो रहा है। अनाज का जो प्रदेश के अंदर भंडारण हो गया था। प्रदेश के मुख्यमंत्री चौटाला जी ने प्रधान मंत्री जी से मिलकर प्रदेश में काम के बदले अनाज की स्कीम को चालू करा कर न केवल प्रदेश में विकास के काम कराए बल्कि प्रदेश की जनता को अनाज के रूप में रोजगार देने का काम भी किया। स्पीकर सर, पिछली सरकारों के शासन काल के दौरान चाहे वह चौधरी भजन लाल जी की सरकार थी चाहे वह बंसी लाल जी की सरकार थी, प्रदेश मे कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई थी। 1991 से लेकर 1996 तक चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री रहे और उस दौरान निसिंग के अंदर जो कांड हुआ था उसके बारे में आप सभी अच्छी तरह से जानते हैं जब प्रदेश के किसानों ने बिजली पानी की समस्या को लेकर के उस समय के मुख्यमंत्री से बात की थी तो मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के किसानों को यह कहकर वापस कर दिया था कि अगर बिजली पानी न मिलने की वजह से खेती में दरार पड़ गई है तो आप खेती क्यों करते हैं। जिसके बाद किसानों ने विरोध स्वरूप जब निसिंग में पैरेलल रैली की तो उन्होंने निसिंग में उस समय करनाल के एस०पी० श्री वी०एन० राय को कहकर निसिंग के निर्दोष किसानो पर गोली चलाने का काम किया था। जिसमें चूडमाजरा, पफनावा गावों के दो निर्दोष

किसानों की हत्या हुई थी। जब किसानो ने उग्र रूप धारण किया तो चौधरी भजन लाल जी को मार्केट कमेटी की दीवार फांदकर भागने पर मजबूर होना पड़ा था। स्पीकर सर, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय में प्रदेश में दारू बन्दी की गई थी। समूचे हाउस ने उस दारू बन्दी को एक मत से पूरे प्रदेश में लागू करने के लिए सहमति जताई थी। लेकिन दारू बन्दी की आड़ लेकर के किस प्रकार से पूरे प्रदेश मे दास की नदियां बहाई गई। पढ़ने वाले बच्चे जिनके बस्तों में किताबे होनी चाहिए थी, लेखन सामग्री होनी चाहिए थी, उनके बस्तों में दारू की बोतलें और दारू के पाऊचिज नजर आने लगे थे। पूरे प्रदेश में माफिया गिरोह खड़े हो गये थे। जगह–जगह वारदातें होने लग गई थीं।

श्री अध्यक्षः नफे सिंह जी, आप वाईड–अप करें।

श्री नफे सिंह जुडलाः कानून व्यवस्था बिलकुल चरमरा गई थी। स्पीकर सर, बिजली के बारे में मैं कुछ कहना चाहूंगा। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार ने प्रदेश में बिजली की सप्लाई 73 प्रतिशत देकर न केवल प्रदेश में भयंकर सूखे की वजह से किसानों पर जो मार पड़ी थी और किसानों की फसल बिलकुल तबाह होने के कगार पर पड़ी थी, उसको बचाया बल्कि पूरी वोल्टेज देकर के किसानों की फसल को पकाने का काम किया था और इतना ही नहीं फसल को पकवाने का और प्रदेश की सभी मण्डियो में जाकर फसल को बिकवाने का काम भी उन्होंने किया था। बिजली की वृद्धि में सुधार लाने के लिए अनेक

कदम उठाए गये। 250–250 मैगावाट की दो यूनिटें पानीपत थर्मल पावर प्लांट लगाने का काम किया गया है जिससे प्रदेश में 792 लाख यूनिट बिजली की वृद्धि हुई है। चूंकि हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी किसानों के नेता हैं इसलिए इन्होंने किसानों की दिक्कत को मध्य नजर रखते हुए 24 हजार टयूबवैल्ज के कनैक्शन प्रदेश के किसानो को दिलवाये हैं और कनेक्शन आवेदन फार्म को भी सरल बनाया है। बिजली तो आज एक नेसेसिटी बन चुकी है।

श्री अध्यक्षः नफे सिंह जी, आप एक मिनट में वाईड–अप कीजिए और सदस्यों को भी बोलना है।

श्री नफे सिंह जुडलाः प्रदेश के किसानों को 227 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। प्रदेश की जनता को प्रोत्साहित करके बिजली के जो बिल बकाया थे 1254 करोड़ रुपये के, उनको सरकार ने वसूल किया हे इसके लिए में माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं। जहां तक एस०वाई०एल० नहर का सवाल है माननीय मुख्यमंत्री जी इस बात के लिए बधाई के पात्र हैं। इन्होंने सर्वदलीय बैठक बुलाकर, इस हरियाणा की जनता की जो जीवन रेखा है उसके लिए सुप्रीम कोर्ट से अपने प्रदेश के हक में फैसला कराया और प्रदेश के हक में फैसला होने के बाद नहर को किस तरीके से कम्पलीट किया जाए, इसके लिए केन्द्रीय एजेंसी से इसको पूरा कराने के लिए प्रस्ताव पास करवाया लेकिन अध्यक्ष महोदय विरोधी पार्टी के साथियों ने इस एस०वाई०एल० कैनाल

को अहम न समझकर उस सर्वदलीय बैठक में हिस्सा नहीं लिया बल्कि सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री से मिलने की कोशिश की जबकि इनको चाहिए था कि पंजाब के मुख्यमंत्री से अनुरोध करते और सोनिया से कहते कि वे पंजाब के मुख्यमंत्री से कहकर नहर को कम्पलीट करवाएं। जहां तक शिक्षा का सवाल है शिक्षा के मामले मे 126 प्राइमरी स्कूलों को मिडल स्कूल बनाया गया, 69 मिडल स्कूलों को मैट्रिक स्कूल बनाया गया और 106 मैट्रिक स्कूलों को 10+2 का बनाया गया। सरकार ने पहली क्या से अंग्रेजी शिक्षा लागू की और प्रदेश में छठी क्लास से कम्प्यूटर की शिक्षा लाग की। अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट सदन में रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं और इन्हीं शब्दो के साथ आप का धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हू

चौ० रामफल कुण्डु (सफीदों): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। 10 मार्च को माननीय सम्पत सिंह जी ने वर्ष 2003–04 के लिए जो बजट अनुमान इस सदन के अन्दर प्रस्तुत किए मैं उसके हक में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। माननीय प्रो० सम्पत सिंह जी ने स्वर्गीय देवी लाल की नीतियों पर विश्वास व्यक्त करते हुए माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में यह चौथा कर रहित बजट प्रस्तुत किया है, इसके लिए में इनको बधाई देता हूं। इस बजट में आर्थिक, सामाजिक, कृषि, उद्योग और बिजली की अभूतपूर्व संरचनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। आज से 3

साल पहले हरियाणा प्रदेश की आर्थिक व्यवस्था व कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी थी। हरियाणा प्रदेश की जनता ने माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी को सत्ता सौंप कर इस प्रदेश का मुखिया बनाया और उन्होंने सत्ता सम्भालते ही 'सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चलाया यानि लोगों के बीच जाकर 90 के 90 विधान सभा क्षेत्रों में चाहे वहां का विधायक कांग्रेस पार्टी का हो, बी०जे०पी० का हो, लोकदल का हो या किसी भी पार्टी का हो, उन्होंने यह नहीं सोचा बल्कि जो विधानसभा क्षेत्र विकास के मामले में पिछड़े हुए थे वहां जाकर लोगों की समस्याएं सुनकर घोषणाएं की और उन घोषणाओं पर अमल करके सभी कार्य पूरे करवाए। चाहे गांव की हरिजन बैकवर्ड चौपाल बनाने की बात हो, रिटेनिंग वाल बनाने की बात हो, गांव के सीमेंट कंकरीट की गलियां बनाने की बात हो, वृद्धाश्रम बनाने की बात हो, स्कूलों के कमरे बनाने की बात हो या स्कूलों के जो कमरे जर्जर हो गए थे, उनको दोबारा बनाने की बात हो, गांव के लोगों की जो मांगें थीं उनको उसी समय श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने पूरा करने का काम किया। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली की पोजीशन की बात है, जिस समय ओम प्रकाश चौटाला जी ने सत्ता सम्भाली उस समय बिजली की हालत बहुत बुरी थी लेकिन हरियाणा सरकार ने अपने भरसक प्रयास करके नए पावर हाउस और नये सब-स्टेशन बनाये हैं और उनकी क्षमता भी बढ़ाई गई है। इसके अतिरिक्त बिजली की तारों की 700 कि०मी० की लम्बाई से ज्यादा लाईनें बिछाकर बिजली में सुधार करने का काम किया गया है। इसका नतीजा यह निकला है

कि सूखे के प्रभाव के बावजूद भी हरियाणा में अच्छी फसल हुई है। आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी को मै इस बात की बधाई दूंगा कि उन्होने सूखे के दौरान किसानो को दूसरे स्टेट्स से महंगे दामों में बिजली खरीदकर सस्ते दामो में 24 घंटे बिजली मुहैया करवाई। अध्यक्ष महोदय, जिन टयूबवैलों के कनैक्शन 1990 से पैडिंग पडे थे उनको हमारी सरकार ने अब कनैक्शन दिया हे और कुल मिलाकर हमारी सरकार ने अपन तीन साल के कार्यकाल के दौरान 24 हजार नये टयूबवैल कनैक्शन दिए हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक कृषि की बात है, हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है और यहां की 75 प्रतिशत जनता कृषि पर आधारित है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने जहां भयंकर सूखे के दौरान किसानों को ज्यादा से ज्यादा बिजली मुहैया करवाकर उनकी फसल पकाने का काम किया वहीं मण्डियों मे उचित मूल्य पर उनकी फसल को खरीदवाने का काम भी करवाया। हमारी पार्टी के सभी विधायको ने मण्डियो मे खुद जाकर किसानो की फसल समर्थन मूल्य पर बिकवाई। हलके लिए भी मैं माननीय मुख्यमत्री जी को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक खेलों की बात है, हमारी सरकार ने खेलो को भी बहुत महत्व दिया हे। जो खेल 25–30 साल पहले ब्लॉक स्तर पर खेले जाते थे और अब पिछली सरकार की गलत नीतियो के कारण लुप्त हो रहे थे उनको चौटाला साहब ने सत्ता में आते ही बढ़ावा दिया और ब्लॉक लेवल पर इन खेलों का आयोजन करवाया। इसी का नतीजा है कि पिछले तीन साल में हरियाणा के खिलाड़ियो ने राष्ट्रीय ओर

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 1931 पदक जीते हैं, यह एक गौरव की बात हैं। एशियाड खेलों में भी हमारे जिन खिलाड़ियो ने पदक प्राप्त किए हैं उनको सरकार ने एक करोड रुपये के नकद पुरस्कार दिए हैं और उनको सम्मान दिया गया है। इसके अतिरिक्त जुलाई–अगस्त, 2002 में मानचेस्टर के अंदर भी हमारे खिलाडियो ने पदक जीते हैं और हमारे प्रदेश का नाम रोशन किया है। यहां पदक जीतने वाले 11 खिलाड़ियों को माननीय मुख्यमंत्री जी ने 72 लाख रुपये नकद पुरुस्कार के रूप मे दिए हैं, इसके लिए भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं।

श्री अध्यक्षः कुन्डु साहब, आप वाईड–अप करें।

चौ० रामफल कुन्डुः अध्यक्ष महोदय। इसी तरह से हैदराबाद के खेलो मे हरिएयाणा के खिलाडियों ने 19 स्वर्ण, 23 रजत और 32 कास्य पदक जीते हैं, इन खेलों मे हरियाणा को सातवां स्थान प्राप्त हुआ है यह हमारी सरकार की अच्छी खेल नीतियो और भाई अभय सिंह चौटाला के प्रयासो के कारण ही हुआ है। इसक लिए मै भाई अभय सिंह चौटाला जी को भी बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सहकारिता के बारे में बात करना चाहूंगा कि हरियाणा में एक हरको बैंक है जिसका चण्डीगढ़ मे मुख्यालय है, उसके 19 जिला कोआप्रेटिव बेक्स हैं जिनकी 348 ब्राचिज हैं और 2418 मिनी बैंक है। ये सभी हरियाणा मे काम कर रहे हैं। इस बैंक के तहत हरियाणा मे 22500 से ज्यादा कोआप्रेटिव सोसाईटीज हैं जिनके 47 लाख से ज्यादा सदस्य हैं।

यह रिकार्ड की बात है कि जब से चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार बनी है तब से लगातार पिछले तीन साल से हरियाणा के कोआप्रेटिव बैंक को हिन्दुस्तान मे प्रथम स्थान मिल रहा है। इसके लिए भी मैं माननीय चौटाला साहब को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई की बात करना चाहूंगा। सिंचाई की तरफ भी चौटाला साहब की सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। जिन ड्रेनो की पिछले 20– 20 साल से सफाई नहीं हुई थी, जिनमें पिछले 20 साल से एक कस्सी गाद भी नहीं निकाली गई थी, चौटाला साहब की सरकार ने उन ड्रेनो की सफाई करवाकर किसानो को पानी दिया है जो कि बहुत ही सराहनीय कार्य है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री महोदय ने ड्रेनों पर पुल भी बनवाये हैं और जिन नहरों और रजबाहो पर पिछले कई सालों से सफाई नहीं हुई थी उनकी सफाई भी करवाई जा रही है। मेरे कहने का मतलब यह है कि आज चारों तरफ विकास के कार्य हो रहे हैं। मेरे हल्के में इरीगेशन पर 2452.27 लाख रुपये खर्च किये गये हें इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सड्कों की बात है मार्केटिंग बोर्ड ने भी सडकों पर बहुत काम करवाया है। मेरे हल्के में मार्केटिंग बोर्ड द्वारा 856.52 लाख रुपये नई सड़कें बनाने पर, 512.80 लाख रुपये सड़कों की रिपेयर पर खर्च किया गया है इसके लिए भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इसके अतिरिक्त 11. 30 करोड़ रुपये बी० एण्ड आर० के तहत, 6 करोड़ रुपये पब्लिक हेल्थ के तहत और 35 करोड़ रुपये एच०आर०डी०एफ० के तहत

खर्च करने का काम किया है तथा 5 करोड़ रुपये सफीदों की गलियो को पक्का करने के लिए खर्च किया गया है इसके लिए भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं जो सुन्दर, संतुलित और हर वर्ग को फायदा पहुंचाने वाला बजट हमारे माननीय वित्तमंत्री जी प्रो० सम्पत सिंह जी ने रखा है, इसका मैं समर्थन करता हूं। जयहिन्द।

श्री राम किशन फौजी (बवानी खेडा–अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने बजट पर बोलने के लिए जो समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय प्रो० सम्पत सिंह जी ने जो बजट रखा है यह एक बडे जादुगर तरीके से रखा है। ....

श्री अध्यक्षः इनका यह अनपार्लियामैन्टरी शब्द रिकार्ड न किया जाये।

श्री राम किशन फौजीः अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद प्रो० सम्पत सिंह जी ने मै बजट रखे हैं। में इस हाउस में देख रहा हूं कि हर बजट में इनका घाटा दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। हर आदमी यह कह रहा है कि पिछली सरकार में यह हुआ था और प्रिछली सरकार में यह घाटा था लेकिन अध्यक्ष महोदय यह सोचने का गम्भीर विषय है कि पिछली सरकार ने क्या किया? पिछली सरकारों ने गड्ढे खोदे हैं तो क्या आगे आने वाली सरकार भी गड्ढे खोदेगी? अगर गड्ढे खोदेगी तो डूबेगी।

अध्यक्ष महोदय, इस घाटे को कम करने का कोई तरीका निकाला जाये अगर कोई तरीका नजर नहीं आता तो टैक्स लगा कर घाटे को पूरा किया जाये क्योंकि घाटे को पूरा करने के लिए टैक्स लगाना मजबूरी है क्योंकि आज हमारी व्याज दर दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। हमारे यहां का झुग्गी झोंपड़ी में रहने वाला गरीब व्यक्ति भी हरियाणा सरकार के कर्ज के नीचे दबा हुआ है और हर व्यक्ति पर हरियाणा सरकार का 13 से 15 हजार रुपये का कर्ज है जबकि बहुत सारे लोगों के पास रहने के लिए मकान नहीं हैं। अगर इसी ढंग से यह घाटा बढ़ता रहा तो आगे आने वाले समय में क्या हालत होगी अध्यक्ष महोदय, यह एक गंभीर मामला है इसको जैसे तैसे पूरा करके हमारी मौजूदा सरकार को इसको कम करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यहां पर हर माननीय सदस्य ने एस०वाई०एल० कैनाल के बारे में कहा कि यह हमारे लिए जीवन मरण की रेखा है। इस बारे में मेरा सुझाव है। मुख्यमंत्री जी ने व्यान दे दिया कि मैं कस्सी लेकर के जाऊंगा, कस्सी से खोद कर आऊंगा। मैं कहना चाहूंगा कि कस्सी के लिए तो हम भी तैयार हैं यह कस्सी से नहीं खुदने वाली, यह नहर तो कानूनी कार्यवाही से ही खुदेगी। केवल भाषण बाजी से नहर बनने वाली नहीं है। इस बारे में मेरा सुझाव है कि विधान सभा के सारे के सारे साथी सदस्य अटल बिहारी वाजपेयी जी के पास जायें, सोनिया जी के पास जायें या पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेन्द्र जी के पास जाएं। (विघन) बहन जी, सबसे ज्यादा आप चिल्लाती हैं कि पानी नहीं आया तो मेरा कहना है कि अगर सोनिया जी के पास जाने

से हमें पानी मिल जाये तो क्या दिक्कत है? अध्यक्ष महोदय, यह कोई एक पार्टी का सवाल नही है। इस पानी को लाया जाये। हम यहां पर भाषणबाजी करते हैं कि पहली सरकार के समय में भी नहरों में पानी नहीं आता था। लेकिन मौजूदा सरकार के समय में भी कई गांवों की नहरों में अब भी पानी नहीं आ रहा है। जो पिछली सरकारें रही हैं उनके समय में भी पानी नहीं आता था। हमारे प्रदेश में पानी की बहुत बुरी हालत है। इस बारे में मैं खास करके अपने एरिया की बात बताना चाहता हूं कि इस सरकार के बनने के बाद हमारी नहरों के अन्दर चाहे सुंदर ब्रांच हो, चाहे सिवानी माईनर हो उनमें पहले 35 दिन के बाद एक सप्ताह के लिए पानी आता था लेकिन अब 45 दिन के बाद पानी आता है ओर वह भी पूरा नहीं आता। अब कई बार तो दो–दो दिन या तीन–तीन दिन तक ही पानी आता है जिस कारण पानी टेल तक नहीं पहुंच पाता। हमारी सरकार यह कह रही है कि 70 लीटर प्रति दिन, प्रति व्यक्ति पीने का पानी हरियाणा के लोगों को दे रहे हैं। (विघ्न) आप लोग हर बात को मजाक में न लिया करें। मैं जो बात कह रहा हूं वह इसलिए नहीं कह रहा कि मैं विरोधी पक्ष में बैठा हूं। मैं सच्चाई की बात बता रहा हूं। सत्ता पक्ष के साथी भी जा करके देख सकते है।

श्री अध्यक्ष: फौजी साहब, आप वाईड–अप करें।

श्री राम किशन फौजी: स्पीकर साहब, मैं पहले भी नहीं बोला।

श्री अध्यक्षः आप पहले भी बोले हैं और आज आपके नेता भी बोल चुके हैं।

श्री राम किशन फौजीः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर फरवरी में 22 तारीख को पानी आया। यह पानी सुन्दरं ब्रांच में आया लेकिन एक दिन के लिए आया।

श्री अध्यक्षः फौजी साहब, यह सारी बातें आप गवर्नर एड्रैस पर भी बोल चुके हैं इसलिए इनको रिपीट न करें। अगर बजट पर आपने बोलना है तो बोलें नहीं तो बैठ जाएं। पानी की बात पहले ही आ चुकी है। (विघ्न)

श्री राम किशन फोजीः स्पीकर सर, एक दिन ऐसा जहरीला पानी आया कि कबूतर और चिड़ियों ने वह पानी पी लिया और वे मर गए। ऐसा जहरीला पानी हमारी सुन्दर ब्रांच के अन्दर आया। (विघ्न) यह सच्चाई की बात है। यही पानी डिगियों में भी डाल दिया गया और इस पानी को पीने से कई लोग बीमार पड़ गए। मैं खुद कई गांवों में गया था। डिपार्टमैंट के लोगों को भी में खुद कह कर आया था कि नहर के इस पानी को डिगियों में न डालें और पीने के पानी का प्रबन्ध कहीं और से करें क्योंकि यह पानी खराब है इसलिए दूसरा पानी डालें। (विघन) अध्यक्ष महोदय, रोड्ज के बारे में मैं कहना चाहता हूं। हम मानते हैं कि रोड्ज की हालत सुधरी है लेकिन मैं इस बात को कहना चाहता हूं कि जो रोड्ज बनाई जा रही हैं उनमें तारकोल की मात्रा बहुत ही कम है।

रोडज का जो काम हरियाणा सरकार ने किया है वह लोन ले कर किया है, मेरा कहना यह है कि सरकार लोन ले कर काम न करे बल्कि विकास के लिए अपने सोर्सिज का इस्तेमाल करे ? अगर सारे विकास के काम हम लोन ले कर करते रहेंगे तो काम कैसे चलेगा क्योंकि स्टेट पर कर्जा बढ़ता जाएगा?

श्री अध्यक्षः आप इस बारे में सुझाव दें कि क्या किया जा सकता है?

श्री राम किशन फौजीः अध्यक्ष महोदय, ताज्जुब की बात है कि जो रोड्ज बनती हैं और जो रोड्ज रिपेयर होती हैं उनमे तारकोल नीचे नहीं डालते बल्कि ऊपर ही थोड़ी तारकोल डालते हैं लेकिन नीचे तारकोल न होने की वजह से रोड नीचे से पाट जाती है। इससे हरियाणा सरकार को भी तथा हरियाणा की जनता को भी नुक्सान होता है। अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे आप विधान सभा की एक कमेटी बना कर या किसी ऑफिसर की डयूटी लगाकर यह पता लगवाए कि रोड्ज मे तारकोल कम क्यो डाला जाता है ? जब हम बच्चे थे तो देखते थे कि जब रोड्ज बनती है। तो उनमे काफी तारकोल डाला जाता था। अध्यक्ष महोदय, सोचने की बात है कि यदि कोई रोड बनती है तो वह ठीक तरीके से बनायी जानी चाहिए क्योकि वह रोड हमारी जनता के काम आएगी। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात सूखे के बारे में है कि मोजूदा सरकार ने जो मुआवजा दिया है वह बहुत ही कम दिया है।

श्री अध्यक्ष: फौजी साहब, आपका समय हो गया है इसलिए अब आप बैठे। प्लीज सिट डाउन (विघ्न) आपको बोलते हुए आठ मिनट हो चुके हैं, आप घड़ी की तरफ देखे (विघ्न) अब कटवाल साहब बोलेगे।

श्री राम कुमार नगूरा: अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। (विघन)

वाक आउट

श्री राम किशन फौजी: अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात कहना चाहता हूं (विघन एवं शोर) ....

श्री अध्यक्ष: फौजी साहब, आपको जितना समय दिया गया था वह आप बोल चुके हैं इसलिए अब आप बैठें। (विघन) फौजी साहब, बैठिए (विघ्न) राम किशन जी, जो बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न) फौजी साहब, आप बैठें, मैं आपको वार्न करता हूं। (विघन एवं शोर) कप्तान साहब, मैं आपको भी वार्न करता हुं आप बैठें। (विघन)

श्री राम किशन फौजी: अध्यक्ष महोदय, अगर आप मुझे बोलने का और समय नहीं देते हैं तो मैं इसके विरोध मेँ सदन से वाक आउट करता हूं।

(इस समय हरियाणा विकास पार्टी के श्री राम किशन फौजी सदन से बहिर्गमन कर गए) वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम कुमार नगरा (राजौन्द): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट प्रस्तावों पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। प्रो० सम्पत सिंह जी ने जो बजट पेश किया है मैं उसके हक में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। हमारे मांगे राम गुप्ता जी वित्त मंत्री हुआ करते थे तो वित्त मंत्री होते हुए भी इन्होने जीन्द के विकास के लिए कभी कुछ नहीं किया। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, हमारे जीन्द से श्री मांगे राम गुप्ता जी वित्त मंत्री हुआ करते थे। वित्त मंत्री होते हुए भी जीन्द में एस०डी० रोड, शक्ति मोड़ और तो और इसके ससुराल के आगे अलेवा में टांगडी पानी खडा रहा करता था। लेकिन चौटाला साहब की सरकार ने आज उस सड़क पर जहां से गुप्ता जी पाटड़ा पर चड़ा था वहां से आज हवाई जहाज उड़ाया जा सकता है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष: यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम कुमार नगराः मांगे राम जी, आज अगर आप जीन्द से अलेवा तक कार में बैठकर जाते हैं तो वहां पर 15 मिनट में पहुंच जाएंगे। थारे पेट का पानी भी नहीं हिलेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं अस्पतालों के बारे में कहना चाहूंगा। असंध से जीन्द चालीस किलोमीटर है। आज चौटाला साहब को देहात का दर्द है इसलिए उन्होंने अलेवा अस्पताल, गुप्ता जी के जीन्द में कण्डेला अस्पताल और हर 10 किलोमीटर पर अस्पताल बनवा दिये हैं। ये क्यों बनाए हैं, ये इसलिए बनाए हैं कि खुदा न खास्ता कहीं पर कोई एक्सीडेट हो जाए तो अस्पताल में वह अपना इलाज करवा सके। मांगे राम जी, यह चौटाला साहब ने करवाया है। आप वित्त मंत्री थे तो कुछ नहीं करवाया था। अब मैं उद्योगो के बारे में कहना चाहूंगा। यहां पर कैप्टन अजय सिंह जी भी बैठे हैं। हम सोनीपत में सरकारी एश्योरेंसिज कमेटी के साथ गए थे। वहां पर कैप्टन अजय सिंह ने यह बात खुद मानी है, यह बोला कि एक दिन बच्चे टूर पर जा रहे थे तो उन्होंने सोचा कि यह तो पार्क आ गया और वे इन्डस्ट्री में आ गए और बोलने लगे कि यह तो इन्डस्ट्री है। तो उन बच्चों से पूछा कि तुम क्या समझ कर आए हो तो वे कहने लगे कि हम तो पार्क समझ कर आ गए

हैं। इतने बढ़िया चौटाला साहब ने अपने राज में उद्योग लगाए हैं। इसके गवाह ये कैप्टन अजय सिंह यहां पर बैठें हुए हैं। अब मैं बिजली के बारे में कहना चाहूंगा कि मेरे अलेवा गांव में 132 के०वी० का सब– स्टेशन है उसको भी बड़ा करने जा रहे हैं। नगुरा का सब–स्टेशन है उसको भी बड़ा करने जा रहे हैं। लेकिन दुःख की बात यह है कि हरियाणा प्रदेश में मुख्यमंत्री कितने ही रहे लेकिन आज तक राजौंद हल्के में कोई भी पत्थर नहीं लगाया गया था (विघन) आज मुख्यमंत्री चौटाला साहब ने अस्पतालों के पत्थर लगाए हैं। पहले की सरकारों ने तो ऐसा काम कर रखा था कि बरसात मे खड़ा खड़ा भीग जाए लेकिन सर पर छत भी कोनी थी। अध्यक्ष महोदय, ये जो रोडवेज की बसें हैं इन बसों के अन्दर जो अटैची रखने वाली छत थी उनको मांगे राम जी वाली सरकार के समय में निकाल दिया गया था। मैंने 1992 में भी मांगे राम जी, आपको याद करवाया था कि वह छत कहां गई? आज यहां पर परिवहन मंत्री अशोक अरोड़ा जी बैठे हुए हैं,सी०एन०जी० बसे मंगाई जा रही हैं, जब आप उन बसों में बैठकर चलेंगे तो आपके पेट का पानी भी नहीं हिलेगा। यहां पर भाई अभय सिंह जी बैठे हुए हैं। मैं इनका बहुत शुक्रगुजार हूं और मुख्यमंत्री जी का भी शुक्रगुजार हूं कि इन्होने नगुरा में चार करोड रुपये मैदान के लिए मंजूर करे हैं, यहां पर मिट्टी डलवाई है और भाई अभय सिंह चौटाला जी ने उसको ताऊ देवी लाल स्टेडियम का नाम दिया है। यह बहुत ही सराहनीय काम हे कि आज गांवों में भी स्टेडियम बनने लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, मांगे राम जी जिस सरकार में थे

उस समय तो जो छोटे मोटे ग्रांउन्डज बनाए जाते थे वे भी आधे ऊंचे और आधे नीचे होते थे। अध्यक्ष महोदय, जब ये चौपाल बनाया करते थे तो अगर वहां पर कोई जाट, ब्राह्मण, बनिया, अहीर या गुर्जर आ गया तो उसको यह कहकर एक पाले कर दिया जाता था कि तू अहीर है, गुर्जर है तुम्हारी चौपाल नहीं बन सकती। लेकिन चौटाला साहब ने 36 बिरादरी के भाईयों की चौपाल बनायी है। गुप्ता जी एक दो महीनों में आपने गांवों में जाकर देखा होगा कि कितने अच्छे काम हुए हैं। ये बहुत ही सराहनीय काम किए गए हैं। (विघ्न) और तो और मेरे हल्के में पहले प्रताप सिंह कैरों ने कोई स्कूल अपग्रेड कर दिया हो तो मुझे पता नहीं है लेकिन पिछली सरकारों ने एक भी स्कूल अपग्रेड नहीं किया है लेकिन अब चौटाला साहब ने ऐसी झड़ी लगा दी है कि मेरे हल्के के स्कूलों के बच्चे पब्लिक सर्विस कमीशन में सिलेक्ट हो गए हैं। गुप्ता जी, मैं तो चौटाला साहब का चेला हूं ये तो मेरे राजनैतिक गुरू हैं। आप भी इनको गुरू मान लो। जो काम हुए हैं उनके बारे में ये बाहर से तो कुछ नहीं कहते हैं लेकिन भीतर भीतर तो यह कहते हैं कि चाला पाड़ दिया। अध्यक्ष महोदय, यह जो प्रो० सम्पत सिंह जी ने शानदार बजट पेश किया है मैं इसका समर्थन करता हूं। आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

16.00 बजे

श्री कंवर पाल (छछरौली): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद आपका कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं इस बजट के

समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इतना बढ़िया बजट पेश किया है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि जो बजट का घाटा 780.53 करोड़ रुपये का है, जब साल समाप्त होगा तो वह 109.57 करोड़ रुपये का कम हो जाएगा। मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करता हूं कि पहली बार उन्होंने ऐसी परम्परा शुरू की है कि साल समाप्त होने पर बजट घाटा कम होगा। नहीं तो ये कांग्रेसी भाई बैठे हैं ये बता दें कि क्या आज तक किसी भी बजट में ऐसा हुआ है? पहले यह होता था कि चाहे घाटा दस करोड रुपये का होता था तो वह अगली बार बढ़कर 15 करोड़, 12 करोड़ रुपये का हो जाता था यानी यह घाटा बढता ही जाता था लेकिन ऐसी परम्परा पहली बार शुरू की गयी है और घाटे को कम करने के लिए वित्त मंत्री महोदय द्वारा कदम उठाए गए हैं। मैं इसके लिए उनकी प्रशंसा करता हूं और उनका धन्यवाद भी करता हूं। जहां तक एस०वाई०एल० कैनाल की बात है, अभी हमारे कुछ भाई एस०वाई०एल० कैनाल की बात भी कह रहे थे और कह रहे थे कि इसका पानी लाने के लिए अगर दिल्ली का घेराव किया जाएगा तो प्रधानमंत्री अपने आप सीधा हो जाएगा। लेकिन अध्यक्ष महोदय, विचार की बात यह है, सोचने की बात यह है कि एक ऐसा व्यक्ति जिसके ऊपर कानून को बनाने की जिम्मेदारी है, एक ऐसा व्यक्ति जिसके ऊपर कानून को लाग करने की जिम्मेदारी है अगर वही व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानता तो हम सब इस बारे में विचार कर सकते हैं कि वह व्यक्ति कितना जिम्मेदार व्यक्ति

होगा ? अगर ऐसा व्यक्ति ही कानून को नहीं मानता तो आम आदमी कानून के आदेश को केसे मानेगा ? इसलिए यह चिंता की बात हे। इन्होंने अपनी प्रशंसा की है, अपने हित की बात की है। अगर वह कानून को नहीं मानता तो हम सबको उसकी इस बात के लिए आलोचना करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० नहर के बारे मैं यहां पर एक यह कहता है कि उसको देंने खुदवाया, दूसरा कहता है कि उसकी मैंने खुदाई करवायी और तीसरा कहता है कि मैंने उसका पत्थर लगवाया। अध्यक्ष महोदय, गंगा को भागीरथी क्यों कहा जाता है? मैं यह बताना चाहता हूं। गंगा को धरती पर लाने के लिए भागीरथ के पूर्वजों ने भी बहुत तपस्या की थी लेकिन वह उसे धरती पर नहीं ला पाए थे। इसी तरह से भागीरथ ने भी गंगा को धरती पर लाने के लिए कई सालो तक तपस्या की थी और उसके बाद ही वह उसे धरती पर ला पाए थे इसलिए गंगा को भागीरथी भी कहा जाता है। इसी तरह से एस०वाई०एल० कैनाल का पानी जिस व्यक्ति के समय में आएगा उसी का नाम होगा। भले ही कोई कितनी भी बात करें। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, जो देवीरुपक योजना सरकार ने शुरू की है में उसकी भी प्रशंसा करता हूं। लेकिन इस बारे में एक चिन्ता की बात हे कि जिस तरीके से आज आबादी बढ़ने का क्रम जारी है, आबादी बढ रही है उसको कम करने के लिए यदि हम हर बार केवल पैसा ही देंगे और कहेंगे कि आबादी कम करनी चाहिए, कम करनी चाहिए तो शायद यह आबादी बढ़नी नहीं रुकेगी। यह सही है कि सरकार ने इसको रोकने के लिए सही

कदम उठाया है लेकिन इसके लिए हमें कानूनी रूप से भी कोई रोक लगानी चाहिए। यह देश हमारा है इसलिए हमें इसकी चिन्ता करनी चाहिए। आज जो आबादी बढ़ रही है वह हमारे देश के लिए मुश्किल खड़ी कर रही हे। जेसे एक गीत कहा जाता हे कि ''हम बुलबुले हैं इसकी यह गुलिस्तां हमारा'। मेरी सोच यह है कि बुलबुल की बाग के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं होती। अगर बाग जलता होगा तो बुलबुल उड जाएगी। बुलबुल तो खाएगी, बटि करेगी ओर चली जाएगी। उसकी बाग के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं होती है तो कहीं ये भी तो बुलबुल जैसा व्यवहार नहीं कर रहे हें? इसलिए इस बारे में कोई कानून बनाने की आवश्यकता है कि जो लोग ज्यादा बच्चे पैदा कर रहे हें उन पर कोई तो कानूनी रोक लगे। सरकार भले ही तीन बच्चों या चार बच्चों पर रोक लगाए लेकिन कहीं न कहीं तो कोई सीमा होनी चाहिए। जो लोग इस तरह से आबादी बढ़ा रहे हैं उन पर कानूनी रोक लगनी ही चाहिए। आज सभी नेता लोग भी और विद्वान लोग भी यही कहते हैं कि देश में जो उग्रवाद है वह बेरोजगारी बढ़ने के कारण हे। लेकिन इस बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार कौन व्यक्ति है? जो लोग आज अंधाधुंध आबादी बढ़ा रहे हैं, कल को जब उनके बच्चे होंगे तो वे भी बेरोजगार होंगे। इसलिए यह चिन्ता का विषय है सरकार को इसके लिए चिन्ता करनी चाहिए और इसको रोकने के लिए सख्त से सख्त कानून बनाना चाहिए। वैसे सरकार ने जो देवीरुपक योजना चलायी है मैं इसकी भी प्रशंसा करता हूं। इसी तरह से जैसे दक्षिणी हरियाणा में पानी की दिक्कत की बात आयी है, मैं

इस बारे में कहना चाहूंगा कि देश को सूखे से बचाने के लिए केन्द्र की सरकार ने, एन०डी०ए० की सरकार ने देश की नदियों को जोड़ने की योजना बनायी है। वह हम सबकी सरकार है। पचास साल तक कांग्रेस ने राज किया लेकिन वे बता दें कि इन्होंने कोई भी इस तरह की योजना बनाकर देश को दी हो। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री जी ने इस योजना के लिए डेढ़ लाख करोड़ रुपया भी दे दिया है और प्रधानमंत्री जी ने, एन०डी०ए० की सरकार ने यह कहा है कि इस योजना के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस तरह से देश को सूखे से निजात मिलेगी, हर खेत को पानी मिलेगा एवं हर हाथ को काम मिलेगा। यह हमारा नारा है। (विघन) इसके लिए पहले योजना बनायी जाती है और उसके बाद ही उसके लिए पैसे की जरूरत पड़ती है।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब समझ नहीं पा रहे हैं। एन०डी०ए० की सरकार ने एक पोलिसी के तहत सारे देश की दरियाओं को जोड़ने के लिए बाकायदा एक टास्क फोर्स बनायी हे। जो पहले बिजली मंत्री सुरेश प्रभु थे उनको इसका चेयरमैन बना दिया गया है और उसके लिए समय सीमा तय कर दी गई है। सन् 2016 तक पानी की समुचित व्यवस्था हो जाएगी फिर न कहीं फ्लड आएगा, न सुखा होगा।

श्री कंवर पाल: सर, मैं कह रहा था कि विपक्ष के साथियों ने बार–बार एक बात कही है कि पानी का बंटवारा सही तरीके से नहीं हुआ। विगत 50 वर्षो से यही लोग राज कर रहे

हैं। इन लोगों ने उस समय ऐतराज क्यों नहीं किया था जब ये पानी का बंटवारा हुआ था ? इसी के साथ मेरा सरकार से अनुरोध है कि शिवालिक की पहाड़ियों के साथ लगते इलाकों के किसानों को बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए पश्चिमी यमुना नहर को नारायणगढ़, कालका तक निकालना चाहिए ताकि इसका फायदा यहां के लोगों को भी हो सके। मेरे हल्के में एक समस्या और है। हमारे यहां लाखों रुपये की भाभड़ बिकती थी किसी ने सलाह दे दी कि यदि भाभड को न बेचा जाए तो जंगली जानवर यहीं रहेंगे और उसे खाते रहेंगे। उनसे कोई पूछे कि जंगली जानवर सूखी भाभड़ को क्यों खाएंगे? इससे सरकार को नुकसान हो गया और फायदा कोई नहीं हुआ। इसका एक नुकसान और हे कि अगर कहीं जंगल में आग लग गई तो जंगल का नामों निशान खत्म हो जाएगा। इस पर भी सरकार विचार करे। दूसरा मेरा निवेदन है कि एक कालेज मेरे क्षेत्र में मुख्यमंत्री जी ने मंजूर किया था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला: वह तो हम कह चुके हैं।

श्री कंवर पाल: आपका धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं इस बजट का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री बलवंत सिंह (सढौरा–अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। वित्त मंत्री जी ने 10 मार्च, 2003 को

जो इस महान सदन में बजट पेश किया है वह सराहनीय है। इस बजट में हर क्षेत्र में सही दिशा में राशि रखकर कर रहित बजट दिया हे यह बहुत ही सराहनीय बात है। हरियाणा प्रदेश ऐग्रो बेस्ट्र प्रदेश है। यहां की इकोनोमी ऐग्रीकल्चर से प्रभावित होती है। इसको मद्देनजर रखते हुए ऐग्रीकल्चर, इलैक्ट्रिसिटी, इरीगेशन और रोड्ज के लिए बजट में जो प्रावधान किया है वह पिछले साल के मुकाबले में ज्यादा है। इलाक्ट्रिसिटी में 290 करोड़ रुपये रखा है जो कि पिछले साल के मुकाबले 13.08 परसैंट ज्यादा है, इरीगेशन के लिए 206 करोड़ रुपया रखा है जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले 12.07 परसैंट ज्यादा है, रोड्ज के लिए 355 करोड़ रुपया रखा है जो कि 16.9 प्रतिशत पिछले साल के मुकाबले अधिक है, समाज सेवा के लिए 890.33 करोड़ रुपया रखा गया है जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले 42.04 परसैंट अधिक है। इसके अलावा हेल्थ, पब्लिक हैल्थ, समाज सेवा, हेंडीकेप्ट और विडोज के लिए पैंशन के लिए भी बजट में प्रावधान किया है और इन सब वर्गों की भलाई के लिए भी काफी सारा पैसा खर्च करने का प्रबन्ध किया है, जो कि सराहनीय काम है। अध्यक्ष महोदय, आज इस सदन में सभी माननीय सदस्यों ने सूखे पर चिंता जताई। में कहना चाहूंगा कि प्रदेश में पूरा सूखा होने के बावजूद फसलें लहलहा रही हैं उसका कारण यह है कि माननीय श्री ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में सरकार ने बिजली का उत्पादन बढ़ाया और 27 प्रतिशत अधिक पानी देकर टेल तक पानी पहुंचाने का काम किया गया। जिसके कारण आज भरपूर फसल हरियाणा प्रदेश में हुई है।

हरियाणा प्रदेश की सड़कें और पुल बनाने के लिए 404 करोड़ रुपये रखे गये हैं जो अपने आप में एक मिसाल है। आज हर क्षेत्र में चाहे वह बिजली का मामला हो विकास के काम हो रहे हैं। बिजली के लिए 312.58 करोड़ रुपये का प्रावधान इस बजट में किया गया है जिससे 33 स्टेशन, 162 सब–स्टेशन और 705 किलोमीटर लम्बी लाईनें बिछाई जायेंगी। इसके अतिरिक्त इस साल में 700 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न चरणों में जो काम चल रहे हैं वे भी पूरे होंगे। मैं इस बजट के हक में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं और इसका समर्थन करता हूं। माननीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी अपने नेतृत्व में आज हरियाणा प्रदेश को चाहे 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम हो, चाहे स्पोर्टस का मामला हो, चाहे परिवहन का मामला हो, हर सैक्टर में नित्य नई योजनाओं से न केवल भारतवर्ष में बल्कि पूरे विश्व में एक अग्रणी प्रदेश बनाने जा रहे हैं। स्पीकर सर, मैं कुछ अपने हल्के की मांगें माननीय मुख्यमंत्री के समझ रखना चाहूंगा। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में पिछले तीन सालों में इतने काम हुए हैं जो पिछले 50–52 सालों में नहीं हुए। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में उबड़–खाबड़ जमीन थी उसमें दो करोड़ की लागत से पुल और सडकें बनाने का काम किया है जिनका शिलान्यास और उद्घाटन भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने किया और 14 छोटे और 2 बड़े पुल बनाने का काम इस सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में 20 किलोमीटर की दूरी तक कोई सरकारी कालेज नहीं है। पंचायत इसके लिए भूमि भी देने के लिए तैयार है। अध्यक्ष

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि एक गवर्नमैंट कालेज बिलासपुर में खोला जाये ताकि वहां के बच्चो की शिक्षा का समाधान हो सके। एक समस्या और है कि बिलासपुर और सढौरा में कोई बस स्टैण्ड नहीं है और वहां पर आये दिन एक्सीडैंट होते रहते हैं। बिलासपुर एक कस्वा है इसलिए इन दोनों जगहों पर बस स्टैंड जरूर बनवाया जाये। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने 16 एम०वी०ए० का ट्रांसफार्मर लगाने के लिए अनाउंस किया था लेकिन 6 एम०वी०ए० की जगह वहां पर ओं एम०वी०ए० का ट्रांसफार्मर ही लग रहा है अगर वह 16 एम०वी०ए० का हो जाये तो मैं आपका आभारी रहूंगा। अन्त में मैं आपका धन्यवाद करते हुए इस बजट का समर्थन करता हूं धन्यवाद।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजेंः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय 15 मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है। (विघ्न) वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बलवन्त सिंह मायना (हसनगढ़): स्पीकर सर, आपका धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। में इस बजट की

सराहना करता हूं। माननीय प्रौफेसर सम्पत सिंह जी ने माननीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्च में जो कर रहित बजट पेश किया है में उसके हक मे बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। स्पीकर सर, बिजली के मामले में हरियाणा प्रदेश की तीन साल पहले क्या हालत थी? उस समय प्रदेश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी लेकिन उसे सुधारने के लिए हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने चौधरी देवी लाल जी के पदचिन्हो और उनकी नीतियों पर चलते हुए हरियाणा प्रदेश के अन्दर जिस प्रकार से विकास के कार्य किये हैं वह बहुत ही सराहनीय हैं। स्पीकर सर, वर्तमान स्थिर मूल्यों के अनुसार वर्ष 2000 –2001 के अन्दर प्रति व्यक्ति आय 23,057 रुपये थी लेकिन वर्ष 2001–2002 के अन्दर यह बढ़कर 24,575 रुपये हो चुकी है। हरियाणा किसान प्रधान प्रदेश है। मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा प्रदेश के किसानों को जो प्रगति के रास्ते पर चलाने का काम किया है उसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को मैं बधाई देना चाहता हूं। मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने आज हरियाणा प्रदेश के अन्दर किसानों को भरपूर बिजली दी है। इस सरकार ने पिछली सरकारों के मुकाबले में 792 मैगावाट बिजली अधिक दी है। सरकार ने हरियाणा प्रदेश के किसानों को पानी देने का ही काम नहीं किया गया बल्कि पानी यहां तक देने का काम किया कि ड्रेनें जो बाढ़ के पानी को निकालती हैं उनमें पानी डालकर हरियाणा प्रदेश की भूमि को सिंचित करने का काम किया। हरियाणा प्रदेश के अंदर मुख्यमंत्री महोदय ने 200 सोलर टयूबवैल्ज लगाने का भी काम किया ताकि

किसानों को राहत मिल सके। इससे किसानों की पैदावार बढ़ी है और हरियाणा प्रदेश का 133 लाख टन उत्पादन बढ़ा है। किसानों की फसल के अच्छे भाव देने का भी काम इस सरकार ने किया है। मुख्यमंत्री महोदय ने गेहूं का भाव 620 रुपये क्विंटल और गन्ने का भाव 110 रुपये क्विंटल देने का काम किया है, यही नहीं मुख्यमंत्री महोदय ने हरियाणा के हर गांव में 10 किलोमीटर की दूरी पर परचेज सैंटर या मण्डियां बनाने का काम किया ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए 10 किलोमीटर से दूर न जाना पड़े। इसी प्रकार से मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में नई मण्डियों का विकास भी किया गया है। ये नई मण्डियां जोरों पर चल रही हैं। इन पर 113 करोड़ रुपये खर्च किया गया है। इन मण्डियों के कवर्ड शैड बनाने का भी काम किया गया है। फसलों के रख रखाव के लिए भण्डारण क्षमता 7.95 लाख मीट्रिक टन की गई है। किसान खेत में काम करता है और काम करते वक्त अगर वह ट्रैक्टर के नीचे आ जाए या किसी और कारण से उसकी मौत हो जाए तो उसको भी 50 हजार रुपये देने का प्रावधान इस सरकार ने है।

श्री अध्यक्ष: मायना साहब, आप वाइंड अप करें।

श्री बलवंत सिंह मायना: अध्यक्ष महोदय, जहां मैंने टयूबवैल्ज की चर्चा की वहां मैं नलकूपों के बारे में भी बताना चाहूंगा। पिछली सरकारों ने नलकूपों के 3690 कनैक्शंज दिए थे लेकिन आज नलकूपों के 24 हजार कनैक्शंज देने का काम हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने किया है जो कि एक सराहनीय कार्य है। इसी

प्रकार से आज हरियाणा प्रदेश ने जहां 792 मैगावाट बिजली बढ़ाने का काम किया है वहीं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा के अंदर 350 स्कूलों को अपग्रेड करने का काम किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और बताना चाहता हूं, मेरे माननीय साथी हमारे रोहतक जिले की चर्चा कर रहे थे, रोहतक के अन्दर आज मैं बताना चाहता हूं कि सिविल होस्पिटल बनाया गया। उसको जो बिल्डिंग बनाई गई है उस पर मै करोड़ रुपये से भी ज्यादा का खर्चा आया है। इसी प्रकार मै करोड़ की लागत से सीटी स्कैन मशीन लगाई गई है, उस सिविल होस्पिटल में 3 करोड़ रुपये की लागत से एक लैब भी लगाई गई है, 2 करोड़ रुपये की लागत से एम०आर०आई० मशीन लगाई गई हे। रोहतक के अंदर बस अड्डा जो बना है, उसका उद्‌घाटन मुख्यमंत्री जी करके आए हैं उसमें 18 बेज हैं। पहले जब कांग्रेस का राज था तो भजन लाल जी के समय में रोहतक के मंत्री सुभाष बत्तरा जी थे और चौधरी बंसी लाल जी के समय में रोहतक के सेठ किशन दास जी मंत्री होते थे लेकिन वहां कुछ भी विकास कार्य नहीं किया। लेकिन आज रोहतक शहर में जाकर देखें चारों तरफ विकास कार्य हो रहे हैं। सड़कों को चौड़ा किया जा रहा है, पार्क ओर चौराहों का सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है और वहां पर मूर्तियां लगाई जा रही हैं। भूपेन्द्र सिंह जी भी मानेंगे कि रोहतक में विकास कार्य और सौन्दर्यीकरण हो रहा है। जो पार्क हैं, चोक हैं, उनमें फव्वारे लगाये गये हैं। भूपेन्द्र सिंह जी भी उनमें कई दफा जाते हैं तथा फव्वारों का आनंद लेते हैं, यह बात इनको माननी पड़ेगी कि

माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने रोहतक में बड़ी तेजी से विकास कार्य करवाये हें। भाई शादी लाल बत्तरा जी को भी यह बात माननी पड़ेगी कि रोहतक में विकास कार्य हो रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, रोहतक में ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा प्रदेश में विकास कार्य हो रहे हैं। जहां तक सड़कों की बात है, सभी सड़कें बनाई गई हैं इसके लिए सभी माननीय मुख्यमंत्री जी की सराहना करते हैं। अध्यक्ष महोदय, 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत माननीय मुख्यमत्री जी ने जो भी विकास कार्य किए हैं यदि उनको मैं गिनाने लगूंगा तो बहुत समय लग जायेगा। आज हरियाणा में ऐसा कोई गांव नहीं मिलेगा जहां विकास कार्य न हुए हों, स्कूल, गलियां, सड़कें, रिटेनिंग बाल, कालेज, हरिजन चौपाल आदि न बनाये गये हों। इसके लिए भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं। इसके अतिरिक्त हरियाणा में जहां कहीं भी पानी खड़ा रहता था उसकी निकासी के प्रबन्ध किए गये हैं और वहां पर सीमेंटिड सड़कें बनाई गई हैं। इसके अतिरिक्त पीने का पानी जनता को मुहैया करवाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने बहुत से वाटर वर्क्स बनवाये हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय न लेते हुए जो संतुलित ओर सुन्दर बजट माननीय सम्पत सिंह जी ने प्रस्तुत किया है उसका समर्थन करता हूं। जयहिन्द।

श्री बलबीर सिंह (महम): अध्यक्ष महोदय, में आपके माध्यम से माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी का और प्रो० सम्पत सिंह जी का जिन्होंने माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्ग दर्शन में

2003—04 के लिए कर मुक। और सराहनीय बजट पेश किया है, आभार प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, कहने को तो इंसान कुछ भी कह देता है, पर कहने और करने में बड़ा फर्क है। जब से हरियाणा प्रदेश में आदरणीय मुख्यमंत्री जी चौटाला साहब की सरकार आई है तो उनकी सरकार का यह चौथा बजट है जो कर रहित पेश किया जा रहा है। इससे पहले प्रो सम्पत सिंह जी तीन कर रहित बजट पेश कर चुके हैं। किसी भी क्षेत्र को बजट में देखा जाये तो पता चलता है कि हर क्षेत्र के लिए बजट में पैसे का उचित प्रबन्ध किया गया है। जहां तक बिजली की बात है, बिजली आज जीवन के लिए बहुत जरूरी है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने हर विधान सभा क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के पावर स्टेशनों की आधारशिला रखी है, कई जगहों पर उद्घाटन भी किए हैं। इस बारे में हमारे कई माननीय सदस्यों ने बड़े विस्तार से भी बताया है। जहां तक सड़कों की बात हे। बैठे—बैठे कैप्टन साहब कह रहे थे कि मार्केटिंग बोर्ड तो सफेद हाथी हे। में आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि यह सफेद हाथी उस समय था जब इनकी सरकार हरियाणा में थी 1991 से 1995 के दौरान, अब तो यह सोने का हाथी है जिसने हरियाणा प्रदेश में प्रेस के रोड़ बनाये हैं। हमारे एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड द्वारा पैरिस जैसी सड़कें बनायी जा रही हैं। अध्यक्ष महोदय, आज गांवों के अन्दर कंकरीट की सड़कें बनती हैं। ये सड़कें पहले शहरों में देखने को मिला करती थीं और वह भी राजधानी में। हमारे प्रदेश में अधिकतर समय कांग्रेस पार्टी का राज रहा है। यह पता नहीं

चलता था कि इनका बजट कहां पर चला जाया करता था और ये क्या उस बजट का किया करते थे? यहां पर मेरे क् विपक्ष के सम्मानित साथी बैठे हैं। विपक्ष के नेता हैं, ये उदाहरण के तौर पर एव? भी विभाग का नाम बता दें कि हमने इस में तरक्की की हे। अब रोडवेज को देख लें। हरियाणा परिवहन की कांग्रेस के समय में बहुत बुरी हालत थी और बसों की हालत खटारों जैसी थी और उस वक्त उन बसों में सवारियों के कपड़े फटा करते थे। जबकि आज हमारी मौजूदा सरकार ने इस विभाग की काया पलट कर दी है और इस विभाग को 1600 के लगभग नई बसें देकर सवारियों को बैठने की सुविधा दी है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने बिजली, उद्योग धंधे और जन स्वास्थ्य जैसे विभागों में भी बहुत अधिक काम किए हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के कांग्रेस पार्टी के प्रैजीडेन्ट नहीं बैठे, कैप्टन साहब भी उनकी बड़ी स्पोर्ट करते हैं मैं उनसे कहना चाहूंगा कि 1991 –96 में चौधरी भजन लाल जब सी०एम० थे, महम हल्के में जिस हस्पताल की 1990 में नीव रखी थी वह कांग्रेस के समय में कम्पलीट हुई लेकिन उसका उद्‌घाटन आदरणीय मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी के समय में अब जा कर हुआ है। यानि इनकी पूरी योजना निकल गई इन्होंने उस बारे में कुछ नहीं किया। ये तो यूं ही हवा में बातें करते हैं। इनके पास तो कई एक व्यापारी लोग हैं कई सेठ लोग बैठे हैं। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का हाल यह है कि पैसे इकट्ठे करके फिर ठाठ करना। इनका राज सबसे ज्यादा समय रहा है। ये रिकार्ड के आधार पर बताएं कि हमने यह काम किया।

(विध्न) हुड्डा साहब, मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि आप की सरकार जो 1991 –96 के दौरान रही तो उस वक्त आप सबसे ज्यादा बुराई करते थे कि आप की सरकार कोई काम नहीं कर रही। यह तो पेपर की बात है, रिकार्ड की बात है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जनस्वास्थ्य विभाग के तहत पीने के पानी की व्यवस्था बहुत अच्छे ढंग से की है और आम लोगों तक पीने के पानी को पहुंचाने का प्रयास किया है। लोग अन्न के बिना रह सकते हैं लेकिन पानी के बिना नहीं रह सकते। ये कही भी महम हल्के के बारे में या किसी एक गांव के बारे मे बताएं कि कौन से गांव में वाटर वर्क्स की बढ़ौतरी करी या कौन से नए बनाए?

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो सदन का समय 15 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए।

आवाजेंः ठीक है।

श्री अध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बलबीर सिंहः स्पीकर साहब, अभी थोड़ी देर पहले यहां पर हाउस में फौजी साहब बैठे थे। उनकी तो अब बात करने

का कोई फायदा नहीं क्योंकि इनका मामला तो मिट गया, इसलिए इनका जिक्र करना गुनाह है। अध्यक्ष महोदय, महम शहर की जो 20–25 साल से पानी की मांग चली आ रही थी, उस पर मुख्यमंत्री जी ने गंभीरता से विचार करते हुए महम कस्बे के वाटर वर्क्स पर 6 करोड़ रुपये लगाये हैं और महम के लोगों के लिए आगे आने वाले शे सालों के लिए पानी सरप्लस किया है। यह भी बात अपने आप में एक रिकार्ड की है।

श्री अध्यक्षः बलबीर जी, आप शोर्ट करें।

श्री बलबीर सिंहः स्पीकर साहब, अभी मेरी तरफ हाथ न करो। एक बात मैं और इस बारे में बताना चाहता हूं कि हरियाणा विधान सभा में तो वह बात हो रही है कि बोलनिये के तो डुंडले भी बिक जाएं और ना बोलनिये का बाजरा भी न बिके। ये कांग्रेस के भाई तो राज्यपाल के अभिभाषण पर भी बोल चुके यानि आपने इनको बोलने का मोका दे दिया और बजट पर भी ये बोल लिए यानि इनको दो–दो बार बोलने का मौका दिया जबकि हमारा एक बार भी नम्बर नहीं आया। कुछ तो याद हमने किया है लेकिन जब आप हाथ कर देते हो तो हम भूल जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने हर जिला वाईज, हल्के वाईज या जो बड़े गांव हैं उनमें जा कर वाटर वर्क्स में बढ़ौतरी की है और नये वाटर वर्क्स की नींव रखी है। इसी प्रकार से किसान के लिए नहरी पानी की बहुत जरूरत है। कप्तान साहब बताएं कि क्या रोहतक जिले में 1991 से 1990 के बीच एक भी सिंगल माईनर

निकाली थी? इस समय अगर इनको याद न हो तो ये रिकार्ड देख कर कल हाउस में आ कर बता दें। हुड्डा साहब तो मजबूर हैं ऊपर से हां करते हैं वैसे तो ये बुराई किया करते थे। (विघन) अगर यही हाल रहा तो आपकी भी लुटिया डूब जाएगी (हंसी) हुड्डा साहब यह सच्चाई है। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने महम हल्के में चार नई माईनर्ज मन्जूर की हैं जिनमें से एक बन कर उसका उद्‌घाटन भी हो चुका है और दो पर काम चल रहा है, तीसरे के टेंडर हो चुके हैं। इन माईनर्ज के बन जाने से कम से कम 35–40 हजार एकड़ जमीन की सिंचाई इन माईनर्ज से होगी। इससे आप आइडिया लगाएं कि किसान को कितना फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं यह कहना चाहूंगा कि कुछ लोग यहां पर भी ओर कुछ लोग हल्के में भी कहते हैं कि जो पैसा दिया गया है उसमें सब ठीक नहीं हे। उसके बारे में विपक्ष के साथी मानेंगे कि अगर मैं कुछ कहूंगा तो यह भाई नाराज होंगे। कुछ दिन ये भाई आपस मे बोले चाले नहीं तो इस बात का ध्यान रखते हैं कि इनका कोई मरे तो उसके खरड़ पर जा कर बैठें (हंसी) अध्यक्ष महोदय, यह सच्चाई है। राजनैतिक आदमियों का यह काम नहीं होता। यह ठीक है कि कोई अच्छा बुरा हो गया तो गए ओर हाजिरी लगा दी अगर ये हर समय शादियों और समारोहों में जाते रहेंगे तो पब्लिक की सेवा कैसे और कब करेंगे? पीछे विपक्ष के नेता ने कहा कि कोई विकास कार्य नहीं हुआ। हमारे हल्के के पड़ोसी साथी बैठे हैं और वे हमारे सम्मानित भी हैं। (विघन)

श्री अध्यक्षः अनीता जी, आप सुनें। (विघन) आप इनकी बात सुनें और पेशैस रखें।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं आपके माध्यम से सरकार से एक विनती करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, पीछे भी फ्लड की बात आई। 1995 में फ्लड की सबसे ज्यादा मार हमारे ऊपर पड़ी थी। पिछली सरकार ने, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने 24–25 ड्रेनें खुदवाने के काम के ठेके दिए। इन ड्रेनों पर पैसा तो सरकार का लगा था लेकिन बाद में ये ड्रेनें अंट गई। इसका कारण यह हुआ कि इन्होंने इनके टेंडर अपने आदमियों को दे दिये और वे ड्रेने पूरी नहीं खोदी गयी। उनकी खुदाई का जो सिस्टम था वह गलत था। एक लाखन माजरा ड्रेन है जो आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने पंचायती तौर पर फैसला करके अपनी सरकार आने के बाद खुदवाई है यह ड्रेन कम्पलीट हो चुकी है लेकिन इसमें एक दिक्कत आ रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारे रोहतक जिले में कई जगह मिट्टी में रेत है उसे रैली बोलते हैं। वहां पर जैसे ही उसकी खुदाई होती है तो उसके साइड के बाजू गिर जाते हैं और वह ड्रेन वहां से अंट जाती है जिससे वहां से पानी का निकास नहीं होता है जिसके कारण वहां पर फसल नष्ट हो जाती है और किसानों का बहुत नुक्सान होता है। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्य मन्त्री जी से मेरी विनती है कि कोई योजना बनाएं और इस बात को देखें कि जहां रैली है वहां पर ड्रेनों के नीचे इंटों से पक्की करवा दी जाएं ताकि पानी

की निकासी ठीक प्रकार से हो सके। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आप किसी भी चीज में देख लें। जैसे खेल कूद है। आदरणीय भाई साहब अभय सिंह चौटाला जी ने और मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने खेलो को बहुत बढावा दिया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर एक सम्मानित साथी हैं और वे मेरे से उस में बड़े हैं, रिटायर्ड आई०जी० श्री शेर सिंह जी नौकरियों के बारे में कह रहे थे। मैं इनसे कहना चाहूंगा कि ये अपनी सरकार के समय की भी बताएं। पहले भी पुलिस की भर्ती हुई ओर आज भी हुई है। आपके मुख्यमंत्री जी के समय में भी पुलिस की भर्ती हुई है। आज पुलिस मे वे लड़के लिए जा रहे हें जो फिजिकली फिट हैं। हमारे महम से मैं ऐसे 10 लड़कों के नाम और एड्रैसिज दे सकता हूं जो पुलिस में भर्ती हुए हैं और जिनके परिवार वाले कांग्रेस को स्पोर्ट करते हैं लेकिन उनकी भर्ती पुलिस हुई है क्योंकि वे मैरिट पर थे। इस राज में मैरिट पर भर्ती हुई है। अगर आपको शक है तो मेरे से उनकी एड्रैसिज ले लेना और आप उनके घर पर जाकर पता कर लेना। इसी प्रकार से कोई भी काम है सम्मानित साथी बैठे हुए हैं चाहे कोई इनका काम हो, सभी जगह काम हुए हैं। वह काम चाहे बिजली, रोड, पीने का पानी, ड्रेन, शिक्षा, गांवों में गलियों और स्कूलों में कमरे बनवाने का हो, हुआ है। इनसे यह पूछें कि इनकी सरकार के टाईम में कितने विकास के काम हुए हैं? अध्यक्ष महोदय, मांगे राम गुप्ता जी कहने लगे कि कर्जाई हो गए। भले आदमी काम करने वाला कर्जा नहीं देखता वह तो काम करता है। इनके समय में तो कर्जा भी हुआ और काम भी कोई

नहीं हुआ। क्या कोई विकास का काम किया हे आपने? हमारे सरकार के काम से उठ बिरादरी खुश है इसका उदाहरण 2 तारीख की जो रैली रोहतक में हुई है, उससे पता चलता है। यह एक एतिहासिक रैली थी। उस पर भीड़ ने मोहर लगाई है। हरियाणा प्रदेश की सरकार से लोग खुश हैं। ज्यादा नहीं कहते हुए मैं एक बार फिर वित्तमंत्री जी का और मुख्यमंत्री जी का इस कर–मुका बजट पेश करने के लिए धन्यवाद करता हूं। मुख्यमंत्री जी किसानों के लिए बहुत काम कर रहे हैं। 53–54 सालों के काम एक ओर एवं हमारी सरकार के तीन सालों के काम दूसरी ओर हैं। यह एक इतिहास है। इसके साथ ही मैं बजट 2003–2004 का डट के मजबूती से समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री पदम सिंह दहिया (रोहट): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं वित्त मंत्री जी का भी धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने उठ बिरादरी का ध्यान रखते हुए ऐसा अच्छा बजट पेश किया है। मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने जब हरियाणा प्रदेश की बागडोर सम्भाली थी तो हरियाणा प्रदेश में त्राहि–त्राहि मची हुई थी और अराजकता का माहौल बना हुआ था। सरकार आपके हाथ' कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री जी ने जितनी भी घोषणाएं की हैं, वे एक–एक करके पूरी करी गई हैं। विपक्ष के सदस्यों ने बजट पढ़ने के बाद यह कहा कि ये सब झूठी घोषणाएं हैं। विपक्ष के सदस्यों को पता होना चाहिए कि मुख्यमंत्री जी ने

जितनी भी घोषणाएं की हैं वह सभी की सभी पूरी की हैं। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। मैं हल्के रोहट का प्रतिनिधित्व करता हूं। हमारे हल्के रोहट में इतने विकास के कार्य हुए हैं कि इतने पहले कभी कांग्रेस के राज में या चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के वक्त में नहीं हुए। आज वहां की सड़कें प्रेस की हुई हैं, पी०डब्ल्यू०डी० का रैस्ट हाउस बनाया गया है, बिजली बोर्ड का रैस्ट हाउस तैयार किया गया है जबकि पिछली सरकारों में एक भी विकास के कार्य नहीं हुए थे। कृषि क्षेत्र में भी श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने विशेष ध्यान दिया है। किसानों की फसल के एक–एक दाने को मडियो मे जाकर खरीदवाया है और उनको उचित मूल्य दिलवाया है। इसी के साथ–साथ सिंचाई में भी हमारे हल्के में बहुत काम हुए हैं। हमारे हल्के से आठ नम्बर ड्रेन निकलती हे। माननीय मुख्यमंत्री जी ने उसमें पानी छुड़वाकर किसानो की सिंचाई करवायी जिससे अच्छी पैदावार हुई। इस तरह से हमारे हल्के में बहुत विकास के कार्य हुए। कोई भी गांव ऐसा नहीं रहा जहां पर प्रैस की सड़कें न बनायी गई हों। अब केवल दो ही सड़कें ऐसी बाकी रह गयी हैं जिन पर काम होना है ये हैं खरखौदा से सोनीपत और सोनीपत से फरमाणा। बाकी सभी सड़कें बहुत अच्छी बनी हुई हैं। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इसी तरह से बिजली के क्षेत्र मे भी काफी काम करवाए गए हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने हमारे हल्के में दो पावर हाउसिज दिए हैं एक पर काम चालू है और दूसरे पर काम कुछ ही दिनों में चालू हो जाएगा। यह पावर

हाउस एक तो खरखौदा गांव में और दूसरा फिरोजपुर गांव में बनना है। इसके लिए भी मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हें। इसी तरह से खेलों में भी हमारी सरकार ने बहुत काम किए हें खिलाड़ियों को मान सम्मान दिया है और नीतियां बनायी हैं ताकि खिलाड़ी ज्यादा मेडल जीतकर लाएं। ओलम्पिक में पहले स्थान, दूसरे स्थान और तीसरे स्थान पर आने वाले खिलाड़ियो को क्रमशः एक करोड़, पचास लाख और पच्चीस लाख रुपये का ईनाम दिया गया है। इसके साथ–साथ मुख्यमंत्री जी ने बिजली के क्षेत्र में काफी काम करके किसानों को 24 घंटे बिजली दी हे। इसी तरह से हमारे हल्के के गांवों में पीने के पानी की सुविधा दी गयी है। (इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।) उपाध्यक्ष महोदय, पिछली कांग्रेस की सरकारों के समय में या चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के वक्त में हमारे यहां पर कोई भी विकास कार्य नहीं हुए थे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को और वित्त मंत्री जी को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इतना अच्छा बजट पेश किया। मैं इसका समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

डा० सीता राम (डबबाली–अनुसूचित जाति): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे जो बजट पर चर्चा करने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। आदरणीय चौधरी सम्पत सिंह जी ने कर मुक्त बजट पेश किया। इसके अंदर उन्होंने कोई कर नहीं लगाया जिससे आम नागरिक को, आम लोगों को बहुत ज्यादा राहत मिली है। एक संतुलित बजट उन्होंने पेश किया

है जिसके लिए आदरणीय वित्त मंत्री जी बधाई के पात्र हैं। इस बजट पर एक नजर डालने से पता चलता है कि राज्य आर्थिक गतिविधियों में सभी क्षेत्रों में तरक्की की ओर बढ़ रहा है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

डा० सीता रामः उपाध्यक्ष जी, सकल घरेलू उत्पाद में एक परसैंट की वृद्धि उन्होंने दर्शायी है इसका मतलब है कि राज्य प्रगति के पथ पर चल रहा है। अगर आप इसकी क्षेत्रवार समीक्षा करें तो पता चलता है कि कृषि क्षेत्र में 0.8 परसैंट की वृद्धि दर्ज की गयी है, जिससे पता चलता है कि आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में इस सरकार ने कृषि क्षेत्र की तरफ विशेष ध्यान दिया है। चाहे कैसा भी समय रहा हो चाहे सूखे की स्थिति थी, चाहे पानी की कमी थी लेकिन उन्होंने अपना भरपूर प्रयास करके किसानों को पानी और समय पर बिजली उपलब्ध करवाने का काम किया

इससे कृषि क्षेत्र में फसल के उत्पादन में वृद्धि हुई जो इस बात को दर्शाती है कि यह सरकार किसान हितैषी सरकार है। बजट में द्वितीय ओर तृतीय क्षेत्र में भी वृद्धि दर्शाई गई है जिससे पता चलता है कि हरियाणा प्रदेश प्रगति की ओर अग्रसर है। माननीय मुख्यमंत्री जी निरंतर प्रयासरत रहते हैं कि हरियाणा प्रदेश को प्रगति के पथ पर कैसे आगे बढ़ाया जाए? जैसाकि अभी दसवीं पंचवर्षीय योजना के अन्दर भी सुधारीकरण के लिए विशेष ध्यान दिया गया है और 1200 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है। वर्ष 2003–04 के लिए 2100 करोड़ के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री पूर्ण सिंह डाबडा चेयर पर पदासीन हुए।) बजट के अंदर सामाजिक न्याय और कल्याण की तरफ भी ध्यान दिया गया है। सड़कों के निर्माण और परिवहन की व्यवस्था के लिए 911 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस बजट में सड़क और परिवहन को प्राथमिकता दी गई है क्योंकि आज किसी भी प्रदेश और देश के लिए वहां की सडक और परिवहन का मजबूत होना औद्योगिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होता है हरियाणा प्रदेश में उद्योग लगाने का एक कारण यह भी है। आज पूरे देश के अंदर हरियाणा की परिवहन व्यवस्था बहुत ही अच्छी है। सड़क व्यवस्था और परिवहन के सुधार के लिए हाईवे पैट्रोलिंग शुरु की गई है जो कि पूरे देश में अनुकरणीय है उससे दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है। इसके द्वारा लोगों को समय पर राहत देने का काम किया जाता है। आज जो ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में 3500 बसों का बेड़ा है

उसमें 1600 नयी बसें और देने का सरकार ने काम किया है इसके लिए मैं परिवहन मंत्री और मुख्यमंत्री जी का विशेष रूप से आभारी हूं। पहले बसों की हालत खस्ता होती थी, खटारा बसें थी लेकिन आज बसों की हालत यह हे कि हमारी जो बसें दूसरे प्रदेशों में जाती हैं वहां के लोग जब सफर के लिए कहीं जाते हैं तो वे प्रैफरैस अपनी स्टेट की बसों को देने की बजाय हमारे हरियाणा की बसों को देते हैं। भारत वर्ष में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हरियाणा प्रदेश का नाम बड़े अच्छे और सम्मानित ढंग से लिया जाता है। यह सारा श्रेय मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को जाता है जिन्होने अपने यहां उद्योग लगाने के लिए समय–समय पर विदेश यात्राएं कीं ओर विदेशी उद्योगपतियों को हरियाणा प्रदेश में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। इससे प्रभावित होकर और यहां के उद्योगों को दी जाने वाली रियायतें देखकर कम से कम 144 करोड़ रुपये के बड़े और मध्यम उद्योग यहां लगे। चार हजार के करीब औद्योगिक ईकाइयां यहां स्थापित की गई हैं। इसी तरीके से औद्योगिक क्षेत्र में दी जा रही विशेष रियायतों को देखते हुए मानेसर में बहुत अच्छे ओद्योगिक केन्द्र लगे हैं। सरकार ने उद्योग लगाने के लिए बहुत सारी रियायतें दी हैं। जहां तक कृषि क्षेत्र की बात है, कृषि ओर सिंचाई के लिए मुख्यमंत्री जी हमेशा प्रयासरत रहते हैं। पहले की सरकारों के समय मे सिंचाई के लिए खालें बनाने का काम आम किसान के जिम्मे कर दिया जाता था।

श्री सभापतिः डा० साहब, आप वाइंड अप करें।

डा० सीता रामः मुख्यमंत्री जी ने यह काम किसानों के जिम्मे न करके हरियाणा सरकार के जिम्मे लगाया है इससे नये–नये लिंक चौनल बन गए हैं। किसानों को पानी की ज्यादा उपलब्धता हुई है। हरेक किसान को इससे फायदा हुआ हे जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई है।

सभापति महोदय, सरकार ने हरेक क्षेत्र में, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र मे विशेष ध्यान दिया है। हमारा जिला सिरसा शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है। पहले भी बजट पास हुए हैं लेकिन उनमें सिरसा जिले के लिए विकास के नाम का कोई कार्य नहीं हुआ। वहां कै लोग विकास के नाम को भूल गये थे हमें नहीं पता होता था कि विकास क्या होता है? इस सरकार के आने से पहले सिरसा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का रीजनल सैंटर था लेकिन उसको विश्वविद्यालय का नाम देने का काम इस सरकार ने किया है। शिक्षा के क्षेत्र में जो पिछड़ा हुआ जिला था उसे प्रदेश के अन्य जिलों के समान लाने का जो प्रयास किया है उसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं। वर्तमान सरकार से मुझे कुछ मांगने की जरूरत नहीं पडती क्योकि जो मैं सोचता हूं उससे पहले ही वह कार्य हो जाता है। इसलिए मुझे हल्के की कोई मांग मांगने की जरूरत नहीं पड़ती। फिर भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बताना चाहता हूं कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने श्री मुरली मनोहर जोशी के साथ मेरे हल्के मे जो जवाहर

नवोदय विद्यालय का शिलान्यास किया था, उसका काम थोड़ा धीमा चल रहा है उस काम को तेज कराने की कृपा क्ले। इसके अलावा मैंने पहले भी अपने हल्के में कृषि उद्योग लगाने की मांग की थी। वहां पर आसाखेडा मे एक फूड पार्क बनाये जाने का प्रस्ताव है और उसके लिए भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। इसके लिए भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने डबवाली क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोडी है। वहां पर कालांवाली मे राईस शैलर, कैटल फीड प्लांट लगाने का काम किया है। मैं एक बार फिर इस बजट का समर्थन करता हूं। सभी विपक्ष के साथी तो सिर्फ इसका विरोध करने के लिए विरोध करते हैं क्योकि वे विपक्ष में हैं इसलिए विपक्ष में होने की वजह से विरोध करते हैं। वरना वे भी समझते हैं कि सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है वरना वे दिल से तो इस बजट का समर्थन करना चाहते है मैं सभी सदस्यो से प्रार्थना करता हूं कि ध्वनिमत से एक मत होकर इस बजट को पारित किया जाये। धन्यवाद)

डा० मलिक चन्द गम्भीर (यमुनानगर): सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का टाईम दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। प्रो० सम्पत सिंह जी ने जो बजट हमारे सामने रखा है उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी थोड़ी है। उस पर काफी चर्चा हो सकती है। लेकिन केवल दो बातें ही अब तक इसमे ज्यादा चर्चा में आई हैं। बिजली के सब–स्टेशन नये लगाये गये हैं। बाकी जो सब–स्टेशन थे उनको अपग्रेड किया गया है।

मेरे हल्के यमुनानगर में भी सब–स्टेशन लगाये गये हैं। इसके साथ ही में कहना चाहूंगा कि हमारे यमुनानगर में थर्मल पावर प्लांट जो पिछले कई सालो से ठंडे बस्ते मे पड़ा हुआ था उसकी तरफ इस सरकार ने ध्यान दिया है। चौधरी भजन लाल जी के समय में यह बनना तय हुआ था लेकिन उसको बाद में अधूरा छोड़ दिया गया और उस जमीन में गायें और गधे घोड़े चरते थे। अब माननीय मुख्यमंत्री जी का मैं आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने इसकी तरफ स्पैशल ध्यान दिया और वहां पर 500 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट अपग्रेड करने का निर्णय लिया। उसका काम शुरू हो चुका है ओर यह अगले वर्ष तक कम्पलीट हो जायेगा और उसके बाद अगले पांच साल में 500 मैगावाट का एक और, और उसके पूरा होने के बाद 500 मैगावाट का एक और प्लांट लगाने की योजना बनाई है उसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं। सभापति महोदय, जहां 'तक खेती का सम्बन्ध है, उसमें भी हर तरह से, अच्छे तरीके से जो सुविधाएं किसानों को दी जाती हैं, उसके लिए भी हमारे मुख्यमंत्री महोदय पूरी तरह से ध्यान देते हैं। बहुत चर्चा हुई कि गांवों में काफी काम हुए हैं और हो भी रहे हैं। इसमें संदेह नहीं है। परन्तु इसके साथ हमारी जो 25 से 30 प्रतिशत से ज्यादा आबादी शहरों में रहती है उसकी तरफ भी सरकार ने ध्यान दिया है। मुझे इस बात का गौरव है कि इस बाई इलैक्शन मे यमुनानगर शहर के लोगो नै मुझे इतने भारी बहुमत से जिताया हे कि आज तक किसी कैंडीडेट को नहीं जिताया होगा। वहां के शहरी लोगों ने मुझे बहुत मान

सम्मान दिया है। इसलिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने उन की बात को मानते हुए जो कई सालों से मांग कर रहे थे कि उनके लिए स्लैब सिस्टम चालू किया जाए, शुरू किया है। वैसे तो और शहरों में भी प्लाई और बोर्ड का काम होता है लेकिन यमुनानगर मे यह सबसे ज्यादा होता है, उनकी मांग को मानते हुए स्लैब सिस्टम शुरू किया गया, इंस्पैक्ट्री राज को खत्म किया गया। सैल्फ असैसमैट के लिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने उनकी व्यवस्था को देखते हुए, उनकी बात को मानते हुए क्लैब सिस्टम शुरू करवाया। इसी प्रकार भडो में सेल्ज टैक्स की बात थी, उन लोगों की बात को मानते हुए वहां स्लैब सिस्टम चलाया गया उसके लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय को मुबारिकवाद देता हूं। वित्त मंत्री जी ने बहुत ही सुन्दर बजट प्रस्तुत किया है। शिक्षा के लिए भी बजट में बहुत कुछ किया गया है। पहली कक्षा से अंग्रेजी शिक्षा और छठी कक्षा से कम्प्यूटर शिक्षा लगाने का काम किया गया है। हेल्थ के अंदर भी प्राइमरी सैंटर्ज को बढावा देने का काम किया गया है। सभापति जी, खेल रत्न श्री अभय सिंह चौटाला जी यहां पर बैठे हैं, खेलो में उन्होंने काफी विकास के काम करवाए हैं। यमुनानगर में जो स्टेडियम बना हुआ था उसमें कई सालों से काफी कमियां थी। आज राजेश शर्मा जी हैं नहीं। उस वक्त मे जब यह स्टेडियम बना था तब वह स्टेडियम कोरा मैदान था। उसमे किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं थी। अभी डेढ़ करोड़ रुपये अनाउस करके उसको ठीक ढंग से बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए मैं अभय सिंह चौटाला जी का धन्यवाद करना चाहता हू। नगर

विकास मंत्री सुभाष गोयल जी यहां बैठे हैं इन्होंने यमुनानगर को निगम में लेने का काम किया है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में उन्होंने यह निश्चय लिया कि 5 और शहरों को निगम में लिया जा रहा है। हमारे यमुनानगर का नाम भी उसमें है, मैं इसके लिए उनका आभार प्रकट करता हूं, इससे हमारे शहर की तरक्की होगी। रोडवेज का यहां पर काफी जिक्र किया गया। हमारे परिवहन मंत्री अशोक अरोड़ा जी यहां पर बैठे हैं, वे ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार के नेतृत्व में आगे बढते रहे हैं। मैं इस बजट का समर्थन करता हूं और सबसे यह प्रार्थना करता हूं कि वे भी इसका साथ दें। अपोजीशन के साथी बैठें हैं एक बात मैं जरूर कहना चाहता हूं–

''लोग सूरज को प्रणाम करते हैं पर अंधेरे से काम लेते हें

आज हु ब हु हंस की नकल करके कौए ईनाम लेते हें।''

बैठक का समय बढाना

श्री सभापतिः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री सभापतिः ठीक है, हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

17.00 बजे

चौ० जगजीत सिंह (दादरी): सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। बजट पर हमारे सभी साथी बोल चुके हैं। विपक्ष के साथियो ने इसे खोखला बजट बताया, आकड़ों का खेल बताया। सत्ता पक्ष के साथियो ने बढ़िया और संतुलित बजट बताया। बीच में धन्यवाद तुप वालों ने बजट के बारे मे बड़ा धन्यवाद किया। तीनों ही बातें ठीक हैं। धन्यवाद ग्रूप वालों की सत्ता पक्ष वालों की और विपक्ष तीनों की बाते सही हैं। कहीं–कहीं बेदर्दी से आकड़ों को छुपाया गया है, गोल माल करके जो इसमें कमियां हैं उसको छुपाने की कोशिश की गई है न कि दूर करने की कोशिश की गई। जिस प्रकार जोन प्लान में कर्जा और बढ़ता जा रहा है उसका बहुत नुक्सान प्रदेश को होगा। पिछली बार भी प्लान के अंदर 2262 करोड़ रुपये का इंतजाम किया गया था लेकिन एक्चुअल में 2201 करोड़ रुपये हुए और नोन प्लान मे 8881 करोड़ रुपये हुए। इतना ज्यादा अंतर प्लान और नॉन प्लान में हुआ। इसका मतलब यह है कि जैसा कि माननीय साथी बलबीर

सिंह बाली बता रहे थे कि व्यापारी आस पड़ोस से पैसा इकट्ठा करके, पीला बांट कर देते हैं। सरकार भी वह पीला बांट करने वाली बात कर रही है। (इस समय माननीय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, सरकार को इस तरह की प्रवृति को बढावा नहीं देना चाहिए। पिछली बार बजट में रैवेन्यू के बारे मे 1056 करोड़ रुपये दिखाये गये थे लेकिन एक्चुअल में बाद मे वे 30 करोड रुपये को पार कर गये और इरा साल 981 करोड़ रुपये रैवेन्यू के बताये गये हैं जो किसी भी सूरत में कम रहने वाले नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जो टोटल राजस्व की प्राप्ति होगी उसका 61 प्रतिशत पैसा तो ब्याज और ऋण में जायेगा केवल 39 प्रतिशत पैसा डिवैल्पमैंट के कामों पर और दूसरे कामों पर खर्च होगा। इसके अतिरिक्त बजट में यह दिखाया गया है कि आने वाले समय में 20 हजार कर्मचारियों की भर्ती की जायेगी। भर्ती करना अच्छी बात है, प्रदेश के नौजवानों को रोजगार मिलेगा लेकिन इसके लिए पैसे का इंतजाम बजट में कहीं नजर नहीं आ रहा। इसके अतिरिक्त बजट में दर्शाया गया है कि पिछले तीन सालों में 24 हजार कनैक्शन टयूबवैलो के दिए गये हैं। आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि वर्ष 2001 के अंदर टोटल 261454 ट्यूबवैलो के कनैक्शन थे और अब 268920 ट्यूबवैलों के कनैक्शन पूरे हरियाणा प्रदेश में हैं यानि कि कुल अंतर 7466 कनैक्शंज का है। फिर ये किस आधार पर कह रहे हैं कि इन्होने 24 हजार कनैक्शन दिए हैं? यह बजट सिर्फ आकड़ों का खेल मात्र ही है।

श्री उपाध्यक्षः जगजीत सिंह जी, आप यह बतायें कि 24 हजार कनैक्शन दिए गये हैं या नही?

चौ० जगजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, 24 हजार कनैक्शन दिए हैं तो 17 हजार कनैक्शन काट भी लिये।

श्री उपाध्यक्षः जगजीत सिंह जी, कनैक्शन कटे हैं, तो हमारे जैसे एरियाज के कटे हैं। जहां पर जमीन एक्वायर हो गई या कोई और बात हो गई। हमारे वहां अब भी लोग कनैक्शन कटवा रहे हैं।

चौ० जगजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक खेलो की बात है, यह कहा गया है कि अच्छे खिलाड़ियो को सरकार बडी फ्राखदिली से पैसे दे रही है, दूसरी सुविधाएं दे रही है। इस बारे मे मैं ज्यादा न बोलते हुए अपने हल्के की एक बात बताना चाहूंगा कि मेरे हल्के के पैंतावास खुर्द के भी रामानंद यादव की लड़की ने नैशनल लैवल पर करीब 80 पदक ऐथलीट मे जीते हैं लेकिन उसको आज तक सरकार की तरफ से एक पैसा भी नहीं मिला है। खेलों में पिक एंड च्च नहीं होना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः जगजीत सिंह जी, खेलों से मैं शुरू से टच रहा हूं और अब भी रहता हूं। जिस स्तर का उस बच्ची का परफारमैंस है अगर उसको उसके हिसाब से किसी भी सुविधा से महरूम रखा गया है तो आप मेरे को लिखकर दे दें, मैं आपसे

वायदा करता हूं कि उसका जो भी अधिकार बनेगा वह उसको दिया जायेगा।

चौ० जगजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद, मैं आपको इस बारे मे लिखकर दे दूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, डेढ़–दो साल पहले माननीय मुख्यमंत्री जी दादरी में खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा करेंके आये थे लेकिन उसके बाद वहां की किसी ने कोई खबर नहीं ली, किसी ने भी जाकर नहीं देखा और दावा ये लोग बड़े–बडे करते हैं। यदि इस बार के बजट में दादरी में स्टेडियम के लिए पैसे रख दिए जायें तो बहुत अच्छा होगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैंने कल एक कालिंग अटैंशन मोशन बच्चों के एडमिशन के बारे में दिया था उसको यह कहते हुए रह कर दिया गया था कि बजट पर बोलते हुए इस बारे में मैं चर्चा कर लूं।

श्री उपाध्यक्षः जगजीत सिंह जी, आप एक मिनट में वाईड अप करें। दो और सदस्यो को भी एडजस्ट करना है।

चौ० जगजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं बच्चों के एडमिशन का जिक्र कर रहा था। अब नया सत्र पढ़ाई का शुरू होने वाला है। प्राईवेट स्कूल मे अभिभावकों के साथ मोटी धांधली स्कूल वाले करते हैं, अपनी मनमानी करते हैं। इस ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए और प्राईवेट स्कूलो की मनमानी पर लगाम लगानी चाहिए ताकि आम आदमी के बच्चे जो प्राईवेट स्कूलों में

पढते हैं, उनको राहत मिल सके। प्राईवेट स्कूल वाले सरकार से बहुत कुछ लेते हैं। वे सरकार से कन्सैशनल रेट पर जमीन लेते हैं और दूसरी सुविधाएं भी लेते हें इसलिए उनके ऊपर सरकार का कंट्रोल होना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, दादरी शहर जो रेलवे लाईन के दोनों तरफ है, आधा एक तरफ है और आधा दूसरी तरफ है वहां पर यदि रेलवे ओवर ब्रिज बनाने का प्रोविजन बजट में किया जाता तो बहुत अच्छा होता।

श्री उपाध्यक्षः जगजीत सिंह जी, रेलवे लाईन पर पुल रेलवे विभाग द्वारा बनवाया जाता है।

चौ० जगजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आजकल स्टेट गवर्नमैंट ही बनवाती है, रेलवे की तरफ से भी पैसे दिए जाते हैं।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): उपाध्यक्ष महोदय, मैं जगजीत सिंह जी को बताना चाहूंगा कि ये इस बारे में प्रपोजल भिजवा दें, वह पुल बनवा दिया जायेगा।

चो० जगजीत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं दादरी शहर की सीवरेज के बारे में और उस शहर की दो तीन और समस्याओं के बारे में कहना चाहूंगा। मैंने इस बारे में एक क्वैश्चन भी दिया है, उस पर भी आप विचार करें। वहां पर सीवरेज की बहुत बुरी हालत है जिससे आम आदमी को वहां से गुजरने में दिक्कत आ रही है इसलिए उसका कोई इन्तजाम किया जाये। इसी प्रकार से वहां पर एक बाई पास की भी आवश्यकता है।

श्री उपाध्यक्षः जगजीत सिंह जी, आपका समय हो चुका हे, अब आप बैठिये।

श्री ओम प्रकाश चौटालाः दादरी में मैं 16 तारीख को आ रहा हूं। मेरा वहां पर 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम है, उस दिन आप आकर इस बारे में बता देना।

श्री जरनैल सिंह (रतिया-अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री प्रोफेसर सम्पत जी ने जो बजट विधान सभा में पेश किया है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय, बिजली किसी भी राज्य के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भुमिका निभाती है। हमारी सरकार ने बिजली की व्यवस्था को सुधारने के लिए बहुत अधिक प्रयास किए हैं। इसके लिए प्रदेश मे 36 नए बिजली घरों का निर्माण किया गया है, 62 सब-स्टेशनों की क्षमता 'में वृद्धि की गई है और इसके अलावा सभी पुरानी तारों को बदला .गया है। इसके अलावा हमारी सरकार ने 24 हजार नए नलकुपो को बिजली के कनैक्शन प्रदान किए हैं। वित्त मंत्री जी ने 2003-04 के बजट में बिजली की जरूरतो को पूरा करने के लिए 1216.99 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है जो एक बहुत ही सराहनीय कदम है। पहले हमारे प्रदेश मे जो सड्कों की बहुत बुरी हालत थी, उसमे सुधार करते हुए पहले से बहुत बढ़िया सड़कें बनायी हैं। दूसरे प्रदेश के लोग जब भी हमारे प्रदेश के अन्दर आते हैं तो वे इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी की प्रशंसा करते हैं। इसके

अलावा प्रो० सम्पत सिंह जी ने बजट में भवनों एवं सड़को के लिए योजना तथा योजनेतर कुल 549.97 करोड़ रुपये के परिव्यय का प्रावधान किया है। समाज कल्याण विभाग के तहत जन नायक चौधरी देवी लाल जी के सपनों को साकार करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का आर्थिक व सामाजिक स्तर ऊंचा उठाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हें। 12,47,792 वृद्ध, विधवाओं और विकलांगो को 200 रुपये महीना पैंशन दी जा रही है। वर्ष 2003–04 के बजट के अन्दर 339.23 करोड़ रुपये की राशि पैंशन देने के लिए रखी गई है। इसी प्रकार से ग्रामीण विकास व पंचायत विभाग के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी ने 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम चला कर गांवों में विकास के कार्यो की झड़ी लगा दी है। आज 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम द्वारा कई गांवो में स्कूलो के कमरे बनाये जा रहे हैं। गांव की फिरनी, गलियां, नालियां व रिटेनिंग वाल को बनाया जा रहा है। पहले जहां गांव के अन्दर गन्दा पानी खड़ा रहता था वहां पर गांव की मेन फिरनी जो होती थी वहां, पर सी०सी० की सड़कें बनाने का काम ओम प्रकाश चौटाला साहब कर रहे हैं। 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत एक–एक गांव में पशु हस्पताल बनाये जा रहे हैं।

श्री उपाध्यक्षः जरनैल सिंह जी, आप वाईड अप करें।

श्री जरनैल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय न लेते हुए यह कहना चाहूंगा कि आज हरियाणा प्रदेश के अन्दर ऐसा कोई गांव नहीं है जहां पर विकास के कार्य न चल रहे हों। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए व बजट का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री रणबीर सिंह (बाढडा): आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, 10 मार्च को माननीय वित्त मंत्री जी ने वर्ष 2003 –04 का बजट सदन के पटल पर रखा है। इस बजट पर चल रही सामान्य चर्चा में समय देकर के आपने जो मुझ पर उपकार किया है, उसके लिए मैं आपका आभारी हूं और ऋणी हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से वित्त मंत्री जी ने बजट प्रस्तुत किया है उससे यह जाहिर होता हे कि यह बजट सारगर्भित, व्यावहारिक, संतुलित, पारदर्शी एवं कर रहित है। इसलिए इस बजट की जितनी प्रशंसा की जाए, जितनी सराहना की जाए, जितनी तारीफ की जाए वह कम है। उपाध्यक्ष महोदय, बजट अनुमानों में वर्ष 2003–04 के लिए जो घाटा होगा वह 780.53 करोड़ रुपये से आरम्भ होगा और 670.96 करोड़ रुपये पर समाज होगा। इस प्रकार 109.57 का घाटा कम करने की कोशिश बजट में माननीय वित्त मन्त्री महोदय ने की है जिसके लिए माननीय वित्त मन्त्री महोदय सराहना के पात्र हैं। वार्षिक योजना में 2003–04 के लिए 2100 करोड़ का परिव्यय किया गया है जोकि वर्ष 20002–2003 के 1800 करोड़ के संशोधित परिव्यय से 16.07 प्रतिशत ज्यादा हो जाएगा। इस बजट

से ऐसा लगता है कि माननीय वित्त मन्त्री जी ने प्रदेश की तरक्की और खुशहाली के लिए बजट में 16 प्रतिशत पैसे का एक्का प्रावधान किया है। ऐसा प्रावधान करके सरकार ने प्रदेश की तरक्की और खुशहाली के लिए एक बढ़िया प्रयास किया है। सिंचाई, बिजली, सड़क और परिवहन की आधारभूत संरचना के विकास के लिए 911 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है जो कुल प्रस्तावित परिव्यय का 43.4 परसैंट है। इससे साफ झलकता है कि प्रदेश की तरक्की और खुशहाली के लिए माननीय वित्त मन्त्री जी ने परम आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के कुशल नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश के लिए बजट में पैसो की बड़ी अच्छी व्यवस्था की है। सड़कों के लिए तथा परिवहन के लिए इसमें 355 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है जो 16. 9 परसैंट है। इस प्रकार से बिजली के लिए भी 290 करोड़ रुपये के परिव्यय की व्यवस्था की गई है जोकि 13.8 परसैंट है। सिंचाई के लिए 266 करोड़ रुपये के परिव्यय की व्यवस्था की गई है जो कि 12.7 परसैंट है। इसी प्रकार से सामाजिक सेवा के क्षेत्र के लिए भी बजट में 890.33 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

श्री उपाध्यक्षः मन्दोला जी, आप रिपीट न करें अगर कोई नई बात हो तो बताएं, नहीं तो आप बैठें।

श्री रणबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, सभी साथियों को 20 या 25 मिनट का समय तकरीबन दिया गया है लेकिन मुझे तो बोलते हुए दो ही मिनट हुए हैं इसलिए आप मुझे बीच मे डिस्टर्ब

न करें तो अच्छा रहेगा। (विघन) उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए कहा है तो आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने प्रदेश के विकास के लिए जो कार्य किए हैं मैं उनका जिक्र तो करूंगा ही। (विघन)

बैठक का समय बढाना

श्री उपाध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2003–2004 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा
(पुनरारम्भ)

श्री रणबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, अर्थ व्यवस्था को सुधारने के लिए माननीय वित्त मन्त्री जी ने अपने बजट मे बड़ी अच्छी व्यवस्था की है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद में स्थिर मूल्यो में 1993–94 के मुकाबले में 5.1 परसैंट की वृद्धि हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, यह वृद्धि वर्ष 2000–01 में 33125 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2001 –02 मे 34,800 करोड़ रायए हो गयी है। वर्तमान मूल्यों के अनुसार सकल राज्य घरेलु उत्पाद मे 9.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह वर्ष 2000– 01 मे 54660 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष

2001–02 मे 59754 करोड़ रुपए हो गयी है। स्थिर मूल्यों के अनुसार प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2001–02 मे बढ़कर 14075 रुपए हो गई, जबकि वर्ष 2000–01 में यह 13759 रुपए थी। वर्तमान मूल्यों के अनुसार प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2000–01 में 23057 रुपए से बढ़कर वर्ष 2001–02 में 25,575 रुपए हो गई है। हरियाणा का प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से गोवा, महाराष्ट्र और पंजाब के बाद चौथा स्थान है। इससे बजट यह दर्शाता है कि प्रदेश में तरक्की और खुशहाली के काम हुए हैं। आम आदमी की आमदनी बड़ी है। उपाध्यक्ष महोदय, बिजली के मामले मे जो क्रान्तिकारी परिवर्तन हुआ है, जो क्रान्तिकारी कदम उठाये हैं उनका भी उल्लेख मैं यहां पर करना चाहूंगा। 1998–99 मे बिजली का कुल उत्पादन 367 लाख यूनिटस से बढकर चालू वर्ष में 525 लाख यूनिट हो गया है जो कि एक कीर्तिमान है। पिछली सरकार के मुकाबले में यह बढ़ौतरी 43 प्रतिशत है। यही नही किसानों के ट्यूबवैल्ज के लिए यह वृद्धि 48 प्रतिशत है। उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से वर्ष 2002 –03 तक 312.51 करोड रुपए की लागत से 36 नए ग्रिड सब–स्टेशन्ज बनाए गए हैं, 162 सब–स्टेशनो की क्षमता में वृद्धि की गई है और 705 किलोमीटर लम्बी नई सम्प्रेषण लाईने बिछाई गई हैं 1 ये लाईनें बंसी लाल जी के समय की हैं और काफी समय से खराब पड़ी हुई थी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने ''सरकार आपके द्वार'' प्रोग्राम रखकर प्रदेश में विकास और खुशहाली की गंगा बहाई है। उसी के तहत यह 705 किलोमीटर लम्बी नई सम्प्रेषण लाईनें बिछाई गई हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह से

700 करोड़ रुपए के कार्य आज भी निर्माणाधीन हैं जो कि एक वर्ष की अवधि मे पूरे कर लिए जाएंगे। इसी के साथ पानीपत थर्मल पावर प्लांट की जो यूनिट सातवीं और आठवीं का काम चल रहा है, उसका काम भी जल्दी ही पूरा हो जोगा।

उपाध्यक्ष महोदय, परिवहन के मामले में सरकार ने बहुत तरक्की की हे। हमारे परिवहन मंत्री जी यहां पर विराजमान हैं। मैं इनकी दाद देना चाहूंगा कि इन्होंने बहुत ही सराहनीय काम किया है। इन्होंने 3 साल मे 3500 बसों के बेड़े मे 1000 और नई बसें शामिल करके हरियाणा की प्रगति में एक क्रान्तिकारी कदम उठाया है। इसके लिए परिवहन मंत्री और माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। लेकिन मैं इस मामले में परिवहन मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि पिछली सरकारों ने जो घाटा 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का छोड़ा था उसको इस सरकार ने 40 करोड़ रुपए तक तो ला दिया है लेकिन उस घाटे को कम करके और भी सुधार किये जा सकते हैं यदि बसों के रूटस में परिवर्तन किया जाए। जैसे कि बड़े हाई–वे और बड़े रूटस हैं उन पर ज्यादातर बसें खाली जाती हैं यदि उन बसों को ग्रामीण क्षेत्रों में, ग्रामीण अंचल के रूटस पर चला दिया जाए तो सरकार को ज्यादा रैवेन्यू आ सकता है और इस घाटे को और भी कम किया जा सकता है।

श्री उपाध्यक्षः रणबीर जी, आप वाइंड अप करें।

श्री रणबीर सिंहः ठीक है जी। उपाध्यक्ष महोदय, समय की मजबूरी का ध्यान रखते हुए मैं इस बजट का जो कि कर रहित बजट है, बड़ा सारगर्भित बजट है, व्यवहारिक बजट है, तहे दिल से समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अपनी तरफ से चेयर ने मैक्सिमम सभी सदस्यों को बुलवाने का प्रयास किया है। फिर भी कोई सम्मानित सदस्य अगर बोलना चाहता है तो वह अभी बता सकता है क्योंकि कल सुबह माननीय वित्त मंत्री जी बजट पर अपनी रिप्लाई देंगे।

दीवान पवन कुमार (नारायणगढ़): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए जो समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। मैं बजट का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। सर, जो हमारे वित्त मंत्री जी ने बजट पेश किया है वह बहुत ही अच्छा बजट दै। आज से तकरीबन तीन वर्ष पहले जब माननीय मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा की बागडोर संभाली थी उस समय हमारे प्रदेश की हालत बहुत ही खराब थी। हमारी आर्थिक स्थिति और कानून व्यवस्था बहुत ज्यादा बिगड़ी हुई थी। परन्तु हमारे मुख्यमंत्री जी की एक सोच थी कि हरियाणा प्रदेश को अपने देश का नम्बर एक प्रान्त बनाया जाए और उसके लिए उन्होंने दिन रात 18– 18, 20–20 घंटे काम करके अपने अनथक प्रयासो से, कड़ी मेहनत से आज हरियाणा प्रदेश को न केवल देश का नम्बर एक प्रान्त बनाया बल्कि विश्व मैं भी आज हरियाणा का नाम लिया जाता है। हमारे

वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है वह टैक्स फ्री और बैलेंस बजट है। इसके लिए मैं अपने वित्त मंत्री जी को बहुत– बहुत बधाई देता हूं। 2003–2004 के बजट में ऐनुअल प्लान 2100 करोड़ रुपये रखे गये हैं जो पिछले साल के मुकाबले में 16.7 परसैंट ज्यादा है पिछले साल ऐनुअल प्लान 1600 करोड़ रुपये का था। बजट में इस बार ज्यादा ध्यान सोशल और इकोनोमिक इंफ्रास्टक्चर को मजबूत बनाने की तरफ दिया गया है और इसके लिए तकरीबन 911 करोड रुपये का प्रस्ताव किया गया है जो टोटल बजट का 43.4 परसैंट है। इसी तरह से वित्त मंत्री जी ने पावर सैक्टर के लिए 1217 करोड़, सिंचाई के लिए 767.25, ट्रांसपोर्टेशन के लिए 532.71 करोड़, रोडज के लिए 569 करोड़ एजुकेशन एवं टैक्नीकल एजुकेशन के लिए 1881 करोड़, हैल्थ के लिए 409.47 करोड़, पब्लिक हैल्थ के लिए 567.47 करोड़, ऐग्रीकल्चर के लिए 576. 61 करोड़ और सोशल सिक्योरिटी के लिए 543 करोड़ रुपयों का प्रस्ताव बजट मे रखा है। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले साल 781 करोड रुपये का डेफिसिट था जो इस साल के खत्म होने तक 671 करोड़ पर जाकर खत्म होगा। इसमें भी 110 करोड़ रुपये के घाटे को पूरा करने का प्रस्ताव वित्त मंत्री जी ने रखा है। यह जो घाटा है इसको वे नये टैक्स लगाकर पूरा नहीं करेंगे क्योंकि उन्होंने यह बजट में दर्शाया है कि जो 110 करोड रुपये का घाटा है वह सैंट्रल टैक्सिज में जो हमारा शेयर है उसमें तकरीबन दस परसैंट की बढ़ोतरी करके और जो हमारे प्रदेश के टैक्सिज हैं उनमें 12.5 परसैंट की बढ़ोतरी करके यह

घाटा वे पूरा करेंगे। हमारे मुख्यमंत्री जी और माननीय वित्त मंत्री जी की सूझबूझ से, अच्छी आर्थिक नीतियों की वजह से आज हमारा प्रदेश विकास की तरफ निरंतर बढ रहा है, कोई भी शहर, कोई भी कस्बा या कोई भी गांव आज ऐसा नहीं है जहां विकास के काम न चल रहे हों। आज कोई भी क्षेत्र ऐसा छूटा हुआ नहीं है जहां पर काम न चल रहे हो। बिजली के उत्पादन में पिछले तीन सालों मे तकरीबन 792 मैगावाट के यूनिट्स की वृद्धि हुई। कई पावर हाउसिज नये बने, कई नयी ट्रांसमिशन लाईने बनी, नए जो फीडर्ज थे उनका बायफरकेशन हुआ, ट्राईफरकेशन हुआ। इसी तरह से आज जो सड़कें हरियाणा की हैं वह संसार के किसी भी विकसित देश जैसी ही हैं उससे कम नहीं हैं। हमारे विपक्ष के साथियो ने भी यह बात मानी है। कई जगहो पर सड़को कीं जो क्वालिटी हे इसके बारे में उनकी तरफ से संदेह प्रकट किया गया है परन्तु मैं उनको बताना चाहूंगा कि हमारे बजट में यह बताया गया है कि सड़कों पर ही नहीं बल्कि नेशनल हाईवे हैं उन पर भी काम चल रहा है। हमारे अम्बाला जिले में भी सड़कों पर काम चल रहा है। इन सडकों मे क्वालिटी मे कोई कमी नहीं है। 55 साल की ऐज मे कभी ऐसा काम मैंने पहले नहीं देखा। हमारे मुख्यमंत्री जी की और वित्त मंत्री जी की सूझबूझ से हमारा प्रदेश चारों तरफ से विकास की ओर बढ़ रहा है, इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूं और जो बजट पेश किया है उसका मैं समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

कार्य सलाहकार समिति की दूसरी रिपोर्ट

Mr. Deputy Speaker : Hon'ble Members, now I report the time table of various business fixed by the Business Advisory Committee a its second Report.

"The Committee met at 1.30 P.M. on Wednesday, the 12th March, 2003 in the Chamber of the Hon'ble Speaker."

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly whilst in Session, shall meet on Thursday, 13th March, 2003 at 9.30 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. and on Friday the 14th March, 2003, the Assembly shall meet at 9.30 A.M. and adjourn after the conclusion of the Business entered in the List of Business for the day.

The Committee, after some discussion, further recommends that the business on the 13th and 14th March, 2003 be transacted by the Sabha as under :—

Thursday, the 13th March, 2003	1.	Questions Hour.
(9.30A.M.)	2.	Papers to be laid.
	3.	Resumption of Discussion on Budget Estimates for the year 2003-2004 and reply by the Finance Minister thereon.
	4.	Discussion and Voting on

		Demands for Grants on Budget Estimates for the year 2003-2004.
	5.	The Haryana Appropriation Bill in respect of Supplementary Estimates for the year 2002-2003 (2nd Instalment).
	6.	Legislative Business.
Friday, the 14th March, 2003	1.	Questions Hour.
(9.30A.M.)	2.	Motion under Rule-15 regarding Nonstop sitting.
	3.	Motion under Rule-16 regarding adjournment of the Sabha sine-die.
	4 .	Presentation of Reports of the Assembly Committees.
	5 .	The Haryana Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 2003-2004.
	6 .	Legislative Business.

	7 .	Any other Business.

Mr. Deputy Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that this House agrees with the recommendations contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That this House agrees with the recommendations contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Deputy Speaker : Motion moved—

That this House agrees with the recommendations contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Deputy Speaker : Question is—

That this House agrees with the recommendations contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker : Now, the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow, on Thursday the 13th March, 2003.

***17.27 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Thursday, the 13th March, 2003).